ASTROBUDDY

Premium Janam Kundali

The futuristic vision deeply studied & created by renowned Pandits.

demo

जन्म विवरण

लिंग	:	पुरुष
जन्म दिन	:	**20 मई 1977**
जन्म वार	:	शुक्रवार
जन्म समय	:	**06:33:00 घंटे**
इष्टकाल	:	1:40:35 घटी
जन्म स्थान	:	**Ambur**
देश	:	India

अक्षांश	:	12उ47'00
रेखांश	:	78पू42'00
समयक्षेत्र	:	-05:30:00 घंटे
समय संशोधन	:	00:00:00 घंटे
जी.एम.टी. समय	:	01:03:00 घंटे
स्थानीय समय संस्कार	:	-00:15:12 घंटे
स्थानीय समय	:	06:17:48 घंटे
सांपातिक काल	:	22:08:07 घंटे
सनसाइन (सायन सूर्य)	:	वृष
लग्न राशि	:	वृष 15:23:59

पारिवारिक विवरण

दादा का नाम	:	
पिता का नाम	:	
माता का नाम	:	
जाति	:	
गोत्र	:	

अवकहडा चक्र

1. वर्ण	:	वैश्य
2. वश्य	:	चतुष्पाद
3. नक्षत्र - चरण	:	**मृगशिरा - 1**
4. योनि	:	सर्प
5. चन्द्र राशि स्वामी	:	शुक्र
6. गण	:	देव
7. चन्द्र राशि	:	**वृष**
8. नाड़ी	:	मध्य
वर्ग	:	मृग
युञ्जा	:	पूर्व
हंसक (तत्व)	:	भूमि
नामाक्षर	:	वे
राशि पाया	:	**सुवर्ण**
नक्षत्र पाया	:	**लौह**

जन्मकालीन पंचांगादि

चैत्रादि विधि

विक्रम संवत्	:	2034
मास	:	ज्येष्ठ

कार्तिकादि विधि

विक्रम संवत्	:	2033
मास	:	ज्येष्ठ
शक संवत्	:	1899
सूर्य अयन/गोल	:	उत्तरायण/उत्तर
ऋतु	:	ग्रीष्म
पक्ष	:	**शुक्ल**
ज्योतिषिय वार	:	शुक्रवार
सूर्योदयी तिथि	:	शुक्ल द्वितीया
तिथि समाप्तिकाल	:	13:20:23 घंटे
	:	18:39:03 घटी
जन्मकालीन तिथि	:	**शुक्ल द्वितीया**
सूर्योदयी नक्षत्र	:	मृगशिरा
नक्षत्र समाप्तिकाल	:	03:30:39 घंटे
	:	54:04:42 घटी
जन्मकालीन नक्षत्र	:	**मृगशिरा**
सूर्योदयी योग	:	सुकर्मा
योग समाप्तिकाल	:	09:42:12 घंटे
	:	9:33:35 घटी
जन्मकालीन योग	:	**सुकर्मा**
सूर्योदयी करण	:	कौलव
करण समाप्तिकाल	:	13:20:23 घंटे
	:	18:39:03 घटी
जन्मकालीन करण	:	**कौलव**
सूर्योदय समय	:	05:52:46 घंटे
अंश	:	वृष 05:20:24
सूर्यास्त समय	:	18:30:37 घंटे
अंश	:	वृष 05:51:29
आगामी सूर्योदय	:	शनिवार 05:52:36 घंटे
चन्द्र का नक्षत्र प्रवेश	:	20 मई 77 00:35:01
चन्द्र का नक्षत्र निकास	:	21 मई 77 03:30:39
भयात	:	14:54:57 घटी
भभोग	:	67:19:04 घटी
जन्मकालीन दशा	:	मंगल-गुरु-गुरु
दशा भोग्यकाल	:	मंगल 5व.-5मा.-11दि.
अयनांश	:	-23:32:34 लहरी

ॐ

20 मई 1977 * शुक्रवार * 06:33:00 घंटे

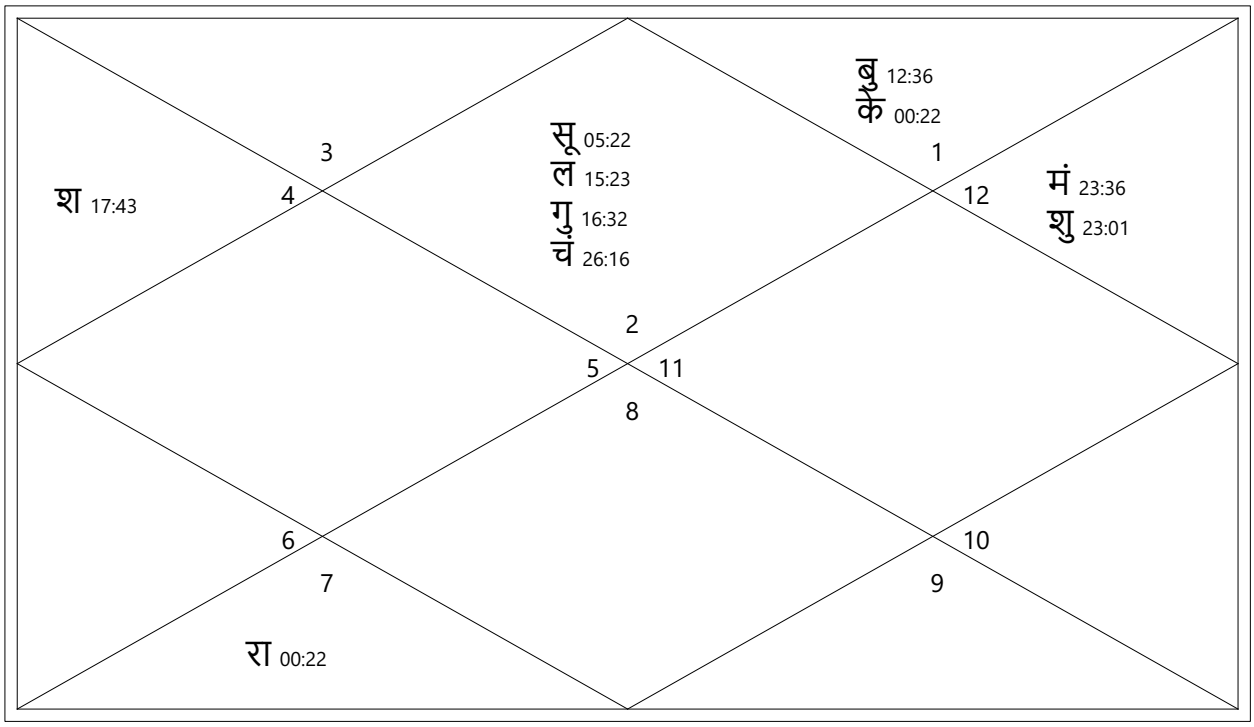

चंद्र कुण्डली

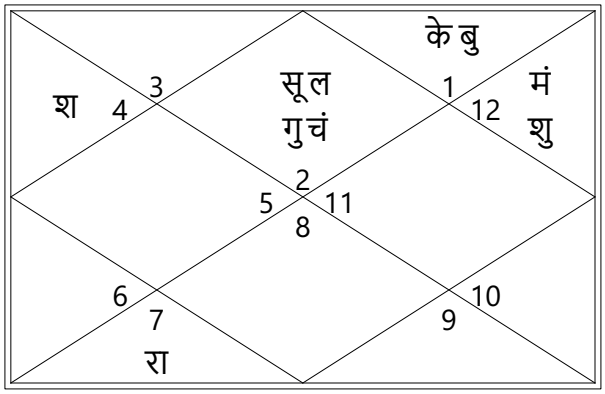

नवांश कुण्डली

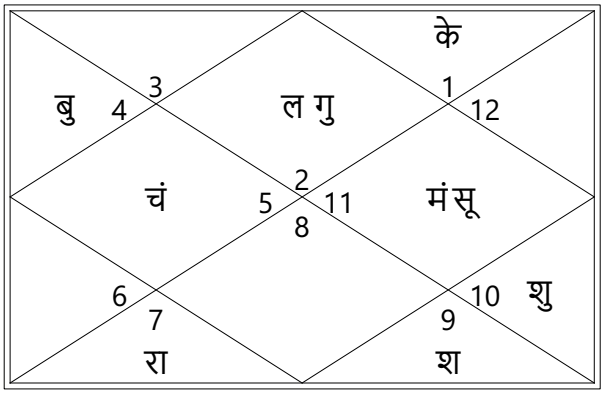

ग्रह	व/अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	रा. स्वा.	न. स्वा.	उप स्वा.	उप उप स्वा.	शुभा-शुभ	षड्बल
लग्न		वृष	15:23:59		रोहिणी	2	शु	चं	गु	मं		
सूर्य		वृष	05:22:01	00:57:46	कृत्तिका	3	शु	सू	बु	बु	सम	1.24
चन्द्र		वृष	26:16:51	11:51:46	मृगशिरा	1	शु	मं	गु	गु	उच्च	1.12
मंगल		मीन	23:36:36	00:45:33	रेवती	3	गु	बु	मं	श	अतिमित्र	1.33
बुध		मेष	12:36:45	00:27:37	अश्विनी	4	मं	के	बु	रा	मित्र	1.27
गुरु		वृष	16:32:20	00:13:52	रोहिणी	2	शु	चं	श	शु	सम	1.21
शुक्र		मीन	23:01:50	00:39:09	रेवती	2	गु	बु	चं	के	उच्च	1.47
शनि		कर्क	17:43:31	00:03:56	आश्लेषा	1	चं	बु	बु	रा	सम	0.95
राहु		तुला	00:22:49	-00:06:20	चित्रा	3	शु	मं	बु	शु	सम	
केतु		मेष	00:22:49	-00:06:20	अश्विनी	1	मं	के	के	रा	सम	

चन्द्र कुण्डली

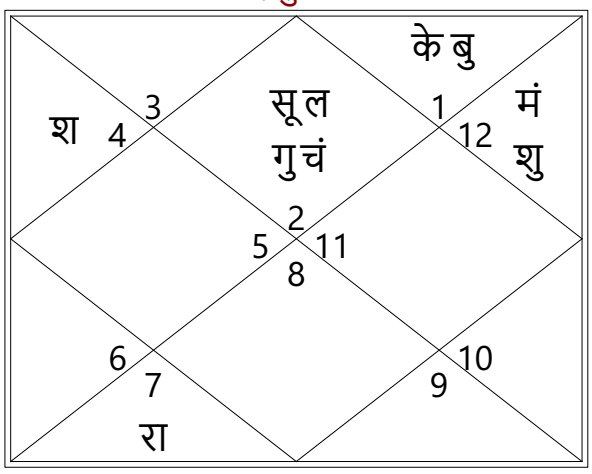

नवांश

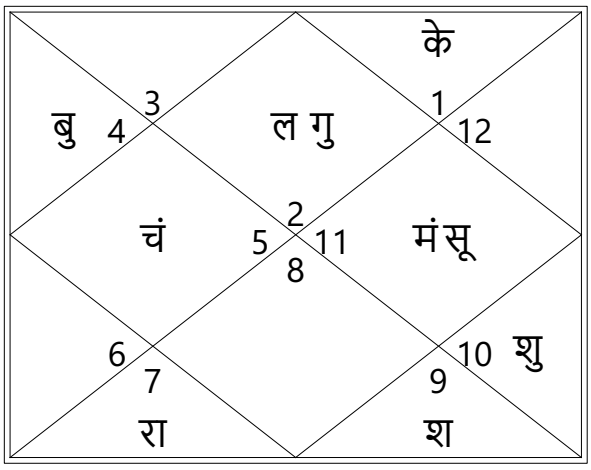

भाव (श्रीपति)

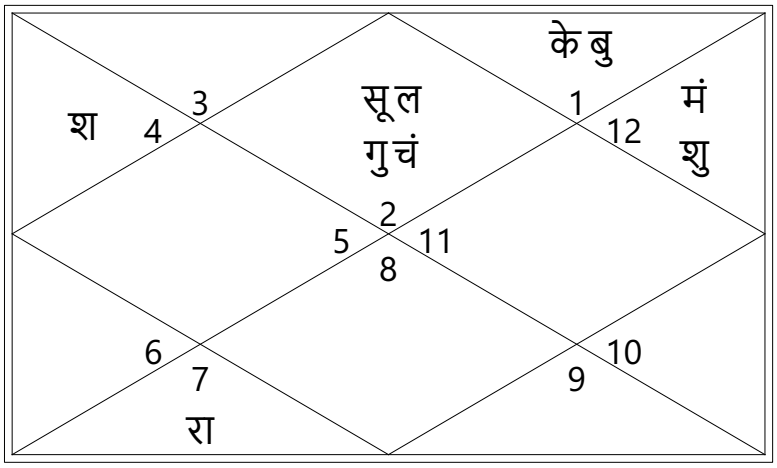

भाव स्पष्ट - श्रीपति विधि

भाव	भाव आरम्भ		भाव मध्य		भाव अन्त	
प्रथम भाव	मेष	28:53:55	वृष	15:23:59	वृष	28:53:55
द्वितीय भाव	वृष	28:53:55	मिथुन	12:23:52	मिथुन	25:53:49
तृतीय भाव	मिथुन	25:53:49	कर्क	09:23:45	कर्क	22:53:42
चतुर्थ भाव	कर्क	22:53:42	सिंह	06:23:38	सिंह	22:53:42
पंचम भाव	सिंह	22:53:42	कन्या	09:23:45	कन्या	25:53:49
षष्ठ भाव	कन्या	25:53:49	तुला	12:23:52	तुला	28:53:55
सप्तम भाव	तुला	28:53:55	वृश्चिक	15:23:59	वृश्चिक	28:53:55
अष्टम भाव	वृश्चिक	28:53:55	धनु	12:23:52	धनु	25:53:49
नवम भाव	धनु	25:53:49	मकर	09:23:45	मकर	22:53:42
दशम भाव	मकर	22:53:42	कुंभ	06:23:38	कुंभ	22:53:42
एकादश भाव	कुंभ	22:53:42	मीन	09:23:45	मीन	25:53:49
द्वादश भाव	मीन	25:53:49	मेष	12:23:52	मेष	28:53:55

सुदर्शन चक्र

बाह्य वृत : सूर्य कुण्डली
मध्य वृत : चन्द्र कुण्डली
आन्तरिक वृत : जन्म कुण्डली

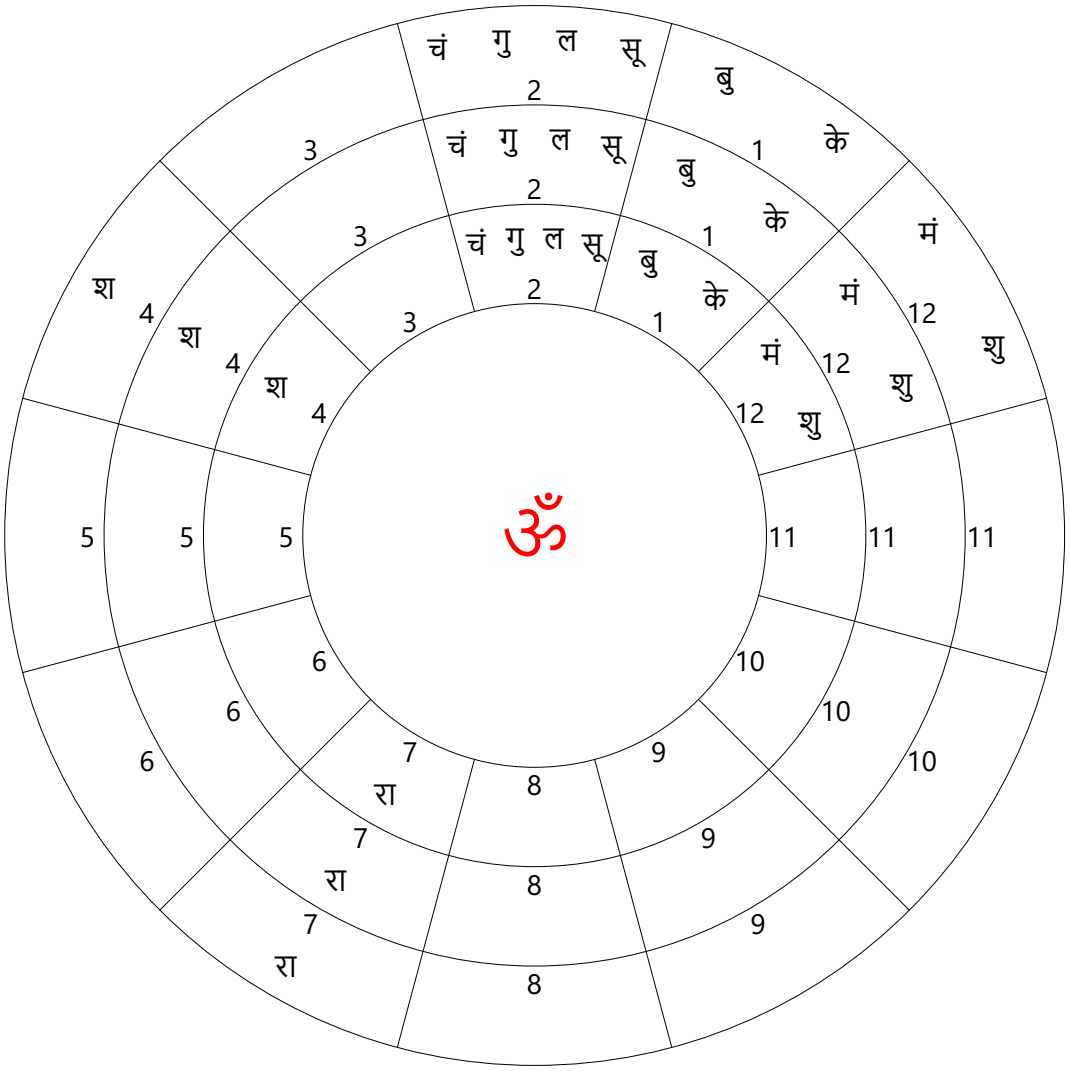

सुदर्शन चक्र के बाह्य वृत में सूर्य कुण्डली, मध्य वृत में चन्द्र कुण्डली व आन्तरिक वृत में जन्म कुण्डली बना कर तीनों कुण्डलियों के विभिन्न भावों में स्थित ग्रहों का एक साथ विश्लेषन किया जाता है।

जन्म कुण्डली

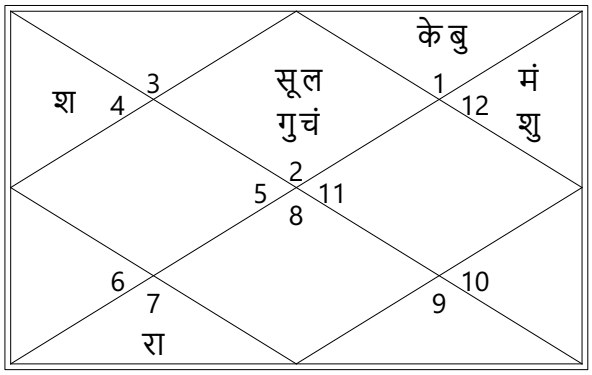

होरा (धन-सम्पत्ति)

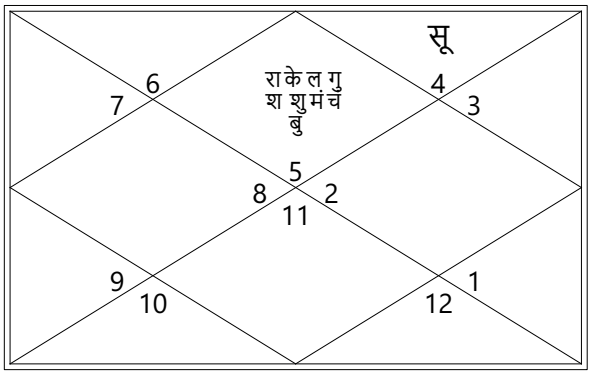

द्रेष्काण (भाई-बहन)

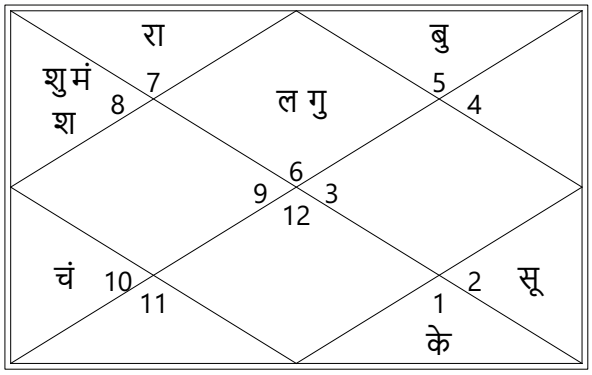

चतुर्थांश (भाग्य)

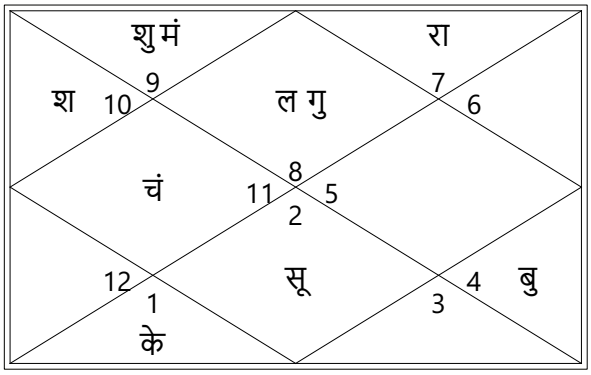

सप्तांश (संतान)

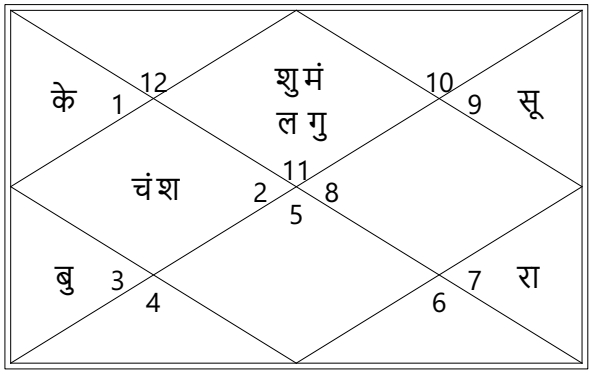

नवांश (जीवनसाथी)

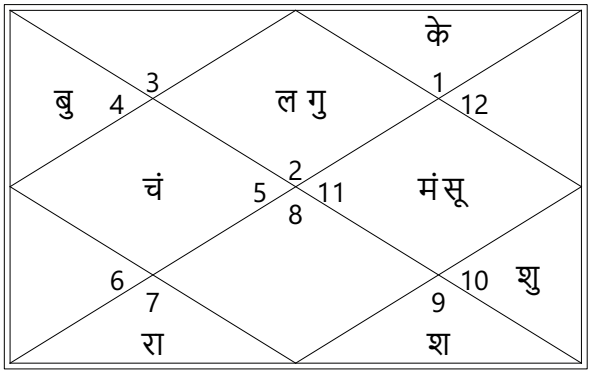

दशांश (कर्मफल)

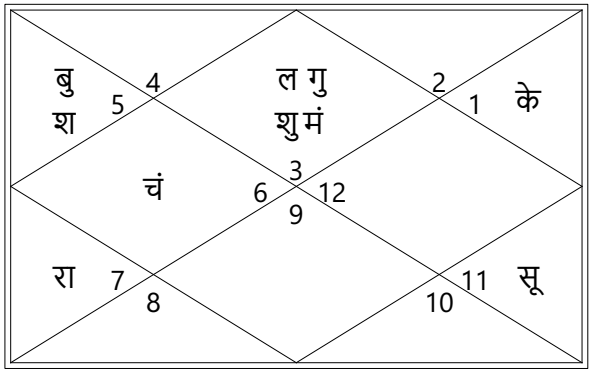

द्वादशांश (माता-पिता)

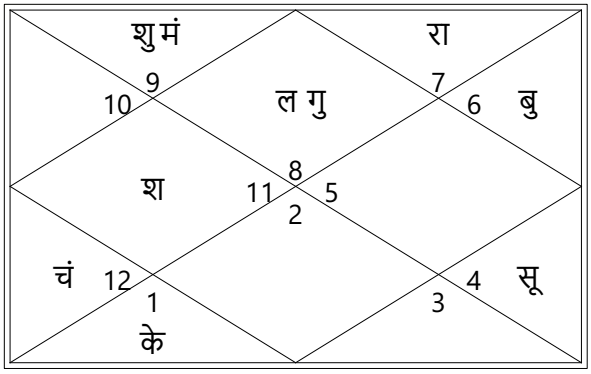

षोडशांश (वाहन)

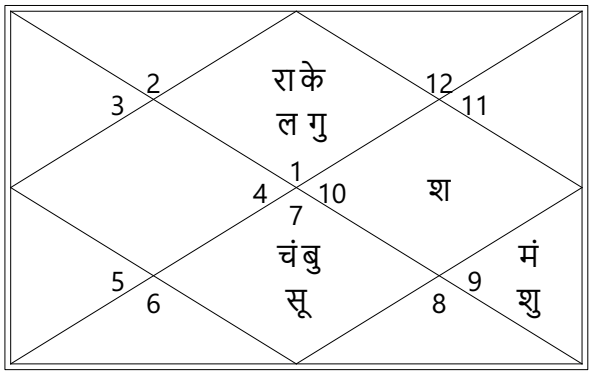

विंशांश (उपासना)

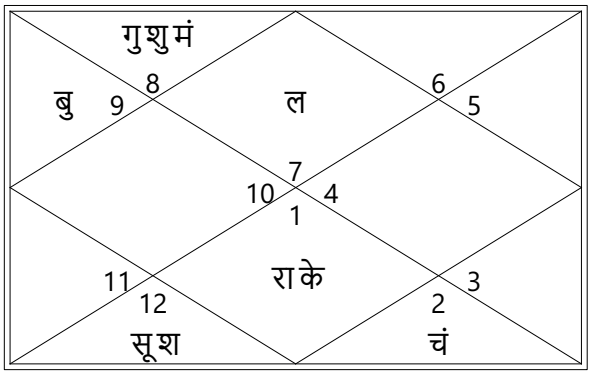

चतुर्विंशांश (विद्या)

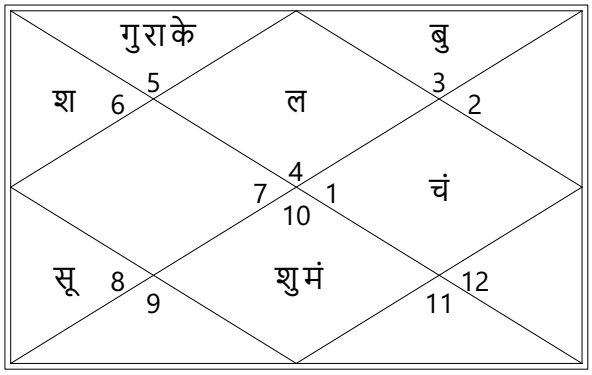

सप्तविंशांश (बलाबल)

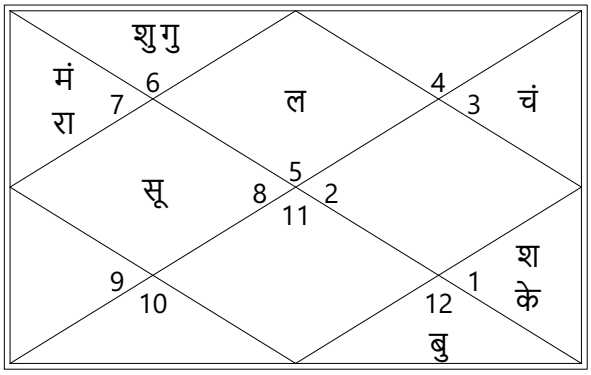

त्रिंशांश (अरिष्ट)

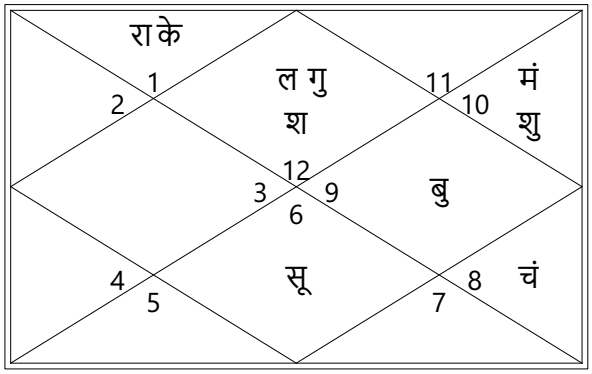

खवेदांश (शुभ-अशुभफल)

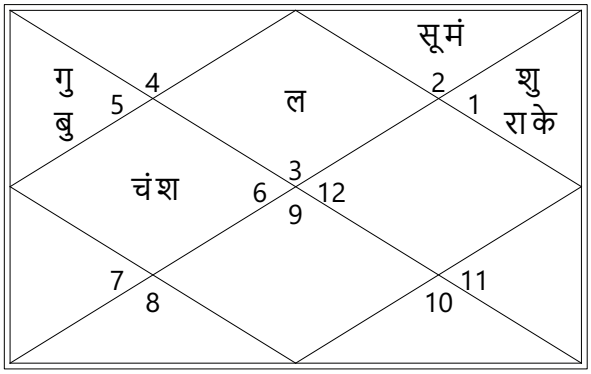

अक्षवेदांश (सभी क्षेत्र)

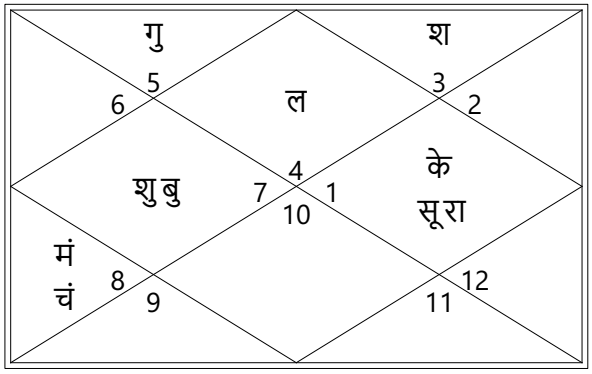

षष्ट्यांश (सभी क्षेत्र)

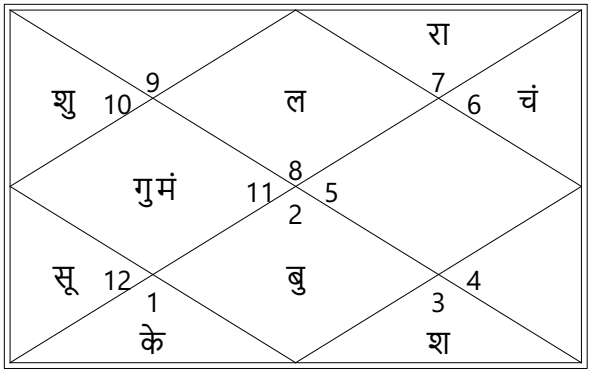

उपग्रह

गुलिकादि उपग्रह समूह

जन्म सूर्योदय से मध्याह्न के बीच * सूर्योदय-सूर्यास्त : 05:52-18:30 * जन्मवार : शुक्रवार

उपग्रह	स्वामी	उपग्रह की अवधि	आरम्भ (पराशर विधि)				अन्त (कालिदास विधि)			
			राशि	अंश	नक्षत्र	पद	राशि	अंश	नक्षत्र	पद
कालवेला	सू	09:02-10:36	मिथुन	20:10:12	पुनर्वसु	1	कर्क	11:45:06	पुष्य	3
परिधि	चं	10:36-12:11	कर्क	11:45:06	पुष्य	3	सिंह	04:02:18	मघा	2
मृत्यु	मं	12:11-13:46	सिंह	04:02:18	मघा	2	सिंह	27:13:09	उ.फाल्गुनी	1
अर्धप्रहर	बु	13:46-15:21	सिंह	27:13:09	उ.फाल्गुनी	1	कन्या	20:44:23	हस्त	4
यमकण्टक	गु	15:21-16:55	कन्या	20:44:23	हस्त	4	तुला	13:45:08	स्वाति	3
कोदण्ड	शु	05:52-07:27	वृष	05:20:24	कृत्तिका	3	वृष	28:26:19	मृगशिरा	2
गुलिक	श	07:27-09:02	वृष	28:26:19	मृगशिरा	2	मिथुन	20:10:12	पुनर्वसु	1

धूमादि उपग्रह समूह

उपग्रह	स्वामी	राशि	अंश	नक्षत्र	पद
धूम	मं	कन्या	18:42:01	हस्त	3
व्यतिपात	रा	तुला	11:17:59	स्वाति	2
परिवेश	चं	मेष	11:17:59	अश्विनी	4
इन्द्रचाप	शु	मीन	18:42:01	रेवती	1
उपकेतु	के	मेष	05:22:01	अश्विनी	2

उपग्रह

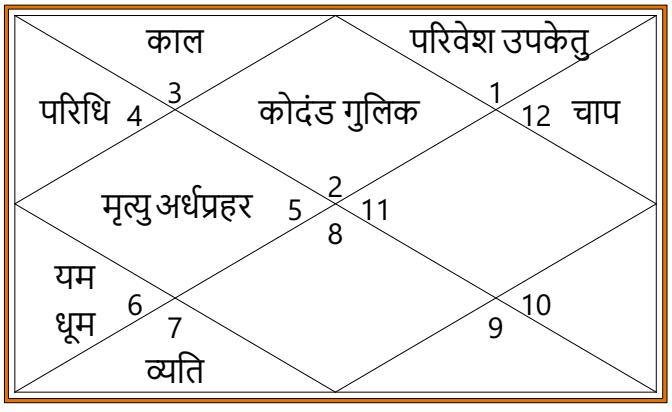

अन्य विशेष लग्न व गणनाएं

भाव लग्न	वृष	15:23:58	योगी बिन्दु	04:58:52 तुला
होरा लग्न	वृष	25:27:32	योगी	मं
घटिका लग्न	मिथुन	25:38:14	अवयोगी/अन्य योगी	के/शु
इन्दु लग्न	मिथुन	15:00:00	64वां नवांश (चन्द्र/लग्न)	वृश्चिक/सिंह
बीज स्फुट	मिथुन	14:56:11	22वां द्रेष्काण (लग्न/चन्द्र)	मेष/सिंह
जन्म कुण्डली/नवांश	विषम/विषम 100 प्रतिशत (शुभफल)		सर्प द्रेष्काण	मंगलशुक्रशनि

जन्म दिन	:	**20 मई 1977, शुक्रवार**	रेखांश/अक्षांश	:	78पू42'00 12उ47'00
जन्म समय	:	**06:33:00 घंटे**	समयक्षेत्र	:	-05:30:00 घंटे
जन्म स्थान	:	**Ambur, Tamil Nadu, India**	समय संशोधन	:	00:00:00 घंटे

जन्म कुण्डली

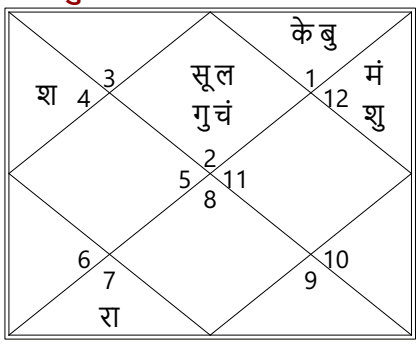

चंद्र कुण्डली

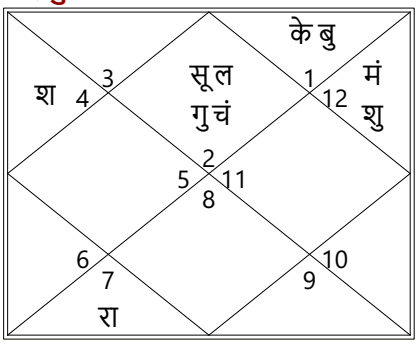

सूर्य कुण्डली

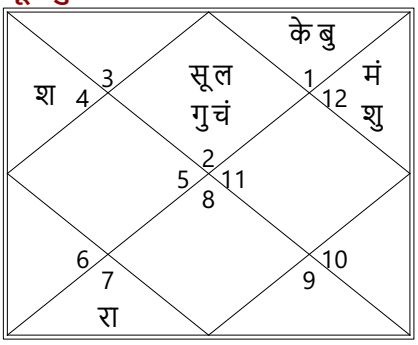

श्रीपति भाव कुण्डली

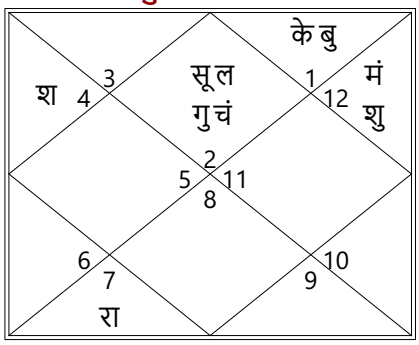

सम भाव कुण्डली

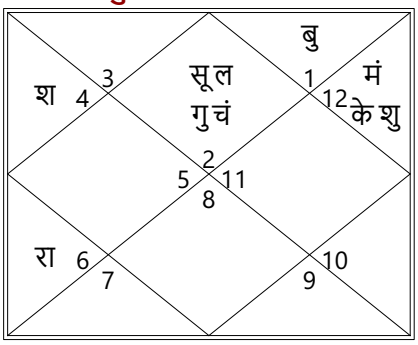

के.पी. भाव कुण्डली

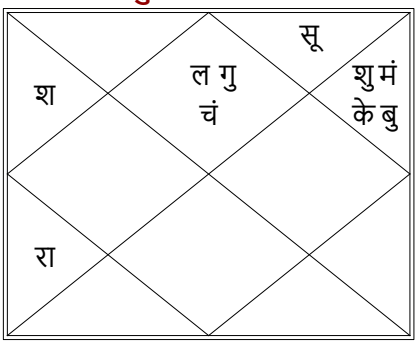

आरुढ़ लग्न कुण्डली

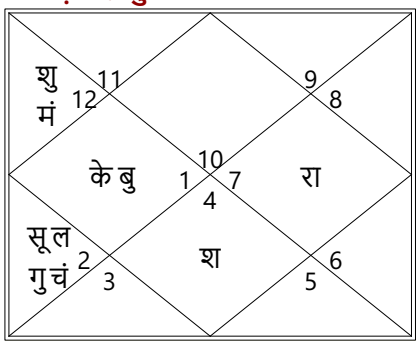

कारकांश (जन्म कुण्डली)

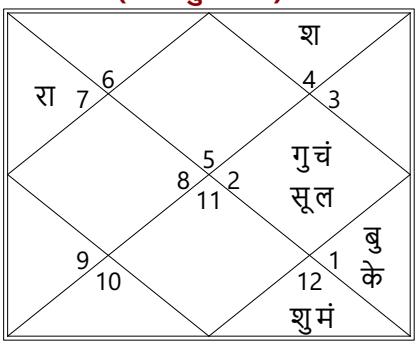

कारकांश (नवांश)

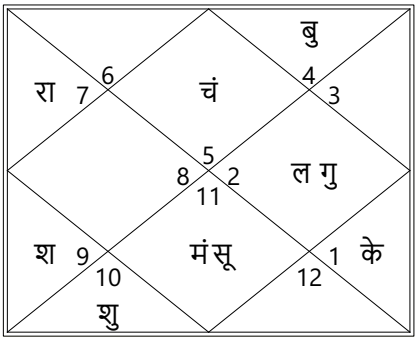

भाव लग्न कुण्डली

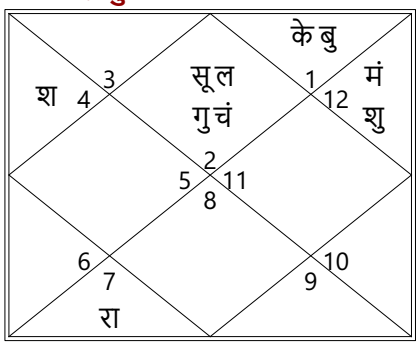

होरा लग्न कुण्डली

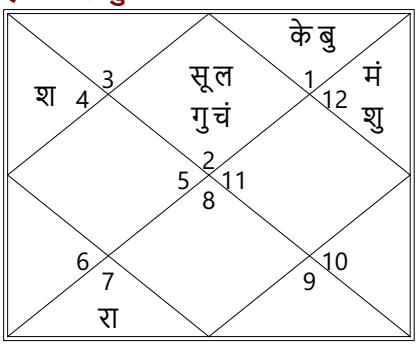

घटिका लग्न कुण्डली

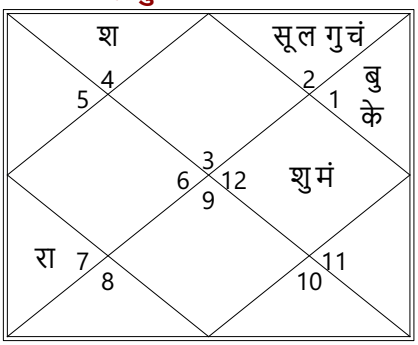

नैसर्गिक मैत्री चक्र

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
मित्र	चन्द्र मंगल गुरु	सूर्य बुध	सूर्य चन्द्र गुरु केतु	सूर्य शुक्र	सूर्य चन्द्र मंगल	बुध शनि राहु केतु	बुध शुक्र राहु	गुरु शुक्र शनि	मंगल शुक्र
शत्रु	शुक्र शनि राहु केतु	राहु केतु	बुध राहु	चन्द्र	बुध शुक्र	सूर्य चन्द्र	सूर्य चन्द्र मंगल केतु	सूर्य चन्द्र मंगल केतु	सूर्य चन्द्र शनि केतु
सम	बुध	मंगल गुरु शुक्र शनि	शुक्र शनि	मंगल गुरु शनि राहु	शनि राहु केतु	मंगल गुरु	गुरु	बुध	गुरु बुध

तात्कालिक मैत्री चक्र

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
मित्र	मंगल बुध शुक्र शनि केतु	मंगल बुध शुक्र शनि केतु	सूर्य चंद्र बुध गुरु केतु	सूर्य चंद्र मंगल गुरु शुक्र शनि	मंगल बुध शुक्र शनि केतु	सूर्य चंद्र बुध गुरु केतु	सूर्य चंद्र बुध गुरु राहु केतु	शनि	सूर्य चंद्र मंगल गुरु शुक्र शनि
शत्रु	चंद्र गुरु राहु	सूर्य गुरु राहु	शुक्र शनि राहु	राहु केतु	सूर्य चंद्र राहु	मंगल शनि राहु	मंगल शुक्र	सूर्य चंद्र मंगल बुध गुरु शुक्र केतु	बुध राहु

पंचधा मैत्री चक्र

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
अतिमित्र	मंगल	बुध	सूर्य चंद्र गुरु केतु	सूर्य शुक्र	मंगल	बुध केतु	बुध राहु	शनि	मंगल शुक्र
मित्र	बुध	मंगल शुक्र शनि		मंगल गुरु शनि	शनि केतु	गुरु	गुरु		गुरु
सम	चंद्र गुरु शुक्र शनि केतु	सूर्य केतु	बुध	चंद्र	सूर्य चंद्र बुध शुक्र	सूर्य चंद्र शनि राहु	सूर्य चंद्र शुक्र केतु	गुरु शुक्र	सूर्य चंद्र शनि
शत्रु		गुरु	शुक्र शनि	राहु केतु	राहु	मंगल		बुध	बुध
अतिशत्रु	राहु	राहु	राहु				मंगल	सूर्य चंद्र मंगल केतु	राहु

षोडशवर्ग सारणी

षोडशवर्ग में राशियों में ग्रह

	लग्न	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
जन्म	वृष	वृष	वृष	मीन	मेष	वृष	मीन	कर्क	तुला	मेष
होरा	सिंह	कर्क	सिंह	सिंह	सिंह	सिंह	सिंह	सिंह	सिंह	सिंह
द्रेष्काण	कन्या	वृष	मकर	वृश्चिक	सिंह	कन्या	वृश्चिक	वृश्चिक	तुला	मेष
चतुर्थांश	वृश्चिक	वृष	कुंभ	धनु	कर्क	वृश्चिक	धनु	मकर	तुला	मेष
सप्तांश	कुंभ	धनु	वृष	कुंभ	मिथुन	कुंभ	कुंभ	वृष	तुला	मेष
नवांश	वृष	कुंभ	सिंह	कुंभ	कर्क	वृष	मकर	धनु	तुला	मेष
दशांश	मिथुन	कुंभ	कन्या	मिथुन	सिंह	मिथुन	मिथुन	सिंह	तुला	मेष
द्वादशांश	वृश्चिक	कर्क	मीन	धनु	कन्या	वृश्चिक	धनु	कुंभ	तुला	मेष
षोडशांश	मेष	तुला	तुला	धनु	तुला	मेष	धनु	मकर	मेष	मेष
विंशांश	तुला	मीन	वृष	वृश्चिक	धनु	वृश्चिक	वृश्चिक	मीन	मेष	मेष
चतुर्विंशांश	कर्क	वृश्चिक	मेष	मकर	मिथुन	सिंह	मकर	कन्या	सिंह	सिंह
सप्तविंशांश	सिंह	वृश्चिक	मिथुन	तुला	मीन	कन्या	कन्या	मेष	तुला	मेष
त्रिंशांश	मीन	कन्या	वृश्चिक	मकर	धनु	मीन	मकर	मीन	मेष	मेष
खवेदांश	मिथुन	वृष	कन्या	वृष	सिंह	सिंह	मेष	कन्या	मेष	मेष
अक्षवेदांश	कर्क	मेष	वृश्चिक	वृश्चिक	तुला	सिंह	तुला	मिथुन	मेष	मेष
षष्ट्यांश	वृश्चिक	मीन	कन्या	कुंभ	वृष	कुंभ	मकर	मिथुन	तुला	मेष

षोडशवर्ग में शुभाशुभ

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
जन्म	सम	उच्च	अतिमित्र	मित्र	सम	उच्च	सम	सम	सम
होरा	अतिमित्र	अतिमित्र	अतिमित्र	अतिमित्र	अतिमित्र	सम	सम	सम	सम
द्रेष्काण	अतिशत्रु	मित्र	स्वराशि	अतिमित्र	सम	शत्रु	अतिशत्रु	सम	सम
चतुर्थांश	अतिशत्रु	मित्र	अतिमित्र	अतिशत्रु	अतिमित्र	मित्र	स्वराशि	सम	सम
सप्तांश	अतिमित्र	उच्च	मित्र	स्वराशि	मित्र	अतिमित्र	अतिमित्र	सम	सम
नवांश	सम	सम	मित्र	सम	अतिशत्रु	अतिमित्र	शत्रु	सम	सम
दशांश	अतिशत्रु	अतिमित्र	सम	सम	सम	अतिमित्र	अतिशत्रु	सम	सम
द्वादशांश	सम	शत्रु	अतिमित्र	उच्च	अतिमित्र	मित्र	मूलत्रिक.	सम	सम
षोडशांश	नीच	मित्र	सम	अतिमित्र	सम	शत्रु	स्वराशि	सम	सम
विंशांश	सम	उच्च	स्वराशि	मित्र	सम	शत्रु	शत्रु	सम	सम
चतुर्विंशांश	अतिमित्र	मित्र	उच्च	स्वराशि	अतिमित्र	सम	अतिमित्र	सम	सम
सप्तविंशांश	अतिमित्र	अतिमित्र	मित्र	नीच	अतिशत्रु	कन्या	नीच	सम	सम
त्रिंशांश	मित्र	नीच	उच्च	मित्र	स्वराशि	अतिमित्र	शत्रु	शत्रु	सम
खवेदांश	सम	अतिमित्र	मित्र	अतिमित्र	अतिमित्र	मित्र	अतिमित्र	सम	सम
अक्षवेदांश	उच्च	नीच	स्वराशि	सम	सम	स्वराशि	सम	सम	सम
षष्ट्यांश	अतिमित्र	सम	शत्रु	सम	शत्रु	सम	अतिमित्र	सम	सम

विंशोपक बल

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
षड्वर्ग	10	12	15	15	11	11	12	9	17
सप्तवर्ग	11	12	15	17	13	12	13	9	17
दशवर्ग	10	15	12	17	14	12	14	9	17
षोडशवर्ग	11	15	13	16	13	12	14	9	17

ग्रहों का षड्बल

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	51.54	52.24	41.46	9.20	43.85	58.68	29.24
सप्तवर्गीय बल	60.00	108.75	108.75	142.50	97.50	63.75	84.38
ओज-युग्म बल	15.00	15.00	15.00	15.00	0.00	30.00	15.00
केन्द्रादि बल	60.00	60.00	30.00	15.00	60.00	30.00	15.00
द्रेष्काण बल	15.00	15.00	0.00	15.00	0.00	15.00	15.00
1. स्थान बल	201.54	250.99	195.21	196.70	201.35	197.43	158.62
2. दिग्बल	30.34	36.63	44.26	49.07	59.62	15.55	20.78
नतोन्नत बल	31.61	28.39	28.39	60.00	31.61	31.61	28.39
पक्ष बल	53.03	6.97	53.03	53.03	6.97	6.97	53.03
त्रिभाग बल	0.00	0.00	0.00	60.00	60.00	0.00	0.00
वर्ष बल	0.00	0.00	0.00	0.00	15.00	0.00	0.00
मास बल	0.00	30.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
वार बल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	45.00	0.00
होरा बल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	60.00	0.00
आयन बल	55.69	0.47	38.85	47.70	58.21	38.56	7.45
युद्ध बल	0.00	0.00	-86.62	0.00	0.00	86.62	0.00
3. काल बल	140.33	65.83	120.27	220.73	171.78	182.14	88.87
4. चेष्टा बल	55.69	6.97	31.07	54.61	7.40	56.43	38.85
5. नैसर्गिक बल	60.00	51.42	17.16	25.74	34.26	42.84	8.58
6. दृक् बल	-6.11	-7.02	-8.64	-13.72	-2.48	-8.42	-31.22
कुल षड्बल	**481.80**	**404.82**	**399.34**	**533.13**	**471.92**	**485.96**	**284.47**
षड्बल (रुप में)	**8.03**	**6.75**	**6.66**	**8.89**	**7.87**	**8.10**	**4.74**
न्यूनतम वांछनीय	390	360	300	420	390	330	300
वांछनीय का अंश	**1.24**	**1.12**	**1.33**	**1.27**	**1.21**	**1.47**	**0.95**
स्थान बल वांछित का अंश	1.22	1.89	2.03	1.19	1.22	1.48	1.65
दिग्बल वांछित का अंश	0.87	0.73	1.48	1.40	1.70	0.31	0.69
काल बल वांछित का अंश	1.25	0.66	1.80	1.97	1.53	1.82	1.33
चेष्टा बल वांछित का अंश	1.11	0.23	0.78	1.09	0.15	1.88	0.97
दृक्बल वांछित का अंश	1.86	0.01	1.94	1.59	1.94	0.96	0.37
तुलनात्मक स्थिति	4	6	2	3	5	1	7
इष्ट फल	50.59	29.61	36.27	31.91	25.62	57.55	34.05
कष्ट फल	9.41	30.39	23.73	28.09	34.38	2.45	25.95

भावबल

	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII
भावमध्य राशि	वृ	मि	क	सिं	क	तु	वृ	ध	म	कु	मी	मे
भावमध्य अंश	15	15	15	15	15	15	15	15	15	15	15	15
भावाधिपति बल	485	533	404	481	533	485	399	471	284	284	471	399
भाव दिग्बल	30	50	20	0	20	10	60	40	10	30	10	40
भाव दृष्टि बल	-2	-21	-34	15	44	-44	1	18	34	22	-5	-14
ग्रह	0	0	-60	0	0	0	0	0	0	0	-60	60
दिन-रात्रि	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	15	0
कुल भावबल	513	562	331	497	597	452	460	531	329	337	431	485

ग्रहों पर दृष्टि

द्रष्ट ग्रह	अंश	दृष्टि देने वाले ग्रह: सूर्य 35:22	चन्द्र 56:16	मंगल 353:36	बुध 12:36	गुरु 46:32	शुक्र 353:01	शनि 107:43	राहु 180:22	केतु 00:22
सूर्य	35:22	-	-	1/4 (5)	-	-	1/4 (6)	- (24)	3/4 (47)	- (2)
चन्द्र	56:16	-	-	1/4 (19)	- (6)	-	1/4 (18)	-	3/4 (57)	- (12)
मंगल	353:36	-	- (1)	-	-	-	-	1/2 (35)	- (46)	-
बुध	12:36	-	-	-	-	-	-	4/4 (54)	4/4 (53)	-
गुरु	46:32	-	-	1/4 (11)	- (1)	-	1/4 (11)	- (2)	3/4 (53)	- (8)
शुक्र	353:01	-	- (1)	-	-	-	-	1/2 (35)	- (45)	-
शनि	107:43	1/4 (27)	1/4 (10)	1/2 (35)	3/4 (42)	1/4 (16)	1/2 (32)	-	1/4 (6)	3/4 (53)
राहु	180:22	- (4)	- (25)	4/4 (60)	4/4 (35)	- (46)	3/4 (56)	3/4 (53)	-	4/4 (60)
केतु	00:22	-	-	-	-	-	-	4/4 (42)	4/4 (60)	-

श्रीपति भावों पर दृष्टि

द्रष्ट भाव	अंश	दृष्टि देने वाले ग्रह: सूर्य 35:22	चन्द्र 56:16	मंगल 353:36	बुध 12:36	गुरु 46:32	शुक्र 353:01	शनि 107:43	राहु 180:22	केतु 00:22
प्रथम	45:23	-	-	10	1	-	11	4	52	7
द्वितीय	72:23	3	-	43	14	-	34	-	47	27
तृतीय	99:23	19	6	44	41	11	36	-	10	49
चतुर्थ	126:23	44	25	17	33	34	16	-	-	53
पंचम	159:23	25	38	31	3	56	32	43	-	18
षष्ठ	192:23	14	13	60	59	34	50	47	-	53
सप्तम	225:23	54	38	38	43	57	33	31	7	52
अष्टम	252:23	41	51	20	30	47	20	5	27	47
नवम	279:23	27	38	7	16	56	6	43	49	10
दशम	306:23	14	24	-	3	40	-	50	53	-
एकादश	339:23	-	8	-	-	3	-	34	18	-
द्वादश	12:23	-	-	-	-	-	-	54	53	-

ग्रहों की अवस्थाएं

ग्रह	जाग्रदाद्य अवस्था (3 का समूह)	बालाद्य अवस्था (5 का समूह)	लज्जिताद्य अवस्था (6 का समूह)	दीप्ताद्य अवस्था (9 का समूह)	शयनाद्य अवस्था (12 का समूह)
सूर्य	सुषुप्ति (शून्यफल)	मृत (शून्यफल)	मुदित	दीन (समक्षेत्र)	नेत्रपाणि (सानन्द)
चन्द्र	जागृत (पूर्णफल)	बाल (चतुर्थांशफल)	गर्वित मुदित	दीप्त (उच्च)	गमन (नेत्ररोग भयभीत)
मंगल	स्वपन (मध्यमफल)	कुमार (आधाफल)	मुदित	मुदित (अधिमित्र)	भोजन (मिष्टभोजी मानरहित)
बुध	स्वपन (मध्यमफल)	युवा (पूर्णफल)	मुदित	शान्त (मित्र)	शयन (धूर्त लम्पट)
गुरु	सुषुप्ति (शून्यफल)	युवा (पूर्णफल)	मुदित	दीन (समक्षेत्र)	शयन (धीमी आवाज़)
शुक्र	जागृत (पूर्णफल)	कुमार (आधाफल)	गर्वित	दीप्त (उच्च)	नेत्रपाणि (विशालभवन नेत्ररोग)
शनि	सुषुप्ति (शून्यफल)	युवा (पूर्णफल)		दीन (समक्षेत्र)	नेत्रपाणि (सुन्दर स्त्री/विविधकला)
राहु	स्वपन (मध्यमफल)	बाल (चतुर्थांशफल)		दीन (समक्षेत्र)	शयन (क्लेशपूर्ण/धनी)
केतु	स्वपन (मध्यमफल)	बाल (चतुर्थांशफल)		दीन (समक्षेत्र)	आगमन (अनेक रोगों का शिकार)

टिप्पणी - जाग्रदाद्य व बालाद्य अवस्थाओं में कोष्ठक में ग्रहों के फल की मात्रा व शयनाद्य अवस्था में ग्रहों की अवस्थाओं का फल दिया गया है।

अष्टकवर्ग - भिन्नाष्टक वर्ग

सूर्य

सूर्य राशि	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	1	
शनि	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	8
गुरु	0	0	0	0	1	1	0	0	1	0	1	0	4
मंगल	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	8
सूर्य	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
शुक्र	0	0	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	3
बुध	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	0	7
चन्द्र	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	4
लग्न	0	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	1	6
योग	2	3	3	5	4	5	2	3	5	6	7	3	48

सूर्य

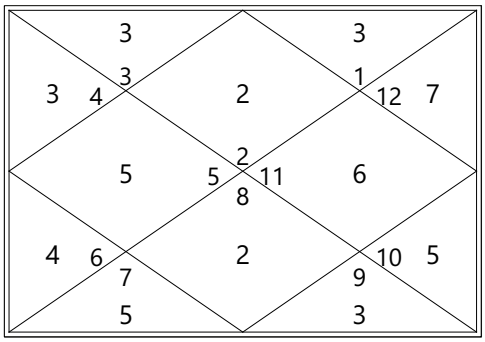

चन्द्र

चन्द्र राशि	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	1	
शनि	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	4
गुरु	1	0	0	1	0	0	1	1	0	1	1	1	7
मंगल	1	0	1	1	0	0	1	1	1	0	0	1	7
सूर्य	0	0	1	0	0	1	1	1	0	1	1	0	6
शुक्र	1	1	1	0	1	0	1	1	1	0	0	0	7
बुध	0	1	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	8
चन्द्र	1	0	1	0	0	1	1	0	0	1	1	0	6
लग्न	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	4
योग	5	2	6	3	2	4	7	5	3	5	4	3	49

चन्द्र

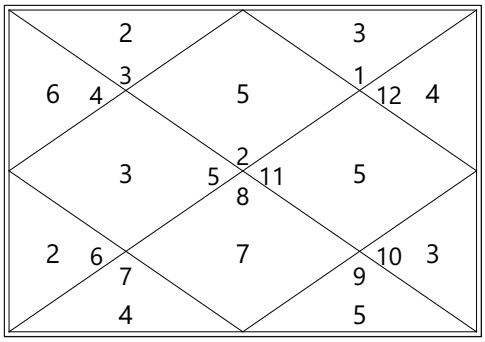

मंगल

मंगल राशि	12	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	
शनि	1	1	1	0	1	0	0	1	0	0	1	1	7
गुरु	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	0	1	4
मंगल	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7
सूर्य	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	0	1	5
शुक्र	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	1	1	4
बुध	0	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	4
चन्द्र	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	3
लग्न	1	0	1	0	1	0	0	1	0	0	0	1	5
योग	6	3	2	2	4	2	3	7	0	1	3	6	39

मंगल

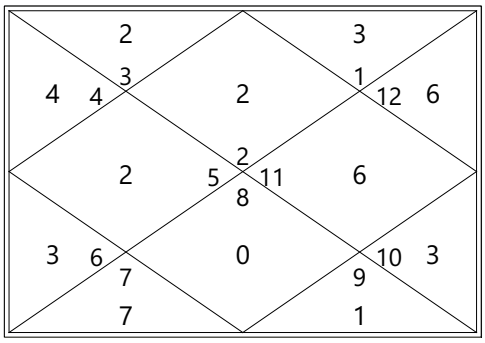

बुध

बुध राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
शनि	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	8
गुरु	1	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	1	4
मंगल	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	8
सूर्य	1	0	0	0	0	1	1	0	0	1	0	1	5
शुक्र	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	1	8
बुध	1	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	8
चन्द्र	0	0	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	6
लग्न	0	1	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	7
योग	6	3	5	2	4	3	7	2	5	5	4	8	54

बुध

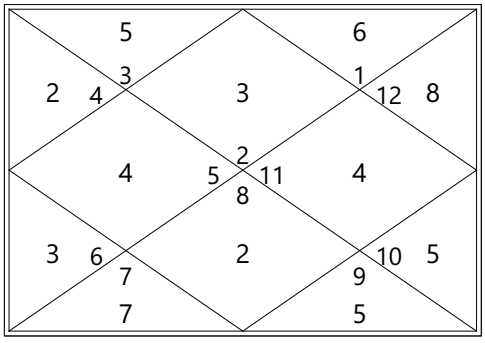

अष्टकवर्ग - भिन्नाष्टक वर्ग

गुरु

गुरु राशि	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	1	
शनि	0	1	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	4
गुरु	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	8
मंगल	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	1	1	7
सूर्य	1	1	1	1	0	0	1	1	1	1	1	0	9
शुक्र	0	0	1	1	0	0	1	1	1	0	0	1	6
बुध	1	0	1	1	1	0	0	1	1	1	0	1	8
चन्द्र	0	1	0	0	1	0	1	0	1	0	1	0	5
लग्न	1	1	0	1	1	1	1	0	1	1	1	0	9
योग	4	6	4	5	5	2	6	6	6	4	5	3	56

गुरु

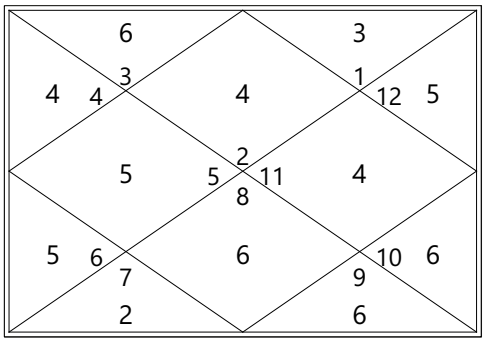

शुक्र

शुक्र राशि	12	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	
शनि	1	1	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	7
गुरु	1	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	1	5
मंगल	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	1	6
सूर्य	1	1	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	3
शुक्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	1	1	0	9
बुध	0	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	5
चन्द्र	1	1	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	9
लग्न	1	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	8
योग	6	4	5	4	4	4	5	2	3	6	5	4	52

शुक्र

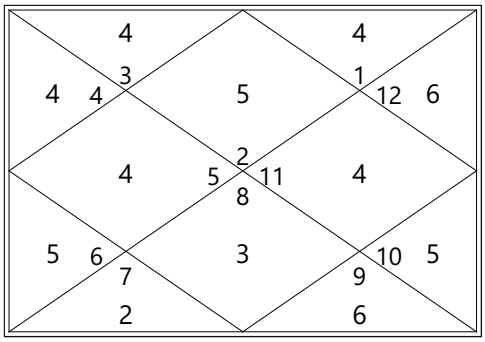

शनि

शनि राशि	4	5	6	7	8	9	10	11	12	1	2	3	
शनि	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	4
गुरु	0	0	1	1	0	0	0	0	1	1	0	0	4
मंगल	1	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	0	6
सूर्य	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	1	1	7
शुक्र	0	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	3
बुध	0	0	1	0	1	1	1	1	1	0	0	0	6
चन्द्र	1	0	0	1	0	0	0	0	1	0	0	0	3
लग्न	1	1	0	1	0	0	0	1	1	0	1	0	6
योग	3	4	3	3	3	4	3	5	5	1	4	1	39

शनि

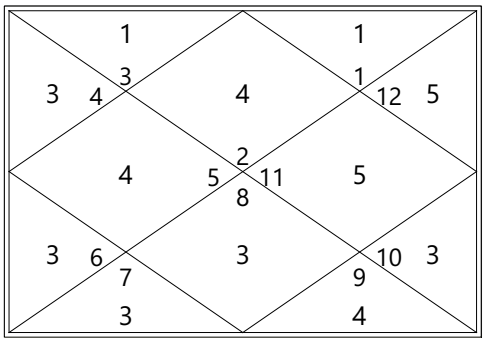

लग्न

लग्न राशि	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	1	
शनि	1	0	1	0	1	1	0	1	0	0	0	1	6
गुरु	1	1	0	1	1	1	1	0	1	1	1	0	9
मंगल	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	1	0	5
सूर्य	0	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	1	6
शुक्र	1	1	1	0	0	1	1	0	0	0	1	1	7
बुध	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	0	1	7
चन्द्र	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	1	5
लग्न	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	4
योग	5	2	6	3	3	6	3	2	3	5	6	5	49

लग्न

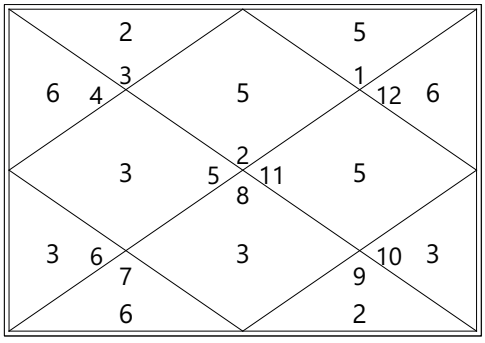

सर्वाष्टक वर्ग

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
लग्न	5	5	2	6	3	3	6	3	2	3	5	6	49
सूर्य	3	2	3	3	5	4	5	2	3	5	6	7	48
चन्द्र	3	5	2	6	3	2	4	7	5	3	5	4	49
मंगल	3	2	2	4	2	3	7	0	1	3	6	6	39
बुध	6	3	5	2	4	3	7	2	5	5	4	8	54
गुरु	3	4	6	4	5	5	2	6	6	6	4	5	56
शुक्र	4	5	4	4	4	5	2	3	6	5	4	6	52
शनि	1	4	1	3	4	3	3	3	4	3	5	5	39
	23	25	23	26	27	25	30	23	30	30	34	41	337

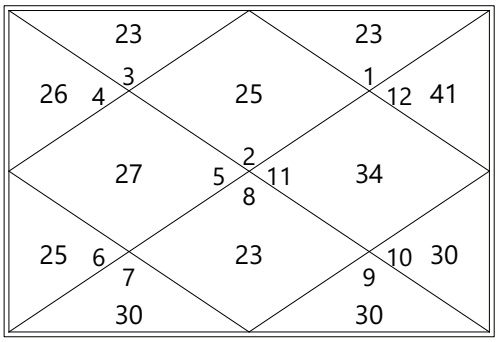

सर्वचन्चा चक्र

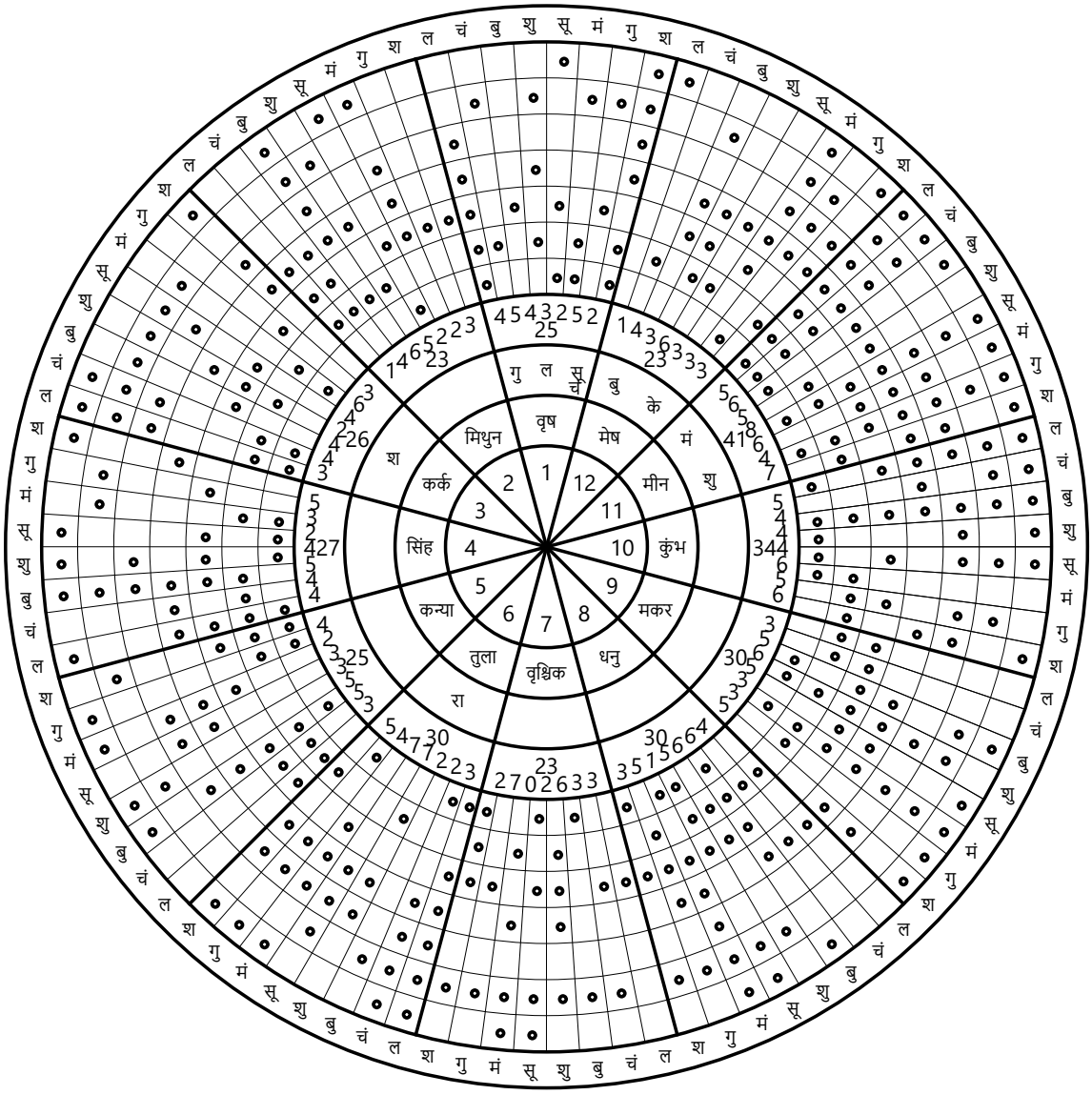

	शोधन से पूर्व	त्रिकोण शोधन	एकाधिपत्य शोधन

सूर्य

राशि पिण्ड	110
ग्रह पिण्ड	80
शुद्ध पिण्ड	190

चन्द्र

राशि पिण्ड	96
ग्रह पिण्ड	70
शुद्ध पिण्ड	166

मंगल

राशि पिण्ड	169
ग्रह पिण्ड	120
शुद्ध पिण्ड	289

बुध

राशि पिण्ड	125
ग्रह पिण्ड	100
शुद्ध पिण्ड	225

गुरु

राशि पिण्ड	80
ग्रह पिण्ड	15
शुद्ध पिण्ड	95

शुक्र

राशि पिण्ड	78
ग्रह पिण्ड	50
शुद्ध पिण्ड	128

शनि

राशि पिण्ड	124
ग्रह पिण्ड	50
शुद्ध पिण्ड	174

लग्न

राशि पिण्ड	146
ग्रह पिण्ड	115
शुद्ध पिण्ड	261

वर्ग कुण्डलियां-अष्टकवर्ग

जन्म कुण्डली

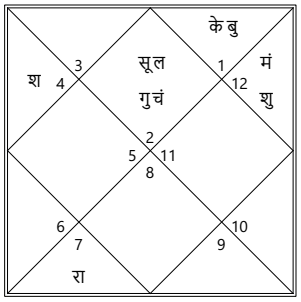

समुदाय अष्टकवर्ग

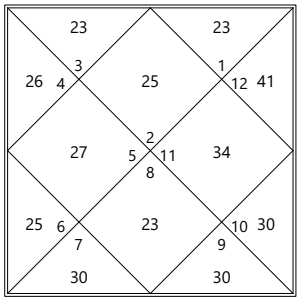

होरा (धन-सम्पत्ति)

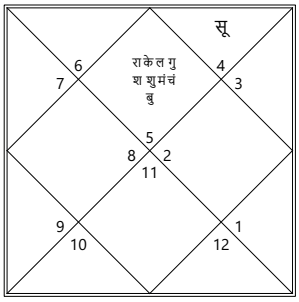

समुदाय अष्टकवर्ग

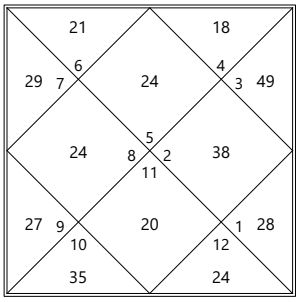

द्रेष्काण (भाई-बहन)

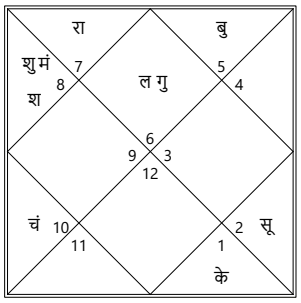

समुदाय अष्टकवर्ग

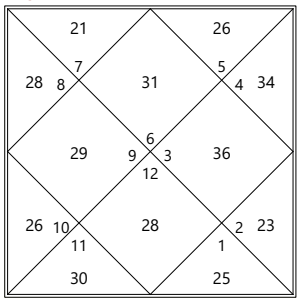

सप्तांश (संतान)

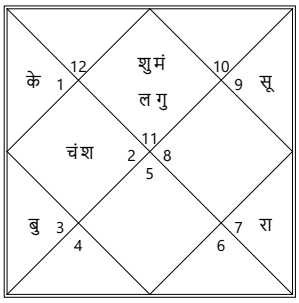

समुदाय अष्टकवर्ग

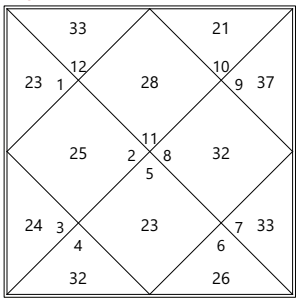

नवांश (जीवनसाथी)

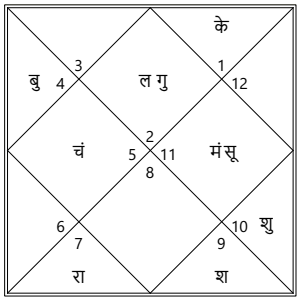

समुदाय अष्टकवर्ग

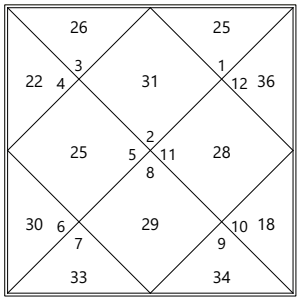

दशांश (कर्मफल)

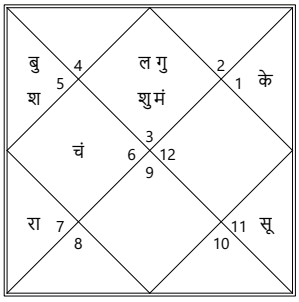

समुदाय अष्टकवर्ग

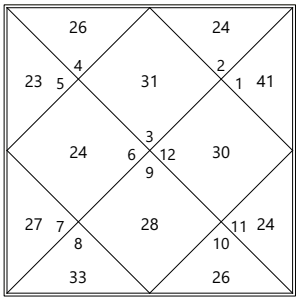

द्वादशांश (माता-पिता)

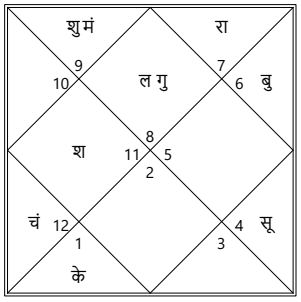

समुदाय अष्टकवर्ग

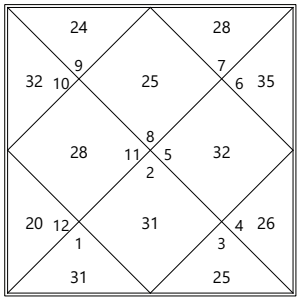

षोडशांश (वाहन)

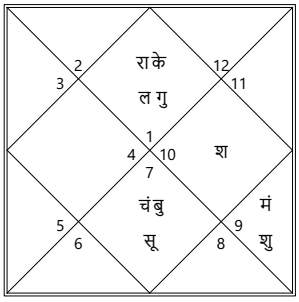

समुदाय अष्टकवर्ग

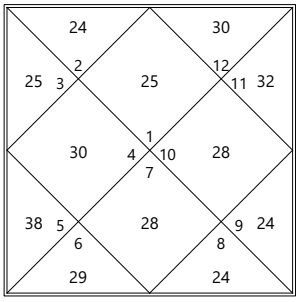

त्रिंशांश (अरिष्ट)

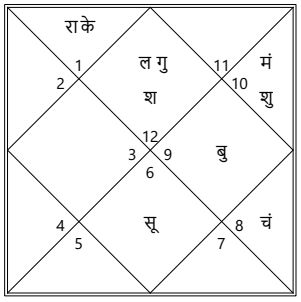

समुदाय अष्टकवर्ग

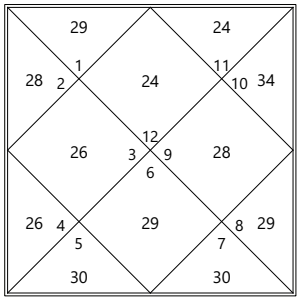

षष्ट्यांश (सभी क्षेत्र)

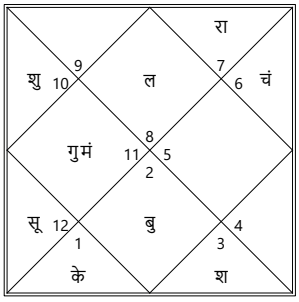

समुदाय अष्टकवर्ग

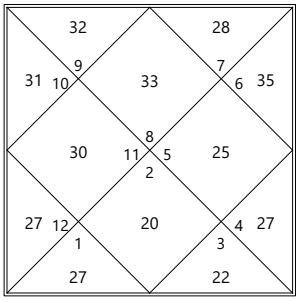

ग्रहों का शारीरिक संरचना पर प्रभाव

सूक्ष्म पद्धति

ग्रह	शरीर का अंग
सूर्य	शीर्ष
चन्द्र	वस्ति
मंगल	बायाँ अण्डकोश
बुध	बायाँ कन्धा
गुरु	दायाँ कण्ठ
शुक्र	बायाँ अण्डकोश
शनि	दायीं भुजा
राहु	दायाँ जबड़ा
केतु	बायीं आँख

स्थूल पद्धति

ग्रह	शरीर का अंग	शरीर का अंग
सूर्य	मुख	मस्तक
चन्द्र	मुख	मस्तक
मंगल	पैर	पिंडलियाँ
बुध	मस्तक	पैर
गुरु	मुख	मस्तक
शुक्र	पैर	पिंडलियाँ
शनि	हृदय	बाहु
राहु	वस्ति (पेंडू)	कमर
केतु	मस्तक	पैर

नक्षत्र पद्धति

ग्रह	नक्षत्र	प्रथम मत	द्वितीय मत
सूर्य	कृत्तिका	कमर	सिर
चन्द्र	मृगशिरा	दोनों आँख	भवें
मंगल	रेवती	दोनों बगल	घुटनें
बुध	अश्विनी	घुटने	पैर का उपरी हिस्सा
गुरु	रोहिणी	दोनों टाँग	माथा
शुक्र	रेवती	दोनों बगल	घुटनें
शनि	आश्लेषा	नाखून	कान
राहु	चित्रा	माथा	गर्दन
केतु	अश्विनी	घुटने	पैर का उपरी हिस्सा

विंशोत्तरी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : मंगल 5वर्ष-5मास-11दिन
जन्मकालीन दशा : मं-ल-ल-ल-ल

मंगल (7व) 0 वर्ष से 5व5म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल		-
राहु		-
गुरु	20-05-1977	24-03-1978
शनि	24-03-1978	03-05-1979
बुध	03-05-1979	29-04-1980
केतु	29-04-1980	25-09-1980
शुक्र	25-09-1980	25-11-1981
सूर्य	25-11-1981	02-04-1982
चन्द्र	02-04-1982	01-11-1982

राहु (18व) 5व5म से 23व5म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	01-11-1982	14-07-1985
गुरु	14-07-1985	08-12-1987
शनि	08-12-1987	14-10-1990
बुध	14-10-1990	02-05-1993
केतु	02-05-1993	21-05-1994
शुक्र	21-05-1994	21-05-1997
सूर्य	21-05-1997	14-04-1998
चन्द्र	14-04-1998	14-10-1999
मंगल	14-10-1999	01-11-2000

गुरु (16व) 23व5म से 39व5म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	01-11-2000	20-12-2002
शनि	20-12-2002	02-07-2005
बुध	02-07-2005	08-10-2007
केतु	08-10-2007	13-09-2008
शुक्र	13-09-2008	15-05-2011
सूर्य	15-05-2011	02-03-2012
चन्द्र	02-03-2012	02-07-2013
मंगल	02-07-2013	08-06-2014
राहु	08-06-2014	01-11-2016

शनि (19व) 39व5म से 58व5म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	01-11-2016	04-11-2019
बुध	04-11-2019	14-07-2022
केतु	14-07-2022	23-08-2023
शुक्र	23-08-2023	23-10-2026
सूर्य	23-10-2026	05-10-2027
चन्द्र	05-10-2027	05-05-2029
मंगल	05-05-2029	14-06-2030
राहु	14-06-2030	20-04-2033
गुरु	20-04-2033	01-11-2035

बुध (17व) 58व5म से 75व5म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	01-11-2035	30-03-2038
केतु	30-03-2038	27-03-2039
शुक्र	27-03-2039	25-01-2042
सूर्य	25-01-2042	01-12-2042
चन्द्र	01-12-2042	02-05-2044
मंगल	02-05-2044	29-04-2045
राहु	29-04-2045	16-11-2047
गुरु	16-11-2047	21-02-2050
शनि	21-02-2050	31-10-2052

केतु (7व) 75व5म से 82व5म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	31-10-2052	29-03-2053
शुक्र	29-03-2053	29-05-2054
सूर्य	29-05-2054	04-10-2054
चन्द्र	04-10-2054	05-05-2055
मंगल	05-05-2055	02-10-2055
राहु	02-10-2055	19-10-2056
गुरु	19-10-2056	25-09-2057
शनि	25-09-2057	04-11-2058
बुध	04-11-2058	01-11-2059

शुक्र (20व) 82व5म से102व5म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	01-11-2059	02-03-2063
सूर्य	02-03-2063	02-03-2064
चन्द्र	02-03-2064	31-10-2065
मंगल	31-10-2065	01-01-2067
राहु	01-01-2067	31-12-2069
गुरु	31-12-2069	31-08-2072
शनि	31-08-2072	01-11-2075
बुध	01-11-2075	01-09-2078
केतु	01-09-2078	01-11-2079

सूर्य (6व) 102व5म से108व5म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	01-11-2079	18-02-2080
चन्द्र	18-02-2080	19-08-2080
मंगल	19-08-2080	25-12-2080
राहु	25-12-2080	19-11-2081
गुरु	19-11-2081	07-09-2082
शनि	07-09-2082	20-08-2083
बुध	20-08-2083	25-06-2084
केतु	25-06-2084	31-10-2084
शुक्र	31-10-2084	31-10-2085

चन्द्र (10व) 108व5म से 118व5म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	31-10-2085	01-09-2086
मंगल	01-09-2086	02-04-2087
राहु	02-04-2087	01-10-2088
गुरु	01-10-2088	31-01-2090
शनि	31-01-2090	01-09-2091
बुध	01-09-2091	30-01-2093
केतु	30-01-2093	31-08-2093
शुक्र	31-08-2093	02-05-2095
सूर्य	02-05-2095	01-11-2095

विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

मंगल महादशा : 20-05-1977 से 01-11-1982
आयु : 0व 0म से 5व 5म

मंगल-मंगल

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल		-
राहु		-
गुरु		-
शनि		-
बुध		-
केतु		-
शुक्र		-
सूर्य		-
चन्द्र		-

मंगल-राहु

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु		-
गुरु		-
शनि		-
बुध		-
केतु		-
शुक्र		-
सूर्य		-
चन्द्र		-
मंगल		-

मंगल-गुरु

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	20-05-1977	02-06-1977
शनि	02-06-1977	26-07-1977
बुध	26-07-1977	12-09-1977
केतु	12-09-1977	02-10-1977
शुक्र	02-10-1977	28-11-1977
सूर्य	28-11-1977	15-12-1977
चन्द्र	15-12-1977	12-01-1978
मंगल	12-01-1978	01-02-1978
राहु	01-02-1978	24-03-1978

मंगल-शनि 0व10म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	24-03-1978	27-05-1978
बुध	27-05-1978	24-07-1978
केतु	24-07-1978	16-08-1978
शुक्र	16-08-1978	23-10-1978
सूर्य	23-10-1978	12-11-1978
चन्द्र	12-11-1978	16-12-1978
मंगल	16-12-1978	08-01-1979
राहु	08-01-1979	10-03-1979
गुरु	10-03-1979	03-05-1979

मंगल-बुध 1व11म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	03-05-1979	23-06-1979
केतु	23-06-1979	14-07-1979
शुक्र	14-07-1979	13-09-1979
सूर्य	13-09-1979	01-10-1979
चन्द्र	01-10-1979	31-10-1979
मंगल	31-10-1979	21-11-1979
राहु	21-11-1979	14-01-1980
गुरु	14-01-1980	03-03-1980
शनि	03-03-1980	29-04-1980

मंगल-केतु 2व11म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	29-04-1980	08-05-1980
शुक्र	08-05-1980	02-06-1980
सूर्य	02-06-1980	09-06-1980
चन्द्र	09-06-1980	22-06-1980
मंगल	22-06-1980	30-06-1980
राहु	30-06-1980	23-07-1980
गुरु	23-07-1980	12-08-1980
शनि	12-08-1980	04-09-1980
बुध	04-09-1980	25-09-1980

मंगल-शुक्र 3व4म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	25-09-1980	05-12-1980
सूर्य	05-12-1980	27-12-1980
चन्द्र	27-12-1980	31-01-1981
मंगल	31-01-1981	25-02-1981
राहु	25-02-1981	30-04-1981
गुरु	30-04-1981	26-06-1981
शनि	26-06-1981	01-09-1981
बुध	01-09-1981	01-11-1981
केतु	01-11-1981	25-11-1981

मंगल-सूर्य 4व6म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	25-11-1981	02-12-1981
चन्द्र	02-12-1981	12-12-1981
मंगल	12-12-1981	20-12-1981
राहु	20-12-1981	08-01-1982
गुरु	08-01-1982	25-01-1982
शनि	25-01-1982	14-02-1982
बुध	14-02-1982	04-03-1982
केतु	04-03-1982	12-03-1982
शुक्र	12-03-1982	02-04-1982

मंगल-चन्द्र 4व10म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	02-04-1982	20-04-1982
मंगल	20-04-1982	02-05-1982
राहु	02-05-1982	03-06-1982
गुरु	03-06-1982	02-07-1982
शनि	02-07-1982	05-08-1982
बुध	05-08-1982	04-09-1982
केतु	04-09-1982	16-09-1982
शुक्र	16-09-1982	22-10-1982
सूर्य	22-10-1982	01-11-1982

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

राहु महादशा : 01-11-1982 से 01-11-2000
आयु : 5व 5म से 23व 5म

राहु-राहु 5व5म*

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	01-11-1982	29-03-1983
गुरु	29-03-1983	08-08-1983
शनि	08-08-1983	11-01-1984
बुध	11-01-1984	30-05-1984
केतु	30-05-1984	26-07-1984
शुक्र	26-07-1984	06-01-1985
सूर्य	06-01-1985	25-02-1985
चन्द्र	25-02-1985	18-05-1985
मंगल	18-05-1985	14-07-1985

राहु-गुरु 8व1म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	14-07-1985	08-11-1985
शनि	08-11-1985	27-03-1986
बुध	27-03-1986	29-07-1986
केतु	29-07-1986	18-09-1986
शुक्र	18-09-1986	12-02-1987
सूर्य	12-02-1987	27-03-1987
चन्द्र	27-03-1987	08-06-1987
मंगल	08-06-1987	30-07-1987
राहु	30-07-1987	08-12-1987

राहु-शनि 10व6म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	08-12-1987	21-05-1988
बुध	21-05-1988	15-10-1988
केतु	15-10-1988	15-12-1988
शुक्र	15-12-1988	07-06-1989
सूर्य	07-06-1989	29-07-1989
चन्द्र	29-07-1989	23-10-1989
मंगल	23-10-1989	23-12-1989
राहु	23-12-1989	28-05-1990
गुरु	28-05-1990	14-10-1990

राहु-बुध 13व4म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	14-10-1990	23-02-1991
केतु	23-02-1991	18-04-1991
शुक्र	18-04-1991	20-09-1991
सूर्य	20-09-1991	06-11-1991
चन्द्र	06-11-1991	23-01-1992
मंगल	23-01-1992	17-03-1992
राहु	17-03-1992	04-08-1992
गुरु	04-08-1992	06-12-1992
शनि	06-12-1992	02-05-1993

राहु-केतु 15व11म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	02-05-1993	25-05-1993
शुक्र	25-05-1993	28-07-1993
सूर्य	28-07-1993	16-08-1993
चन्द्र	16-08-1993	17-09-1993
मंगल	17-09-1993	09-10-1993
राहु	09-10-1993	06-12-1993
गुरु	06-12-1993	26-01-1994
शनि	26-01-1994	28-03-1994
बुध	28-03-1994	21-05-1994

राहु-शुक्र 17व0म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	21-05-1994	19-11-1994
सूर्य	19-11-1994	13-01-1995
चन्द्र	13-01-1995	15-04-1995
मंगल	15-04-1995	17-06-1995
राहु	17-06-1995	29-11-1995
गुरु	29-11-1995	23-04-1996
शनि	23-04-1996	13-10-1996
बुध	13-10-1996	18-03-1997
केतु	18-03-1997	21-05-1997

राहु-सूर्य 20व0म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	21-05-1997	06-06-1997
चन्द्र	06-06-1997	03-07-1997
मंगल	03-07-1997	23-07-1997
राहु	23-07-1997	10-09-1997
गुरु	10-09-1997	24-10-1997
शनि	24-10-1997	15-12-1997
बुध	15-12-1997	30-01-1998
केतु	30-01-1998	18-02-1998
शुक्र	18-02-1998	14-04-1998

राहु-चन्द्र 20व10म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	14-04-1998	30-05-1998
मंगल	30-05-1998	01-07-1998
राहु	01-07-1998	21-09-1998
गुरु	21-09-1998	03-12-1998
शनि	03-12-1998	28-02-1999
बुध	28-02-1999	16-05-1999
केतु	16-05-1999	17-06-1999
शुक्र	17-06-1999	17-09-1999
सूर्य	17-09-1999	14-10-1999

राहु-मंगल 22व4म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	14-10-1999	06-11-1999
राहु	06-11-1999	02-01-2000
गुरु	02-01-2000	22-02-2000
शनि	22-02-2000	23-04-2000
बुध	23-04-2000	16-06-2000
केतु	16-06-2000	09-07-2000
शुक्र	09-07-2000	11-09-2000
सूर्य	11-09-2000	30-09-2000
चन्द्र	30-09-2000	01-11-2000

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

गुरु महादशा : 01-11-2000 से 01-11-2016
आयु : 23व 5म से 39व 5म

गुरु-गुरु 23व5म*

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	01-11-2000	13-02-2001
शनि	13-02-2001	16-06-2001
बुध	16-06-2001	04-10-2001
केतु	04-10-2001	19-11-2001
शुक्र	19-11-2001	29-03-2002
सूर्य	29-03-2002	07-05-2002
चन्द्र	07-05-2002	11-07-2002
मंगल	11-07-2002	25-08-2002
राहु	25-08-2002	20-12-2002

गुरु-शनि 25व7म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	20-12-2002	15-05-2003
बुध	15-05-2003	23-09-2003
केतु	23-09-2003	16-11-2003
शुक्र	16-11-2003	19-04-2004
सूर्य	19-04-2004	04-06-2004
चन्द्र	04-06-2004	20-08-2004
मंगल	20-08-2004	13-10-2004
राहु	13-10-2004	01-03-2005
गुरु	01-03-2005	02-07-2005

गुरु-बुध 28व1म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	02-07-2005	27-10-2005
केतु	27-10-2005	15-12-2005
शुक्र	15-12-2005	02-05-2006
सूर्य	02-05-2006	12-06-2006
चन्द्र	12-06-2006	20-08-2006
मंगल	20-08-2006	07-10-2006
राहु	07-10-2006	09-02-2007
गुरु	09-02-2007	30-05-2007
शनि	30-05-2007	08-10-2007

गुरु-केतु 30व4म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	08-10-2007	28-10-2007
शुक्र	28-10-2007	24-12-2007
सूर्य	24-12-2007	10-01-2008
चन्द्र	10-01-2008	07-02-2008
मंगल	07-02-2008	27-02-2008
राहु	27-02-2008	18-04-2008
गुरु	18-04-2008	03-06-2008
शनि	03-06-2008	27-07-2008
बुध	27-07-2008	13-09-2008

गुरु-शुक्र 31व3म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	13-09-2008	22-02-2009
सूर्य	22-02-2009	12-04-2009
चन्द्र	12-04-2009	02-07-2009
मंगल	02-07-2009	28-08-2009
राहु	28-08-2009	21-01-2010
गुरु	21-01-2010	31-05-2010
शनि	31-05-2010	01-11-2010
बुध	01-11-2010	19-03-2011
केतु	19-03-2011	15-05-2011

गुरु-सूर्य 33व11म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	15-05-2011	29-05-2011
चन्द्र	29-05-2011	23-06-2011
मंगल	23-06-2011	10-07-2011
राहु	10-07-2011	23-08-2011
गुरु	23-08-2011	01-10-2011
शनि	01-10-2011	16-11-2011
बुध	16-11-2011	27-12-2011
केतु	27-12-2011	13-01-2012
शुक्र	13-01-2012	02-03-2012

गुरु-चन्द्र 34व9म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	02-03-2012	12-04-2012
मंगल	12-04-2012	10-05-2012
राहु	10-05-2012	22-07-2012
गुरु	22-07-2012	25-09-2012
शनि	25-09-2012	11-12-2012
बुध	11-12-2012	18-02-2013
केतु	18-02-2013	19-03-2013
शुक्र	19-03-2013	08-06-2013
सूर्य	08-06-2013	02-07-2013

गुरु-मंगल 36व1म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	02-07-2013	22-07-2013
राहु	22-07-2013	11-09-2013
गुरु	11-09-2013	27-10-2013
शनि	27-10-2013	19-12-2013
बुध	19-12-2013	06-02-2014
केतु	06-02-2014	26-02-2014
शुक्र	26-02-2014	23-04-2014
सूर्य	23-04-2014	11-05-2014
चन्द्र	11-05-2014	08-06-2014

गुरु-राहु 37व0म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	08-06-2014	17-10-2014
गुरु	17-10-2014	11-02-2015
शनि	11-02-2015	30-06-2015
बुध	30-06-2015	01-11-2015
केतु	01-11-2015	22-12-2015
शुक्र	22-12-2015	17-05-2016
सूर्य	17-05-2016	29-06-2016
चन्द्र	29-06-2016	10-09-2016
मंगल	10-09-2016	01-11-2016

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

शनि महादशा : 01-11-2016 से 01-11-2035
आयु : 39व 5म से 58व 5म

शनि-शनि 39व5म*

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	01-11-2016	23-04-2017
बुध	23-04-2017	26-09-2017
केतु	26-09-2017	29-11-2017
शुक्र	29-11-2017	31-05-2018
सूर्य	31-05-2018	25-07-2018
चन्द्र	25-07-2018	25-10-2018
मंगल	25-10-2018	28-12-2018
राहु	28-12-2018	11-06-2019
गुरु	11-06-2019	04-11-2019

शनि-बुध 42व5म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	04-11-2019	23-03-2020
केतु	23-03-2020	19-05-2020
शुक्र	19-05-2020	30-10-2020
सूर्य	30-10-2020	18-12-2020
चन्द्र	18-12-2020	10-03-2021
मंगल	10-03-2021	06-05-2021
राहु	06-05-2021	01-10-2021
गुरु	01-10-2021	09-02-2022
शनि	09-02-2022	14-07-2022

शनि-केतु 45व1म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	14-07-2022	07-08-2022
शुक्र	07-08-2022	13-10-2022
सूर्य	13-10-2022	03-11-2022
चन्द्र	03-11-2022	06-12-2022
मंगल	06-12-2022	30-12-2022
राहु	30-12-2022	01-03-2023
गुरु	01-03-2023	24-04-2023
शनि	24-04-2023	27-06-2023
बुध	27-06-2023	23-08-2023

शनि-शुक्र 46व3म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	23-08-2023	03-03-2024
सूर्य	03-03-2024	30-04-2024
चन्द्र	30-04-2024	04-08-2024
मंगल	04-08-2024	11-10-2024
राहु	11-10-2024	02-04-2025
गुरु	02-04-2025	03-09-2025
शनि	03-09-2025	05-03-2026
बुध	05-03-2026	16-08-2026
केतु	16-08-2026	23-10-2026

शनि-सूर्य 49व5म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	23-10-2026	09-11-2026
चन्द्र	09-11-2026	08-12-2026
मंगल	08-12-2026	28-12-2026
राहु	28-12-2026	18-02-2027
गुरु	18-02-2027	06-04-2027
शनि	06-04-2027	31-05-2027
बुध	31-05-2027	19-07-2027
केतु	19-07-2027	08-08-2027
शुक्र	08-08-2027	05-10-2027

शनि-चन्द्र 50व4म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	05-10-2027	22-11-2027
मंगल	22-11-2027	26-12-2027
राहु	26-12-2027	21-03-2028
गुरु	21-03-2028	07-06-2028
शनि	07-06-2028	06-09-2028
बुध	06-09-2028	27-11-2028
केतु	27-11-2028	31-12-2028
शुक्र	31-12-2028	06-04-2029
सूर्य	06-04-2029	05-05-2029

शनि-मंगल 51व11म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	05-05-2029	29-05-2029
राहु	29-05-2029	28-07-2029
गुरु	28-07-2029	20-09-2029
शनि	20-09-2029	24-11-2029
बुध	24-11-2029	20-01-2030
केतु	20-01-2030	12-02-2030
शुक्र	12-02-2030	21-04-2030
सूर्य	21-04-2030	11-05-2030
चन्द्र	11-05-2030	14-06-2030

शनि-राहु 53व0म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	14-06-2030	17-11-2030
गुरु	17-11-2030	05-04-2031
शनि	05-04-2031	17-09-2031
बुध	17-09-2031	11-02-2032
केतु	11-02-2032	12-04-2032
शुक्र	12-04-2032	02-10-2032
सूर्य	02-10-2032	23-11-2032
चन्द्र	23-11-2032	18-02-2033
मंगल	18-02-2033	20-04-2033

शनि-गुरु 55व11म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	20-04-2033	21-08-2033
शनि	21-08-2033	15-01-2034
बुध	15-01-2034	26-05-2034
केतु	26-05-2034	19-07-2034
शुक्र	19-07-2034	20-12-2034
सूर्य	20-12-2034	04-02-2035
चन्द्र	04-02-2035	22-04-2035
मंगल	22-04-2035	15-06-2035
राहु	15-06-2035	01-11-2035

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

ॐ

विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

बुध महादशा : 01-11-2035 से 31-10-2052
आयु : 58व 5म से 75व 5म

बुध-बुध 58व5म*

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	01-11-2035	05-03-2036
केतु	05-03-2036	25-04-2036
शुक्र	25-04-2036	19-09-2036
सूर्य	19-09-2036	02-11-2036
चन्द्र	02-11-2036	14-01-2037
मंगल	14-01-2037	06-03-2037
राहु	06-03-2037	16-07-2037
गुरु	16-07-2037	10-11-2037
शनि	10-11-2037	30-03-2038

बुध-केतु 60व10म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	30-03-2038	20-04-2038
शुक्र	20-04-2038	19-06-2038
सूर्य	19-06-2038	07-07-2038
चन्द्र	07-07-2038	07-08-2038
मंगल	07-08-2038	28-08-2038
राहु	28-08-2038	21-10-2038
गुरु	21-10-2038	08-12-2038
शनि	08-12-2038	04-02-2039
बुध	04-02-2039	27-03-2039

बुध-शुक्र 61व10म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	27-03-2039	15-09-2039
सूर्य	15-09-2039	06-11-2039
चन्द्र	06-11-2039	31-01-2040
मंगल	31-01-2040	01-04-2040
राहु	01-04-2040	03-09-2040
गुरु	03-09-2040	19-01-2041
शनि	19-01-2041	02-07-2041
बुध	02-07-2041	25-11-2041
केतु	25-11-2041	25-01-2042

बुध-सूर्य 64व8म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	25-01-2042	09-02-2042
चन्द्र	09-02-2042	07-03-2042
मंगल	07-03-2042	25-03-2042
राहु	25-03-2042	11-05-2042
गुरु	11-05-2042	21-06-2042
शनि	21-06-2042	09-08-2042
बुध	09-08-2042	22-09-2042
केतु	22-09-2042	11-10-2042
शुक्र	11-10-2042	01-12-2042

बुध-चन्द्र 65व6म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	01-12-2042	13-01-2043
मंगल	13-01-2043	13-02-2043
राहु	13-02-2043	01-05-2043
गुरु	01-05-2043	09-07-2043
शनि	09-07-2043	29-09-2043
बुध	29-09-2043	11-12-2043
केतु	11-12-2043	11-01-2044
शुक्र	11-01-2044	06-04-2044
सूर्य	06-04-2044	02-05-2044

बुध-मंगल 66व11म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	02-05-2044	23-05-2044
राहु	23-05-2044	16-07-2044
गुरु	16-07-2044	02-09-2044
शनि	02-09-2044	30-10-2044
बुध	30-10-2044	20-12-2044
केतु	20-12-2044	10-01-2045
शुक्र	10-01-2045	12-03-2045
सूर्य	12-03-2045	30-03-2045
चन्द्र	30-03-2045	29-04-2045

बुध-राहु 67व11म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	29-04-2045	16-09-2045
गुरु	16-09-2045	18-01-2046
शनि	18-01-2046	14-06-2046
बुध	14-06-2046	24-10-2046
केतु	24-10-2046	18-12-2046
शुक्र	18-12-2046	22-05-2047
सूर्य	22-05-2047	07-07-2047
चन्द्र	07-07-2047	23-09-2047
मंगल	23-09-2047	16-11-2047

बुध-गुरु 70व5म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	16-11-2047	06-03-2048
शनि	06-03-2048	15-07-2048
बुध	15-07-2048	09-11-2048
केतु	09-11-2048	27-12-2048
शुक्र	27-12-2048	14-05-2049
सूर्य	14-05-2049	25-06-2049
चन्द्र	25-06-2049	02-09-2049
मंगल	02-09-2049	20-10-2049
राहु	20-10-2049	21-02-2050

बुध-शनि 72व9म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	21-02-2050	27-07-2050
बुध	27-07-2050	13-12-2050
केतु	13-12-2050	08-02-2051
शुक्र	08-02-2051	22-07-2051
सूर्य	22-07-2051	09-09-2051
चन्द्र	09-09-2051	30-11-2051
मंगल	30-11-2051	27-01-2052
राहु	27-01-2052	22-06-2052
गुरु	22-06-2052	31-10-2052

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

ॐ

विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

केतु महादशा : 31-10-2052 से 01-11-2059
आयु : 75व 5म से 82व 5म

केतु-केतु 75व5म*

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	31-10-2052	09-11-2052
शुक्र	09-11-2052	04-12-2052
सूर्य	04-12-2052	11-12-2052
चन्द्र	11-12-2052	24-12-2052
मंगल	24-12-2052	01-01-2053
राहु	01-01-2053	24-01-2053
गुरु	24-01-2053	13-02-2053
शनि	13-02-2053	08-03-2053
बुध	08-03-2053	29-03-2053

केतु-शुक्र 75व10म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	29-03-2053	08-06-2053
सूर्य	08-06-2053	30-06-2053
चन्द्र	30-06-2053	04-08-2053
मंगल	04-08-2053	29-08-2053
राहु	29-08-2053	01-11-2053
गुरु	01-11-2053	28-12-2053
शनि	28-12-2053	05-03-2054
बुध	05-03-2054	05-05-2054
केतु	05-05-2054	29-05-2054

केतु-सूर्य 77व0म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	29-05-2054	05-06-2054
चन्द्र	05-06-2054	16-06-2054
मंगल	16-06-2054	23-06-2054
राहु	23-06-2054	12-07-2054
गुरु	12-07-2054	29-07-2054
शनि	29-07-2054	18-08-2054
बुध	18-08-2054	06-09-2054
केतु	06-09-2054	13-09-2054
शुक्र	13-09-2054	04-10-2054

केतु-चन्द्र 77व4म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	04-10-2054	22-10-2054
मंगल	22-10-2054	04-11-2054
राहु	04-11-2054	05-12-2054
गुरु	05-12-2054	03-01-2055
शनि	03-01-2055	06-02-2055
बुध	06-02-2055	08-03-2055
केतु	08-03-2055	20-03-2055
शुक्र	20-03-2055	25-04-2055
सूर्य	25-04-2055	05-05-2055

केतु-मंगल 77व11म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	05-05-2055	14-05-2055
राहु	14-05-2055	05-06-2055
गुरु	05-06-2055	25-06-2055
शनि	25-06-2055	19-07-2055
बुध	19-07-2055	09-08-2055
केतु	09-08-2055	18-08-2055
शुक्र	18-08-2055	12-09-2055
सूर्य	12-09-2055	19-09-2055
चन्द्र	19-09-2055	02-10-2055

केतु-राहु 78व4म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	02-10-2055	28-11-2055
गुरु	28-11-2055	18-01-2056
शनि	18-01-2056	19-03-2056
बुध	19-03-2056	12-05-2056
केतु	12-05-2056	04-06-2056
शुक्र	04-06-2056	07-08-2056
सूर्य	07-08-2056	26-08-2056
चन्द्र	26-08-2056	27-09-2056
मंगल	27-09-2056	19-10-2056

केतु-गुरु 79व4म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	19-10-2056	03-12-2056
शनि	03-12-2056	26-01-2057
बुध	26-01-2057	16-03-2057
केतु	16-03-2057	05-04-2057
शुक्र	05-04-2057	31-05-2057
सूर्य	31-05-2057	18-06-2057
चन्द्र	18-06-2057	16-07-2057
मंगल	16-07-2057	05-08-2057
राहु	05-08-2057	25-09-2057

केतु-शनि 80व4म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	25-09-2057	28-11-2057
बुध	28-11-2057	24-01-2058
केतु	24-01-2058	17-02-2058
शुक्र	17-02-2058	25-04-2058
सूर्य	25-04-2058	16-05-2058
चन्द्र	16-05-2058	18-06-2058
मंगल	18-06-2058	12-07-2058
राहु	12-07-2058	11-09-2058
गुरु	11-09-2058	04-11-2058

केतु-बुध 81व5म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	04-11-2058	25-12-2058
केतु	25-12-2058	15-01-2059
शुक्र	15-01-2059	17-03-2059
सूर्य	17-03-2059	04-04-2059
चन्द्र	04-04-2059	04-05-2059
मंगल	04-05-2059	25-05-2059
राहु	25-05-2059	18-07-2059
गुरु	18-07-2059	05-09-2059
शनि	05-09-2059	01-11-2059

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

शुक्र महादशा : 01-11-2059 से 01-11-2079
आयु : 82व 5म से 102व 5म

शुक्र-शुक्र 82व5म*

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	01-11-2059	22-05-2060
सूर्य	22-05-2060	22-07-2060
चन्द्र	22-07-2060	31-10-2060
मंगल	31-10-2060	10-01-2061
राहु	10-01-2061	12-07-2061
गुरु	12-07-2061	21-12-2061
शनि	21-12-2061	02-07-2062
बुध	02-07-2062	21-12-2062
केतु	21-12-2062	02-03-2063

शुक्र-सूर्य 85व9म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	02-03-2063	21-03-2063
चन्द्र	21-03-2063	20-04-2063
मंगल	20-04-2063	11-05-2063
राहु	11-05-2063	05-07-2063
गुरु	05-07-2063	23-08-2063
शनि	23-08-2063	20-10-2063
बुध	20-10-2063	10-12-2063
केतु	10-12-2063	01-01-2064
शुक्र	01-01-2064	02-03-2064

शुक्र-चन्द्र 86व9म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	02-03-2064	21-04-2064
मंगल	21-04-2064	27-05-2064
राहु	27-05-2064	26-08-2064
गुरु	26-08-2064	15-11-2064
शनि	15-11-2064	20-02-2065
बुध	20-02-2065	17-05-2065
केतु	17-05-2065	21-06-2065
शुक्र	21-06-2065	01-10-2065
सूर्य	01-10-2065	31-10-2065

शुक्र-मंगल 88व5म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	31-10-2065	25-11-2065
राहु	25-11-2065	28-01-2066
गुरु	28-01-2066	26-03-2066
शनि	26-03-2066	01-06-2066
बुध	01-06-2066	01-08-2066
केतु	01-08-2066	26-08-2066
शुक्र	26-08-2066	05-11-2066
सूर्य	05-11-2066	26-11-2066
चन्द्र	26-11-2066	01-01-2067

शुक्र-राहु 89व7म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	01-01-2067	14-06-2067
गुरु	14-06-2067	07-11-2067
शनि	07-11-2067	28-04-2068
बुध	28-04-2068	01-10-2068
केतु	01-10-2068	04-12-2068
शुक्र	04-12-2068	04-06-2069
सूर्य	04-06-2069	29-07-2069
चन्द्र	29-07-2069	28-10-2069
मंगल	28-10-2069	31-12-2069

शुक्र-गुरु 92व7म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	31-12-2069	10-05-2070
शनि	10-05-2070	11-10-2070
बुध	11-10-2070	26-02-2071
केतु	26-02-2071	24-04-2071
शुक्र	24-04-2071	03-10-2071
सूर्य	03-10-2071	21-11-2071
चन्द्र	21-11-2071	10-02-2072
मंगल	10-02-2072	07-04-2072
राहु	07-04-2072	31-08-2072

शुक्र-शनि 95व3म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	31-08-2072	02-03-2073
बुध	02-03-2073	13-08-2073
केतु	13-08-2073	20-10-2073
शुक्र	20-10-2073	30-04-2074
सूर्य	30-04-2074	27-06-2074
चन्द्र	27-06-2074	02-10-2074
मंगल	02-10-2074	08-12-2074
राहु	08-12-2074	31-05-2075
गुरु	31-05-2075	01-11-2075

शुक्र-बुध 98व5म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	01-11-2075	26-03-2076
केतु	26-03-2076	26-05-2076
शुक्र	26-05-2076	14-11-2076
सूर्य	14-11-2076	05-01-2077
चन्द्र	05-01-2077	01-04-2077
मंगल	01-04-2077	01-06-2077
राहु	01-06-2077	03-11-2077
गुरु	03-11-2077	21-03-2078
शनि	21-03-2078	01-09-2078

शुक्र-केतु 101व3म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	01-09-2078	26-09-2078
शुक्र	26-09-2078	06-12-2078
सूर्य	06-12-2078	27-12-2078
चन्द्र	27-12-2078	31-01-2079
मंगल	31-01-2079	25-02-2079
राहु	25-02-2079	30-04-2079
गुरु	30-04-2079	26-06-2079
उत्तर	26-06-2079	01-09-2079
बुध	01-09-2079	01-11-2079

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

सूर्य महादशा : 01-11-2079 से 31-10-2085
आयु : 102व 5म से 108व 5म

सूर्य-सूर्य 102व5म*

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	01-11-2079	06-11-2079
चन्द्र	06-11-2079	15-11-2079
मंगल	15-11-2079	22-11-2079
राहु	22-11-2079	08-12-2079
गुरु	08-12-2079	23-12-2079
शनि	23-12-2079	09-01-2080
बुध	09-01-2080	25-01-2080
केतु	25-01-2080	31-01-2080
शुक्र	31-01-2080	18-02-2080

सूर्य-चन्द्र 102व8म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	18-02-2080	05-03-2080
मंगल	05-03-2080	15-03-2080
राहु	15-03-2080	12-04-2080
गुरु	12-04-2080	06-05-2080
शनि	06-05-2080	04-06-2080
बुध	04-06-2080	30-06-2080
केतु	30-06-2080	10-07-2080
शुक्र	10-07-2080	10-08-2080
सूर्य	10-08-2080	19-08-2080

सूर्य-मंगल 103व2म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	19-08-2080	26-08-2080
राहु	26-08-2080	15-09-2080
गुरु	15-09-2080	02-10-2080
शनि	02-10-2080	22-10-2080
बुध	22-10-2080	09-11-2080
केतु	09-11-2080	16-11-2080
शुक्र	16-11-2080	08-12-2080
सूर्य	08-12-2080	14-12-2080
चन्द्र	14-12-2080	25-12-2080

सूर्य-राहु 103व7म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	25-12-2080	12-02-2081
गुरु	12-02-2081	28-03-2081
शनि	28-03-2081	19-05-2081
बुध	19-05-2081	05-07-2081
केतु	05-07-2081	24-07-2081
शुक्र	24-07-2081	17-09-2081
सूर्य	17-09-2081	03-10-2081
चन्द्र	03-10-2081	30-10-2081
मंगल	30-10-2081	19-11-2081

सूर्य-गुरु 104व5म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	19-11-2081	27-12-2081
शनि	27-12-2081	12-02-2082
बुध	12-02-2082	25-03-2082
केतु	25-03-2082	11-04-2082
शुक्र	11-04-2082	30-05-2082
सूर्य	30-05-2082	13-06-2082
चन्द्र	13-06-2082	08-07-2082
मंगल	08-07-2082	25-07-2082
राहु	25-07-2082	07-09-2082

सूर्य-शनि 105व3म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	07-09-2082	01-11-2082
बुध	01-11-2082	20-12-2082
केतु	20-12-2082	09-01-2083
शुक्र	09-01-2083	08-03-2083
सूर्य	08-03-2083	25-03-2083
चन्द्र	25-03-2083	23-04-2083
मंगल	23-04-2083	13-05-2083
राहु	13-05-2083	04-07-2083
गुरु	04-07-2083	20-08-2083

सूर्य-बुध 106व3म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	20-08-2083	03-10-2083
केतु	03-10-2083	21-10-2083
शुक्र	21-10-2083	12-12-2083
सूर्य	12-12-2083	27-12-2083
चन्द्र	27-12-2083	22-01-2084
मंगल	22-01-2084	09-02-2084
राहु	09-02-2084	27-03-2084
गुरु	27-03-2084	07-05-2084
शनि	07-05-2084	25-06-2084

सूर्य-केतु 107व1म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	25-06-2084	03-07-2084
शुक्र	03-07-2084	24-07-2084
सूर्य	24-07-2084	30-07-2084
चन्द्र	30-07-2084	10-08-2084
मंगल	10-08-2084	17-08-2084
राहु	17-08-2084	06-09-2084
गुरु	06-09-2084	23-09-2084
शनि	23-09-2084	13-10-2084
बुध	13-10-2084	31-10-2084

सूर्य-शुक्र 107व5म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	31-10-2084	31-12-2084
सूर्य	31-12-2084	18-01-2085
चन्द्र	18-01-2085	18-02-2085
मंगल	18-02-2085	11-03-2085
राहु	11-03-2085	05-05-2085
गुरु	05-05-2085	22-06-2085
शनि	22-06-2085	19-08-2085
बुध	19-08-2085	10-10-2085
केतु	10-10-2085	31-10-2085

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

चन्द्र महादशा : 31-10-2085 से 01-11-2095
आयु : 108व 5म से 118व 5म

चन्द्र-चन्द्र 108व5म*

प्रत्यंतर	आरम्भ - अन्त
चन्द्र	31-10-2085 - 26-11-2085
मंगल	26-11-2085 - 13-12-2085
राहु	13-12-2085 - 28-01-2086
गुरु	28-01-2086 - 10-03-2086
शनि	10-03-2086 - 27-04-2086
बुध	27-04-2086 - 09-06-2086
केतु	09-06-2086 - 27-06-2086
शुक्र	27-06-2086 - 16-08-2086
सूर्य	16-08-2086 - 01-09-2086

चन्द्र-मंगल 109व3म

प्रत्यंतर	आरम्भ - अन्त
मंगल	01-09-2086 - 13-09-2086
राहु	13-09-2086 - 15-10-2086
गुरु	15-10-2086 - 12-11-2086
शनि	12-11-2086 - 16-12-2086
बुध	16-12-2086 - 15-01-2087
केतु	15-01-2087 - 28-01-2087
शुक्र	28-01-2087 - 04-03-2087
सूर्य	04-03-2087 - 15-03-2087
चन्द्र	15-03-2087 - 02-04-2087

चन्द्र-राहु 109व10म

प्रत्यंतर	आरम्भ - अन्त
राहु	02-04-2087 - 23-06-2087
गुरु	23-06-2087 - 04-09-2087
शनि	04-09-2087 - 30-11-2087
बुध	30-11-2087 - 15-02-2088
केतु	15-02-2088 - 18-03-2088
शुक्र	18-03-2088 - 18-06-2088
सूर्य	18-06-2088 - 15-07-2088
चन्द्र	15-07-2088 - 30-08-2088
मंगल	30-08-2088 - 01-10-2088

चन्द्र-गुरु 111व4म

प्रत्यंतर	आरम्भ - अन्त
गुरु	01-10-2088 - 04-12-2088
शनि	04-12-2088 - 20-02-2089
बुध	20-02-2089 - 30-04-2089
केतु	30-04-2089 - 28-05-2089
शुक्र	28-05-2089 - 17-08-2089
सूर्य	17-08-2089 - 10-09-2089
चन्द्र	10-09-2089 - 21-10-2089
मंगल	21-10-2089 - 18-11-2089
राहु	18-11-2089 - 31-01-2090

चन्द्र-शनि 112व8म

प्रत्यंतर	आरम्भ - अन्त
शनि	31-01-2090 - 02-05-2090
बुध	02-05-2090 - 23-07-2090
केतु	23-07-2090 - 26-08-2090
शुक्र	26-08-2090 - 30-11-2090
सूर्य	30-11-2090 - 29-12-2090
चन्द्र	29-12-2090 - 15-02-2091
मंगल	15-02-2091 - 21-03-2091
राहु	21-03-2091 - 16-06-2091
गुरु	16-06-2091 - 01-09-2091

चन्द्र-बुध 114व3म

प्रत्यंतर	आरम्भ - अन्त
बुध	01-09-2091 - 13-11-2091
केतु	13-11-2091 - 13-12-2091
शुक्र	13-12-2091 - 09-03-2092
सूर्य	09-03-2092 - 03-04-2092
चन्द्र	03-04-2092 - 17-05-2092
मंगल	17-05-2092 - 16-06-2092
राहु	16-06-2092 - 01-09-2092
गुरु	01-09-2092 - 09-11-2092
शनि	09-11-2092 - 30-01-2093

चन्द्र-केतु 115व8म

प्रत्यंतर	आरम्भ - अन्त
केतु	30-01-2093 - 12-02-2093
शुक्र	12-02-2093 - 19-03-2093
सूर्य	19-03-2093 - 30-03-2093
चन्द्र	30-03-2093 - 17-04-2093
मंगल	17-04-2093 - 29-04-2093
राहु	29-04-2093 - 31-05-2093
गुरु	31-05-2093 - 28-06-2093
शनि	28-06-2093 - 01-08-2093
बुध	01-08-2093 - 31-08-2093

चन्द्र-शुक्र 116व3म

प्रत्यंतर	आरम्भ - अन्त
शुक्र	31-08-2093 - 11-12-2093
सूर्य	11-12-2093 - 10-01-2094
चन्द्र	10-01-2094 - 02-03-2094
मंगल	02-03-2094 - 06-04-2094
राहु	06-04-2094 - 07-07-2094
गुरु	07-07-2094 - 26-09-2094
शनि	26-09-2094 - 31-12-2094
बुध	31-12-2094 - 28-03-2095
केतु	28-03-2095 - 02-05-2095

चन्द्र-सूर्य 117व11म

प्रत्यंतर	आरम्भ - अन्त
सूर्य	02-05-2095 - 11-05-2095
चन्द्र	11-05-2095 - 26-05-2095
मंगल	26-05-2095 - 06-06-2095
राहु	06-06-2095 - 03-07-2095
गुरु	03-07-2095 - 28-07-2095
शनि	28-07-2095 - 26-08-2095
बुध	26-08-2095 - 21-09-2095
केतु	21-09-2095 - 01-10-2095
शुक्र	01-10-2095 - 01-11-2095

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

विंशोत्तरी प्रत्यंतर व सूक्ष्म दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

शनि-केतु-शनि

आरम्भ	24-04-2023
अन्त	27-06-2023
शनि	04-05-2023 10:04
बुध	13-05-2023 12:00
केतु	17-05-2023 05:43
शुक्र	27-05-2023 22:06
सूर्य	31-05-2023 03:01
चंद्र	05-06-2023 11:13
मंगल	09-06-2023 04:56
राहु	18-06-2023 19:41
गुरु	27-06-2023 08:47

शनि-केतु-बुध

आरम्भ	27-06-2023
अन्त	23-08-2023
बुध	05-07-2023 11:46
केतु	08-07-2023 20:03
शुक्र	18-07-2023 09:27
सूर्य	21-07-2023 06:16
चंद्र	26-07-2023 00:58
मंगल	29-07-2023 09:15
राहु	06-08-2023 23:42
गुरु	14-08-2023 15:13
शनि	23-08-2023 17:08

शनि-शुक्र-शुक्र

आरम्भ	23-08-2023
अन्त	03-03-2024
शुक्र	24-09-2023 20:12
सूर्य	04-10-2023 11:32
चंद्र	20-10-2023 13:04
मंगल	31-10-2023 18:56
राहु	29-11-2023 16:54
गुरु	25-12-2023 09:45
शनि	24-01-2024 22:16
बुध	21-02-2024 05:40
केतु	03-03-2024 11:33

शनि-शुक्र-सूर्य

आरम्भ	03-03-2024
अन्त	30-04-2024
सूर्य	06-03-2024 08:56
चंद्र	11-03-2024 04:36
मंगल	14-03-2024 13:34
राहु	23-03-2024 05:45
गुरु	30-03-2024 22:48
शनि	09-04-2024 02:34
बुध	17-04-2024 07:11
केतु	20-04-2024 16:09
शुक्र	30-04-2024 07:28

शनि-शुक्र-चंद्र

आरम्भ	30-04-2024
अन्त	04-08-2024
चंद्र	08-05-2024 08:14
मंगल	13-05-2024 23:10
राहु	28-05-2024 10:09
गुरु	10-06-2024 06:34
शनि	25-06-2024 12:50
बुध	09-07-2024 04:32
केतु	14-07-2024 19:28
शुक्र	30-07-2024 21:00
सूर्य	04-08-2024 16:40

शनि-शुक्र-मंगल

आरम्भ	04-08-2024
अन्त	11-10-2024
मंगल	08-08-2024 15:07
राहु	18-08-2024 18:00
गुरु	27-08-2024 17:54
शनि	07-09-2024 10:17
बुध	16-09-2024 23:41
केतु	20-09-2024 22:08
शुक्र	02-10-2024 04:00
सूर्य	05-10-2024 12:58
चंद्र	11-10-2024 03:54

शनि-शुक्र-राहु

आरम्भ	11-10-2024
अन्त	02-04-2025
राहु	06-11-2024 04:28
गुरु	29-11-2024 07:38
शनि	26-12-2024 18:54
बुध	20-01-2025 08:46
केतु	30-01-2025 11:39
शुक्र	28-02-2025 09:37
सूर्य	09-03-2025 01:48
चंद्र	23-03-2025 12:47
मंगल	02-04-2025 15:40

शनि-शुक्र-गुरु

आरम्भ	02-04-2025
अन्त	03-09-2025
गुरु	23-04-2025 05:09
शनि	17-05-2025 15:09
बुध	08-06-2025 11:29
केतु	17-06-2025 11:23
शुक्र	13-07-2025 04:14
सूर्य	20-07-2025 21:17
चंद्र	02-08-2025 17:43
मंगल	11-08-2025 17:37
राहु	03-09-2025 20:47

शनि-शुक्र-शनि

आरम्भ	03-09-2025
अन्त	05-03-2026
शनि	02-10-2025 20:40
बुध	28-10-2025 19:19
केतु	08-11-2025 11:41
शुक्र	09-12-2025 00:12
सूर्य	18-12-2025 03:57
चंद्र	02-01-2026 10:13
मंगल	13-01-2026 02:36
राहु	09-02-2026 13:51
गुरु	05-03-2026 23:52

शनि-शुक्र-बुध

आरम्भ	05-03-2026
अन्त	16-08-2026
बुध	29-03-2026 04:58
केतु	07-04-2026 18:21
शुक्र	05-05-2026 01:46
सूर्य	13-05-2026 06:23
चंद्र	26-05-2026 22:05
मंगल	05-06-2026 11:29
राहु	30-06-2026 01:21
गुरु	21-07-2026 21:40
शनि	16-08-2026 20:18

शनि-शुक्र-केतु

आरम्भ	16-08-2026
अन्त	23-10-2026
केतु	20-08-2026 18:46
शुक्र	01-09-2026 00:38
सूर्य	04-09-2026 09:36
चंद्र	10-09-2026 00:32
मंगल	13-09-2026 22:59
राहु	24-09-2026 01:53
गुरु	03-10-2026 01:47
शनि	13-10-2026 18:09
बुध	23-10-2026 07:33

शनि-सूर्य-सूर्य

आरम्भ	23-10-2026
अन्त	09-11-2026
सूर्य	24-10-2026 04:22
चंद्र	25-10-2026 15:04
मंगल	26-10-2026 15:21
राहु	29-10-2026 05:49
गुरु	31-10-2026 13:20
शनि	03-11-2026 07:15
बुध	05-11-2026 18:14
केतु	06-11-2026 18:32
शुक्र	09-11-2026 15:55

विंशोत्तरी प्रत्यंतर व सूक्ष्म दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

शनि-सूर्य-चंद्र

आरम्भ	09-11-2026
अन्त	08-12-2026

चंद्र	12-11-2026 01:45
मंगल	13-11-2026 18:14
राहु	18-11-2026 02:20
गुरु	21-11-2026 22:51
शनि	26-11-2026 12:44
बुध	30-11-2026 15:03
केतु	02-12-2026 07:32
शुक्र	07-12-2026 03:11
सूर्य	08-12-2026 13:53

शनि-सूर्य-मंगल

आरम्भ	08-12-2026
अन्त	28-12-2026

मंगल	09-12-2026 18:13
राहु	12-12-2026 19:05
गुरु	15-12-2026 11:51
शनि	18-12-2026 16:46
बुध	21-12-2026 13:35
केतु	22-12-2026 17:55
शुक्र	26-12-2026 02:53
सूर्य	27-12-2026 03:10
चंद्र	28-12-2026 19:39

शनि-सूर्य-राहु

आरम्भ	28-12-2026
अन्त	18-02-2027

राहु	05-01-2027 15:02
गुरु	12-01-2027 13:35
शनि	20-01-2027 19:21
बुध	28-01-2027 04:19
केतु	31-01-2027 05:11
शुक्र	08-02-2027 21:22
सूर्य	11-02-2027 11:49
चंद्र	15-02-2027 19:55
मंगल	18-02-2027 20:47

शनि-सूर्य-गुरु

आरम्भ	18-02-2027
अन्त	06-04-2027

गुरु	25-02-2027 00:50
शनि	04-03-2027 08:38
बुध	10-03-2027 21:56
केतु	13-03-2027 14:42
शुक्र	21-03-2027 07:45
सूर्य	23-03-2027 15:16
चंद्र	27-03-2027 11:48
मंगल	30-03-2027 04:34
राहु	06-04-2027 03:07

शनि-सूर्य-शनि

आरम्भ	06-04-2027
अन्त	31-05-2027

शनि	14-04-2027 19:53
बुध	22-04-2027 14:41
केतु	25-04-2027 19:35
शुक्र	04-05-2027 23:21
सूर्य	07-05-2027 17:16
चंद्र	12-05-2027 07:09
मंगल	15-05-2027 12:04
राहु	23-05-2027 17:50
गुरु	31-05-2027 01:39

शनि-सूर्य-बुध

आरम्भ	31-05-2027
अन्त	19-07-2027

बुध	07-06-2027 00:46
केतु	09-06-2027 21:35
शुक्र	18-06-2027 02:13
सूर्य	20-06-2027 13:12
चंद्र	24-06-2027 15:31
मंगल	27-06-2027 12:20
राहु	04-07-2027 21:17
गुरु	11-07-2027 10:35
शनि	19-07-2027 05:23

शनि-सूर्य-केतु

आरम्भ	19-07-2027
अन्त	08-08-2027

केतु	20-07-2027 09:43
शुक्र	23-07-2027 18:41
सूर्य	24-07-2027 18:58
चंद्र	26-07-2027 11:27
मंगल	27-07-2027 15:47
राहु	30-07-2027 16:39
गुरु	02-08-2027 09:25
शनि	05-08-2027 14:20
बुध	08-08-2027 11:09

शनि-सूर्य-शुक्र

आरम्भ	08-08-2027
अन्त	05-10-2027

शुक्र	18-08-2027 02:28
सूर्य	20-08-2027 23:52
चंद्र	25-08-2027 19:32
मंगल	29-08-2027 04:29
राहु	06-09-2027 20:41
गुरु	14-09-2027 13:44
शनि	23-09-2027 17:29
बुध	01-10-2027 22:06
केतु	05-10-2027 07:04

शनि-चंद्र-चंद्र

आरम्भ	05-10-2027
अन्त	22-11-2027

चंद्र	09-10-2027 07:27
मंगल	12-10-2027 02:55
राहु	19-10-2027 08:25
गुरु	25-10-2027 18:37
शनि	02-11-2027 09:45
बुध	09-11-2027 05:36
केतु	12-11-2027 01:04
शुक्र	20-11-2027 01:50
सूर्य	22-11-2027 11:40

शनि-चंद्र-मंगल

आरम्भ	22-11-2027
अन्त	26-12-2027

मंगल	24-11-2027 10:54
राहु	29-11-2027 12:20
गुरु	04-12-2027 00:17
शनि	09-12-2027 08:29
बुध	14-12-2027 03:11
केतु	16-12-2027 02:24
शुक्र	21-12-2027 17:20
सूर्य	23-12-2027 09:49
चंद्र	26-12-2027 05:17

शनि-चंद्र-राहु

आरम्भ	26-12-2027
अन्त	21-03-2028

राहु	08-01-2028 05:34
गुरु	19-01-2028 19:09
शनि	02-02-2028 12:47
बुध	14-02-2028 19:43
केतु	19-02-2028 21:10
शुक्र	05-03-2028 08:09
सूर्य	09-03-2028 16:14
चंद्र	16-03-2028 21:44
मंगल	21-03-2028 23:10

शनि-चंद्र-गुरु

आरम्भ	21-03-2028
अन्त	07-06-2028

गुरु	01-04-2028 05:55
शनि	13-04-2028 10:55
बुध	24-04-2028 09:05
केतु	28-04-2028 21:02
शुक्र	11-05-2028 17:27
सूर्य	15-05-2028 13:59
चंद्र	22-05-2028 00:12
मंगल	26-05-2028 12:09
राहु	07-06-2028 01:44

विंशोत्तरी प्रत्यंतर व सूक्ष्म दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

शनि-चंद्र-शनि

आरम्भ	07-06-2028
अन्त	06-09-2028

शनि	21-06-2028 13:40
बुध	04-07-2028 13:00
केतु	09-07-2028 21:11
शुक्र	25-07-2028 03:26
सूर्य	29-07-2028 17:19
चंद्र	06-08-2028 08:27
मंगल	11-08-2028 16:38
राहु	25-08-2028 10:16
गुरु	06-09-2028 15:16

शनि-चंद्र-बुध

आरम्भ	06-09-2028
अन्त	27-11-2028

बुध	18-09-2028 05:49
केतु	23-09-2028 00:31
शुक्र	06-10-2028 16:13
सूर्य	10-10-2028 18:32
चंद्र	17-10-2028 14:23
मंगल	22-10-2028 09:05
राहु	03-11-2028 16:01
गुरु	14-11-2028 14:10
शनि	27-11-2028 13:29

शनि-चंद्र-केतु

आरम्भ	27-11-2028
अन्त	31-12-2028

केतु	29-11-2028 12:43
शुक्र	05-12-2028 03:39
सूर्य	06-12-2028 20:08
चंद्र	09-12-2028 15:36
मंगल	11-12-2028 14:50
राहु	16-12-2028 16:17
गुरु	21-12-2028 04:14
शनि	26-12-2028 12:25
बुध	31-12-2028 07:07

शनि-चंद्र-शुक्र

आरम्भ	31-12-2028
अन्त	06-04-2029

शुक्र	16-01-2029 08:39
सूर्य	21-01-2029 04:18
चंद्र	29-01-2029 05:04
मंगल	03-02-2029 20:01
राहु	18-02-2029 06:59
गुरु	03-03-2029 03:25
शनि	18-03-2029 09:40
बुध	01-04-2029 01:23
केतु	06-04-2029 16:19

शनि-चंद्र-सूर्य

आरम्भ	06-04-2029
अन्त	05-05-2029

सूर्य	08-04-2029 03:01
चंद्र	10-04-2029 12:50
मंगल	12-04-2029 05:19
राहु	16-04-2029 13:25
गुरु	20-04-2029 09:57
शनि	24-04-2029 23:49
बुध	29-04-2029 02:08
केतु	30-04-2029 18:37
शुक्र	05-05-2029 14:16

शनि-मंगल-मंगल

आरम्भ	05-05-2029
अन्त	29-05-2029

मंगल	06-05-2029 23:20
राहु	10-05-2029 12:21
गुरु	13-05-2029 15:54
शनि	17-05-2029 09:38
बुध	20-05-2029 17:56
केतु	22-05-2029 02:59
शुक्र	26-05-2029 01:27
सूर्य	27-05-2029 05:47
चंद्र	29-05-2029 05:00

शनि-मंगल-राहु

आरम्भ	29-05-2029
अन्त	28-07-2029

राहु	07-06-2029 07:36
गुरु	15-06-2029 09:55
शनि	25-06-2029 00:39
बुध	03-07-2029 15:06
केतु	07-07-2029 04:07
शुक्र	17-07-2029 07:00
सूर्य	20-07-2029 07:52
चंद्र	25-07-2029 09:19
मंगल	28-07-2029 22:19

शनि-मंगल-गुरु

आरम्भ	28-07-2029
अन्त	20-09-2029

गुरु	05-08-2029 03:03
शनि	13-08-2029 16:09
बुध	21-08-2029 07:40
केतु	24-08-2029 11:13
शुक्र	02-09-2029 11:07
सूर्य	05-09-2029 03:54
चंद्र	09-09-2029 15:51
मंगल	12-09-2029 19:24
राहु	20-09-2029 21:43

शनि-मंगल-शनि

आरम्भ	20-09-2029
अन्त	24-11-2029

शनि	01-10-2029 01:17
बुध	10-10-2029 03:12
केतु	13-10-2029 20:56
शुक्र	24-10-2029 13:19
सूर्य	27-10-2029 18:14
चंद्र	02-11-2029 02:25
मंगल	05-11-2029 20:09
राहु	15-11-2029 10:53
गुरु	24-11-2029 00:00

शनि-मंगल-बुध

आरम्भ	24-11-2029
अन्त	20-01-2030

बुध	02-12-2029 02:59
केतु	05-12-2029 11:16
शुक्र	15-12-2029 00:39
सूर्य	17-12-2029 21:28
चंद्र	22-12-2029 16:10
मंगल	26-12-2029 00:27
राहु	03-01-2030 14:55
गुरु	11-01-2030 06:26
शनि	20-01-2030 08:21

शनि-मंगल-केतु

आरम्भ	20-01-2030
अन्त	12-02-2030

केतु	21-01-2030 17:24
शुक्र	25-01-2030 15:52
सूर्य	26-01-2030 20:12
चंद्र	28-01-2030 19:26
मंगल	30-01-2030 04:29
राहु	02-02-2030 17:30
गुरु	05-02-2030 21:04
शनि	09-02-2030 14:48
बुध	12-02-2030 23:05

शनि-मंगल-शुक्र

आरम्भ	12-02-2030
अन्त	21-04-2030

शुक्र	24-02-2030 04:57
सूर्य	27-02-2030 13:55
चंद्र	05-03-2030 04:51
मंगल	09-03-2030 03:19
राहु	19-03-2030 06:12
गुरु	28-03-2030 06:06
शनि	07-04-2030 22:28
बुध	17-04-2030 11:52
केतु	21-04-2030 10:19

अष्टोत्तरी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : शुक्र 5वर्ष 5मास 11दिन
जन्मकालीन दशा : शु-ल-ल-ल-ल

शुक्र (21व) 0 वर्ष - 5व5म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र		-
सूर्य		-
चन्द्र		-
मंगल		-
बुध		-
शनि		-
गुरु	20-05-1977	02-07-1980
राहु	02-07-1980	01-11-1982

सूर्य (6व) 5व5म - 11व5म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	01-11-1982	03-03-1983
चन्द्र	03-03-1983	01-01-1984
मंगल	01-01-1984	12-06-1984
बुध	12-06-1984	23-05-1985
शनि	23-05-1985	12-12-1985
गुरु	12-12-1985	01-01-1987
राहु	01-01-1987	02-09-1987
शुक्र	02-09-1987	01-11-1988

चन्द्र (15व) 11व5म - 26व5म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	01-11-1988	02-12-1990
मंगल	02-12-1990	11-01-1992
बुध	11-01-1992	23-05-1994
शनि	23-05-1994	12-10-1995
गुरु	12-10-1995	02-06-1998
राहु	02-06-1998	01-02-2000
शुक्र	01-02-2000	01-01-2003
सूर्य	01-01-2003	01-11-2003

मंगल (8व) 26व5म - 34व5म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	01-11-2003	05-06-2004
बुध	05-06-2004	08-09-2005
शनि	08-09-2005	05-06-2006
गुरु	05-06-2006	01-11-2007
राहु	01-11-2007	21-09-2008
शुक्र	21-09-2008	12-04-2010
सूर्य	12-04-2010	21-09-2010
चन्द्र	21-09-2010	01-11-2011

बुध (17व) 34व5म - 51व5म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	01-11-2011	06-07-2014
शनि	06-07-2014	01-02-2016
गुरु	01-02-2016	28-01-2019
राहु	28-01-2019	18-12-2020
शुक्र	18-12-2020	08-04-2024
सूर्य	08-04-2024	19-03-2025
चन्द्र	19-03-2025	29-07-2027
मंगल	29-07-2027	31-10-2028

शनि (10व) 51व5म - 61व5म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	31-10-2028	05-10-2029
गुरु	05-10-2029	09-07-2031
राहु	09-07-2031	18-08-2032
शुक्र	18-08-2032	29-07-2034
सूर्य	29-07-2034	17-02-2035
चन्द्र	17-02-2035	08-07-2036
मंगल	08-07-2036	05-04-2037
बुध	05-04-2037	01-11-2038

गुरु (19व) 61व5म - 80व5म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	01-11-2038	06-03-2042
राहु	06-03-2042	15-04-2044
शुक्र	15-04-2044	25-12-2047
सूर्य	25-12-2047	14-01-2049
चन्द्र	14-01-2049	05-09-2051
मंगल	05-09-2051	31-01-2053
बुध	31-01-2053	28-01-2056
शनि	28-01-2056	31-10-2057

राहु (12व) 80व5म - 92व5म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	31-10-2057	02-03-2059
शुक्र	02-03-2059	02-07-2061
सूर्य	02-07-2061	02-03-2062
चन्द्र	02-03-2062	01-11-2063
मंगल	01-11-2063	21-09-2064
बुध	21-09-2064	11-08-2066
शनि	11-08-2066	21-09-2067
गुरु	21-09-2067	31-10-2069

अष्टोत्तरी दशा लागू करने का नियम :

लग्न के अतिरिक्त राहु लग्नेश से केन्द्र या त्रिकोण में हो या कृष्णपक्ष में दिन में या शुक्लपक्ष में रात्रि में जन्म हो।

अष्टोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

शुक्र-गुरु

आरम्भ	20-05-1977
अन्त	02-07-1980
गुरु	16-06-1977
राहु	13-11-1977
शुक्र	02-08-1978
सूर्य	16-10-1978
चंद्र	22-04-1979
मंगल	31-07-1979
बुध	28-02-1980
शनि	02-07-1980

शुक्र-राहु

आरम्भ	02-07-1980
अन्त	01-11-1982
राहु	05-10-1980
शुक्र	19-03-1981
सूर्य	06-05-1981
चंद्र	01-09-1981
मंगल	03-11-1981
बुध	17-03-1982
शनि	04-06-1982
गुरु	01-11-1982

सूर्य-सूर्य

आरम्भ	01-11-1982
अन्त	03-03-1983
सूर्य	08-11-1982
चंद्र	25-11-1982
मंगल	04-12-1982
बुध	23-12-1982
शनि	03-01-1983
गुरु	25-01-1983
राहु	07-02-1983
शुक्र	03-03-1983

सूर्य-चंद्र

आरम्भ	03-03-1983
अन्त	01-01-1984
चंद्र	14-04-1983
मंगल	07-05-1983
बुध	24-06-1983
शनि	22-07-1983
गुरु	13-09-1983
राहु	17-10-1983
शुक्र	15-12-1983
सूर्य	01-01-1984

सूर्य-मंगल

आरम्भ	01-01-1984
अन्त	12-06-1984
मंगल	13-01-1984
बुध	08-02-1984
शनि	23-02-1984
गुरु	23-03-1984
राहु	10-04-1984
शुक्र	11-05-1984
सूर्य	20-05-1984
चंद्र	12-06-1984

सूर्य-बुध

आरम्भ	12-06-1984
अन्त	23-05-1985
बुध	05-08-1984
शनि	06-09-1984
गुरु	06-11-1984
राहु	14-12-1984
शुक्र	19-02-1985
सूर्य	10-03-1985
चंद्र	27-04-1985
मंगल	23-05-1985

सूर्य-शनि

आरम्भ	23-05-1985
अन्त	12-12-1985
शनि	10-06-1985
गुरु	16-07-1985
राहु	08-08-1985
शुक्र	16-09-1985
सूर्य	27-09-1985
चंद्र	26-10-1985
मंगल	10-11-1985
बुध	12-12-1985

सूर्य-गुरु

आरम्भ	12-12-1985
अन्त	01-01-1987
गुरु	17-02-1986
राहु	01-04-1986
शुक्र	15-06-1986
सूर्य	07-07-1986
चंद्र	29-08-1986
मंगल	27-09-1986
बुध	26-11-1986
शनि	01-01-1987

सूर्य-राहु

आरम्भ	01-01-1987
अन्त	02-09-1987
राहु	28-01-1987
शुक्र	17-03-1987
सूर्य	30-03-1987
चंद्र	03-05-1987
मंगल	21-05-1987
बुध	28-06-1987
शनि	21-07-1987
गुरु	02-09-1987

सूर्य-शुक्र

आरम्भ	02-09-1987
अन्त	01-11-1988
शुक्र	23-11-1987
सूर्य	17-12-1987
चंद्र	14-02-1988
मंगल	17-03-1988
बुध	23-05-1988
शनि	01-07-1988
गुरु	14-09-1988
राहु	01-11-1988

चंद्र-चंद्र

आरम्भ	01-11-1988
अन्त	02-12-1990
चंद्र	14-02-1989
मंगल	12-04-1989
बुध	10-08-1989
शनि	19-10-1989
गुरु	02-03-1990
राहु	25-05-1990
शुक्र	20-10-1990
सूर्य	02-12-1990

चंद्र-मंगल

आरम्भ	02-12-1990
अन्त	11-01-1992
मंगल	01-01-1991
बुध	06-03-1991
शनि	12-04-1991
गुरु	23-06-1991
राहु	07-08-1991
शुक्र	25-10-1991
सूर्य	16-11-1991
चंद्र	11-01-1992

चंद्र-बुध

आरम्भ	11-01-1992
अन्त	23-05-1994
बुध	26-05-1992
शनि	14-08-1992
गुरु	13-01-1993
राहु	19-04-1993
शुक्र	03-10-1993
सूर्य	20-11-1993
चंद्र	20-03-1994
मंगल	23-05-1994

चंद्र-शनि

आरम्भ	23-05-1994
अन्त	12-10-1995
शनि	09-07-1994
गुरु	06-10-1994
राहु	01-12-1994
शुक्र	10-03-1995
सूर्य	07-04-1995
चंद्र	17-06-1995
मंगल	24-07-1995
बुध	12-10-1995

चंद्र-गुरु

आरम्भ	12-10-1995
अन्त	02-06-1998
गुरु	30-03-1996
राहु	15-07-1996
शुक्र	18-01-1997
सूर्य	13-03-1997
चंद्र	25-07-1997
मंगल	04-10-1997
बुध	05-03-1998
शनि	02-06-1998

अष्टोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

चंद्र-राहु		चंद्र-शुक्र		चंद्र-सूर्य		मंगल-मंगल		मंगल-बुध	
आरम्भ	02-06-1998	आरम्भ	01-02-2000	आरम्भ	01-01-2003	आरम्भ	01-11-2003	आरम्भ	05-06-2004
अन्त	01-02-2000	अन्त	01-01-2003	अन्त	01-11-2003	अन्त	05-06-2004	अन्त	08-09-2005
राहु	09-08-1998	शुक्र	26-08-2000	सूर्य	18-01-2003	मंगल	17-11-2003	बुध	16-08-2004
शुक्र	05-12-1998	सूर्य	24-10-2000	चंद्र	01-03-2003	बुध	21-12-2003	शनि	28-09-2004
सूर्य	08-01-1999	चंद्र	21-03-2001	मंगल	24-03-2003	शनि	11-01-2004	गुरु	18-12-2004
चंद्र	02-04-1999	मंगल	08-06-2001	बुध	11-05-2003	गुरु	18-02-2004	राहु	07-02-2005
मंगल	17-05-1999	बुध	23-11-2001	शनि	08-06-2003	राहु	13-03-2004	शुक्र	07-05-2005
बुध	21-08-1999	शनि	01-03-2002	गुरु	31-07-2003	शुक्र	24-04-2004	सूर्य	02-06-2005
शनि	17-10-1999	गुरु	05-09-2002	राहु	03-09-2003	सूर्य	06-05-2004	चंद्र	05-08-2005
गुरु	01-02-2000	राहु	01-01-2003	शुक्र	01-11-2003	चंद्र	05-06-2004	मंगल	08-09-2005

मंगल-शनि		मंगल-गुरु		मंगल-राहु		मंगल-शुक्र		मंगल-सूर्य	
आरम्भ	08-09-2005	आरम्भ	05-06-2006	आरम्भ	01-11-2007	आरम्भ	21-09-2008	आरम्भ	12-04-2010
अन्त	05-06-2006	अन्त	01-11-2007	अन्त	21-09-2008	अन्त	12-04-2010	अन्त	21-09-2010
शनि	03-10-2005	गुरु	04-09-2006	राहु	07-12-2007	शुक्र	09-01-2009	सूर्य	21-04-2010
गुरु	19-11-2005	राहु	31-10-2006	शुक्र	09-02-2008	सूर्य	10-02-2009	चंद्र	14-05-2010
राहु	19-12-2005	शुक्र	08-02-2007	सूर्य	27-02-2008	चंद्र	30-04-2009	मंगल	26-05-2010
शुक्र	10-02-2006	सूर्य	08-03-2007	चंद्र	12-04-2008	मंगल	11-06-2009	बुध	20-06-2010
सूर्य	25-02-2006	चंद्र	19-05-2007	मंगल	06-05-2008	बुध	08-09-2009	शनि	05-07-2010
चंद्र	04-04-2006	मंगल	26-06-2007	बुध	26-06-2008	शनि	31-10-2009	गुरु	03-08-2010
मंगल	24-04-2006	बुध	15-09-2007	शनि	26-07-2008	गुरु	08-02-2010	राहु	21-08-2010
बुध	05-06-2006	शनि	01-11-2007	गुरु	21-09-2008	राहु	12-04-2010	शुक्र	21-09-2010

मंगल-चंद्र		बुध-बुध		बुध-शनि		बुध-गुरु		बुध-राहु	
आरम्भ	21-09-2010	आरम्भ	01-11-2011	आरम्भ	06-07-2014	आरम्भ	01-02-2016	आरम्भ	28-01-2019
अन्त	01-11-2011	अन्त	06-07-2014	अन्त	01-02-2016	अन्त	28-01-2019	अन्त	18-12-2020
चंद्र	17-11-2010	बुध	03-04-2012	शनि	28-08-2014	गुरु	11-08-2016	राहु	15-04-2019
मंगल	17-12-2010	शनि	03-07-2012	गुरु	07-12-2014	राहु	10-12-2016	शुक्र	27-08-2019
बुध	19-02-2011	गुरु	22-12-2012	राहु	09-02-2015	शुक्र	11-07-2017	सूर्य	04-10-2019
शनि	28-03-2011	राहु	09-04-2013	शुक्र	01-06-2015	सूर्य	09-09-2017	चंद्र	08-01-2020
गुरु	08-06-2011	शुक्र	16-10-2013	सूर्य	03-07-2015	चंद्र	08-02-2018	मंगल	28-02-2020
राहु	23-07-2011	सूर्य	10-12-2013	चंद्र	21-09-2015	मंगल	30-04-2018	बुध	16-06-2020
शुक्र	10-10-2011	चंद्र	24-04-2014	मंगल	02-11-2015	बुध	19-10-2018	शनि	18-08-2020
सूर्य	01-11-2011	मंगल	06-07-2014	बुध	01-02-2016	शनि	28-01-2019	गुरु	18-12-2020

अष्टोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

बुध-शुक्र

आरम्भ	18-12-2020
अन्त	08-04-2024
शुक्र	10-08-2021
सूर्य	16-10-2021
चंद्र	01-04-2022
मंगल	30-06-2022
बुध	06-01-2023
शनि	28-04-2023
गुरु	26-11-2023
राहु	08-04-2024

बुध-सूर्य

आरम्भ	08-04-2024
अन्त	19-03-2025
सूर्य	27-04-2024
चंद्र	14-06-2024
मंगल	10-07-2024
बुध	02-09-2024
शनि	04-10-2024
गुरु	04-12-2024
राहु	11-01-2025
शुक्र	19-03-2025

बुध-चंद्र

आरम्भ	19-03-2025
अन्त	29-07-2027
चंद्र	17-07-2025
मंगल	19-09-2025
बुध	02-02-2026
शनि	22-04-2026
गुरु	21-09-2026
राहु	26-12-2026
शुक्र	12-06-2027
सूर्य	29-07-2027

बुध-मंगल

आरम्भ	29-07-2027
अन्त	31-10-2028
मंगल	02-09-2027
बुध	13-11-2027
शनि	26-12-2027
गुरु	15-03-2028
राहु	06-05-2028
शुक्र	03-08-2028
सूर्य	29-08-2028
चंद्र	31-10-2028

शनि-शनि

आरम्भ	31-10-2028
अन्त	05-10-2029
शनि	02-12-2028
गुरु	30-01-2029
राहु	09-03-2029
शुक्र	14-05-2029
सूर्य	01-06-2029
चंद्र	18-07-2029
मंगल	12-08-2029
बुध	05-10-2029

शनि-गुरु

आरम्भ	05-10-2029
अन्त	09-07-2031
गुरु	26-01-2030
राहु	07-04-2030
शुक्र	10-08-2030
सूर्य	15-09-2030
चंद्र	13-12-2030
मंगल	30-01-2031
बुध	11-05-2031
शनि	09-07-2031

शनि-राहु

आरम्भ	09-07-2031
अन्त	18-08-2032
राहु	23-08-2031
शुक्र	10-11-2031
सूर्य	03-12-2031
चंद्र	28-01-2032
मंगल	27-02-2032
बुध	01-05-2032
शनि	08-06-2032
गुरु	18-08-2032

शनि-शुक्र

आरम्भ	18-08-2032
अन्त	29-07-2034
शुक्र	03-01-2033
सूर्य	12-02-2033
चंद्र	21-05-2033
मंगल	13-07-2033
बुध	02-11-2033
शनि	06-01-2034
गुरु	11-05-2034
राहु	29-07-2034

शनि-सूर्य

आरम्भ	29-07-2034
अन्त	17-02-2035
सूर्य	09-08-2034
चंद्र	07-09-2034
मंगल	22-09-2034
बुध	24-10-2034
शनि	11-11-2034
गुरु	17-12-2034
राहु	09-01-2035
शुक्र	17-02-2035

शनि-चंद्र

आरम्भ	17-02-2035
अन्त	08-07-2036
चंद्र	29-04-2035
मंगल	05-06-2035
बुध	24-08-2035
शनि	10-10-2035
गुरु	07-01-2036
राहु	04-03-2036
शुक्र	10-06-2036
सूर्य	08-07-2036

शनि-मंगल

आरम्भ	08-07-2036
अन्त	05-04-2037
मंगल	28-07-2036
बुध	09-09-2036
शनि	04-10-2036
गुरु	21-11-2036
राहु	21-12-2036
शुक्र	11-02-2037
सूर्य	26-02-2037
चंद्र	05-04-2037

शनि-बुध

आरम्भ	05-04-2037
अन्त	01-11-2038
बुध	04-07-2037
शनि	27-08-2037
गुरु	06-12-2037
राहु	08-02-2038
शुक्र	30-05-2038
सूर्य	01-07-2038
चंद्र	19-09-2038
मंगल	01-11-2038

गुरु-गुरु

आरम्भ	01-11-2038
अन्त	06-03-2042
गुरु	04-06-2039
राहु	17-10-2039
शुक्र	11-06-2040
सूर्य	17-08-2040
चंद्र	03-02-2041
मंगल	04-05-2041
बुध	13-11-2041
शनि	06-03-2042

गुरु-राहु

आरम्भ	06-03-2042
अन्त	15-04-2044
राहु	30-05-2042
शुक्र	27-10-2042
सूर्य	09-12-2042
चंद्र	26-03-2043
मंगल	22-05-2043
बुध	21-09-2043
शनि	01-12-2043
गुरु	15-04-2044

गुरु-शुक्र

आरम्भ	15-04-2044
अन्त	25-12-2047
शुक्र	02-01-2045
सूर्य	18-03-2045
चंद्र	22-09-2045
मंगल	30-12-2045
बुध	31-07-2046
शनि	03-12-2046
गुरु	28-07-2047
राहु	25-12-2047

अष्टोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

गुरु-सूर्य

आरम्भ	25-12-2047
अन्त	14-01-2049

सूर्य	16-01-2048
चंद्र	09-03-2048
मंगल	07-04-2048
बुध	06-06-2048
शनि	12-07-2048
गुरु	18-09-2048
राहु	31-10-2048
शुक्र	14-01-2049

गुरु-चंद्र

आरम्भ	14-01-2049
अन्त	05-09-2051

चंद्र	28-05-2049
मंगल	07-08-2049
बुध	06-01-2050
शनि	05-04-2050
गुरु	21-09-2050
राहु	07-01-2051
शुक्र	13-07-2051
सूर्य	05-09-2051

गुरु-मंगल

आरम्भ	05-09-2051
अन्त	31-01-2053

मंगल	13-10-2051
बुध	02-01-2052
शनि	18-02-2052
गुरु	19-05-2052
राहु	15-07-2052
शुक्र	23-10-2052
सूर्य	20-11-2052
चंद्र	31-01-2053

गुरु-बुध

आरम्भ	31-01-2053
अन्त	28-01-2056

बुध	21-07-2053
शनि	31-10-2053
गुरु	11-05-2054
राहु	09-09-2054
शुक्र	10-04-2055
सूर्य	09-06-2055
चंद्र	08-11-2055
मंगल	28-01-2056

गुरु-शनि

आरम्भ	28-01-2056
अन्त	31-10-2057

शनि	27-03-2056
गुरु	18-07-2056
राहु	28-09-2056
शुक्र	31-01-2057
सूर्य	07-03-2057
चंद्र	05-06-2057
मंगल	22-07-2057
बुध	31-10-2057

राहु-राहु

आरम्भ	31-10-2057
अन्त	02-03-2059

राहु	25-12-2057
शुक्र	29-03-2058
सूर्य	25-04-2058
चंद्र	02-07-2058
मंगल	07-08-2058
बुध	23-10-2058
शनि	07-12-2058
गुरु	02-03-2059

राहु-शुक्र

आरम्भ	02-03-2059
अन्त	02-07-2061

शुक्र	15-08-2059
सूर्य	02-10-2059
चंद्र	28-01-2060
मंगल	31-03-2060
बुध	12-08-2060
शनि	30-10-2060
गुरु	29-03-2061
राहु	02-07-2061

राहु-सूर्य

आरम्भ	02-07-2061
अन्त	02-03-2062

सूर्य	15-07-2061
चंद्र	18-08-2061
मंगल	05-09-2061
बुध	13-10-2061
शनि	05-11-2061
गुरु	18-12-2061
राहु	14-01-2062
शुक्र	02-03-2062

राहु-चंद्र

आरम्भ	02-03-2062
अन्त	01-11-2063

चंद्र	26-05-2062
मंगल	10-07-2062
बुध	14-10-2062
शनि	09-12-2062
गुरु	26-03-2063
राहु	02-06-2063
शुक्र	28-09-2063
सूर्य	01-11-2063

राहु-मंगल

आरम्भ	01-11-2063
अन्त	21-09-2064

मंगल	25-11-2063
बुध	15-01-2064
शनि	14-02-2064
गुरु	11-04-2064
राहु	17-05-2064
शुक्र	19-07-2064
सूर्य	06-08-2064
चंद्र	21-09-2064

राहु-बुध

आरम्भ	21-09-2064
अन्त	11-08-2066

बुध	07-01-2065
शनि	12-03-2065
गुरु	11-07-2065
राहु	26-09-2065
शुक्र	07-02-2066
सूर्य	18-03-2066
चंद्र	21-06-2066
मंगल	11-08-2066

राहु-शनि

आरम्भ	11-08-2066
अन्त	21-09-2067

शनि	18-09-2066
गुरु	28-11-2066
राहु	13-01-2067
शुक्र	01-04-2067
सूर्य	24-04-2067
चंद्र	19-06-2067
मंगल	19-07-2067
बुध	21-09-2067

राहु-गुरु

आरम्भ	21-09-2067
अन्त	31-10-2069

गुरु	04-02-2068
राहु	30-04-2068
शुक्र	27-09-2068
सूर्य	08-11-2068
चंद्र	23-02-2069
मंगल	22-04-2069
बुध	21-08-2069
शनि	31-10-2069

शुक्र-शुक्र

आरम्भ	31-10-2069
अन्त	01-12-2073

शुक्र	17-08-2070
सूर्य	08-11-2070
चंद्र	03-06-2071
मंगल	22-09-2071
बुध	14-05-2072
शनि	29-09-2072
गुरु	18-06-2073
राहु	01-12-2073

शुक्र-सूर्य

आरम्भ	01-12-2073
अन्त	31-01-2075

सूर्य	24-12-2073
चंद्र	22-02-2074
मंगल	25-03-2074
बुध	31-05-2074
शनि	10-07-2074
गुरु	23-09-2074
राहु	09-11-2074
शुक्र	31-01-2075

योगिनी महा व अन्तर दशाएं

(प्रथम चक्र)

भोग्य दशा : संकटा 6वर्ष 2मास 23दिन

संकटा (8व) 0 वर्ष - 6व2म

अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
संकटा रा	20-05-1977	23-05-1977
मंगला चं	23-05-1977	12-08-1977
पिंगला सू	12-08-1977	22-01-1978
धान्या गु	22-01-1978	22-09-1978
भ्रामरी मं	22-09-1978	13-08-1979
भद्रिका बु	13-08-1979	22-09-1980
उल्का श	22-09-1980	22-01-1982
सिद्धा शु	22-01-1982	13-08-1983

मंगला (1व) 6व2म - 7व2म

अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
मंगला चं	13-08-1983	23-08-1983
पिंगला सू	23-08-1983	12-09-1983
धान्या गु	12-09-1983	13-10-1983
भ्रामरी मं	13-10-1983	22-11-1983
भद्रिका बु	22-11-1983	12-01-1984
उल्का श	12-01-1984	13-03-1984
सिद्धा शु	13-03-1984	23-05-1984
संकटा रा	23-05-1984	12-08-1984

पिंगला (2व) 7व2म - 9व2म

अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
पिंगला सू	12-08-1984	22-09-1984
धान्या गु	22-09-1984	21-11-1984
भ्रामरी मं	21-11-1984	11-02-1985
भद्रिका बु	11-02-1985	23-05-1985
उल्का श	23-05-1985	22-09-1985
सिद्धा शु	22-09-1985	11-02-1986
संकटा रा	11-02-1986	23-07-1986
मंगला चं	23-07-1986	13-08-1986

धान्या (3व) 9व2म - 12व2म

अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
धान्या गु	13-08-1986	12-11-1986
भ्रामरी मं	12-11-1986	14-03-1987
भद्रिका बु	14-03-1987	13-08-1987
उल्का श	13-08-1987	11-02-1988
सिद्धा शु	11-02-1988	11-09-1988
संकटा रा	11-09-1988	13-05-1989
मंगला चं	13-05-1989	12-06-1989
पिंगला सू	12-06-1989	12-08-1989

भ्रामरी (4व) 12व2म - 16व2म

अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
भ्रामरी मं	12-08-1989	22-01-1990
भद्रिका बु	22-01-1990	12-08-1990
उल्का श	12-08-1990	13-04-1991
सिद्धा शु	13-04-1991	22-01-1992
संकटा रा	22-01-1992	12-12-1992
मंगला चं	12-12-1992	21-01-1993
पिंगला सू	21-01-1993	12-04-1993
धान्या गु	12-04-1993	12-08-1993

भद्रिका (5व) 16व2म - 21व2म

अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
भद्रिका बु	12-08-1993	23-04-1994
उल्का श	23-04-1994	21-02-1995
सिद्धा शु	21-02-1995	11-02-1996
संकटा रा	11-02-1996	23-03-1997
मंगला चं	23-03-1997	13-05-1997
पिंगला सू	13-05-1997	22-08-1997
धान्या गु	22-08-1997	22-01-1998
भ्रामरी मं	22-01-1998	12-08-1998

उल्का (6व) 21व2म - 27व2म

अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
उल्का श	12-08-1998	13-08-1999
सिद्धा शु	13-08-1999	12-10-2000
संकटा रा	12-10-2000	11-02-2002
मंगला चं	11-02-2002	13-04-2002
पिंगला सू	13-04-2002	12-08-2002
धान्या गु	12-08-2002	11-02-2003
भ्रामरी मं	11-02-2003	13-10-2003
भद्रिका बु	13-10-2003	12-08-2004

सिद्धा (7व) 27व2म - 34व2म

अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
सिद्धा शु	12-08-2004	22-12-2005
संकटा रा	22-12-2005	13-07-2007
मंगला चं	13-07-2007	22-09-2007
पिंगला सू	22-09-2007	11-02-2008
धान्या गु	11-02-2008	11-09-2008
भ्रामरी मं	11-09-2008	22-06-2009
भद्रिका बु	22-06-2009	12-06-2010
उल्का श	12-06-2010	13-08-2011

योगिनी महा व अन्तर दशाएं

(द्वितीय चक्र)

संकटा (8व) 34व2म - 42व2म

अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
संकटा रा	13-08-2011	23-05-2013
मंगला चं	23-05-2013	12-08-2013
पिंगला सू	12-08-2013	21-01-2014
धान्या गु	21-01-2014	22-09-2014
भ्रामरी मं	22-09-2014	13-08-2015
भद्रिका बु	13-08-2015	21-09-2016
उल्का श	21-09-2016	21-01-2018
सिद्धा शु	21-01-2018	13-08-2019

मंगला (1व) 42व2म - 43व2म

अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
मंगला चं	13-08-2019	23-08-2019
पिंगला सू	23-08-2019	12-09-2019
धान्या गु	12-09-2019	12-10-2019
भ्रामरी मं	12-10-2019	22-11-2019
भद्रिका बु	22-11-2019	12-01-2020
उल्का श	12-01-2020	13-03-2020
सिद्धा शु	13-03-2020	23-05-2020
संकटा रा	23-05-2020	12-08-2020

पिंगला (2व) 43व2म - 45व2म

अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
पिंगला सू	12-08-2020	21-09-2020
धान्या गु	21-09-2020	21-11-2020
भ्रामरी मं	21-11-2020	10-02-2021
भद्रिका बु	10-02-2021	23-05-2021
उल्का श	23-05-2021	22-09-2021
सिद्धा शु	22-09-2021	11-02-2022
संकटा रा	11-02-2022	23-07-2022
मंगला चं	23-07-2022	12-08-2022

धान्या (3व) 45व2म - 48व2म

अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
धान्या गु	12-08-2022	12-11-2022
भ्रामरी मं	12-11-2022	13-03-2023
भद्रिका बु	13-03-2023	12-08-2023
उल्का श	12-08-2023	11-02-2024
सिद्धा शु	11-02-2024	11-09-2024
संकटा रा	11-09-2024	13-05-2025
मंगला चं	13-05-2025	12-06-2025
पिंगला सू	12-06-2025	12-08-2025

भ्रामरी (4व) 48व2म - 52व2म

अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
भ्रामरी मं	12-08-2025	21-01-2026
भद्रिका बु	21-01-2026	12-08-2026
उल्का श	12-08-2026	13-04-2027
सिद्धा शु	13-04-2027	22-01-2028
संकटा रा	22-01-2028	11-12-2028
मंगला चं	11-12-2028	21-01-2029
पिंगला सू	21-01-2029	12-04-2029
धान्या गु	12-04-2029	12-08-2029

भद्रिका (5व) 52व2म - 57व2म

अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
भद्रिका बु	12-08-2029	23-04-2030
उल्का श	23-04-2030	21-02-2031
सिद्धा शु	21-02-2031	11-02-2032
संकटा रा	11-02-2032	23-03-2033
मंगला चं	23-03-2033	13-05-2033
पिंगला सू	13-05-2033	22-08-2033
धान्या गु	22-08-2033	21-01-2034
भ्रामरी मं	21-01-2034	12-08-2034

उल्का (6व) 57व2म - 63व2म

अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
उल्का श	12-08-2034	12-08-2035
सिद्धा शु	12-08-2035	12-10-2036
संकटा रा	12-10-2036	10-02-2038
मंगला चं	10-02-2038	12-04-2038
पिंगला सू	12-04-2038	12-08-2038
धान्या गु	12-08-2038	11-02-2039
भ्रामरी मं	11-02-2039	12-10-2039
भद्रिका बु	12-10-2039	12-08-2040

सिद्धा (7व) 63व2म - 70व2म

अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
सिद्धा शु	12-08-2040	22-12-2041
संकटा रा	22-12-2041	13-07-2043
मंगला चं	13-07-2043	22-09-2043
पिंगला सू	22-09-2043	11-02-2044
धान्या गु	11-02-2044	11-09-2044
भ्रामरी मं	11-09-2044	22-06-2045
भद्रिका बु	22-06-2045	12-06-2046
उल्का श	12-06-2046	12-08-2047

योगिनी महा व अन्तर दशाएं

(तृतीय चक्र)

संकटा (8व) 70व2म - 78व2म

अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
संकटा रा	12-08-2047	23-05-2049
मंगला चं	23-05-2049	12-08-2049
पिंगला सू	12-08-2049	21-01-2050
धान्या गु	21-01-2050	22-09-2050
भ्रामरी मं	22-09-2050	12-08-2051
भद्रिका बु	12-08-2051	21-09-2052
उल्का श	21-09-2052	21-01-2054
सिद्धा शु	21-01-2054	12-08-2055

मंगला (1व) 78व2म - 79व2म

अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
मंगला चं	12-08-2055	22-08-2055
पिंगला सू	22-08-2055	12-09-2055
धान्या गु	12-09-2055	12-10-2055
भ्रामरी मं	12-10-2055	22-11-2055
भद्रिका बु	22-11-2055	11-01-2056
उल्का श	11-01-2056	12-03-2056
सिद्धा शु	12-03-2056	22-05-2056
संकटा रा	22-05-2056	11-08-2056

पिंगला (2व) 79व2म - 81व2म

अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
पिंगला सू	11-08-2056	21-09-2056
धान्या गु	21-09-2056	21-11-2056
भ्रामरी मं	21-11-2056	10-02-2057
भद्रिका बु	10-02-2057	23-05-2057
उल्का श	23-05-2057	21-09-2057
सिद्धा शु	21-09-2057	10-02-2058
संकटा रा	10-02-2058	23-07-2058
मंगला चं	23-07-2058	12-08-2058

धान्या (3व) 81व2म - 84व2म

अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
धान्या गु	12-08-2058	11-11-2058
भ्रामरी मं	11-11-2058	13-03-2059
भद्रिका बु	13-03-2059	12-08-2059
उल्का श	12-08-2059	11-02-2060
सिद्धा शु	11-02-2060	11-09-2060
संकटा रा	11-09-2060	12-05-2061
मंगला चं	12-05-2061	12-06-2061
पिंगला सू	12-06-2061	12-08-2061

भ्रामरी (4व) 84व2म - 88व2म

अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
भ्रामरी मं	12-08-2061	21-01-2062
भद्रिका बु	21-01-2062	12-08-2062
उल्का श	12-08-2062	12-04-2063
सिद्धा शु	12-04-2063	21-01-2064
संकटा रा	21-01-2064	11-12-2064
मंगला चं	11-12-2064	21-01-2065
पिंगला सू	21-01-2065	12-04-2065
धान्या गु	12-04-2065	12-08-2065

भद्रिका (5व) 88व2म - 93व2म

अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
भद्रिका बु	12-08-2065	22-04-2066
उल्का श	22-04-2066	21-02-2067
सिद्धा शु	21-02-2067	11-02-2068
संकटा रा	11-02-2068	23-03-2069
मंगला चं	23-03-2069	12-05-2069
पिंगला सू	12-05-2069	22-08-2069
धान्या गु	22-08-2069	21-01-2070
भ्रामरी मं	21-01-2070	12-08-2070

उल्का (6व) 93व2म - 99व2म

अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
उल्का श	12-08-2070	12-08-2071
सिद्धा शु	12-08-2071	11-10-2072
संकटा रा	11-10-2072	10-02-2074
मंगला चं	10-02-2074	12-04-2074
पिंगला सू	12-04-2074	12-08-2074
धान्या गु	12-08-2074	10-02-2075
भ्रामरी मं	10-02-2075	12-10-2075
भद्रिका बु	12-10-2075	11-08-2076

सिद्धा (7व) 99व2म - 106व2म

अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
सिद्धा शु	11-08-2076	21-12-2077
संकटा रा	21-12-2077	13-07-2079
मंगला चं	13-07-2079	22-09-2079
पिंगला सू	22-09-2079	11-02-2080
धान्या गु	11-02-2080	11-09-2080
भ्रामरी मं	11-09-2080	22-06-2081
भद्रिका बु	22-06-2081	12-06-2082
उल्का श	12-06-2082	12-08-2083

कालचक्र महा व अन्तर दशाएं

* भोग्य दशा : कर्क 9व 11मा 14दि * जीव राशि : मीन * देह राशि : कर्क

कर्क (21व) 0व 0मा'

आरम्भ		
अन्त		
4	कर्क दे	
3	मिथुन	
2	वृष	
1	मेष	
12	मीन जी	
11	कुंभ	
10	मकर	20-05-1977
9	धनु	03-08-1978
8	वृश्चिक	03-05-1980
7	तुला	02-02-1982
6	कन्या	03-11-1983
5	सिंह	03-08-1985

मिथुन (9व) 41व 11म

आरम्भ		04-05-1987
अन्त		02-02-1988
9	धनु	04-05-1987
10	मकर	02-02-1988
11	कुंभ	02-11-1988
12	मीन जी	03-08-1989
1	मेष	04-05-1990
2	वृष	02-02-1991
3	मिथुन	03-11-1991
4	कर्क दे	03-08-1992
5	सिंह	04-05-1993
6	कन्या	01-02-1994
7	तुला	02-11-1994
8	वृश्चिक	03-08-1995

वृष (16व) 51व 11म

आरम्भ		03-05-1996
अन्त		02-09-1997
2	वृष	03-05-1996
1	मेष	02-09-1997
12	मीन जी	02-01-1999
11	कुंभ	03-05-2000
10	मकर	02-09-2001
9	धनु	02-01-2003
8	वृश्चिक	03-05-2004
7	तुला	02-09-2005
6	कन्या	02-01-2007
5	सिंह	03-05-2008
4	कर्क दे	02-09-2009
3	मिथुन	02-01-2011

मेष (7व) 55व 11म

आरम्भ		03-05-2012
अन्त		02-12-2012
1	मेष	03-05-2012
2	वृष	02-12-2012
3	मिथुन	03-07-2013
4	कर्क दे	01-02-2014
5	सिंह	02-09-2014
6	कन्या	03-04-2015
7	तुला	03-11-2015
8	वृश्चिक	03-06-2016
9	धनु	02-01-2017
10	मकर	03-08-2017
11	कुंभ	04-03-2018
12	मीन जी	03-10-2018

धनु (10व) 59व 11म

आरम्भ		04-05-2019
अन्त		03-03-2020
9	धनु	04-05-2019
10	मकर	03-03-2020
11	कुंभ	02-01-2021
12	मीन जी	02-11-2021
1	मेष	02-09-2022
2	वृष	04-07-2023
3	मिथुन	03-05-2024
4	कर्क दे	03-03-2025
5	सिंह	02-01-2026
6	कन्या	02-11-2026
7	तुला	03-09-2027
8	वृश्चिक	03-07-2028

मकर (4व) 69व 11म

आरम्भ		03-05-2029
अन्त		02-09-2029
4	कर्क दे	03-05-2029
3	मिथुन	02-09-2029
2	वृष	02-01-2030
1	मेष	04-05-2030
12	मीन जी	02-09-2030
11	कुंभ	02-01-2031
10	मकर	04-05-2031
9	धनु	03-09-2031
8	वृश्चिक	02-01-2032
7	तुला	03-05-2032
6	कन्या	02-09-2032
5	सिंह	02-01-2033

कुंभ (4व) 76व 11म

आरम्भ		03-05-2033
अन्त		02-09-2033
11	कुंभ	03-05-2033
12	मीन जी	02-09-2033
1	मेष	02-01-2034
2	वृष	03-05-2034
3	मिथुन	02-09-2034
4	कर्क दे	02-01-2035
5	सिंह	04-05-2035
6	कन्या	02-09-2035
7	तुला	02-01-2036
8	वृश्चिक	03-05-2036
9	धनु	02-09-2036
10	मकर	01-01-2037

मीन (10व) 92व 11म

आरम्भ		03-05-2037
अन्त		04-03-2038
12	मीन जी	03-05-2037
11	कुंभ	04-03-2038
10	मकर	02-01-2039
9	धनु	02-11-2039
8	वृश्चिक	02-09-2040
7	तुला	03-07-2041
6	कन्या	03-05-2042
5	सिंह	04-03-2043
4	कर्क दे	02-01-2044
3	मिथुन	02-11-2044
2	वृष	02-09-2045
1	मेष	03-07-2046

मेष (7व) 101व 11म

आरम्भ		04-05-2047
अन्त		03-12-2047
1	मेष	04-05-2047
2	वृष	03-12-2047
3	मिथुन	03-07-2048
4	कर्क दे	01-02-2049
5	सिंह	02-09-2049
6	कन्या	03-04-2050
7	तुला	02-11-2050
8	वृश्चिक	03-06-2051
9	धनु	02-01-2052
10	मकर	02-08-2052
11	कुंभ	03-03-2053
12	मीन जी	02-10-2053

वृष (16व) 106व 11म

आरम्भ		03-05-2054
अन्त		02-09-2055
2	वृष	03-05-2054
1	मेष	02-09-2055
12	मीन जी	01-01-2057
11	कुंभ	03-05-2058
10	मकर	02-09-2059
9	धनु	01-01-2061
8	वृश्चिक	03-05-2062
7	तुला	02-09-2063
6	कन्या	01-01-2065
5	सिंह	03-05-2066
4	कर्क दे	02-09-2067
3	मिथुन	01-01-2069

मिथुन (9व) 127व 11म

आरम्भ		03-05-2070
अन्त		01-02-2071
9	धनु	03-05-2070
10	मकर	01-02-2071
11	कुंभ	02-11-2071
12	मीन जी	02-08-2072
1	मेष	03-05-2073
2	वृष	01-02-2074
3	मिथुन	02-11-2074
4	कर्क दे	03-08-2075
5	सिंह	03-05-2076
6	कन्या	01-02-2077
7	तुला	02-11-2077
8	वृश्चिक	02-08-2078

सिंह (5व) 136व 11म

आरम्भ		03-05-2079
अन्त		03-10-2079
11	कुंभ	03-05-2079
12	मीन जी	03-10-2079
1	मेष	03-03-2080
2	वृष	02-08-2080
3	मिथुन	01-01-2081
4	कर्क दे	02-06-2081
5	सिंह	01-11-2081
6	कन्या	03-04-2082
7	तुला	02-09-2082
8	वृश्चिक	01-02-2083
9	धनु	03-07-2083
10	मकर	02-12-2083

* तिथियाँ दशा आरम्भ काल की दी गई हैं। *

कालचक्र अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

*नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं।
* जीव राशि : मीन * देह राशि : कर्क

कर्क-मकर

आरम्भ	20-05-1977
अन्त	03-08-1978
कर्क	
मिथुन	
वृष	
मेष	20-05-1977
मीन	03-06-1977
कुंभ	26-07-1977
मकर	18-09-1977
धनु	10-11-1977
वृश्चिक	02-01-1978
तुला	24-02-1978
कन्या	19-04-1978
सिंह	11-06-1978

कर्क-धनु

आरम्भ	03-08-1978
अन्त	03-05-1980
धनु	03-08-1978
मकर	26-09-1978
कुंभ	18-11-1978
मीन	10-01-1979
मेष	04-03-1979
वृष	27-04-1979
मिथुन	19-06-1979
कर्क	11-08-1979
सिंह	03-10-1979
कन्या	26-11-1979
तुला	18-01-1980
वृश्चिक	11-03-1980

कर्क-वृश्चिक

आरम्भ	03-05-1980
अन्त	02-02-1982
वृष	03-05-1980
मेष	26-06-1980
मीन	18-08-1980
कुंभ	10-10-1980
मकर	02-12-1980
धनु	25-01-1981
वृश्चिक	19-03-1981
तुला	11-05-1981
कन्या	04-07-1981
सिंह	26-08-1981
कर्क	18-10-1981
मिथुन	10-12-1981

कर्क-तुला

आरम्भ	02-02-1982
अन्त	03-11-1983
मेष	02-02-1982
वृष	27-03-1982
मिथुन	19-05-1982
कर्क	11-07-1982
सिंह	03-09-1982
कन्या	26-10-1982
तुला	18-12-1982
वृश्चिक	09-02-1983
धनु	04-04-1983
मकर	27-05-1983
कुंभ	19-07-1983
मीन	10-09-1983

कर्क-कन्या

आरम्भ	03-11-1983
अन्त	03-08-1985
मीन	03-11-1983
कुंभ	26-12-1983
मकर	17-02-1984
धनु	11-04-1984
वृश्चिक	03-06-1984
तुला	26-07-1984
कन्या	17-09-1984
सिंह	10-11-1984
कर्क	02-01-1985
मिथुन	24-02-1985
वृष	18-04-1985
मेष	11-06-1985

कर्क-सिंह

आरम्भ	03-08-1985
अन्त	04-05-1987
कुंभ	03-08-1985
मीन	25-09-1985
मेष	17-11-1985
वृष	10-01-1986
मिथुन	04-03-1986
कर्क	26-04-1986
सिंह	19-06-1986
कन्या	11-08-1986
तुला	03-10-1986
वृश्चिक	25-11-1986
धनु	18-01-1987
मकर	12-03-1987

मिथुन-धनु

आरम्भ	04-05-1987
अन्त	02-02-1988
धनु	04-05-1987
मकर	27-05-1987
कुंभ	19-06-1987
मीन	12-07-1987
मेष	03-08-1987
वृष	26-08-1987
मिथुन	18-09-1987
कर्क	11-10-1987
सिंह	03-11-1987
कन्या	26-11-1987
तुला	18-12-1987
वृश्चिक	10-01-1988

मिथुन-मकर

आरम्भ	02-02-1988
अन्त	02-11-1988
कर्क	02-02-1988
मिथुन	25-02-1988
वृष	19-03-1988
मेष	11-04-1988
मीन	03-05-1988
कुंभ	26-05-1988
मकर	18-06-1988
धनु	11-07-1988
वृश्चिक	03-08-1988
तुला	25-08-1988
कन्या	17-09-1988
सिंह	10-10-1988

मिथुन-कुंभ

आरम्भ	02-11-1988
अन्त	03-08-1989
कुंभ	02-11-1988
मीन	25-11-1988
मेष	18-12-1988
वृष	09-01-1989
मिथुन	01-02-1989
कर्क	24-02-1989
सिंह	19-03-1989
कन्या	11-04-1989
तुला	04-05-1989
वृश्चिक	26-05-1989
धनु	18-06-1989
मकर	11-07-1989

मिथुन-मीन जी

आरम्भ	03-08-1989
अन्त	04-05-1990
मीन	03-08-1989
कुंभ	26-08-1989
मकर	18-09-1989
धनु	10-10-1989
वृश्चिक	02-11-1989
तुला	25-11-1989
कन्या	18-12-1989
सिंह	10-01-1990
कर्क	02-02-1990
मिथुन	24-02-1990
वृष	19-03-1990
मेष	11-04-1990

मिथुन-मेष

आरम्भ	04-05-1990
अन्त	02-02-1991
मेष	04-05-1990
वृष	27-05-1990
मिथुन	18-06-1990
कर्क	11-07-1990
सिंह	03-08-1990
कन्या	26-08-1990
तुला	18-09-1990
वृश्चिक	11-10-1990
धनु	02-11-1990
मकर	25-11-1990
कुंभ	18-12-1990
मीन	10-01-1991

मिथुन-वृष

आरम्भ	02-02-1991
अन्त	03-11-1991
वृष	02-02-1991
मेष	25-02-1991
मीन	19-03-1991
कुंभ	11-04-1991
मकर	04-05-1991
धनु	27-05-1991
वृश्चिक	19-06-1991
तुला	12-07-1991
कन्या	03-08-1991
सिंह	26-08-1991
कर्क	18-09-1991
मिथुन	11-10-1991

मिथुन-मिथुन

आरम्भ	03-11-1991
अन्त	03-08-1992
धनु	03-11-1991
मकर	26-11-1991
कुंभ	18-12-1991
मीन	10-01-1992
मेष	02-02-1992
वृष	25-02-1992
मिथुन	19-03-1992
कर्क	10-04-1992
सिंह	03-05-1992
कन्या	26-05-1992
तुला	18-06-1992
वृश्चिक	11-07-1992

मिथुन-कर्क दे

आरम्भ	03-08-1992
अन्त	04-05-1993
कर्क	03-08-1992
मिथुन	25-08-1992
वृष	17-09-1992
मेष	10-10-1992
मीन	02-11-1992
कुंभ	25-11-1992
मकर	18-12-1992
धनु	09-01-1993
वृश्चिक	01-02-1993
तुला	24-02-1993
कन्या	19-03-1993
सिंह	11-04-1993

मिथुन-सिंह

आरम्भ	04-05-1993
अन्त	01-02-1994
कुंभ	04-05-1993
मीन	26-05-1993
मेष	18-06-1993
वृष	11-07-1993
मिथुन	03-08-1993
कर्क	26-08-1993
सिंह	18-09-1993
कन्या	10-10-1993
तुला	02-11-1993
वृश्चिक	25-11-1993
धनु	18-12-1993
मकर	10-01-1994

कालचक्र अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

*नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं।
* जीव राशि : मीन * देह राशि : कर्क

मिथुन-कन्या

आरम्भ	01-02-1994
अन्त	02-11-1994
मीन	01-02-1994
कुंभ	24-02-1994
मकर	19-03-1994
धनु	11-04-1994
वृश्चिक	04-05-1994
तुला	27-05-1994
कन्या	18-06-1994
सिंह	11-07-1994
कर्क	03-08-1994
मिथुन	26-08-1994
वृष	18-09-1994
मेष	11-10-1994

मिथुन-तुला

आरम्भ	02-11-1994
अन्त	03-08-1995
मेष	02-11-1994
वृष	25-11-1994
मिथुन	18-12-1994
कर्क	10-01-1995
सिंह	02-02-1995
कन्या	25-02-1995
तुला	19-03-1995
वृश्चिक	11-04-1995
धनु	04-05-1995
मकर	27-05-1995
कुंभ	19-06-1995
मीन	12-07-1995

मिथुन-वृश्चिक

आरम्भ	03-08-1995
अन्त	03-05-1996
वृष	03-08-1995
मेष	26-08-1995
मीन	18-09-1995
कुंभ	11-10-1995
मकर	03-11-1995
धनु	25-11-1995
वृश्चिक	18-12-1995
तुला	10-01-1996
कन्या	02-02-1996
सिंह	25-02-1996
कर्क	19-03-1996
मिथुन	10-04-1996

वृष-वृष

आरम्भ	03-05-1996
अन्त	02-09-1997
वृष	03-05-1996
मेष	13-06-1996
मीन	23-07-1996
कुंभ	02-09-1996
मकर	13-10-1996
धनु	22-11-1996
वृश्चिक	02-01-1997
तुला	11-02-1997
कन्या	24-03-1997
सिंह	04-05-1997
कर्क	13-06-1997
मिथुन	24-07-1997

वृष-मेष

आरम्भ	02-09-1997
अन्त	02-01-1999
मेष	02-09-1997
वृष	13-10-1997
मिथुन	22-11-1997
कर्क	02-01-1998
सिंह	12-02-1998
कन्या	24-03-1998
तुला	04-05-1998
वृश्चिक	13-06-1998
धनु	24-07-1998
मकर	03-09-1998
कुंभ	13-10-1998
मीन	23-11-1998

वृष-मीन जी

आरम्भ	02-01-1999
अन्त	03-05-2000
मीन	02-01-1999
कुंभ	12-02-1999
मकर	24-03-1999
धनु	04-05-1999
वृश्चिक	14-06-1999
तुला	24-07-1999
कन्या	03-09-1999
सिंह	13-10-1999
कर्क	23-11-1999
मिथुन	03-01-2000
वृष	12-02-2000
मेष	24-03-2000

वृष-कुंभ

आरम्भ	03-05-2000
अन्त	02-09-2001
कुंभ	03-05-2000
मीन	13-06-2000
मेष	23-07-2000
वृष	02-09-2000
मिथुन	13-10-2000
कर्क	22-11-2000
सिंह	02-01-2001
कन्या	11-02-2001
तुला	24-03-2001
वृश्चिक	04-05-2001
धनु	13-06-2001
मकर	24-07-2001

वृष-मकर

आरम्भ	02-09-2001
अन्त	02-01-2003
कर्क	02-09-2001
मिथुन	13-10-2001
वृष	22-11-2001
मेष	02-01-2002
मीन	12-02-2002
कुंभ	24-03-2002
मकर	04-05-2002
धनु	13-06-2002
वृश्चिक	24-07-2002
तुला	02-09-2002
कन्या	13-10-2002
सिंह	23-11-2002

वृष-धनु

आरम्भ	02-01-2003
अन्त	03-05-2004
धनु	02-01-2003
मकर	12-02-2003
कुंभ	24-03-2003
मीन	04-05-2003
मेष	14-06-2003
वृष	24-07-2003
मिथुन	03-09-2003
कर्क	13-10-2003
सिंह	23-11-2003
कन्या	02-01-2004
तुला	12-02-2004
वृश्चिक	24-03-2004

वृष-वृश्चिक

आरम्भ	03-05-2004
अन्त	02-09-2005
वृष	03-05-2004
मेष	13-06-2004
मीन	23-07-2004
कुंभ	02-09-2004
मकर	13-10-2004
धनु	22-11-2004
वृश्चिक	02-01-2005
तुला	11-02-2005
कन्या	24-03-2005
सिंह	03-05-2005
कर्क	13-06-2005
मिथुन	24-07-2005

वृष-तुला

आरम्भ	02-09-2005
अन्त	02-01-2007
मेष	02-09-2005
वृष	13-10-2005
मिथुन	22-11-2005
कर्क	02-01-2006
सिंह	12-02-2006
कन्या	24-03-2006
तुला	04-05-2006
वृश्चिक	13-06-2006
धनु	24-07-2006
मकर	02-09-2006
कुंभ	13-10-2006
मीन	23-11-2006

वृष-कन्या

आरम्भ	02-01-2007
अन्त	03-05-2008
मीन	02-01-2007
कुंभ	12-02-2007
मकर	24-03-2007
धनु	04-05-2007
वृश्चिक	14-06-2007
तुला	24-07-2007
कन्या	03-09-2007
सिंह	13-10-2007
कर्क	23-11-2007
मिथुन	02-01-2008
वृष	12-02-2008
मेष	24-03-2008

वृष-सिंह

आरम्भ	03-05-2008
अन्त	02-09-2009
कुंभ	03-05-2008
मीन	13-06-2008
मेष	23-07-2008
वृष	02-09-2008
मिथुन	13-10-2008
कर्क	22-11-2008
सिंह	02-01-2009
कन्या	11-02-2009
तुला	24-03-2009
वृश्चिक	03-05-2009
धनु	13-06-2009
मकर	24-07-2009

वृष-कर्क दे

आरम्भ	02-09-2009
अन्त	02-01-2011
कर्क	02-09-2009
मिथुन	13-10-2009
वृष	22-11-2009
मेष	02-01-2010
मीन	12-02-2010
कुंभ	24-03-2010
मकर	04-05-2010
धनु	13-06-2010
वृश्चिक	24-07-2010
तुला	02-09-2010
कन्या	13-10-2010
सिंह	23-11-2010

वृष-मिथुन

आरम्भ	02-01-2011
अन्त	03-05-2012
धनु	02-01-2011
मकर	12-02-2011
कुंभ	24-03-2011
मीन	04-05-2011
मेष	14-06-2011
वृष	24-07-2011
मिथुन	03-09-2011
कर्क	13-10-2011
सिंह	23-11-2011
कन्या	02-01-2012
तुला	12-02-2012
वृश्चिक	24-03-2012

कालचक्र अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

*नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं।
* जीव राशि : मीन * देह राशि : कर्क

मेष-मेष

आरम्भ	03-05-2012
अन्त	02-12-2012
मेष	03-05-2012
वृष	21-05-2012
मिथुन	08-06-2012
कर्क	25-06-2012
सिंह	13-07-2012
कन्या	31-07-2012
तुला	18-08-2012
वृश्चिक	04-09-2012
धनु	22-09-2012
मकर	10-10-2012
कुंभ	28-10-2012
मीन	14-11-2012

मेष-वृष

आरम्भ	02-12-2012
अन्त	03-07-2013
वृष	02-12-2012
मेष	20-12-2012
मीन	07-01-2013
कुंभ	24-01-2013
मकर	11-02-2013
धनु	01-03-2013
वृश्चिक	19-03-2013
तुला	06-04-2013
कन्या	23-04-2013
सिंह	11-05-2013
कर्क	29-05-2013
मिथुन	16-06-2013

मेष-मिथुन

आरम्भ	03-07-2013
अन्त	01-02-2014
धनु	03-07-2013
मकर	21-07-2013
कुंभ	08-08-2013
मीन	26-08-2013
मेष	12-09-2013
वृष	30-09-2013
मिथुन	18-10-2013
कर्क	05-11-2013
सिंह	22-11-2013
कन्या	10-12-2013
तुला	28-12-2013
वृश्चिक	15-01-2014

मेष-कर्क दे

आरम्भ	01-02-2014
अन्त	02-09-2014
कर्क	01-02-2014
मिथुन	19-02-2014
वृष	09-03-2014
मेष	27-03-2014
मीन	13-04-2014
कुंभ	01-05-2014
मकर	19-05-2014
धनु	06-06-2014
वृश्चिक	23-06-2014
तुला	11-07-2014
कन्या	29-07-2014
सिंह	16-08-2014

मेष-सिंह

आरम्भ	02-09-2014
अन्त	03-04-2015
कुंभ	02-09-2014
मीन	20-09-2014
मेष	08-10-2014
वृष	26-10-2014
मिथुन	12-11-2014
कर्क	30-11-2014
सिंह	18-12-2014
कन्या	05-01-2015
तुला	22-01-2015
वृश्चिक	09-02-2015
धनु	27-02-2015
मकर	17-03-2015

मेष-कन्या

आरम्भ	03-04-2015
अन्त	03-11-2015
मीन	03-04-2015
कुंभ	21-04-2015
मकर	09-05-2015
धनु	27-05-2015
वृश्चिक	13-06-2015
तुला	01-07-2015
कन्या	19-07-2015
सिंह	06-08-2015
कर्क	23-08-2015
मिथुन	10-09-2015
वृष	28-09-2015
मेष	16-10-2015

मेष-तुला

आरम्भ	03-11-2015
अन्त	03-06-2016
मेष	03-11-2015
वृष	20-11-2015
मिथुन	08-12-2015
कर्क	26-12-2015
सिंह	13-01-2016
कन्या	30-01-2016
तुला	17-02-2016
वृश्चिक	06-03-2016
धनु	24-03-2016
मकर	10-04-2016
कुंभ	28-04-2016
मीन	16-05-2016

मेष-वृश्चिक

आरम्भ	03-06-2016
अन्त	02-01-2017
वृष	03-06-2016
मेष	20-06-2016
मीन	08-07-2016
कुंभ	26-07-2016
मकर	13-08-2016
धनु	30-08-2016
वृश्चिक	17-09-2016
तुला	05-10-2016
कन्या	23-10-2016
सिंह	09-11-2016
कर्क	27-11-2016
मिथुन	15-12-2016

मेष-धनु

आरम्भ	02-01-2017
अन्त	03-08-2017
धनु	02-01-2017
मकर	19-01-2017
कुंभ	06-02-2017
मीन	24-02-2017
मेष	14-03-2017
वृष	31-03-2017
मिथुन	18-04-2017
कर्क	06-05-2017
सिंह	24-05-2017
कन्या	10-06-2017
तुला	28-06-2017
वृश्चिक	16-07-2017

मेष-मकर

आरम्भ	03-08-2017
अन्त	04-03-2018
कर्क	03-08-2017
मिथुन	20-08-2017
वृष	07-09-2017
मेष	25-09-2017
मीन	13-10-2017
कुंभ	30-10-2017
मकर	17-11-2017
धनु	05-12-2017
वृश्चिक	23-12-2017
तुला	09-01-2018
कन्या	27-01-2018
सिंह	14-02-2018

मेष-कुंभ

आरम्भ	04-03-2018
अन्त	03-10-2018
कुंभ	04-03-2018
मीन	21-03-2018
मेष	08-04-2018
वृष	26-04-2018
मिथुन	14-05-2018
कर्क	01-06-2018
सिंह	18-06-2018
कन्या	06-07-2018
तुला	24-07-2018
वृश्चिक	11-08-2018
धनु	28-08-2018
मकर	15-09-2018

मेष-मीन जी

आरम्भ	03-10-2018
अन्त	04-05-2019
मीन	03-10-2018
कुंभ	21-10-2018
मकर	07-11-2018
धनु	25-11-2018
वृश्चिक	13-12-2018
तुला	31-12-2018
कन्या	17-01-2019
सिंह	04-02-2019
कर्क	22-02-2019
मिथुन	12-03-2019
वृष	29-03-2019
मेष	16-04-2019

धनु-धनु

आरम्भ	04-05-2019
अन्त	03-03-2020
धनु	04-05-2019
मकर	29-05-2019
कुंभ	24-06-2019
मीन	19-07-2019
मेष	13-08-2019
वृष	08-09-2019
मिथुन	03-10-2019
कर्क	28-10-2019
सिंह	23-11-2019
कन्या	18-12-2019
तुला	13-01-2020
वृश्चिक	07-02-2020

धनु-मकर

आरम्भ	03-03-2020
अन्त	02-01-2021
कर्क	03-03-2020
मिथुन	29-03-2020
वृष	23-04-2020
मेष	18-05-2020
मीन	13-06-2020
कुंभ	08-07-2020
मकर	02-08-2020
धनु	28-08-2020
वृश्चिक	22-09-2020
तुला	18-10-2020
कन्या	12-11-2020
सिंह	07-12-2020

धनु-कुंभ

आरम्भ	02-01-2021
अन्त	02-11-2021
कुंभ	02-01-2021
मीन	27-01-2021
मेष	21-02-2021
वृष	19-03-2021
मिथुन	13-04-2021
कर्क	08-05-2021
सिंह	03-06-2021
कन्या	28-06-2021
तुला	24-07-2021
वृश्चिक	18-08-2021
धनु	12-09-2021
मकर	08-10-2021

कालचक्र अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

*नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं।
* जीव राशि : मीन * देह राशि : कर्क

धनु-मीन जी

आरम्भ	02-11-2021
अन्त	02-09-2022
मीन	02-11-2021
कुंभ	27-11-2021
मकर	23-12-2021
धनु	17-01-2022
वृश्चिक	11-02-2022
तुला	09-03-2022
कन्या	03-04-2022
सिंह	29-04-2022
कर्क	24-05-2022
मिथुन	18-06-2022
वृष	14-07-2022
मेष	08-08-2022

धनु-मेष

आरम्भ	02-09-2022
अन्त	04-07-2023
मेष	02-09-2022
वृष	28-09-2022
मिथुन	23-10-2022
कर्क	17-11-2022
सिंह	13-12-2022
कन्या	07-01-2023
तुला	02-02-2023
वृश्चिक	27-02-2023
धनु	24-03-2023
मकर	19-04-2023
कुंभ	14-05-2023
मीन	08-06-2023

धनु-वृष

आरम्भ	04-07-2023
अन्त	03-05-2024
वृष	04-07-2023
मेष	29-07-2023
मीन	23-08-2023
कुंभ	18-09-2023
मकर	13-10-2023
धनु	08-11-2023
वृश्चिक	03-12-2023
तुला	28-12-2023
कन्या	23-01-2024
सिंह	17-02-2024
कर्क	13-03-2024
मिथुन	08-04-2024

धनु-मिथुन

आरम्भ	03-05-2024
अन्त	03-03-2025
धनु	03-05-2024
मकर	28-05-2024
कुंभ	23-06-2024
मीन	18-07-2024
मेष	13-08-2024
वृष	07-09-2024
मिथुन	02-10-2024
कर्क	28-10-2024
सिंह	22-11-2024
कन्या	17-12-2024
तुला	12-01-2025
वृश्चिक	06-02-2025

धनु-कर्क दे

आरम्भ	03-03-2025
अन्त	02-01-2026
कर्क	03-03-2025
मिथुन	29-03-2025
वृष	23-04-2025
मेष	19-05-2025
मीन	13-06-2025
कुंभ	08-07-2025
मकर	03-08-2025
धनु	28-08-2025
वृश्चिक	22-09-2025
तुला	18-10-2025
कन्या	12-11-2025
सिंह	07-12-2025

धनु-सिंह

आरम्भ	02-01-2026
अन्त	02-11-2026
कुंभ	02-01-2026
मीन	27-01-2026
मेष	22-02-2026
वृष	19-03-2026
मिथुन	13-04-2026
कर्क	09-05-2026
सिंह	03-06-2026
कन्या	28-06-2026
तुला	24-07-2026
वृश्चिक	18-08-2026
धनु	12-09-2026
मकर	08-10-2026

धनु-कन्या

आरम्भ	02-11-2026
अन्त	03-09-2027
मीन	02-11-2026
कुंभ	28-11-2026
मकर	23-12-2026
धनु	17-01-2027
वृश्चिक	12-02-2027
तुला	09-03-2027
कन्या	03-04-2027
सिंह	29-04-2027
कर्क	24-05-2027
मिथुन	18-06-2027
वृष	14-07-2027
मेष	08-08-2027

धनु-तुला

आरम्भ	03-09-2027
अन्त	03-07-2028
मेष	03-09-2027
वृष	28-09-2027
मिथुन	23-10-2027
कर्क	18-11-2027
सिंह	13-12-2027
कन्या	07-01-2028
तुला	02-02-2028
वृश्चिक	27-02-2028
धनु	23-03-2028
मकर	18-04-2028
कुंभ	13-05-2028
मीन	08-06-2028

धनु-वृश्चिक

आरम्भ	03-07-2028
अन्त	03-05-2029
वृष	03-07-2028
मेष	28-07-2028
मीन	23-08-2028
कुंभ	17-09-2028
मकर	12-10-2028
धनु	07-11-2028
वृश्चिक	02-12-2028
तुला	27-12-2028
कन्या	22-01-2029
सिंह	16-02-2029
कर्क	14-03-2029
मिथुन	08-04-2029

मकर-कर्क दे

आरम्भ	03-05-2029
अन्त	02-09-2029
कर्क	03-05-2029
मिथुन	13-05-2029
वृष	24-05-2029
मेष	03-06-2029
मीन	13-06-2029
कुंभ	23-06-2029
मकर	03-07-2029
धनु	13-07-2029
वृश्चिक	23-07-2029
तुला	03-08-2029
कन्या	13-08-2029
सिंह	23-08-2029

मकर-मिथुन

आरम्भ	02-09-2029
अन्त	02-01-2030
धनु	02-09-2029
मकर	12-09-2029
कुंभ	22-09-2029
मीन	02-10-2029
मेष	13-10-2029
वृष	23-10-2029
मिथुन	02-11-2029
कर्क	12-11-2029
सिंह	22-11-2029
कन्या	02-12-2029
तुला	12-12-2029
वृश्चिक	23-12-2029

मकर-वृष

आरम्भ	02-01-2030
अन्त	04-05-2030
वृष	02-01-2030
मेष	12-01-2030
मीन	22-01-2030
कुंभ	01-02-2030
मकर	11-02-2030
धनु	22-02-2030
वृश्चिक	04-03-2030
तुला	14-03-2030
कन्या	24-03-2030
सिंह	03-04-2030
कर्क	13-04-2030
मिथुन	23-04-2030

मकर-मेष

आरम्भ	04-05-2030
अन्त	02-09-2030
मेष	04-05-2030
वृष	14-05-2030
मिथुन	24-05-2030
कर्क	03-06-2030
सिंह	13-06-2030
कन्या	23-06-2030
तुला	03-07-2030
वृश्चिक	14-07-2030
धनु	24-07-2030
मकर	03-08-2030
कुंभ	13-08-2030
मीन	23-08-2030

मकर-मीन जी

आरम्भ	02-09-2030
अन्त	02-01-2031
मीन	02-09-2030
कुंभ	12-09-2030
मकर	23-09-2030
धनु	03-10-2030
वृश्चिक	13-10-2030
तुला	23-10-2030
कन्या	02-11-2030
सिंह	12-11-2030
कर्क	22-11-2030
मिथुन	03-12-2030
वृष	13-12-2030
मेष	23-12-2030

मकर-कुंभ

आरम्भ	02-01-2031
अन्त	04-05-2031
कुंभ	02-01-2031
मीन	12-01-2031
मेष	22-01-2031
वृष	01-02-2031
मिथुन	12-02-2031
कर्क	22-02-2031
सिंह	04-03-2031
कन्या	14-03-2031
तुला	24-03-2031
वृश्चिक	03-04-2031
धनु	13-04-2031
मकर	24-04-2031

कालचक्र अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

*नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं।
* जीव राशि : मीन * देह राशि : कर्क

मकर-मकर

आरम्भ	04-05-2031
अन्त	03-09-2031
कर्क	04-05-2031
मिथुन	14-05-2031
वृष	24-05-2031
मेष	03-06-2031
मीन	13-06-2031
कुंभ	23-06-2031
मकर	04-07-2031
धनु	14-07-2031
वृश्चिक	24-07-2031
तुला	03-08-2031
कन्या	13-08-2031
सिंह	23-08-2031

मकर-धनु

आरम्भ	03-09-2031
अन्त	02-01-2032
धनु	03-09-2031
मकर	13-09-2031
कुंभ	23-09-2031
मीन	03-10-2031
मेष	13-10-2031
वृष	23-10-2031
मिथुन	02-11-2031
कर्क	13-11-2031
सिंह	23-11-2031
कन्या	03-12-2031
तुला	13-12-2031
वृश्चिक	23-12-2031

मकर-वृश्चिक

आरम्भ	02-01-2032
अन्त	03-05-2032
वृष	02-01-2032
मेष	12-01-2032
मीन	23-01-2032
कुंभ	02-02-2032
मकर	12-02-2032
धनु	22-02-2032
वृश्चिक	03-03-2032
तुला	13-03-2032
कन्या	23-03-2032
सिंह	03-04-2032
कर्क	13-04-2032
मिथुन	23-04-2032

मकर-तुला

आरम्भ	03-05-2032
अन्त	02-09-2032
मेष	03-05-2032
वृष	13-05-2032
मिथुन	23-05-2032
कर्क	02-06-2032
सिंह	13-06-2032
कन्या	23-06-2032
तुला	03-07-2032
वृश्चिक	13-07-2032
धनु	23-07-2032
मकर	02-08-2032
कुंभ	12-08-2032
मीन	23-08-2032

मकर-कन्या

आरम्भ	02-09-2032
अन्त	02-01-2033
मीन	02-09-2032
कुंभ	12-09-2032
मकर	22-09-2032
धनु	02-10-2032
वृश्चिक	12-10-2032
तुला	22-10-2032
कन्या	02-11-2032
सिंह	12-11-2032
कर्क	22-11-2032
मिथुन	02-12-2032
वृष	12-12-2032
मेष	22-12-2032

मकर-सिंह

आरम्भ	02-01-2033
अन्त	03-05-2033
कुंभ	02-01-2033
मीन	12-01-2033
मेष	22-01-2033
वृष	01-02-2033
मिथुन	11-02-2033
कर्क	21-02-2033
सिंह	03-03-2033
कन्या	14-03-2033
तुला	24-03-2033
वृश्चिक	03-04-2033
धनु	13-04-2033
मकर	23-04-2033

कुंभ-कुंभ

आरम्भ	03-05-2033
अन्त	02-09-2033
कुंभ	03-05-2033
मीन	13-05-2033
मेष	24-05-2033
वृष	03-06-2033
मिथुन	13-06-2033
कर्क	23-06-2033
सिंह	03-07-2033
कन्या	13-07-2033
तुला	23-07-2033
वृश्चिक	03-08-2033
धनु	13-08-2033
मकर	23-08-2033

कुंभ-मीन जी

आरम्भ	02-09-2033
अन्त	02-01-2034
मीन	02-09-2033
कुंभ	12-09-2033
मकर	22-09-2033
धनु	02-10-2033
वृश्चिक	13-10-2033
तुला	23-10-2033
कन्या	02-11-2033
सिंह	12-11-2033
कर्क	22-11-2033
मिथुन	02-12-2033
वृष	12-12-2033
मेष	23-12-2033

कुंभ-मेष

आरम्भ	02-01-2034
अन्त	03-05-2034
मेष	02-01-2034
वृष	12-01-2034
मिथुन	22-01-2034
कर्क	01-02-2034
सिंह	11-02-2034
कन्या	21-02-2034
तुला	04-03-2034
वृश्चिक	14-03-2034
धनु	24-03-2034
मकर	03-04-2034
कुंभ	13-04-2034
मीन	23-04-2034

कुंभ-वृष

आरम्भ	03-05-2034
अन्त	02-09-2034
वृष	03-05-2034
मेष	14-05-2034
मीन	24-05-2034
कुंभ	03-06-2034
मकर	13-06-2034
धनु	23-06-2034
वृश्चिक	03-07-2034
तुला	14-07-2034
कन्या	24-07-2034
सिंह	03-08-2034
कर्क	13-08-2034
मिथुन	23-08-2034

कुंभ-मिथुन

आरम्भ	02-09-2034
अन्त	02-01-2035
धनु	02-09-2034
मकर	12-09-2034
कुंभ	23-09-2034
मीन	03-10-2034
मेष	13-10-2034
वृष	23-10-2034
मिथुन	02-11-2034
कर्क	12-11-2034
सिंह	22-11-2034
कन्या	03-12-2034
तुला	13-12-2034
वृश्चिक	23-12-2034

कुंभ-कर्क दे

आरम्भ	02-01-2035
अन्त	04-05-2035
कर्क	02-01-2035
मिथुन	12-01-2035
वृष	22-01-2035
मेष	01-02-2035
मीन	12-02-2035
कुंभ	22-02-2035
मकर	04-03-2035
धनु	14-03-2035
वृश्चिक	24-03-2035
तुला	03-04-2035
कन्या	13-04-2035
सिंह	24-04-2035

कुंभ-सिंह

आरम्भ	04-05-2035
अन्त	02-09-2035
कुंभ	04-05-2035
मीन	14-05-2035
मेष	24-05-2035
वृष	03-06-2035
मिथुन	13-06-2035
कर्क	23-06-2035
सिंह	04-07-2035
कन्या	14-07-2035
तुला	24-07-2035
वृश्चिक	03-08-2035
धनु	13-08-2035
मकर	23-08-2035

कुंभ-कन्या

आरम्भ	02-09-2035
अन्त	02-01-2036
मीन	02-09-2035
कुंभ	13-09-2035
मकर	23-09-2035
धनु	03-10-2035
वृश्चिक	13-10-2035
तुला	23-10-2035
कन्या	02-11-2035
सिंह	13-11-2035
कर्क	23-11-2035
मिथुन	03-12-2035
वृष	13-12-2035
मेष	23-12-2035

कुंभ-तुला

आरम्भ	02-01-2036
अन्त	03-05-2036
मेष	02-01-2036
वृष	12-01-2036
मिथुन	23-01-2036
कर्क	02-02-2036
सिंह	12-02-2036
कन्या	22-02-2036
तुला	03-03-2036
वृश्चिक	13-03-2036
धनु	23-03-2036
मकर	03-04-2036
कुंभ	13-04-2036
मीन	23-04-2036

जैमिनी पद्धति

चर कारक

आत्म	अमात्य	भ्रातृ	मातृ	पितृ	ज्ञाति	स्त्री
चंद्र	मंगल	शुक्र	शनि	गुरु	बुध	सूर्य
26:16	23:36	23:01	17:43	16:32	12:36	05:22

जन्म कुण्डली

20 मई 1977 06:33:00 घंटे Ambur, Tamil Nadu, India

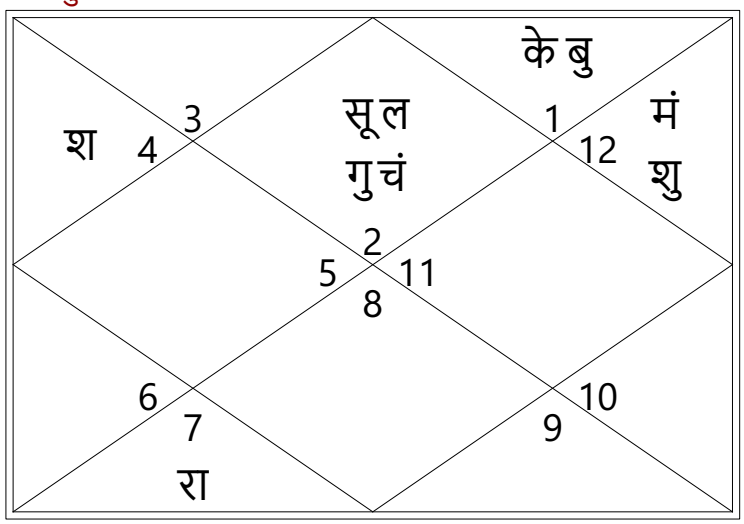

नवांश

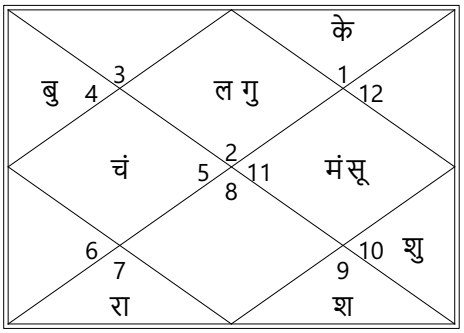

पद कुण्डली

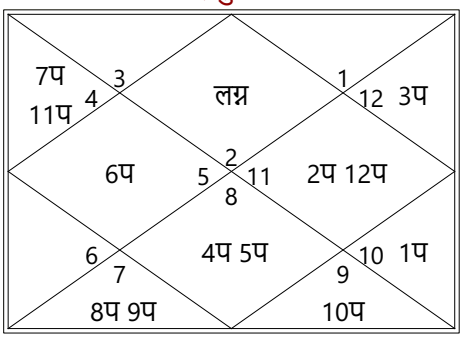

कारकांश (जन्म कुण्डली में)

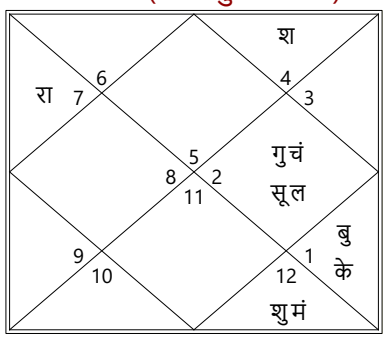

स्वांश (कारकांश नवांश में)

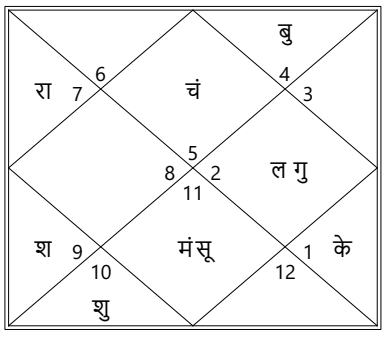

उपपद लग्न कुण्डली

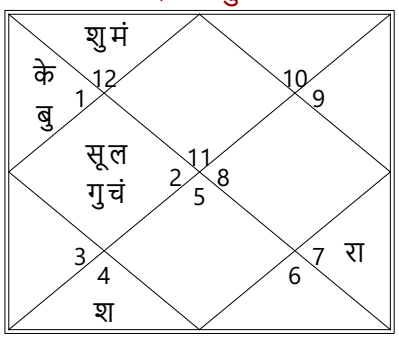

जैमिनी दृष्टियां

द्विस्वभाव राशियों में स्थित ग्रहों में दृष्टियाँ मं-शु
चर व स्थिर राशियों में स्थित ग्रहों में दृष्टियाँ श-सू, श-चं, श-गु, रा-सू, रा-चं, रा-गु

विशेष गणनाएं

जैमिनी होरा लग्न	:	मिथुन 05:31:07
वर्णद लग्न	:	मेष
प्राणपद लग्न	:	कर्क 26:33:21
आरुढ़ लग्न	:	मकर
उपपद	:	कुंभ
दग्ध राशि	:	धनु,मीन
ब्रह्मा	:	शुक्र
महेश्वर	:	गुरु
रुद्र	:	मंगल

जैमिनी चरदशा

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

वृष (10व) 0व0म

आरम्भ	20-05-1977
अन्त	20-05-1987

1	मेष	20-03-1978
12	मीन	19-01-1979
11	कुंभ	19-11-1979
10	मकर	18-09-1980
9	धनु	20-07-1981
8	वृश्चिक	20-05-1982
7	तुला	20-03-1983
6	कन्या	19-01-1984
5	सिंह	18-11-1984
4	कर्क	18-09-1985
3	मिथुन	20-07-1986
2	वृष	20-05-1987

मेष (11व) 10व0म

आरम्भ	20-05-1987
अन्त	20-05-1998

2	वृष	19-04-1988
3	मिथुन	20-03-1989
4	कर्क	18-02-1990
5	सिंह	18-01-1991
6	कन्या	19-12-1991
7	तुला	18-11-1992
8	वृश्चिक	19-10-1993
9	धनु	19-09-1994
10	मकर	19-08-1995
11	कुंभ	19-07-1996
12	मीन	19-06-1997
1	मेष	20-05-1998

मीन (10व) 21व0म

आरम्भ	20-05-1998
अन्त	19-05-2008

1	मेष	20-03-1999
2	वृष	19-01-2000
3	मिथुन	18-11-2000
4	कर्क	18-09-2001
5	सिंह	20-07-2002
6	कन्या	20-05-2003
7	तुला	19-03-2004
8	वृश्चिक	18-01-2005
9	धनु	18-11-2005
10	मकर	19-09-2006
11	कुंभ	20-07-2007
12	मीन	19-05-2008

कुंभ (7व) 30व11म

आरम्भ	19-05-2008
अन्त	20-05-2015

12	मीन	18-12-2008
1	मेष	19-07-2009
2	वृष	17-02-2010
3	मिथुन	19-09-2010
4	कर्क	20-04-2011
5	सिंह	19-11-2011
6	कन्या	19-06-2012
7	तुला	18-01-2013
8	वृश्चिक	19-08-2013
9	धनु	20-03-2014
10	मकर	19-10-2014
11	कुंभ	20-05-2015

मकर (6व) 38व0म

आरम्भ	20-05-2015
अन्त	19-05-2021

9	धनु	19-11-2015
8	वृश्चिक	19-05-2016
7	तुला	18-11-2016
6	कन्या	19-05-2017
5	सिंह	18-11-2017
4	कर्क	20-05-2018
3	मिथुन	18-11-2018
2	वृष	20-05-2019
1	मेष	19-11-2019
12	मीन	19-05-2020
11	कुंभ	18-11-2020
10	मकर	19-05-2021

धनु (5व) 43व11म

आरम्भ	19-05-2021
अन्त	20-05-2026

8	वृश्चिक	19-10-2021
7	तुला	20-03-2022
6	कन्या	19-08-2022
5	सिंह	18-01-2023
4	कर्क	19-06-2023
3	मिथुन	19-11-2023
2	वृष	19-04-2024
1	मेष	18-09-2024
12	मीन	17-02-2025
11	कुंभ	19-07-2025
10	मकर	18-12-2025
9	धनु	20-05-2026

वृश्चिक (4व) 49व0म

आरम्भ	20-05-2026
अन्त	20-05-2030

7	तुला	18-09-2026
6	कन्या	18-01-2027
5	सिंह	20-05-2027
4	कर्क	19-09-2027
3	मिथुन	18-01-2028
2	वृष	19-05-2028
1	मेष	18-09-2028
12	मीन	18-01-2029
11	कुंभ	19-05-2029
10	मकर	18-09-2029
9	धनु	18-01-2030
8	वृश्चिक	20-05-2030

तुला (5व) 53व0म

आरम्भ	20-05-2030
अन्त	20-05-2035

8	वृश्चिक	19-10-2030
9	धनु	20-03-2031
10	मकर	19-08-2031
11	कुंभ	18-01-2032
12	मीन	19-06-2032
1	मेष	18-11-2032
2	वृष	19-04-2033
3	मिथुन	18-09-2033
4	कर्क	17-02-2034
5	सिंह	19-07-2034
6	कन्या	19-12-2034
7	तुला	20-05-2035

कन्या (5व) 58व0म

आरम्भ	20-05-2035
अन्त	19-05-2040

7	तुला	19-10-2035
8	वृश्चिक	19-03-2036
9	धनु	18-08-2036
10	मकर	18-01-2037
11	कुंभ	19-06-2037
12	मीन	18-11-2037
1	मेष	19-04-2038
2	वृष	18-09-2038
3	मिथुन	17-02-2039
4	कर्क	20-07-2039
5	सिंह	19-12-2039
6	कन्या	19-05-2040

सिंह (3व) 62व11म

आरम्भ	19-05-2040
अन्त	20-05-2043

6	कन्या	18-08-2040
7	तुला	18-11-2040
8	वृश्चिक	17-02-2041
9	धनु	19-05-2041
10	मकर	19-08-2041
11	कुंभ	18-11-2041
12	मीन	17-02-2042
1	मेष	20-05-2042
2	वृष	19-08-2042
3	मिथुन	18-11-2042
4	कर्क	17-02-2043
5	सिंह	20-05-2043

कर्क (2व) 66व0म

आरम्भ	20-05-2043
अन्त	19-05-2045

3	मिथुन	20-07-2043
2	वृष	19-09-2043
1	मेष	18-11-2043
12	मीन	18-01-2044
11	कुंभ	19-03-2044
10	मकर	19-05-2044
9	धनु	19-07-2044
8	वृश्चिक	18-09-2044
7	तुला	18-11-2044
6	कन्या	17-01-2045
5	सिंह	19-03-2045
4	कर्क	19-05-2045

मिथुन (10व) 67व11म

आरम्भ	19-05-2045
अन्त	20-05-2055

2	वृष	20-03-2046
1	मेष	18-01-2047
12	मीन	18-11-2047
11	कुंभ	18-09-2048
10	मकर	19-07-2049
9	धनु	19-05-2050
8	वृश्चिक	20-03-2051
7	तुला	18-01-2052
6	कन्या	18-11-2052
5	सिंह	18-09-2053
4	कर्क	19-07-2054
3	मिथुन	20-05-2055

जैमिनी चरदशा

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

वृष (10व)	78व0म
आरम्भ	20-05-2055
अन्त	19-05-2065
1 मेष	19-03-2056
12 मीन	17-01-2057
11 कुंभ	18-11-2057
10 मकर	18-09-2058
9 धनु	20-07-2059
8 वृश्चिक	19-05-2060
7 तुला	19-03-2061
6 कन्या	18-01-2062
5 सिंह	18-11-2062
4 कर्क	18-09-2063
3 मिथुन	19-07-2064
2 वृष	19-05-2065

मेष (11व)	87व11म
आरम्भ	19-05-2065
अन्त	19-05-2076
2 वृष	19-04-2066
3 मिथुन	20-03-2067
4 कर्क	18-02-2068
5 सिंह	17-01-2069
6 कन्या	18-12-2069
7 तुला	18-11-2070
8 वृश्चिक	19-10-2071
9 धनु	18-09-2072
10 मकर	18-08-2073
11 कुंभ	19-07-2074
12 मीन	19-06-2075
1 मेष	19-05-2076

मीन (10व)	98व11म
आरम्भ	19-05-2076
अन्त	19-05-2086
1 मेष	19-03-2077
2 वृष	17-01-2078
3 मिथुन	18-11-2078
4 कर्क	18-09-2079
5 सिंह	19-07-2080
6 कन्या	19-05-2081
7 तुला	19-03-2082
8 वृश्चिक	18-01-2083
9 धनु	18-11-2083
10 मकर	17-09-2084
11 कुंभ	19-07-2085
12 मीन	19-05-2086

कुंभ (7व)	108व11म
आरम्भ	19-05-2086
अन्त	19-05-2093
12 मीन	18-12-2086
1 मेष	19-07-2087
2 वृष	17-02-2088
3 मिथुन	17-09-2088
4 कर्क	18-04-2089
5 सिंह	18-11-2089
6 कन्या	19-06-2090
7 तुला	18-01-2091
8 वृश्चिक	19-08-2091
9 धनु	19-03-2092
10 मकर	18-10-2092
11 कुंभ	19-05-2093

मकर (6व)	115व11म
आरम्भ	19-05-2093
अन्त	19-05-2099
9 धनु	17-11-2093
8 वृश्चिक	19-05-2094
7 तुला	18-11-2094
6 कन्या	19-05-2095
5 सिंह	18-11-2095
4 कर्क	19-05-2096
3 मिथुन	17-11-2096
2 वृष	19-05-2097
1 मेष	17-11-2097
12 मीन	19-05-2098
11 कुंभ	18-11-2098
10 मकर	19-05-2099

धनु (5व)	121व11म
आरम्भ	19-05-2099
अन्त	20-05-2104
8 वृश्चिक	19-10-2099
7 तुला	20-03-2100
6 कन्या	19-08-2100
5 सिंह	18-01-2101
4 कर्क	19-06-2101
3 मिथुन	18-11-2101
2 वृष	20-04-2102
1 मेष	19-09-2102
12 मीन	18-02-2103
11 कुंभ	20-07-2103
10 मकर	19-12-2103
9 धनु	20-05-2104

वृश्चिक (4व)	127व0म
आरम्भ	20-05-2104
अन्त	19-05-2108
7 तुला	18-09-2104
6 कन्या	18-01-2105
5 सिंह	20-05-2105
4 कर्क	19-09-2105
3 मिथुन	18-01-2106
2 वृष	20-05-2106
1 मेष	19-09-2106
12 मीन	19-01-2107
11 कुंभ	20-05-2107
10 मकर	19-09-2107
9 धनु	19-01-2108
8 वृश्चिक	19-05-2108

तुला (5व)	130व11म
आरम्भ	19-05-2108
अन्त	20-05-2113
8 वृश्चिक	19-10-2108
9 धनु	20-03-2109
10 मकर	19-08-2109
11 कुंभ	18-01-2110
12 मीन	19-06-2110
1 मेष	19-11-2110
2 वृष	20-04-2111
3 मिथुन	19-09-2111
4 कर्क	18-02-2112
5 सिंह	19-07-2112
6 कन्या	19-12-2112
7 तुला	20-05-2113

कन्या (5व)	136व0म
आरम्भ	20-05-2113
अन्त	20-05-2118
7 तुला	19-10-2113
8 वृश्चिक	20-03-2114
9 धनु	19-08-2114
10 मकर	18-01-2115
11 कुंभ	20-06-2115
12 मीन	19-11-2115
1 मेष	19-04-2116
2 वृष	18-09-2116
3 मिथुन	17-02-2117
4 कर्क	20-07-2117
5 सिंह	19-12-2117
6 कन्या	20-05-2118

सिंह (3व)	141व0म
आरम्भ	20-05-2118
अन्त	20-05-2121
6 कन्या	19-08-2118
7 तुला	19-11-2118
8 वृश्चिक	18-02-2119
9 धनु	20-05-2119
10 मकर	19-08-2119
11 कुंभ	19-11-2119
12 मीन	18-02-2120
1 मेष	19-05-2120
2 वृष	19-08-2120
3 मिथुन	18-11-2120
4 कर्क	17-02-2121
5 सिंह	20-05-2121

कर्क (2व)	144व0म
आरम्भ	20-05-2121
अन्त	20-05-2123
3 मिथुन	20-07-2121
2 वृष	18-09-2121
1 मेष	18-11-2121
12 मीन	18-01-2122
11 कुंभ	20-03-2122
10 मकर	20-05-2122
9 धनु	20-07-2122
8 वृश्चिक	19-09-2122
7 तुला	19-11-2122
6 कन्या	18-01-2123
5 सिंह	20-03-2123
4 कर्क	20-05-2123

मिथुन (10व)	146व0म
आरम्भ	20-05-2123
अन्त	20-05-2133
2 वृष	20-03-2124
1 मेष	18-01-2125
12 मीन	18-11-2125
11 कुंभ	19-09-2126
10 मकर	20-07-2127
9 धनु	19-05-2128
8 वृश्चिक	20-03-2129
7 तुला	18-01-2130
6 कन्या	18-11-2130
5 सिंह	19-09-2131
4 कर्क	19-07-2132
3 मिथुन	20-05-2133

जैमिनी स्थिर दशा

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

मीन (9व) 0वर्ष

आरम्भ	20-05-1977
अन्त	20-05-1986

12	मीन	18-02-1978
11	कुंभ	19-11-1978
10	मकर	20-08-1979
9	धनु	19-05-1980
8	वृश्चिक	17-02-1981
7	तुला	18-11-1981
6	कन्या	19-08-1982
5	सिंह	20-05-1983
4	कर्क	18-02-1984
3	मिथुन	18-11-1984
2	वृष	19-08-1985
1	मेष	20-05-1986

मेष (7व) 9ववर्ष

आरम्भ	20-05-1986
अन्त	20-05-1993

1	मेष	19-12-1986
2	वृष	20-07-1987
3	मिथुन	18-02-1988
4	कर्क	18-09-1988
5	सिंह	19-04-1989
6	कन्या	18-11-1989
7	तुला	19-06-1990
8	वृश्चिक	18-01-1991
9	धनु	19-08-1991
10	मकर	20-03-1992
11	कुंभ	19-10-1992
12	मीन	20-05-1993

वृष (8व) 16ववर्ष

आरम्भ	20-05-1993
अन्त	20-05-2001

2	वृष	18-01-1994
1	मेष	19-09-1994
12	मीन	20-05-1995
11	कुंभ	19-01-1996
10	मकर	18-09-1996
9	धनु	20-05-1997
8	वृश्चिक	18-01-1998
7	तुला	19-09-1998
6	कन्या	20-05-1999
5	सिंह	19-01-2000
4	कर्क	18-09-2000
3	मिथुन	20-05-2001

मिथुन (9व) 24ववर्ष

आरम्भ	20-05-2001
अन्त	20-05-2010

9	धनु	18-02-2002
10	मकर	18-11-2002
11	कुंभ	19-08-2003
12	मीन	19-05-2004
1	मेष	17-02-2005
2	वृष	18-11-2005
3	मिथुन	19-08-2006
4	कर्क	20-05-2007
5	सिंह	18-02-2008
6	कन्या	18-11-2008
7	तुला	19-08-2009
8	वृश्चिक	20-05-2010

कर्क (7व) 33ववर्ष

आरम्भ	20-05-2010
अन्त	19-05-2017

4	कर्क	19-12-2010
3	मिथुन	20-07-2011
2	वृष	18-02-2012
1	मेष	18-09-2012
12	मीन	19-04-2013
11	कुंभ	18-11-2013
10	मकर	19-06-2014
9	धनु	18-01-2015
8	वृश्चिक	19-08-2015
7	तुला	19-03-2016
6	कन्या	18-10-2016
5	सिंह	19-05-2017

सिंह (8व) 39ववर्ष

आरम्भ	19-05-2017
अन्त	19-05-2025

11	कुंभ	18-01-2018
12	मीन	18-09-2018
1	मेष	20-05-2019
2	वृष	18-01-2020
3	मिथुन	18-09-2020
4	कर्क	19-05-2021
5	सिंह	18-01-2022
6	कन्या	18-09-2022
7	तुला	20-05-2023
8	वृश्चिक	18-01-2024
9	धनु	18-09-2024
10	मकर	19-05-2025

कन्या (9व) 47ववर्ष

आरम्भ	19-05-2025
अन्त	20-05-2034

12	मीन	17-02-2026
11	कुंभ	18-11-2026
10	मकर	19-08-2027
9	धनु	19-05-2028
8	वृश्चिक	17-02-2029
7	तुला	18-11-2029
6	कन्या	19-08-2030
5	सिंह	20-05-2031
4	कर्क	18-02-2032
3	मिथुन	18-11-2032
2	वृष	19-08-2033
1	मेष	20-05-2034

तुला (7व) 57ववर्ष

आरम्भ	20-05-2034
अन्त	19-05-2041

1	मेष	19-12-2034
2	वृष	20-07-2035
3	मिथुन	18-02-2036
4	कर्क	18-09-2036
5	सिंह	19-04-2037
6	कन्या	18-11-2037
7	तुला	19-06-2038
8	वृश्चिक	18-01-2039
9	धनु	19-08-2039
10	मकर	19-03-2040
11	कुंभ	18-10-2040
12	मीन	19-05-2041

वृश्चिक (8व) 63ववर्ष

आरम्भ	19-05-2041
अन्त	19-05-2049

2	वृष	18-01-2042
1	मेष	18-09-2042
12	मीन	20-05-2043
11	कुंभ	18-01-2044
10	मकर	18-09-2044
9	धनु	19-05-2045
8	वृश्चिक	18-01-2046
7	तुला	18-09-2046
6	कन्या	20-05-2047
5	सिंह	18-01-2048
4	कर्क	18-09-2048
3	मिथुन	19-05-2049

धनु (9व) 71ववर्ष

आरम्भ	19-05-2049
अन्त	19-05-2058

9	धनु	17-02-2050
10	मकर	18-11-2050
11	कुंभ	19-08-2051
12	मीन	19-05-2052
1	मेष	17-02-2053
2	वृष	18-11-2053
3	मिथुन	19-08-2054
4	कर्क	20-05-2055
5	सिंह	18-02-2056
6	कन्या	18-11-2056
7	तुला	18-08-2057
8	वृश्चिक	19-05-2058

मकर (7व) 80ववर्ष

आरम्भ	19-05-2058
अन्त	19-05-2065

4	कर्क	18-12-2058
3	मिथुन	20-07-2059
2	वृष	18-02-2060
1	मेष	18-09-2060
12	मीन	19-04-2061
11	कुंभ	18-11-2061
10	मकर	19-06-2062
9	धनु	18-01-2063
8	वृश्चिक	19-08-2063
7	तुला	19-03-2064
6	कन्या	18-10-2064
5	सिंह	19-05-2065

कुंभ (8व) 87ववर्ष

आरम्भ	19-05-2065
अन्त	19-05-2073

11	कुंभ	18-01-2066
12	मीन	18-09-2066
1	मेष	20-05-2067
2	वृष	18-01-2068
3	मिथुन	18-09-2068
4	कर्क	19-05-2069
5	सिंह	18-01-2070
6	कन्या	18-09-2070
7	तुला	20-05-2071
8	वृश्चिक	18-01-2072
9	धनु	18-09-2072
10	मकर	19-05-2073

निरयान शूल दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

मकर (6व)

0व 0म'

आरम्भ	20-05-1977
अन्त	20-05-1983

4	कर्क	20-05-1977
3	मिथुन	18-11-1977
2	वृष	20-05-1978
1	मेष	19-11-1978
12	मीन	20-05-1979
11	कुंभ	19-11-1979
10	मकर	19-05-1980
9	धनु	18-11-1980
8	वृश्चिक	20-05-1981
7	तुला	18-11-1981
6	कन्या	20-05-1982
5	सिंह	19-11-1982

वृश्चिक (4व)

6व 0म

आरम्भ	20-05-1983
अन्त	20-05-1987

2	वृष	20-05-1983
1	मेष	19-09-1983
12	मीन	19-01-1984
11	कुंभ	19-05-1984
10	मकर	18-09-1984
9	धनु	18-01-1985
8	वृश्चिक	20-05-1985
7	तुला	18-09-1985
6	कन्या	18-01-1986
5	सिंह	20-05-1986
4	कर्क	19-09-1986
3	मिथुन	18-01-1987

सिंह (3व)

10व 0म

आरम्भ	20-05-1987
अन्त	20-05-1990

11	कुंभ	20-05-1987
12	मीन	20-08-1987
1	मेष	19-11-1987
2	वृष	18-02-1988
3	मिथुन	19-05-1988
4	कर्क	19-08-1988
5	सिंह	18-11-1988
6	कन्या	17-02-1989
7	तुला	20-05-1989
8	वृश्चिक	19-08-1989
9	धनु	18-11-1989
10	मकर	18-02-1990

वृष (11व)

13व 0म

आरम्भ	20-05-1990
अन्त	20-05-2001

2	वृष	20-05-1990
1	मेष	20-04-1991
12	मीन	20-03-1992
11	कुंभ	17-02-1993
10	मकर	18-01-1994
9	धनु	19-12-1994
8	वृश्चिक	19-11-1995
7	तुला	19-10-1996
6	कन्या	18-09-1997
5	सिंह	19-08-1998
4	कर्क	20-07-1999
3	मिथुन	19-06-2000

कुंभ (7व)

24व 0म

आरम्भ	20-05-2001
अन्त	19-05-2008

11	कुंभ	20-05-2001
12	मीन	19-12-2001
1	मेष	20-07-2002
2	वृष	18-02-2003
3	मिथुन	19-09-2003
4	कर्क	19-04-2004
5	सिंह	18-11-2004
6	कन्या	19-06-2005
7	तुला	18-01-2006
8	वृश्चिक	19-08-2006
9	धनु	20-03-2007
10	मकर	19-10-2007

तुला (6व)

30व 11म

आरम्भ	19-05-2008
अन्त	20-05-2014

1	मेष	19-05-2008
2	वृष	18-11-2008
3	मिथुन	20-05-2009
4	कर्क	18-11-2009
5	सिंह	20-05-2010
6	कन्या	18-11-2010
7	तुला	20-05-2011
8	वृश्चिक	19-11-2011
9	धनु	19-05-2012
10	मकर	18-11-2012
11	कुंभ	19-05-2013
12	मीन	18-11-2013

कर्क (3व)

37व 0म

आरम्भ	20-05-2014
अन्त	19-05-2017

4	कर्क	20-05-2014
3	मिथुन	19-08-2014
2	वृष	18-11-2014
1	मेष	18-02-2015
12	मीन	20-05-2015
11	कुंभ	19-08-2015
10	मकर	19-11-2015
9	धनु	18-02-2016
8	वृश्चिक	19-05-2016
7	तुला	19-08-2016
6	कन्या	18-11-2016
5	सिंह	17-02-2017

मेष (11व)

39व 11म

आरम्भ	19-05-2017
अन्त	19-05-2028

1	मेष	19-05-2017
2	वृष	19-04-2018
3	मिथुन	20-03-2019
4	कर्क	18-02-2020
5	सिंह	18-01-2021
6	कन्या	18-12-2021
7	तुला	18-11-2022
8	वृश्चिक	19-10-2023
9	धनु	18-09-2024
10	मकर	19-08-2025
11	कुंभ	20-07-2026
12	मीन	19-06-2027

मीन (10व)

50व 11म

आरम्भ	19-05-2028
अन्त	20-05-2038

12	मीन	19-05-2028
11	कुंभ	19-03-2029
10	मकर	18-01-2030
9	धनु	18-11-2030
8	वृश्चिक	19-09-2031
7	तुला	19-07-2032
6	कन्या	19-05-2033
5	सिंह	20-03-2034
4	कर्क	18-01-2035
3	मिथुन	18-11-2035
2	वृष	18-09-2036
1	मेष	19-07-2037

धनु (5व)

61व 0म

आरम्भ	20-05-2038
अन्त	20-05-2043

9	धनु	20-05-2038
10	मकर	19-10-2038
11	कुंभ	20-03-2039
12	मीन	19-08-2039
1	मेष	18-01-2040
2	वृष	18-06-2040
3	मिथुन	18-11-2040
4	कर्क	19-04-2041
5	सिंह	18-09-2041
6	कन्या	17-02-2042
7	तुला	19-07-2042
8	वृश्चिक	19-12-2042

कन्या (5व)

66व 0म

आरम्भ	20-05-2043
अन्त	19-05-2048

12	मीन	20-05-2043
11	कुंभ	19-10-2043
10	मकर	19-03-2044
9	धनु	18-08-2044
8	वृश्चिक	17-01-2045
7	तुला	19-06-2045
6	कन्या	18-11-2045
5	सिंह	19-04-2046
4	कर्क	18-09-2046
3	मिथुन	17-02-2047
2	वृष	20-07-2047
1	मेष	19-12-2047

मिथुन (10व)

70व 11म

आरम्भ	19-05-2048
अन्त	19-05-2058

9	धनु	19-05-2048
10	मकर	19-03-2049
11	कुंभ	18-01-2050
12	मीन	18-11-2050
1	मेष	18-09-2051
2	वृष	19-07-2052
3	मिथुन	19-05-2053
4	कर्क	20-03-2054
5	सिंह	18-01-2055
6	कन्या	18-11-2055
7	तुला	18-09-2056
8	वृश्चिक	19-07-2057

निरयान शूल दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

मेष (11व)	80व 11म
आरम्भ	19-05-2058
अन्त	17-02-2063
1 मेष	19-05-2058
2 वृष	19-04-2059
2 वृष	20-05-2059
1 मेष	18-04-2060
2 वृष	17-02-2061
3 मिथुन	19-05-2061
4 कर्क	18-08-2061
5 सिंह	18-11-2061
6 कन्या	17-02-2062
7 तुला	19-05-2062
8 वृश्चिक	19-08-2062
9 धनु	18-11-2062

सिंह (3व)	82व 0म
आरम्भ	17-02-2063
अन्त	19-05-2070
10 मकर	17-02-2063
11 कुंभ	20-05-2063
12 मीन	18-02-2064
1 मेष	17-11-2064
2 वृष	18-08-2065
3 मिथुन	19-05-2066
4 कर्क	17-02-2067
5 सिंह	18-11-2067
6 कन्या	18-08-2068
2 वृष	19-05-2069
1 मेष	18-09-2069
12 मीन	18-01-2070

वृश्चिक (4व)	82व 11म
आरम्भ	19-05-2070
अन्त	20-05-2075
11 कुंभ	19-05-2070
10 मकर	18-09-2070
9 धनु	18-01-2071
8 वृश्चिक	20-05-2071
7 तुला	18-09-2071
6 कन्या	18-01-2072
5 सिंह	19-05-2072
4 कर्क	18-09-2072
3 मिथुन	17-01-2073
2 वृष	19-05-2073
1 मेष	18-01-2074
12 मीन	18-09-2074

वृश्चिक (4व)	91व 11म
आरम्भ	20-05-2075
अन्त	19-08-2082
11 कुंभ	20-05-2075
10 मकर	18-01-2076
9 धनु	17-09-2076
11 कुंभ	19-05-2077
12 मीन	18-12-2077
1 मेष	19-07-2078
2 वृष	17-02-2079
3 मिथुन	18-09-2079
4 कर्क	18-04-2080
5 सिंह	17-11-2080
6 कन्या	18-06-2081
7 तुला	17-01-2082

तुला (6व)	99व 11म
आरम्भ	19-05-2082
अन्त	19-05-2088
1 मेष	19-05-2082
2 वृष	18-11-2082
3 मिथुन	19-05-2083
4 कर्क	18-11-2083
5 सिंह	19-05-2084
6 कन्या	17-11-2084
7 तुला	19-05-2085
8 वृश्चिक	18-11-2085
9 धनु	19-05-2086
10 मकर	18-11-2086
11 कुंभ	19-05-2087
12 मीन	18-11-2087

कर्क (3व)	104व 11म
आरम्भ	19-05-2088
अन्त	19-05-2091
4 कर्क	19-05-2088
3 मिथुन	18-08-2088
2 वृष	17-11-2088
1 मेष	17-02-2089
12 मीन	19-05-2089
11 कुंभ	18-08-2089
10 मकर	18-11-2089
9 धनु	17-02-2090
8 वृश्चिक	19-05-2090
7 तुला	18-08-2090
6 कन्या	18-11-2090
5 सिंह	17-02-2091

कर्क (3व)	110व 11म
आरम्भ	19-05-2091
अन्त	18-11-2100
4 कर्क	19-05-2091
3 मिथुन	17-02-2092
2 वृष	17-11-2092
1 मेष	18-08-2093
12 मीन	19-05-2094
11 कुंभ	17-02-2095
10 मकर	18-11-2095
9 धनु	18-08-2096
1 मेष	19-05-2097
2 वृष	19-04-2098
11 कुंभ	19-03-2099
10 मकर	18-01-2100

धनु (5व)	119व 11म
आरम्भ	19-10-2100
अन्त	19-12-2105
10 मकर	19-10-2100
11 कुंभ	20-03-2101
12 मीन	19-08-2101
1 मेष	18-01-2102
2 वृष	19-06-2102
3 मिथुन	19-11-2102
4 कर्क	20-04-2103
5 सिंह	19-09-2103
6 कन्या	18-02-2104
7 तुला	19-07-2104
8 वृश्चिक	19-12-2104
9 धनु	20-05-2105

धनु (5व)	120व 11म
आरम्भ	19-12-2105
अन्त	18-02-2111
10 मकर	19-12-2105
11 कुंभ	20-07-2106
12 मीन	18-02-2107
12 मीन	20-05-2107
11 कुंभ	19-10-2107
10 मकर	20-03-2108
9 धनु	19-08-2108
8 वृश्चिक	18-01-2109
7 तुला	19-06-2109
6 कन्या	18-11-2109
5 सिंह	20-04-2110
4 कर्क	19-09-2110

कन्या (5व)	123व 0म
आरम्भ	18-02-2111
अन्त	20-03-2118
3 मिथुन	18-02-2111
2 वृष	20-07-2111
1 मेष	19-12-2111
12 मीन	19-05-2112
11 कुंभ	19-12-2112
10 मकर	20-07-2113
9 धनु	18-02-2114
9 धनु	20-05-2114
10 मकर	20-03-2115
11 कुंभ	19-01-2116
1 मेष	19-05-2116
2 वृष	19-04-2117

मेष (11व)	130व 0म
आरम्भ	20-03-2118
अन्त	20-03-2129
3 मिथुन	20-03-2118
4 कर्क	18-02-2119
5 सिंह	19-01-2120
6 कन्या	18-12-2120
7 तुला	18-11-2121
8 वृश्चिक	19-10-2122
9 धनु	19-09-2123
10 मकर	19-08-2124
11 कुंभ	19-07-2125
12 मीन	19-06-2126
2 वृष	20-05-2127
1 मेष	19-04-2128

वृष (11व)	137व 0म
आरम्भ	20-03-2129
अन्त	18-11-2138
12 मीन	20-03-2129
11 कुंभ	18-02-2130
10 मकर	18-01-2131
9 धनु	19-12-2131
8 वृश्चिक	18-11-2132
7 तुला	19-10-2133
6 कन्या	19-09-2134
5 सिंह	19-08-2135
4 कर्क	19-07-2136
3 मिथुन	19-06-2137
11 कुंभ	20-05-2138
12 मीन	19-08-2138

दृगदशा

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

मकर (6व)	0व 0म*
आरम्भ	20-05-1977
अन्त	20-05-1983
4 कर्क	20-05-1977
3 मिथुन	18-11-1977
2 वृष	20-05-1978
1 मेष	19-11-1978
12 मीन	20-05-1979
11 कुंभ	19-11-1979
10 मकर	19-05-1980
9 धनु	18-11-1980
8 वृश्चिक	20-05-1981
7 तुला	18-11-1981
6 कन्या	20-05-1982
5 सिंह	19-11-1982

वृश्चिक (4व)	6व 0म
आरम्भ	20-05-1983
अन्त	20-05-1987
2 वृष	20-05-1983
1 मेष	19-09-1983
12 मीन	19-01-1984
11 कुंभ	19-05-1984
10 मकर	18-09-1984
9 धनु	18-01-1985
8 वृश्चिक	20-05-1985
7 तुला	18-09-1985
6 कन्या	18-01-1986
5 सिंह	20-05-1986
4 कर्क	19-09-1986
3 मिथुन	18-01-1987

सिंह (3व)	10व 0म
आरम्भ	20-05-1987
अन्त	20-05-1990
11 कुंभ	20-05-1987
12 मीन	20-08-1987
1 मेष	19-11-1987
2 वृष	18-02-1988
3 मिथुन	19-05-1988
4 कर्क	19-08-1988
5 सिंह	18-11-1988
6 कन्या	17-02-1989
7 तुला	20-05-1989
8 वृश्चिक	19-08-1989
9 धनु	18-11-1989
10 मकर	18-02-1990

वृष (11व)	13व 0म
आरम्भ	20-05-1990
अन्त	20-05-2001
2 वृष	20-05-1990
1 मेष	20-04-1991
12 मीन	20-03-1992
11 कुंभ	17-02-1993
10 मकर	18-01-1994
9 धनु	19-12-1994
8 वृश्चिक	19-11-1995
7 तुला	19-10-1996
6 कन्या	18-09-1997
5 सिंह	19-08-1998
4 कर्क	20-07-1999
3 मिथुन	19-06-2000

कुंभ (7व)	24व 0म
आरम्भ	20-05-2001
अन्त	19-05-2008
11 कुंभ	20-05-2001
12 मीन	19-12-2001
1 मेष	20-07-2002
2 वृष	18-02-2003
3 मिथुन	19-09-2003
4 कर्क	19-04-2004
5 सिंह	18-11-2004
6 कन्या	19-06-2005
7 तुला	18-01-2006
8 वृश्चिक	19-08-2006
9 धनु	20-03-2007
10 मकर	19-10-2007

तुला (6व)	30व 11म
आरम्भ	19-05-2008
अन्त	20-05-2014
1 मेष	19-05-2008
2 वृष	18-11-2008
3 मिथुन	20-05-2009
4 कर्क	18-11-2009
5 सिंह	20-05-2010
6 कन्या	18-11-2010
7 तुला	20-05-2011
8 वृश्चिक	19-11-2011
9 धनु	19-05-2012
10 मकर	18-11-2012
11 कुंभ	19-05-2013
12 मीन	18-11-2013

कर्क (3व)	37व 0म
आरम्भ	20-05-2014
अन्त	19-05-2017
4 कर्क	20-05-2014
3 मिथुन	19-08-2014
2 वृष	18-11-2014
1 मेष	18-02-2015
12 मीन	20-05-2015
11 कुंभ	19-08-2015
10 मकर	19-11-2015
9 धनु	18-02-2016
8 वृश्चिक	19-05-2016
7 तुला	19-08-2016
6 कन्या	18-11-2016
5 सिंह	17-02-2017

मेष (11व)	39व 11म
आरम्भ	19-05-2017
अन्त	19-05-2028
1 मेष	19-05-2017
2 वृष	19-04-2018
3 मिथुन	20-03-2019
4 कर्क	18-02-2020
5 सिंह	18-01-2021
6 कन्या	18-12-2021
7 तुला	18-11-2022
8 वृश्चिक	19-10-2023
9 धनु	18-09-2024
10 मकर	19-08-2025
11 कुंभ	20-07-2026
12 मीन	19-06-2027

मीन (10व)	50व 11म
आरम्भ	19-05-2028
अन्त	20-05-2038
12 मीन	19-05-2028
11 कुंभ	19-03-2029
10 मकर	18-01-2030
9 धनु	18-11-2030
8 वृश्चिक	19-09-2031
7 तुला	19-07-2032
6 कन्या	19-05-2033
5 सिंह	20-03-2034
4 कर्क	18-01-2035
3 मिथुन	18-11-2035
2 वृष	18-09-2036
1 मेष	19-07-2037

धनु (5व)	61व 0म
आरम्भ	20-05-2038
अन्त	20-05-2043
9 धनु	20-05-2038
10 मकर	19-10-2038
11 कुंभ	20-03-2039
12 मीन	19-08-2039
1 मेष	18-01-2040
2 वृष	18-06-2040
3 मिथुन	18-11-2040
4 कर्क	19-04-2041
5 सिंह	18-09-2041
6 कन्या	17-02-2042
7 तुला	19-07-2042
8 वृश्चिक	19-12-2042

कन्या (5व)	66व 0म
आरम्भ	20-05-2043
अन्त	19-05-2048
12 मीन	20-05-2043
11 कुंभ	19-10-2043
10 मकर	19-03-2044
9 धनु	18-08-2044
8 वृश्चिक	17-01-2045
7 तुला	19-06-2045
6 कन्या	18-11-2045
5 सिंह	19-04-2046
4 कर्क	18-09-2046
3 मिथुन	17-02-2047
2 वृष	20-07-2047
1 मेष	19-12-2047

मिथुन (10व)	70व 11म
आरम्भ	19-05-2048
अन्त	19-05-2058
9 धनु	19-05-2048
10 मकर	19-03-2049
11 कुंभ	18-01-2050
12 मीन	18-11-2050
1 मेष	18-09-2051
2 वृष	19-07-2052
3 मिथुन	19-05-2053
4 कर्क	20-03-2054
5 सिंह	18-01-2055
6 कन्या	18-11-2055
7 तुला	18-09-2056
8 वृश्चिक	19-07-2057

दृगदशा

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

मेष (11व)	80व 11म
आरम्भ	19-05-2058
अन्त	17-02-2063
1 मेष	19-05-2058
2 वृष	19-04-2059
2 वृष	20-05-2059
1 मेष	18-04-2060
2 वृष	17-02-2061
3 मिथुन	19-05-2061
4 कर्क	18-08-2061
5 सिंह	18-11-2061
6 कन्या	17-02-2062
7 तुला	19-05-2062
8 वृश्चिक	19-08-2062
9 धनु	18-11-2062

सिंह (3व)	82व 0म
आरम्भ	17-02-2063
अन्त	19-05-2070
10 मकर	17-02-2063
11 कुंभ	20-05-2063
12 मीन	18-02-2064
1 मेष	17-11-2064
2 वृष	18-08-2065
3 मिथुन	19-05-2066
4 कर्क	17-02-2067
5 सिंह	18-11-2067
6 कन्या	18-08-2068
2 वृष	19-05-2069
1 मेष	18-09-2069
12 मीन	18-01-2070

वृश्चिक (4व)	82व 11म
आरम्भ	19-05-2070
अन्त	20-05-2075
11 कुंभ	19-05-2070
10 मकर	18-09-2070
9 धनु	18-01-2071
8 वृश्चिक	20-05-2071
7 तुला	18-09-2071
6 कन्या	18-01-2072
5 सिंह	19-05-2072
4 कर्क	18-09-2072
3 मिथुन	17-01-2073
2 वृष	19-05-2073
1 मेष	18-01-2074
12 मीन	18-09-2074

वृश्चिक (4व)	91व 11म
आरम्भ	20-05-2075
अन्त	19-08-2082
11 कुंभ	20-05-2075
10 मकर	18-01-2076
9 धनु	17-09-2076
11 कुंभ	19-05-2077
12 मीन	18-12-2077
1 मेष	19-07-2078
2 वृष	17-02-2079
3 मिथुन	18-09-2079
4 कर्क	18-04-2080
5 सिंह	17-11-2080
6 कन्या	18-06-2081
7 तुला	17-01-2082

तुला (6व)	99व 11म
आरम्भ	19-05-2082
अन्त	19-05-2088
1 मेष	19-05-2082
2 वृष	18-11-2082
3 मिथुन	19-05-2083
4 कर्क	18-11-2083
5 सिंह	19-05-2084
6 कन्या	17-11-2084
7 तुला	19-05-2085
8 वृश्चिक	18-11-2085
9 धनु	19-05-2086
10 मकर	18-11-2086
11 कुंभ	19-05-2087
12 मीन	18-11-2087

कर्क (3व)	104व 11म
आरम्भ	19-05-2088
अन्त	19-05-2091
4 कर्क	19-05-2088
3 मिथुन	18-08-2088
2 वृष	17-11-2088
1 मेष	17-02-2089
12 मीन	19-05-2089
11 कुंभ	18-08-2089
10 मकर	18-11-2089
9 धनु	17-02-2090
8 वृश्चिक	19-05-2090
7 तुला	18-08-2090
6 कन्या	18-11-2090
5 सिंह	17-02-2091

कर्क (3व)	110व 11म
आरम्भ	19-05-2091
अन्त	18-11-2100
4 कर्क	19-05-2091
3 मिथुन	17-02-2092
2 वृष	17-11-2092
1 मेष	18-08-2093
12 मीन	19-05-2094
11 कुंभ	17-02-2095
10 मकर	18-11-2095
9 धनु	18-08-2096
1 मेष	19-05-2097
2 वृष	19-04-2098
11 कुंभ	19-03-2099
10 मकर	18-01-2100

धनु (5व)	119व 11म
आरम्भ	19-10-2100
अन्त	19-12-2105
10 मकर	19-10-2100
11 कुंभ	20-03-2101
12 मीन	19-08-2101
1 मेष	18-01-2102
2 वृष	19-06-2102
3 मिथुन	19-11-2102
4 कर्क	20-04-2103
5 सिंह	19-09-2103
6 कन्या	18-02-2104
7 तुला	19-07-2104
8 वृश्चिक	19-12-2104
9 धनु	20-05-2105

धनु (5व)	120व 11म
आरम्भ	19-12-2105
अन्त	18-02-2111
10 मकर	19-12-2105
11 कुंभ	20-07-2106
12 मीन	18-02-2107
12 मीन	20-05-2107
11 कुंभ	19-10-2107
10 मकर	20-03-2108
9 धनु	19-08-2108
8 वृश्चिक	18-01-2109
7 तुला	19-06-2109
6 कन्या	18-11-2109
5 सिंह	20-04-2110
4 कर्क	19-09-2110

कन्या (5व)	123व 0म
आरम्भ	18-02-2111
अन्त	20-03-2118
3 मिथुन	18-02-2111
2 वृष	20-07-2111
1 मेष	19-12-2111
12 मीन	19-05-2112
11 कुंभ	19-12-2112
10 मकर	20-07-2113
9 धनु	18-02-2114
9 धनु	20-05-2114
10 मकर	20-03-2115
11 कुंभ	19-01-2116
1 मेष	19-05-2116
2 वृष	19-04-2117

मेष (11व)	130व 0म
आरम्भ	20-03-2118
अन्त	20-03-2129
3 मिथुन	20-03-2118
4 कर्क	18-02-2119
5 सिंह	19-01-2120
6 कन्या	18-12-2120
7 तुला	18-11-2121
8 वृश्चिक	19-10-2122
9 धनु	19-09-2123
10 मकर	19-08-2124
11 कुंभ	19-07-2125
12 मीन	19-06-2126
2 वृष	20-05-2127
1 मेष	19-04-2128

वृष (11व)	137व 0म
आरम्भ	20-03-2129
अन्त	18-11-2138
12 मीन	20-03-2129
11 कुंभ	18-02-2130
10 मकर	18-01-2131
9 धनु	19-12-2131
8 वृश्चिक	18-11-2132
7 तुला	19-10-2133
6 कन्या	19-09-2134
5 सिंह	19-08-2135
4 कर्क	19-07-2136
3 मिथुन	19-06-2137
11 कुंभ	20-05-2138
12 मीन	19-08-2138

ॐ

नवांश दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

तुला (5व)		0व 0म'
आरम्भ		20-05-1977
अन्त		20-05-1982
1	मेष	20-05-1977
2	वृष	19-10-1977
3	मिथुन	20-03-1978
4	कर्क	19-08-1978
5	सिंह	19-01-1979
6	कन्या	20-06-1979
7	तुला	19-11-1979
8	वृश्चिक	19-04-1980
9	धनु	18-09-1980
10	मकर	17-02-1981
11	कुंभ	20-07-1981
12	मीन	19-12-1981

वृश्चिक (4व)		5व 0म
आरम्भ		20-05-1982
अन्त		20-05-1986
2	वृष	20-05-1982
1	मेष	19-09-1982
12	मीन	18-01-1983
11	कुंभ	20-05-1983
10	मकर	19-09-1983
9	धनु	19-01-1984
8	वृश्चिक	19-05-1984
7	तुला	18-09-1984
6	कन्या	18-01-1985
5	सिंह	20-05-1985
4	कर्क	18-09-1985
3	मिथुन	18-01-1986

धनु (5व)		9व 0म
आरम्भ		20-05-1986
अन्त		20-05-1991
9	धनु	20-05-1986
10	मकर	19-10-1986
11	कुंभ	20-03-1987
12	मीन	20-08-1987
1	मेष	19-01-1988
2	वृष	19-06-1988
3	मिथुन	18-11-1988
4	कर्क	19-04-1989
5	सिंह	18-09-1989
6	कन्या	18-02-1990
7	तुला	20-07-1990
8	वृश्चिक	19-12-1990

मकर (6व)		14व 0म
आरम्भ		20-05-1991
अन्त		20-05-1997
4	कर्क	20-05-1991
3	मिथुन	19-11-1991
2	वृष	19-05-1992
1	मेष	18-11-1992
12	मीन	20-05-1993
11	कुंभ	18-11-1993
10	मकर	20-05-1994
9	धनु	19-11-1994
8	वृश्चिक	20-05-1995
7	तुला	19-11-1995
6	कन्या	19-05-1996
5	सिंह	18-11-1996

कुंभ (5व)		20व 0म
आरम्भ		20-05-1997
अन्त		20-05-2002
11	कुंभ	20-05-1997
12	मीन	19-10-1997
1	मेष	20-03-1998
2	वृष	19-08-1998
3	मिथुन	18-01-1999
4	कर्क	20-06-1999
5	सिंह	19-11-1999
6	कन्या	19-04-2000
7	तुला	18-09-2000
8	वृश्चिक	17-02-2001
9	धनु	19-07-2001
10	मकर	19-12-2001

मीन (2व)		25व 0म
आरम्भ		20-05-2002
अन्त		19-05-2004
12	मीन	20-05-2002
11	कुंभ	20-07-2002
10	मकर	19-09-2002
9	धनु	18-11-2002
8	वृश्चिक	18-01-2003
7	तुला	20-03-2003
6	कन्या	20-05-2003
5	सिंह	20-07-2003
4	कर्क	19-09-2003
3	मिथुन	19-11-2003
2	वृष	19-01-2004
1	मेष	19-03-2004

मेष (11व)		26व 11म
आरम्भ		19-05-2004
अन्त		20-05-2015
1	मेष	19-05-2004
2	वृष	19-04-2005
3	मिथुन	20-03-2006
4	कर्क	18-02-2007
5	सिंह	19-01-2008
6	कन्या	18-12-2008
7	तुला	18-11-2009
8	वृश्चिक	19-10-2010
9	धनु	19-09-2011
10	मकर	19-08-2012
11	कुंभ	19-07-2013
12	मीन	19-06-2014

वृष (10व)		38व 0म
आरम्भ		20-05-2015
अन्त		19-05-2025
2	वृष	20-05-2015
1	मेष	19-03-2016
12	मीन	18-01-2017
11	कुंभ	18-11-2017
10	मकर	18-09-2018
9	धनु	20-07-2019
8	वृश्चिक	19-05-2020
7	तुला	20-03-2021
6	कन्या	18-01-2022
5	सिंह	18-11-2022
4	कर्क	19-09-2023
3	मिथुन	19-07-2024

मिथुन (10व)		47व 11म
आरम्भ		19-05-2025
अन्त		20-05-2035
9	धनु	19-05-2025
10	मकर	20-03-2026
11	कुंभ	18-01-2027
12	मीन	19-11-2027
1	मेष	18-09-2028
2	वृष	19-07-2029
3	मिथुन	20-05-2030
4	कर्क	20-03-2031
5	सिंह	18-01-2032
6	कन्या	18-11-2032
7	तुला	18-09-2033
8	वृश्चिक	19-07-2034

कर्क (10व)		58व 0म
आरम्भ		20-05-2035
अन्त		19-05-2045
4	कर्क	20-05-2035
3	मिथुन	19-03-2036
2	वृष	18-01-2037
1	मेष	18-11-2037
12	मीन	18-09-2038
11	कुंभ	20-07-2039
10	मकर	19-05-2040
9	धनु	19-03-2041
8	वृश्चिक	18-01-2042
7	तुला	18-11-2042
6	कन्या	19-09-2043
5	सिंह	19-07-2044

सिंह (9व)		67व 11म
आरम्भ		19-05-2045
अन्त		19-05-2054
11	कुंभ	19-05-2045
12	मीन	17-02-2046
1	मेष	18-11-2046
2	वृष	19-08-2047
3	मिथुन	19-05-2048
4	कर्क	17-02-2049
5	सिंह	18-11-2049
6	कन्या	19-08-2050
7	तुला	20-05-2051
8	वृश्चिक	18-02-2052
9	धनु	18-11-2052
10	मकर	18-08-2053

कन्या (7व)		76व 11म
आरम्भ		19-05-2054
अन्त		19-05-2061
12	मीन	19-05-2054
11	कुंभ	18-12-2054
10	मकर	20-07-2055
9	धनु	18-02-2056
8	वृश्चिक	18-09-2056
7	तुला	19-04-2057
6	कन्या	18-11-2057
5	सिंह	19-06-2058
4	कर्क	18-01-2059
3	मिथुन	19-08-2059
2	वृष	19-03-2060
1	मेष	18-10-2060

नवांश दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

तुला (5व)		83व 11म
आरम्भ		19-05-2061
अन्त		19-05-2066
1	मेष	19-05-2061
2	वृष	18-10-2061
3	मिथुन	19-03-2062
4	कर्क	19-08-2062
5	सिंह	18-01-2063
6	कन्या	19-06-2063
7	तुला	18-11-2063
8	वृश्चिक	18-04-2064
9	धनु	18-09-2064
10	मकर	17-02-2065
11	कुंभ	19-07-2065
12	मीन	18-12-2065

वृश्चिक (4व)		88व 11म
आरम्भ		19-05-2066
अन्त		19-05-2070
2	वृष	19-05-2066
1	मेष	18-09-2066
12	मीन	18-01-2067
11	कुंभ	20-05-2067
10	मकर	18-09-2067
9	धनु	18-01-2068
8	वृश्चिक	19-05-2068
7	तुला	18-09-2068
6	कन्या	17-01-2069
5	सिंह	19-05-2069
4	कर्क	18-09-2069
3	मिथुन	18-01-2070

धनु (5व)		92व 11म
आरम्भ		19-05-2070
अन्त		20-05-2075
9	धनु	19-05-2070
10	मकर	18-10-2070
11	कुंभ	20-03-2071
12	मीन	19-08-2071
1	मेष	18-01-2072
2	वृष	18-06-2072
3	मिथुन	17-11-2072
4	कर्क	19-04-2073
5	सिंह	18-09-2073
6	कन्या	17-02-2074
7	तुला	19-07-2074
8	वृश्चिक	18-12-2074

मकर (6व)		98व 0म
आरम्भ		20-05-2075
अन्त		19-05-2081
4	कर्क	20-05-2075
3	मिथुन	18-11-2075
2	वृष	19-05-2076
1	मेष	17-11-2076
12	मीन	19-05-2077
11	कुंभ	18-11-2077
10	मकर	19-05-2078
9	धनु	18-11-2078
8	वृश्चिक	19-05-2079
7	तुला	18-11-2079
6	कन्या	19-05-2080
5	सिंह	17-11-2080

कुंभ (5व)		103व 11म
आरम्भ		19-05-2081
अन्त		19-05-2086
11	कुंभ	19-05-2081
12	मीन	18-10-2081
1	मेष	19-03-2082
2	वृष	19-08-2082
3	मिथुन	18-01-2083
4	कर्क	19-06-2083
5	सिंह	18-11-2083
6	कन्या	18-04-2084
7	तुला	17-09-2084
8	वृश्चिक	17-02-2085
9	धनु	19-07-2085
10	मकर	18-12-2085

मीन (2व)		108व 11म
आरम्भ		19-05-2086
अन्त		19-05-2088
12	मीन	19-05-2086
11	कुंभ	19-07-2086
10	मकर	18-09-2086
9	धनु	18-11-2086
8	वृश्चिक	18-01-2087
7	तुला	20-03-2087
6	कन्या	19-05-2087
5	सिंह	19-07-2087
4	कर्क	18-09-2087
3	मिथुन	18-11-2087
2	वृष	18-01-2088
1	मेष	19-03-2088

मेष (11व)		110व 11म
आरम्भ		19-05-2088
अन्त		19-05-2099
1	मेष	19-05-2088
2	वृष	18-04-2089
3	मिथुन	19-03-2090
4	कर्क	17-02-2091
5	सिंह	18-01-2092
6	कन्या	18-12-2092
7	तुला	17-11-2093
8	वृश्चिक	18-10-2094
9	धनु	18-09-2095
10	मकर	18-08-2096
11	कुंभ	19-07-2097
12	मीन	19-06-2098

वृष (10व)		121व 11म
आरम्भ		19-05-2099
अन्त		20-05-2109
2	वृष	19-05-2099
1	मेष	20-03-2100
12	मीन	18-01-2101
11	कुंभ	18-11-2101
10	मकर	19-09-2102
9	धनु	20-07-2103
8	वृश्चिक	20-05-2104
7	तुला	20-03-2105
6	कन्या	18-01-2106
5	सिंह	19-11-2106
4	कर्क	19-09-2107
3	मिथुन	19-07-2108

मिथुन (10व)		132व 0म
आरम्भ		20-05-2109
अन्त		20-05-2119
9	धनु	20-05-2109
10	मकर	20-03-2110
11	कुंभ	18-01-2111
12	मीन	19-11-2111
1	मेष	18-09-2112
2	वृष	20-07-2113
3	मिथुन	20-05-2114
4	कर्क	20-03-2115
5	सिंह	19-01-2116
6	कन्या	18-11-2116
7	तुला	18-09-2117
8	वृश्चिक	20-07-2118

कर्क (10व)		142व 0म
आरम्भ		20-05-2119
अन्त		20-05-2129
4	कर्क	20-05-2119
3	मिथुन	20-03-2120
2	वृष	18-01-2121
1	मेष	18-11-2121
12	मीन	19-09-2122
11	कुंभ	20-07-2123
10	मकर	19-05-2124
9	धनु	20-03-2125
8	वृश्चिक	18-01-2126
7	तुला	18-11-2126
6	कन्या	19-09-2127
5	सिंह	19-07-2128

सिंह (9व)		152व 0म
आरम्भ		20-05-2129
अन्त		20-05-2138
11	कुंभ	20-05-2129
12	मीन	18-02-2130
1	मेष	18-11-2130
2	वृष	19-08-2131
3	मिथुन	19-05-2132
4	कर्क	17-02-2133
5	सिंह	18-11-2133
6	कन्या	19-08-2134
7	तुला	20-05-2135
8	वृश्चिक	18-02-2136
9	धनु	18-11-2136
10	मकर	19-08-2137

कन्या (7व)		161व 0म
आरम्भ		20-05-2138
अन्त		19-05-2145
12	मीन	20-05-2138
11	कुंभ	19-12-2138
10	मकर	20-07-2139
9	धनु	18-02-2140
8	वृश्चिक	18-09-2140
7	तुला	19-04-2141
6	कन्या	18-11-2141
5	सिंह	19-06-2142
4	कर्क	18-01-2143
3	मिथुन	19-08-2143
2	वृष	19-03-2144
1	मेष	18-10-2144

नारायण दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

वृष (11व)

0व 0म'

आरम्भ	20-05-1977
अन्त	19-05-1988

2	वृष	20-05-1977
1	मेष	20-04-1978
12	मीन	20-03-1979
11	कुंभ	18-02-1980
10	मकर	18-01-1981
9	धनु	19-12-1981
8	वृश्चिक	19-11-1982
7	तुला	19-10-1983
6	कन्या	18-09-1984
5	सिंह	19-08-1985
4	कर्क	20-07-1986
3	मिथुन	20-06-1987

धनु (5व)

10व 11म

आरम्भ	19-05-1988
अन्त	20-05-1993

9	धनु	19-05-1988
10	मकर	19-10-1988
11	कुंभ	20-03-1989
12	मीन	19-08-1989
1	मेष	18-01-1990
2	वृष	19-06-1990
3	मिथुन	19-11-1990
4	कर्क	20-04-1991
5	सिंह	19-09-1991
6	कन्या	18-02-1992
7	तुला	19-07-1992
8	वृश्चिक	18-12-1992

कर्क (3व)

16व 0म

आरम्भ	20-05-1993
अन्त	19-05-1996

4	कर्क	20-05-1993
3	मिथुन	19-08-1993
2	वृष	18-11-1993
1	मेष	18-02-1994
12	मीन	20-05-1994
11	कुंभ	19-08-1994
10	मकर	19-11-1994
9	धनु	18-02-1995
8	वृश्चिक	20-05-1995
7	तुला	19-08-1995
6	कन्या	19-11-1995
5	सिंह	18-02-1996

कुंभ (7व)

18व 11म

आरम्भ	19-05-1996
अन्त	20-05-2003

11	कुंभ	19-05-1996
12	मीन	18-12-1996
1	मेष	19-07-1997
2	वृष	18-02-1998
3	मिथुन	19-09-1998
4	कर्क	20-04-1999
5	सिंह	19-11-1999
6	कन्या	19-06-2000
7	तुला	18-01-2001
8	वृश्चिक	19-08-2001
9	धनु	20-03-2002
10	मकर	19-10-2002

कन्या (5व)

26व 0म

आरम्भ	20-05-2003
अन्त	19-05-2008

12	मीन	20-05-2003
11	कुंभ	19-10-2003
10	मकर	19-03-2004
9	धनु	19-08-2004
8	वृश्चिक	18-01-2005
7	तुला	19-06-2005
6	कन्या	18-11-2005
5	सिंह	19-04-2006
4	कर्क	19-09-2006
3	मिथुन	18-02-2007
2	वृष	20-07-2007
1	मेष	19-12-2007

मेष (11व)

30व 11म

आरम्भ	19-05-2008
अन्त	20-05-2019

1	मेष	19-05-2008
2	वृष	19-04-2009
3	मिथुन	20-03-2010
4	कर्क	18-02-2011
5	सिंह	19-01-2012
6	कन्या	18-12-2012
7	तुला	18-11-2013
8	वृश्चिक	19-10-2014
9	धनु	19-09-2015
10	मकर	19-08-2016
11	कुंभ	19-07-2017
12	मीन	19-06-2018

वृश्चिक (4व)

42व 0म

आरम्भ	20-05-2019
अन्त	20-05-2023

2	वृष	20-05-2019
1	मेष	19-09-2019
12	मीन	18-01-2020
11	कुंभ	19-05-2020
10	मकर	18-09-2020
9	धनु	18-01-2021
8	वृश्चिक	19-05-2021
7	तुला	18-09-2021
6	कन्या	18-01-2022
5	सिंह	20-05-2022
4	कर्क	18-09-2022
3	मिथुन	18-01-2023

मिथुन (10व)

46व 0म

आरम्भ	20-05-2023
अन्त	19-05-2033

9	धनु	20-05-2023
10	मकर	19-03-2024
11	कुंभ	18-01-2025
12	मीन	18-11-2025
1	मेष	18-09-2026
2	वृष	20-07-2027
3	मिथुन	19-05-2028
4	कर्क	19-03-2029
5	सिंह	18-01-2030
6	कन्या	18-11-2030
7	तुला	19-09-2031
8	वृश्चिक	19-07-2032

मकर (6व)

55व 11म

आरम्भ	19-05-2033
अन्त	20-05-2039

4	कर्क	19-05-2033
3	मिथुन	18-11-2033
2	वृष	20-05-2034
1	मेष	18-11-2034
12	मीन	20-05-2035
11	कुंभ	18-11-2035
10	मकर	19-05-2036
9	धनु	18-11-2036
8	वृश्चिक	19-05-2037
7	तुला	18-11-2037
6	कन्या	20-05-2038
5	सिंह	18-11-2038

सिंह (3व)

62व 0म

आरम्भ	20-05-2039
अन्त	20-05-2042

11	कुंभ	20-05-2039
12	मीन	19-08-2039
1	मेष	18-11-2039
2	वृष	18-02-2040
3	मिथुन	19-05-2040
4	कर्क	18-08-2040
5	सिंह	18-11-2040
6	कन्या	17-02-2041
7	तुला	19-05-2041
8	वृश्चिक	19-08-2041
9	धनु	18-11-2041
10	मकर	17-02-2042

मीन (10व)

65व 0म

आरम्भ	20-05-2042
अन्त	19-05-2052

12	मीन	20-05-2042
11	कुंभ	20-03-2043
10	मकर	18-01-2044
9	धनु	18-11-2044
8	वृश्चिक	18-09-2045
7	तुला	19-07-2046
6	कन्या	20-05-2047
5	सिंह	19-03-2048
4	कर्क	17-01-2049
3	मिथुन	18-11-2049
2	वृष	18-09-2050
1	मेष	20-07-2051

तुला (6व)

74व 11म

आरम्भ	19-05-2052
अन्त	19-05-2058

1	मेष	19-05-2052
2	वृष	18-11-2052
3	मिथुन	19-05-2053
4	कर्क	18-11-2053
5	सिंह	19-05-2054
6	कन्या	18-11-2054
7	तुला	20-05-2055
8	वृश्चिक	18-11-2055
9	धनु	19-05-2056
10	मकर	18-11-2056
11	कुंभ	19-05-2057
12	मीन	18-11-2057

नारायण दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

वृष (11व)	80व 11म
आरम्भ	19-05-2058
अन्त	19-05-2064
2 वृष	19-05-2058
1 मेष	19-04-2059
11 कुंभ	19-03-2060
12 मीन	18-08-2060
1 मेष	17-01-2061
2 वृष	19-06-2061
3 मिथुन	18-11-2061
4 कर्क	19-04-2062
5 सिंह	18-09-2062
6 कन्या	17-02-2063
7 तुला	19-07-2063
8 वृश्चिक	19-12-2063

धनु (5व)	82व 0म
आरम्भ	19-05-2064
अन्त	18-08-2068
9 धनु	19-05-2064
10 मकर	18-12-2064
11 कुंभ	19-07-2065
12 मीन	17-02-2066
3 मिथुन	19-08-2066
2 वृष	18-11-2066
1 मेष	17-02-2067
12 मीन	20-05-2067
11 कुंभ	19-08-2067
10 मकर	18-11-2067
9 धनु	18-02-2068
8 वृश्चिक	19-05-2068

कर्क (3व)	88व 11म
आरम्भ	18-08-2068
अन्त	19-12-2075
7 तुला	18-08-2068
6 कन्या	17-11-2068
5 सिंह	17-02-2069
4 कर्क	19-05-2069
3 मिथुन	17-02-2070
2 वृष	18-11-2070
1 मेष	19-08-2071
12 मीन	19-05-2072
11 कुंभ	17-02-2073
10 मकर	18-11-2073
9 धनु	19-08-2074
11 कुंभ	20-05-2075

कुंभ (7व)	98व 0म
आरम्भ	19-12-2075
अन्त	17-01-2082
12 मीन	19-12-2075
1 मेष	19-07-2076
2 वृष	17-02-2077
3 मिथुन	18-09-2077
4 कर्क	19-04-2078
5 सिंह	18-11-2078
6 कन्या	19-06-2079
7 तुला	18-01-2080
12 मीन	19-05-2080
11 कुंभ	18-10-2080
10 मकर	19-03-2081
9 धनु	18-08-2081

कन्या (5व)	102व 11म
आरम्भ	17-01-2082
अन्त	18-09-2087
8 वृश्चिक	17-01-2082
7 तुला	19-06-2082
6 कन्या	18-11-2082
5 सिंह	19-04-2083
4 कर्क	18-09-2083
3 मिथुन	17-02-2084
2 वृष	19-07-2084
1 मेष	18-12-2084
12 मीन	19-05-2085
11 कुंभ	18-12-2085
10 मकर	19-07-2086
9 धनु	17-02-2087

मेष (11व)	109व 11म
आरम्भ	19-05-2087
अन्त	19-05-2092
1 मेष	19-05-2087
2 वृष	18-04-2088
12 मीन	17-01-2089
11 कुंभ	19-05-2089
10 मकर	18-09-2089
9 धनु	17-01-2090
8 वृश्चिक	19-05-2090
7 तुला	18-09-2090
6 कन्या	18-01-2091
5 सिंह	19-05-2091
4 कर्क	18-09-2091
3 मिथुन	18-01-2092

वृश्चिक (4व)	110व 11म
आरम्भ	19-05-2092
अन्त	20-05-2100
2 वृष	19-05-2092
1 मेष	17-01-2093
12 मीन	18-09-2093
11 कुंभ	19-05-2094
10 मकर	18-01-2095
9 धनु	18-09-2095
9 धनु	19-05-2096
10 मकर	19-03-2097
11 कुंभ	17-01-2098
3 मिथुन	18-11-2098
2 वृष	19-05-2099
1 मेष	18-11-2099

मकर (6व)	118व 11म
आरम्भ	20-05-2100
अन्त	20-05-2105
12 मीन	20-05-2100
11 कुंभ	18-11-2100
10 मकर	20-05-2101
9 धनु	18-11-2101
8 वृश्चिक	20-05-2102
7 तुला	19-11-2102
6 कन्या	20-05-2103
5 सिंह	19-11-2103
11 कुंभ	20-05-2104
12 मीन	19-08-2104
1 मेष	18-11-2104
2 वृष	17-02-2105

सिंह (3व)	120व 11म
आरम्भ	20-05-2105
अन्त	20-05-2110
3 मिथुन	20-05-2105
4 कर्क	19-08-2105
5 सिंह	18-11-2105
6 कन्या	18-02-2106
7 तुला	20-05-2106
8 वृश्चिक	19-08-2106
9 धनु	19-11-2106
10 मकर	18-02-2107
11 कुंभ	20-05-2107
12 मीन	18-02-2108
1 मेष	18-11-2108
2 वृष	19-08-2109

सिंह (3व)	127व 0म
आरम्भ	20-05-2110
अन्त	20-05-2118
3 मिथुन	20-05-2110
4 कर्क	18-02-2111
5 सिंह	19-11-2111
6 कन्या	19-08-2112
12 मीन	20-05-2113
11 कुंभ	20-03-2114
10 मकर	18-01-2115
2 वृष	19-11-2115
3 मिथुन	19-05-2116
4 कर्क	18-11-2116
5 सिंह	20-05-2117
6 कन्या	18-11-2117

तुला (6व)	136व 0म
आरम्भ	20-05-2118
अन्त	18-11-2126
7 तुला	20-05-2118
8 वृश्चिक	19-11-2118
9 धनु	20-05-2119
10 मकर	19-11-2119
11 कुंभ	19-05-2120
12 मीन	18-11-2120
2 वृष	20-05-2121
1 मेष	19-04-2122
12 मीन	20-03-2123
11 कुंभ	18-02-2124
10 मकर	18-01-2125
9 धनु	19-12-2125

वृष (11व)	138व 0म
आरम्भ	18-11-2126
अन्त	18-11-2134
8 वृश्चिक	18-11-2126
7 तुला	19-10-2127
6 कन्या	18-09-2128
5 सिंह	19-08-2129
4 कर्क	20-07-2130
3 मिथुन	20-06-2131
9 धनु	19-05-2132
10 मकर	18-10-2132
11 कुंभ	20-03-2133
12 मीन	19-08-2133
1 मेष	18-01-2134
2 वृष	19-06-2134

लग्न केन्द्रादि राशी दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

वृष (11व) 0व 0म'

आरम्भ	20-05-1977
अन्त	19-05-1988

2	वृष	20-05-1977
1	मेष	20-04-1978
12	मीन	20-03-1979
11	कुंभ	18-02-1980
10	मकर	18-01-1981
9	धनु	19-12-1981
8	वृश्चिक	19-11-1982
7	तुला	19-10-1983
6	कन्या	18-09-1984
5	सिंह	19-08-1985
4	कर्क	20-07-1986
3	मिथुन	20-06-1987

कुंभ (7व) 10व 11म

आरम्भ	19-05-1988
अन्त	20-05-1995

11	कुंभ	19-05-1988
12	मीन	18-12-1988
1	मेष	20-07-1989
2	वृष	18-02-1990
3	मिथुन	19-09-1990
4	कर्क	20-04-1991
5	सिंह	19-11-1991
6	कन्या	19-06-1992
7	तुला	18-01-1993
8	वृश्चिक	19-08-1993
9	धनु	20-03-1994
10	मकर	19-10-1994

वृश्चिक (4व) 18व 0म

आरम्भ	20-05-1995
अन्त	20-05-1999

2	वृष	20-05-1995
1	मेष	19-09-1995
12	मीन	19-01-1996
11	कुंभ	19-05-1996
10	मकर	18-09-1996
9	धनु	18-01-1997
8	वृश्चिक	20-05-1997
7	तुला	18-09-1997
6	कन्या	18-01-1998
5	सिंह	20-05-1998
4	कर्क	19-09-1998
3	मिथुन	18-01-1999

सिंह (3व) 22व 0म

आरम्भ	20-05-1999
अन्त	20-05-2002

11	कुंभ	20-05-1999
12	मीन	19-08-1999
1	मेष	19-11-1999
2	वृष	18-02-2000
3	मिथुन	19-05-2000
4	कर्क	19-08-2000
5	सिंह	18-11-2000
6	कन्या	17-02-2001
7	तुला	20-05-2001
8	वृश्चिक	19-08-2001
9	धनु	18-11-2001
10	मकर	18-02-2002

मेष (11व) 25व 0म

आरम्भ	20-05-2002
अन्त	19-05-2013

1	मेष	20-05-2002
2	वृष	20-04-2003
3	मिथुन	19-03-2004
4	कर्क	17-02-2005
5	सिंह	18-01-2006
6	कन्या	19-12-2006
7	तुला	19-11-2007
8	वृश्चिक	18-10-2008
9	धनु	18-09-2009
10	मकर	19-08-2010
11	कुंभ	20-07-2011
12	मीन	19-06-2012

मकर (6व) 35व 11म

आरम्भ	19-05-2013
अन्त	20-05-2019

4	कर्क	19-05-2013
3	मिथुन	18-11-2013
2	वृष	20-05-2014
1	मेष	18-11-2014
12	मीन	20-05-2015
11	कुंभ	19-11-2015
10	मकर	19-05-2016
9	धनु	18-11-2016
8	वृश्चिक	19-05-2017
7	तुला	18-11-2017
6	कन्या	20-05-2018
5	सिंह	18-11-2018

तुला (6व) 42व 0म

आरम्भ	20-05-2019
अन्त	19-05-2025

1	मेष	20-05-2019
2	वृष	19-11-2019
3	मिथुन	19-05-2020
4	कर्क	18-11-2020
5	सिंह	19-05-2021
6	कन्या	18-11-2021
7	तुला	20-05-2022
8	वृश्चिक	18-11-2022
9	धनु	20-05-2023
10	मकर	19-11-2023
11	कुंभ	19-05-2024
12	मीन	18-11-2024

कर्क (3व) 47व 11म

आरम्भ	19-05-2025
अन्त	19-05-2028

4	कर्क	19-05-2025
3	मिथुन	19-08-2025
2	वृष	18-11-2025
1	मेष	17-02-2026
12	मीन	20-05-2026
11	कुंभ	19-08-2026
10	मकर	18-11-2026
9	धनु	18-02-2027
8	वृश्चिक	20-05-2027
7	तुला	19-08-2027
6	कन्या	19-11-2027
5	सिंह	18-02-2028

मीन (10व) 50व 11म

आरम्भ	19-05-2028
अन्त	20-05-2038

12	मीन	19-05-2028
11	कुंभ	19-03-2029
10	मकर	18-01-2030
9	धनु	18-11-2030
8	वृश्चिक	19-09-2031
7	तुला	19-07-2032
6	कन्या	19-05-2033
5	सिंह	20-03-2034
4	कर्क	18-01-2035
3	मिथुन	18-11-2035
2	वृष	18-09-2036
1	मेष	19-07-2037

धनु (5व) 61व 0म

आरम्भ	20-05-2038
अन्त	20-05-2043

9	धनु	20-05-2038
10	मकर	19-10-2038
11	कुंभ	20-03-2039
12	मीन	19-08-2039
1	मेष	18-01-2040
2	वृष	18-06-2040
3	मिथुन	18-11-2040
4	कर्क	19-04-2041
5	सिंह	18-09-2041
6	कन्या	17-02-2042
7	तुला	19-07-2042
8	वृश्चिक	19-12-2042

कन्या (5व) 66व 0म

आरम्भ	20-05-2043
अन्त	19-05-2048

12	मीन	20-05-2043
11	कुंभ	19-10-2043
10	मकर	19-03-2044
9	धनु	18-08-2044
8	वृश्चिक	17-01-2045
7	तुला	19-06-2045
6	कन्या	18-11-2045
5	सिंह	19-04-2046
4	कर्क	18-09-2046
3	मिथुन	17-02-2047
2	वृष	20-07-2047
1	मेष	19-12-2047

मिथुन (10व) 70व 11म

आरम्भ	19-05-2048
अन्त	19-05-2058

9	धनु	19-05-2048
10	मकर	19-03-2049
11	कुंभ	18-01-2050
12	मीन	18-11-2050
1	मेष	18-09-2051
2	वृष	19-07-2052
3	मिथुन	19-05-2053
4	कर्क	20-03-2054
5	सिंह	18-01-2055
6	कन्या	18-11-2055
7	तुला	18-09-2056
8	वृश्चिक	19-07-2057

लग्न केन्द्रादि राशी दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

कुंभ (7व)	80व 11म
आरम्भ	19-05-2058
अन्त	19-05-2064
11 कुंभ	19-05-2058
12 मीन	18-12-2058
1 मेष	20-07-2059
2 वृष	18-02-2060
3 मिथुन	18-09-2060
4 कर्क	19-04-2061
5 सिंह	18-11-2061
6 कन्या	19-06-2062
7 तुला	18-01-2063
2 वृष	20-05-2063
1 मेष	18-09-2063
12 मीन	18-01-2064

वृश्चिक (4व)	86व 0म
आरम्भ	19-05-2064
अन्त	19-05-2069
11 कुंभ	19-05-2064
10 मकर	18-09-2064
9 धनु	17-01-2065
8 वृश्चिक	19-05-2065
7 तुला	18-09-2065
6 कन्या	18-01-2066
5 सिंह	19-05-2066
4 कर्क	18-09-2066
3 मिथुन	18-01-2067
2 वृष	20-05-2067
1 मेष	18-01-2068
12 मीन	18-09-2068

वृश्चिक (4व)	94व 0म
आरम्भ	19-05-2069
अन्त	18-08-2073
11 कुंभ	19-05-2069
10 मकर	18-01-2070
9 धनु	18-09-2070
11 कुंभ	20-05-2071
12 मीन	19-08-2071
1 मेष	18-11-2071
2 वृष	17-02-2072
3 मिथुन	19-05-2072
4 कर्क	18-08-2072
5 सिंह	17-11-2072
6 कन्या	17-02-2073
7 तुला	19-05-2073

सिंह (3व)	102व 11म
आरम्भ	18-08-2073
अन्त	19-04-2081
8 वृश्चिक	18-08-2073
9 धनु	18-11-2073
10 मकर	17-02-2074
11 कुंभ	19-05-2074
12 मीन	17-02-2075
1 मेष	18-11-2075
2 वृष	18-08-2076
3 मिथुन	19-05-2077
4 कर्क	17-02-2078
5 सिंह	18-11-2078
6 कन्या	19-08-2079
2 वृष	19-05-2080

वृष (11व)	103व 11म
आरम्भ	19-04-2081
अन्त	19-05-2087
1 मेष	19-04-2081
3 मिथुन	18-11-2081
2 वृष	19-05-2082
1 मेष	18-11-2082
12 मीन	19-05-2083
11 कुंभ	18-11-2083
10 मकर	19-05-2084
9 धनु	17-11-2084
8 वृश्चिक	19-05-2085
7 तुला	18-11-2085
6 कन्या	19-05-2086
5 सिंह	18-11-2086

तुला (6व)	109व 11म
आरम्भ	19-05-2087
अन्त	19-05-2093
1 मेष	19-05-2087
2 वृष	18-11-2087
3 मिथुन	19-05-2088
4 कर्क	17-11-2088
5 सिंह	19-05-2089
6 कन्या	18-11-2089
7 तुला	19-05-2090
8 वृश्चिक	18-11-2090
9 धनु	19-05-2091
10 मकर	18-11-2091
11 कुंभ	19-05-2092
12 मीन	17-11-2092

कर्क (3व)	115व 11म
आरम्भ	19-05-2093
अन्त	19-05-2096
4 कर्क	19-05-2093
3 मिथुन	18-08-2093
2 वृष	17-11-2093
1 मेष	17-02-2094
12 मीन	19-05-2094
11 कुंभ	18-08-2094
10 मकर	18-11-2094
9 धनु	17-02-2095
8 वृश्चिक	19-05-2095
7 तुला	19-08-2095
6 कन्या	18-11-2095
5 सिंह	17-02-2096

कर्क (3व)	125व 0म
आरम्भ	19-05-2096
अन्त	18-01-2105
4 कर्क	19-05-2096
3 मिथुन	17-02-2097
2 वृष	17-11-2097
1 मेष	18-08-2098
12 मीन	19-05-2099
11 कुंभ	17-02-2100
10 मकर	18-11-2100
9 धनु	19-08-2101
1 मेष	20-05-2102
2 वृष	20-04-2103
11 कुंभ	20-03-2104
12 मीन	19-08-2104

धनु (5व)	126व 0म
आरम्भ	18-01-2105
अन्त	19-09-2110
1 मेष	18-01-2105
2 वृष	19-06-2105
3 मिथुन	18-11-2105
4 कर्क	20-04-2106
5 सिंह	19-09-2106
6 कन्या	18-02-2107
7 तुला	20-07-2107
8 वृश्चिक	19-12-2107
9 धनु	19-05-2108
10 मकर	19-12-2108
11 कुंभ	20-07-2109
12 मीन	18-02-2110

कन्या (5व)	133व 0म
आरम्भ	20-05-2110
अन्त	20-05-2115
12 मीन	20-05-2110
11 कुंभ	19-10-2110
10 मकर	20-03-2111
9 धनु	20-08-2111
8 वृश्चिक	19-01-2112
7 तुला	19-06-2112
6 कन्या	18-11-2112
5 सिंह	19-04-2113
4 कर्क	18-09-2113
3 मिथुन	18-02-2114
2 वृष	20-07-2114
1 मेष	19-12-2114

कन्या (5व)	140व 0म
आरम्भ	20-05-2115
अन्त	20-05-2122
12 मीन	20-05-2115
11 कुंभ	19-12-2115
10 मकर	19-07-2116
9 धनु	17-02-2117
9 धनु	20-05-2117
10 मकर	20-03-2118
11 कुंभ	18-01-2119
12 मीन	20-05-2119
11 कुंभ	20-03-2120
10 मकर	18-01-2121
1 मेष	18-09-2121
12 मीन	18-01-2122

वृश्चिक (4व)	142व 0म
आरम्भ	20-05-2122
अन्त	18-02-2126
11 कुंभ	20-05-2122
10 मकर	19-09-2122
9 धनु	18-01-2123
8 वृश्चिक	20-05-2123
7 तुला	19-09-2123
6 कन्या	19-01-2124
5 सिंह	19-05-2124
4 कर्क	18-09-2124
3 मिथुन	18-01-2125
11 कुंभ	20-05-2125
12 मीन	19-08-2125
1 मेष	18-11-2125

शूल दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

वृष (9व)

0व 0म'

आरम्भ	20-05-1977
अन्त	20-05-1986

2	वृष	20-05-1977
1	मेष	18-02-1978
12	मीन	19-11-1978
11	कुंभ	20-08-1979
10	मकर	19-05-1980
9	धनु	17-02-1981
8	वृश्चिक	18-11-1981
7	तुला	19-08-1982
6	कन्या	20-05-1983
5	सिंह	18-02-1984
4	कर्क	18-11-1984
3	मिथुन	19-08-1985

मिथुन (9व)

9व 0म

आरम्भ	20-05-1986
अन्त	20-05-1995

3	मिथुन	20-05-1986
4	कर्क	18-02-1987
5	सिंह	19-11-1987
6	कन्या	19-08-1988
7	तुला	20-05-1989
8	वृश्चिक	18-02-1990
9	धनु	19-11-1990
10	मकर	19-08-1991
11	कुंभ	19-05-1992
12	मीन	17-02-1993
1	मेष	18-11-1993
2	वृष	19-08-1994

कर्क (9व)

18व 0म

आरम्भ	20-05-1995
अन्त	19-05-2004

4	कर्क	20-05-1995
3	मिथुन	18-02-1996
2	वृष	18-11-1996
1	मेष	19-08-1997
12	मीन	20-05-1998
11	कुंभ	18-02-1999
10	मकर	19-11-1999
9	धनु	19-08-2000
8	वृश्चिक	20-05-2001
7	तुला	18-02-2002
6	कन्या	18-11-2002
5	सिंह	19-08-2003

सिंह (9व)

26व 11म

आरम्भ	19-05-2004
अन्त	19-05-2013

5	सिंह	19-05-2004
6	कन्या	17-02-2005
7	तुला	18-11-2005
8	वृश्चिक	19-08-2006
9	धनु	20-05-2007
10	मकर	18-02-2008
11	कुंभ	18-11-2008
12	मीन	19-08-2009
1	मेष	20-05-2010
2	वृष	18-02-2011
3	मिथुन	19-11-2011
4	कर्क	19-08-2012

कन्या (9व)

35व 11म

आरम्भ	19-05-2013
अन्त	20-05-2022

6	कन्या	19-05-2013
5	सिंह	17-02-2014
4	कर्क	18-11-2014
3	मिथुन	19-08-2015
2	वृष	19-05-2016
1	मेष	17-02-2017
12	मीन	18-11-2017
11	कुंभ	19-08-2018
10	मकर	20-05-2019
9	धनु	18-02-2020
8	वृश्चिक	18-11-2020
7	तुला	19-08-2021

तुला (9व)

45व 0म

आरम्भ	20-05-2022
अन्त	20-05-2031

7	तुला	20-05-2022
8	वृश्चिक	18-02-2023
9	धनु	19-11-2023
10	मकर	18-08-2024
11	कुंभ	19-05-2025
12	मीन	17-02-2026
1	मेष	18-11-2026
2	वृष	19-08-2027
3	मिथुन	19-05-2028
4	कर्क	17-02-2029
5	सिंह	18-11-2029
6	कन्या	19-08-2030

वृश्चिक (9व)

54व 0म

आरम्भ	20-05-2031
अन्त	19-05-2040

8	वृश्चिक	20-05-2031
7	तुला	18-02-2032
6	कन्या	18-11-2032
5	सिंह	19-08-2033
4	कर्क	20-05-2034
3	मिथुन	18-02-2035
2	वृष	18-11-2035
1	मेष	18-08-2036
12	मीन	19-05-2037
11	कुंभ	17-02-2038
10	मकर	18-11-2038
9	धनु	19-08-2039

धनु (9व)

62व 11म

आरम्भ	19-05-2040
अन्त	19-05-2049

9	धनु	19-05-2040
10	मकर	17-02-2041
11	कुंभ	18-11-2041
12	मीन	19-08-2042
1	मेष	20-05-2043
2	वृष	18-02-2044
3	मिथुन	18-11-2044
4	कर्क	19-08-2045
5	सिंह	19-05-2046
6	कन्या	17-02-2047
7	तुला	18-11-2047
8	वृश्चिक	18-08-2048

मकर (9व)

71व 11म

आरम्भ	19-05-2049
अन्त	19-05-2058

10	मकर	19-05-2049
9	धनु	17-02-2050
8	वृश्चिक	18-11-2050
7	तुला	19-08-2051
6	कन्या	19-05-2052
5	सिंह	17-02-2053
4	कर्क	18-11-2053
3	मिथुन	19-08-2054
2	वृष	20-05-2055
1	मेष	18-02-2056
12	मीन	18-11-2056
11	कुंभ	18-08-2057

कुंभ (9व)

80व 11म

आरम्भ	19-05-2058
अन्त	20-05-2067

11	कुंभ	19-05-2058
12	मीन	17-02-2059
1	मेष	18-11-2059
2	वृष	18-08-2060
3	मिथुन	19-05-2061
4	कर्क	17-02-2062
5	सिंह	18-11-2062
6	कन्या	19-08-2063
7	तुला	19-05-2064
8	वृश्चिक	17-02-2065
9	धनु	18-11-2065
10	मकर	19-08-2066

मीन (9व)

90व 0म

आरम्भ	20-05-2067
अन्त	19-05-2076

12	मीन	20-05-2067
11	कुंभ	18-02-2068
10	मकर	17-11-2068
9	धनु	18-08-2069
8	वृश्चिक	19-05-2070
7	तुला	17-02-2071
6	कन्या	18-11-2071
5	सिंह	18-08-2072
4	कर्क	19-05-2073
3	मिथुन	17-02-2074
2	वृष	18-11-2074
1	मेष	19-08-2075

मेष (9व)

98व 11म

आरम्भ	19-05-2076
अन्त	19-05-2085

1	मेष	19-05-2076
2	वृष	17-02-2077
3	मिथुन	18-11-2077
4	कर्क	19-08-2078
5	सिंह	19-05-2079
6	कन्या	17-02-2080
7	तुला	17-11-2080
8	वृश्चिक	18-08-2081
9	धनु	19-05-2082
10	मकर	17-02-2083
11	कुंभ	18-11-2083
12	मीन	18-08-2084

ॐ

त्रिभागी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : मंगल 3व 7म 16दि

जन्मकालीन दशा : मं-ल-ल-ल-ल

मंगल (4व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल		
राहु		
गुरु	20-05-1977	11-12-1977
शनि	11-12-1977	07-09-1978
बुध	07-09-1978	07-05-1979
केतु	07-05-1979	14-08-1979
शुक्र	14-08-1979	24-05-1980
सूर्य	24-05-1980	17-08-1980
चन्द्र	17-08-1980	06-01-1981

राहु (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	06-01-1981	26-10-1982
गुरु	26-10-1982	01-06-1984
शनि	01-06-1984	26-04-1986
बुध	26-04-1986	07-01-1988
केतु	07-01-1988	19-09-1988
शुक्र	19-09-1988	19-09-1990
सूर्य	19-09-1990	26-04-1991
चन्द्र	26-04-1991	26-04-1992
मंगल	26-04-1992	06-01-1993

गुरु (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	06-01-1993	10-06-1994
शनि	10-06-1994	17-02-1996
बुध	17-02-1996	22-08-1997
केतु	22-08-1997	06-04-1998
शुक्र	06-04-1998	15-01-2000
सूर्य	15-01-2000	28-07-2000
चन्द्र	28-07-2000	18-06-2001
मंगल	18-06-2001	31-01-2002
राहु	31-01-2002	07-09-2003

शनि (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	07-09-2003	09-09-2005
बुध	09-09-2005	26-06-2007
केतु	26-06-2007	22-03-2008
शुक्र	22-03-2008	02-05-2010
सूर्य	02-05-2010	19-12-2010
चन्द्र	19-12-2010	09-01-2012
मंगल	09-01-2012	05-10-2012
राहु	05-10-2012	30-08-2014
गुरु	30-08-2014	08-05-2016

बुध (11व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	08-05-2016	15-12-2017
केतु	15-12-2017	14-08-2018
शुक्र	14-08-2018	03-07-2020
सूर्य	03-07-2020	26-01-2021
चन्द्र	26-01-2021	06-01-2022
मंगल	06-01-2022	05-09-2022
राहु	05-09-2022	18-05-2024
गुरु	18-05-2024	21-11-2025
शनि	21-11-2025	07-09-2027

केतु (4व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	07-09-2027	16-12-2027
शुक्र	16-12-2027	25-09-2028
सूर्य	25-09-2028	19-12-2028
चन्द्र	19-12-2028	10-05-2029
मंगल	10-05-2029	17-08-2029
राहु	17-08-2029	30-04-2030
गुरु	30-04-2030	13-12-2030
शनि	13-12-2030	09-09-2031
बुध	09-09-2031	08-05-2032

शुक्र (13व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	08-05-2032	28-07-2034
सूर्य	28-07-2034	29-03-2035
चन्द्र	29-03-2035	08-05-2036
मंगल	08-05-2036	16-02-2037
राहु	16-02-2037	16-02-2039
गुरु	16-02-2039	26-11-2040
शनि	26-11-2040	06-01-2043
बुध	06-01-2043	26-11-2044
केतु	26-11-2044	06-09-2045

सूर्य (4व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	06-09-2045	18-11-2045
चन्द्र	18-11-2045	20-03-2046
मंगल	20-03-2046	13-06-2046
राहु	13-06-2046	19-01-2047
गुरु	19-01-2047	01-08-2047
शनि	01-08-2047	20-03-2048
बुध	20-03-2048	13-10-2048
केतु	13-10-2048	06-01-2049
शुक्र	06-01-2049	06-09-2049

चन्द्र (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	06-09-2049	28-03-2050
मंगल	28-03-2050	17-08-2050
राहु	17-08-2050	18-08-2051
गुरु	18-08-2051	07-07-2052
शनि	07-07-2052	28-07-2053
बुध	28-07-2053	08-07-2054
केतु	08-07-2054	27-11-2054
शुक्र	27-11-2054	07-01-2056
सूर्य	07-01-2056	07-05-2056

त्रिभागी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : मंगल 3व 7म 16दि
जन्मकालीन दशा : मं-ल-ल-ल-ल

मंगल (4व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	07-05-2056	15-08-2056
राहु	15-08-2056	27-04-2057
गुरु	27-04-2057	11-12-2057
शनि	11-12-2057	07-09-2058
बुध	07-09-2058	06-05-2059
केतु	06-05-2059	13-08-2059
शुक्र	13-08-2059	24-05-2060
सूर्य	24-05-2060	17-08-2060
चन्द्र	17-08-2060	06-01-2061

राहु (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	06-01-2061	25-10-2062
गुरु	25-10-2062	01-06-2064
शनि	01-06-2064	26-04-2066
बुध	26-04-2066	07-01-2068
केतु	07-01-2068	18-09-2068
शुक्र	18-09-2068	19-09-2070
सूर्य	19-09-2070	26-04-2071
चन्द्र	26-04-2071	25-04-2072
मंगल	25-04-2072	06-01-2073

गुरु (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	06-01-2073	09-06-2074
शनि	09-06-2074	16-02-2076
बुध	16-02-2076	21-08-2077
केतु	21-08-2077	05-04-2078
शुक्र	05-04-2078	15-01-2080
सूर्य	15-01-2080	27-07-2080
चन्द्र	27-07-2080	17-06-2081
मंगल	17-06-2081	30-01-2082
राहु	30-01-2082	07-09-2083

शनि (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	07-09-2083	08-09-2085
बुध	08-09-2085	26-06-2087
केतु	26-06-2087	21-03-2088
शुक्र	21-03-2088	02-05-2090
सूर्य	02-05-2090	19-12-2090
चन्द्र	19-12-2090	08-01-2092
मंगल	08-01-2092	04-10-2092
राहु	04-10-2092	29-08-2094
गुरु	29-08-2094	07-05-2096

बुध (11व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	07-05-2096	14-12-2097
केतु	14-12-2097	13-08-2098
शुक्र	13-08-2098	04-07-2100
सूर्य	04-07-2100	27-01-2101
चन्द्र	27-01-2101	07-01-2102
मंगल	07-01-2102	05-09-2102
राहु	05-09-2102	18-05-2104
गुरु	18-05-2104	21-11-2105
शनि	21-11-2105	07-09-2107

केतु (4व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	07-09-2107	16-12-2107
शुक्र	16-12-2107	25-09-2108
सूर्य	25-09-2108	19-12-2108
चन्द्र	19-12-2108	10-05-2109
मंगल	10-05-2109	18-08-2109
राहु	18-08-2109	30-04-2110
गुरु	30-04-2110	14-12-2110
शनि	14-12-2110	09-09-2111
बुध	09-09-2111	08-05-2112

शुक्र (13व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	08-05-2112	29-07-2114
सूर्य	29-07-2114	29-03-2115
चन्द्र	29-03-2115	08-05-2116
मंगल	08-05-2116	16-02-2117
राहु	16-02-2117	16-02-2119
गुरु	16-02-2119	27-11-2120
शनि	27-11-2120	07-01-2123
बुध	07-01-2123	27-11-2124
केतु	27-11-2124	07-09-2125

सूर्य (4व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	07-09-2125	19-11-2125
चन्द्र	19-11-2125	21-03-2126
मंगल	21-03-2126	14-06-2126
राहु	14-06-2126	19-01-2127
गुरु	19-01-2127	02-08-2127
शनि	02-08-2127	20-03-2128
बुध	20-03-2128	13-10-2128
केतु	13-10-2128	06-01-2129
शुक्र	06-01-2129	07-09-2129

चन्द्र (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	07-09-2129	29-03-2130
मंगल	29-03-2130	18-08-2130
राहु	18-08-2130	18-08-2131
गुरु	18-08-2131	08-07-2132
शनि	08-07-2132	28-07-2133
बुध	28-07-2133	08-07-2134
केतु	08-07-2134	27-11-2134
शुक्र	27-11-2134	07-01-2136
सूर्य	07-01-2136	08-05-2136

त्रिभागी 40 महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : मंगल 1व 9म 25दि
जन्मकालीन दशा : मं-ल-ल-ल-ल

मंगल (2व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल		
राहु		
गुरु	20-05-1977	31-08-1977
शनि	31-08-1977	12-01-1978
बुध	12-01-1978	13-05-1978
केतु	13-05-1978	02-07-1978
शुक्र	02-07-1978	21-11-1978
सूर्य	21-11-1978	03-01-1979
चन्द्र	03-01-1979	15-03-1979

राहु (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	15-03-1979	06-02-1980
गुरु	06-02-1980	25-11-1980
शनि	25-11-1980	07-11-1981
बुध	07-11-1981	13-09-1982
केतु	13-09-1982	19-01-1983
शुक्र	19-01-1983	19-01-1984
सूर्य	19-01-1984	08-05-1984
चन्द्र	08-05-1984	06-11-1984
मंगल	06-11-1984	14-03-1985

गुरु (5व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	14-03-1985	29-11-1985
शनि	29-11-1985	03-10-1986
बुध	03-10-1986	06-07-1987
केतु	06-07-1987	28-10-1987
शुक्र	28-10-1987	16-09-1988
सूर्य	16-09-1988	23-12-1988
चन्द्र	23-12-1988	03-06-1989
मंगल	03-06-1989	25-09-1989
राहु	25-09-1989	14-07-1990

शनि (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	14-07-1990	15-07-1991
बुध	15-07-1991	07-06-1992
केतु	07-06-1992	20-10-1992
शुक्र	20-10-1992	09-11-1993
सूर्य	09-11-1993	05-03-1994
चन्द्र	05-03-1994	14-09-1994
मंगल	14-09-1994	27-01-1995
राहु	27-01-1995	09-01-1996
गुरु	09-01-1996	12-11-1996

बुध (5व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	12-11-1996	01-09-1997
केतु	01-09-1997	31-12-1997
शुक्र	31-12-1997	11-12-1998
सूर्य	11-12-1998	25-03-1999
चन्द्र	25-03-1999	13-09-1999
मंगल	13-09-1999	12-01-2000
राहु	12-01-2000	17-11-2000
गुरु	17-11-2000	20-08-2001
शनि	20-08-2001	14-07-2002

केतु (2व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	14-07-2002	02-09-2002
शुक्र	02-09-2002	22-01-2003
सूर्य	22-01-2003	05-03-2003
चन्द्र	05-03-2003	15-05-2003
मंगल	15-05-2003	04-07-2003
राहु	04-07-2003	09-11-2003
गुरु	09-11-2003	01-03-2004
शनि	01-03-2004	14-07-2004
बुध	14-07-2004	12-11-2004

शुक्र (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	12-11-2004	23-12-2005
सूर्य	23-12-2005	24-04-2006
चन्द्र	24-04-2006	13-11-2006
मंगल	13-11-2006	04-04-2007
राहु	04-04-2007	03-04-2008
गुरु	03-04-2008	22-02-2009
शनि	22-02-2009	14-03-2010
बुध	14-03-2010	22-02-2011
केतु	22-02-2011	14-07-2011

सूर्य (2व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	14-07-2011	20-08-2011
चन्द्र	20-08-2011	20-10-2011
मंगल	20-10-2011	01-12-2011
राहु	01-12-2011	20-03-2012
गुरु	20-03-2012	25-06-2012
शनि	25-06-2012	19-10-2012
बुध	19-10-2012	30-01-2013
केतु	30-01-2013	14-03-2013
शुक्र	14-03-2013	14-07-2013

चन्द्र (3व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	14-07-2013	23-10-2013
मंगल	23-10-2013	02-01-2014
राहु	02-01-2014	04-07-2014
गुरु	04-07-2014	13-12-2014
शनि	13-12-2014	24-06-2015
बुध	24-06-2015	13-12-2015
केतु	13-12-2015	22-02-2016
शुक्र	22-02-2016	12-09-2016
सूर्य	12-09-2016	12-11-2016

त्रिभागी 40 महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : मंगल 1व 9म 25दि
जन्मकालीन दशा : मं-ल-ल-ल-ल

मंगल (2व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	12-11-2016	01-01-2017
राहु	01-01-2017	09-05-2017
गुरु	09-05-2017	30-08-2017
शनि	30-08-2017	12-01-2018
बुध	12-01-2018	13-05-2018
केतु	13-05-2018	02-07-2018
शुक्र	02-07-2018	21-11-2018
सूर्य	21-11-2018	02-01-2019
चन्द्र	02-01-2019	14-03-2019

राहु (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	14-03-2019	06-02-2020
गुरु	06-02-2020	24-11-2020
शनि	24-11-2020	06-11-2021
बुध	06-11-2021	13-09-2022
केतु	13-09-2022	18-01-2023
शुक्र	18-01-2023	19-01-2024
सूर्य	19-01-2024	07-05-2024
चन्द्र	07-05-2024	06-11-2024
मंगल	06-11-2024	14-03-2025

गुरु (5व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	14-03-2025	28-11-2025
शनि	28-11-2025	03-10-2026
बुध	03-10-2026	06-07-2027
केतु	06-07-2027	27-10-2027
शुक्र	27-10-2027	16-09-2028
सूर्य	16-09-2028	23-12-2028
चन्द्र	23-12-2028	03-06-2029
मंगल	03-06-2029	25-09-2029
राहु	25-09-2029	14-07-2030

शनि (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	14-07-2030	15-07-2031
बुध	15-07-2031	07-06-2032
केतु	07-06-2032	20-10-2032
शुक्र	20-10-2032	09-11-2033
सूर्य	09-11-2033	05-03-2034
चन्द्र	05-03-2034	14-09-2034
मंगल	14-09-2034	27-01-2035
राहु	27-01-2035	08-01-2036
गुरु	08-01-2036	12-11-2036

बुध (5व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	12-11-2036	01-09-2037
केतु	01-09-2037	31-12-2037
शुक्र	31-12-2037	11-12-2038
सूर्य	11-12-2038	24-03-2039
चन्द्र	24-03-2039	13-09-2039
मंगल	13-09-2039	11-01-2040
राहु	11-01-2040	17-11-2040
गुरु	17-11-2040	20-08-2041
शनि	20-08-2041	14-07-2042

केतु (2व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	14-07-2042	01-09-2042
शुक्र	01-09-2042	21-01-2043
सूर्य	21-01-2043	05-03-2043
चन्द्र	05-03-2043	15-05-2043
मंगल	15-05-2043	04-07-2043
राहु	04-07-2043	09-11-2043
गुरु	09-11-2043	01-03-2044
शनि	01-03-2044	14-07-2044
बुध	14-07-2044	12-11-2044

शुक्र (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	12-11-2044	23-12-2045
सूर्य	23-12-2045	23-04-2046
चन्द्र	23-04-2046	12-11-2046
मंगल	12-11-2046	03-04-2047
राहु	03-04-2047	03-04-2048
गुरु	03-04-2048	21-02-2049
शनि	21-02-2049	14-03-2050
बुध	14-03-2050	22-02-2051
केतु	22-02-2051	14-07-2051

सूर्य (2व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	14-07-2051	19-08-2051
चन्द्र	19-08-2051	19-10-2051
मंगल	19-10-2051	01-12-2051
राहु	01-12-2051	19-03-2052
गुरु	19-03-2052	25-06-2052
शनि	25-06-2052	18-10-2052
बुध	18-10-2052	30-01-2053
केतु	30-01-2053	14-03-2053
शुक्र	14-03-2053	13-07-2053

चन्द्र (3व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	13-07-2053	23-10-2053
मंगल	23-10-2053	02-01-2054
राहु	02-01-2054	03-07-2054
गुरु	03-07-2054	13-12-2054
शनि	13-12-2054	23-06-2055
बुध	23-06-2055	13-12-2055
केतु	13-12-2055	22-02-2056
शुक्र	22-02-2056	12-09-2056
सूर्य	12-09-2056	12-11-2056

त्रिभागी 40 महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : मंगल 1व 9म 25दि
जन्मकालीन दशा : मं-ल-ल-ल-ल

मंगल (2व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	12-11-2056	31-12-2056
राहु	31-12-2056	08-05-2057
गुरु	08-05-2057	30-08-2057
शनि	30-08-2057	12-01-2058
बुध	12-01-2058	13-05-2058
केतु	13-05-2058	01-07-2058
शुक्र	01-07-2058	20-11-2058
सूर्य	20-11-2058	02-01-2059
चन्द्र	02-01-2059	14-03-2059

राहु (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	14-03-2059	06-02-2060
गुरु	06-02-2060	24-11-2060
शनि	24-11-2060	06-11-2061
बुध	06-11-2061	12-09-2062
केतु	12-09-2062	18-01-2063
शुक्र	18-01-2063	18-01-2064
सूर्य	18-01-2064	07-05-2064
चन्द्र	07-05-2064	06-11-2064
मंगल	06-11-2064	13-03-2065

गुरु (5व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	13-03-2065	28-11-2065
शनि	28-11-2065	03-10-2066
बुध	03-10-2066	06-07-2067
केतु	06-07-2067	27-10-2067
शुक्र	27-10-2067	16-09-2068
सूर्य	16-09-2068	22-12-2068
चन्द्र	22-12-2068	03-06-2069
मंगल	03-06-2069	24-09-2069
राहु	24-09-2069	13-07-2070

शनि (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	13-07-2070	15-07-2071
बुध	15-07-2071	06-06-2072
केतु	06-06-2072	19-10-2072
शुक्र	19-10-2072	09-11-2073
सूर्य	09-11-2073	04-03-2074
चन्द्र	04-03-2074	13-09-2074
मंगल	13-09-2074	26-01-2075
राहु	26-01-2075	08-01-2076
गुरु	08-01-2076	12-11-2076

बुध (5व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	12-11-2076	01-09-2077
केतु	01-09-2077	31-12-2077
शुक्र	31-12-2077	10-12-2078
सूर्य	10-12-2078	24-03-2079
चन्द्र	24-03-2079	12-09-2079
मंगल	12-09-2079	11-01-2080
राहु	11-01-2080	17-11-2080
गुरु	17-11-2080	20-08-2081
शनि	20-08-2081	13-07-2082

केतु (2व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	13-07-2082	01-09-2082
शुक्र	01-09-2082	21-01-2083
सूर्य	21-01-2083	05-03-2083
चन्द्र	05-03-2083	15-05-2083
मंगल	15-05-2083	03-07-2083
राहु	03-07-2083	08-11-2083
गुरु	08-11-2083	01-03-2084
शनि	01-03-2084	14-07-2084
बुध	14-07-2084	12-11-2084

शुक्र (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	12-11-2084	22-12-2085
सूर्य	22-12-2085	23-04-2086
चन्द्र	23-04-2086	12-11-2086
मंगल	12-11-2086	03-04-2087
राहु	03-04-2087	02-04-2088
गुरु	02-04-2088	21-02-2089
शनि	21-02-2089	13-03-2090
बुध	13-03-2090	21-02-2091
केतु	21-02-2091	13-07-2091

सूर्य (2व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	13-07-2091	19-08-2091
चन्द्र	19-08-2091	19-10-2091
मंगल	19-10-2091	30-11-2091
राहु	30-11-2091	19-03-2092
गुरु	19-03-2092	24-06-2092
शनि	24-06-2092	18-10-2092
बुध	18-10-2092	30-01-2093
केतु	30-01-2093	13-03-2093
शुक्र	13-03-2093	13-07-2093

चन्द्र (3व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	13-07-2093	22-10-2093
मंगल	22-10-2093	01-01-2094
राहु	01-01-2094	03-07-2094
गुरु	03-07-2094	12-12-2094
शनि	12-12-2094	23-06-2095
बुध	23-06-2095	13-12-2095
केतु	13-12-2095	22-02-2096
शुक्र	22-02-2096	12-09-2096
सूर्य	12-09-2096	11-11-2096

ॐ

षोडशोत्तरी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : सूर्य 8व 6म 23दि
जन्मकालीन दशा : सू-ल-ल-ल-ल

सूर्य (11व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य		
मंगल		
गुरु	20-05-1977	13-05-1978
शनि	13-05-1978	10-09-1979
केतु	10-09-1979	11-02-1981
चन्द्र	11-02-1981	19-08-1982
बुध	19-08-1982	30-03-1984
शुक्र	30-03-1984	13-12-1985

मंगल (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	13-12-1985	12-03-1987
गुरु	12-03-1987	15-07-1988
शनि	15-07-1988	26-12-1989
केतु	26-12-1989	16-07-1991
चन्द्र	16-07-1991	11-03-1993
बुध	11-03-1993	13-12-1994
शुक्र	13-12-1994	24-10-1996
सूर्य	24-10-1996	13-12-1997

गुरु (13व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	13-12-1997	29-05-1999
शनि	29-05-1999	22-12-2000
केतु	22-12-2000	28-08-2002
चन्द्र	28-08-2002	13-06-2004
बुध	13-06-2004	10-05-2006
शुक्र	10-05-2006	16-05-2008
सूर्य	16-05-2008	09-08-2009
मंगल	09-08-2009	13-12-2010

शनि (14व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	13-12-2010	21-08-2012
केतु	21-08-2012	14-06-2014
चन्द्र	14-06-2014	19-05-2016
बुध	19-05-2016	07-06-2018
शुक्र	07-06-2018	09-08-2020
सूर्य	09-08-2020	07-12-2021
मंगल	07-12-2021	20-05-2023
गुरु	20-05-2023	13-12-2024

केतु (15व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	13-12-2024	21-11-2026
चन्द्र	21-11-2026	16-12-2028
बुध	16-12-2028	27-02-2031
शुक्र	27-02-2031	26-06-2033
सूर्य	26-06-2033	27-11-2034
मंगल	27-11-2034	16-06-2036
गुरु	16-06-2036	20-02-2038
शनि	20-02-2038	13-12-2039

चन्द्र (16व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	13-12-2039	26-02-2042
बुध	26-02-2042	02-07-2044
शुक्र	02-07-2044	26-12-2046
सूर्य	26-12-2046	02-07-2048
मंगल	02-07-2048	26-02-2050
गुरु	26-02-2050	13-12-2051
शनि	13-12-2051	18-11-2053
केतु	18-11-2053	13-12-2055

बुध (17व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	13-12-2055	10-06-2058
शुक्र	10-06-2058	29-01-2061
सूर्य	29-01-2061	09-09-2062
मंगल	09-09-2062	13-06-2064
गुरु	13-06-2064	10-05-2066
शनि	10-05-2066	28-05-2068
केतु	28-05-2068	09-08-2070
चन्द्र	09-08-2070	12-12-2072

शुक्र (18व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	12-12-2072	29-09-2075
सूर्य	29-09-2075	13-06-2077
मंगल	13-06-2077	24-04-2079
गुरु	24-04-2079	30-04-2081
शनि	30-04-2081	02-07-2083
केतु	02-07-2083	29-10-2085
चन्द्र	29-10-2085	23-04-2088
बुध	23-04-2088	13-12-2090

सूर्य (11व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	13-12-2090	29-12-2091
मंगल	29-12-2091	16-02-2093
गुरु	16-02-2093	13-05-2094
शनि	13-05-2094	09-09-2095
केतु	09-09-2095	10-02-2097
चन्द्र	10-02-2097	18-08-2098
बुध	18-08-2098	30-03-2100
शुक्र	30-03-2100	13-12-2101

द्वादशोत्तरी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : शनि 14व 9म 17दि
जन्मकालीन दशा : श-ल-ल-ल-ल

शनि (19व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि		
चन्द्र	20-05-1977	20-12-1979
सूर्य	20-12-1979	26-02-1981
गुरु	26-02-1981	07-09-1982
केतु	07-09-1982	19-07-1984
बुध	19-07-1984	03-10-1986
राहु	03-10-1986	19-04-1989
मंगल	19-04-1989	07-03-1992

चन्द्र (21व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	07-03-1992	13-02-1996
सूर्य	13-02-1996	07-06-1997
गुरु	07-06-1997	13-02-1999
केतु	13-02-1999	07-03-2001
बुध	07-03-2001	15-08-2003
राहु	15-08-2003	07-06-2006
मंगल	07-06-2006	14-08-2009
शनि	14-08-2009	07-03-2013

सूर्य (7व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	07-03-2013	14-08-2013
गुरु	14-08-2013	08-03-2014
केतु	08-03-2014	14-11-2014
बुध	14-11-2014	07-09-2015
राहु	07-09-2015	14-08-2016
मंगल	14-08-2016	06-09-2017
शनि	06-09-2017	14-11-2018
चन्द्र	14-11-2018	07-03-2020

गुरु (9व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	07-03-2020	26-11-2020
केतु	26-11-2020	15-10-2021
बुध	15-10-2021	01-11-2022
राहु	01-11-2022	15-01-2024
मंगल	15-01-2024	28-05-2025
शनि	28-05-2025	06-12-2026
चन्द्र	06-12-2026	14-08-2028
सूर्य	14-08-2028	07-03-2029

केतु (11व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	07-03-2029	06-04-2030
बुध	06-04-2030	16-07-2031
राहु	16-07-2031	04-01-2033
मंगल	04-01-2033	06-09-2034
शनि	06-09-2034	19-07-2036
चन्द्र	19-07-2036	11-08-2038
सूर्य	11-08-2038	19-04-2039
गुरु	19-04-2039	07-03-2040

बुध (13व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	07-03-2040	09-09-2041
राहु	09-09-2041	07-06-2043
मंगल	07-06-2043	28-05-2045
शनि	28-05-2045	11-08-2047
चन्द्र	11-08-2047	17-01-2050
सूर्य	17-01-2050	10-11-2050
गुरु	10-11-2050	27-11-2051
केतु	27-11-2051	07-03-2053

राहु (15व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	07-03-2053	11-03-2055
मंगल	11-03-2055	19-06-2057
शनि	19-06-2057	05-01-2060
चन्द्र	05-01-2060	28-10-2062
सूर्य	28-10-2062	05-10-2063
गुरु	05-10-2063	19-12-2064
केतु	19-12-2064	10-06-2066
बुध	10-06-2066	07-03-2068

मंगल (17व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	07-03-2068	05-10-2070
शनि	05-10-2070	24-08-2073
चन्द्र	24-08-2073	31-10-2076
सूर्य	31-10-2076	23-11-2077
गुरु	23-11-2077	06-04-2079
केतु	06-04-2079	06-12-2080
बुध	06-12-2080	26-11-2082
राहु	26-11-2082	07-03-2085

शनि (19व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	07-03-2085	27-05-2088
चन्द्र	27-05-2088	19-12-2091
सूर्य	19-12-2091	25-02-2093
गुरु	25-02-2093	06-09-2094
केतु	06-09-2094	18-07-2096
बुध	18-07-2096	02-10-2098
राहु	02-10-2098	19-04-2101
मंगल	19-04-2101	07-03-2104

ॐ

द्विसप्ततिसमा महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : शुक्र 7व म 3दि
जन्मकालीन दशा : शु-ल-ल-ल-ल

शुक्र (9व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र		
शनि	20-05-1977	23-08-1977
राहु	23-08-1977	08-10-1978
सूर्य	08-10-1978	23-11-1979
चन्द्र	23-11-1979	07-01-1981
मंगल	07-01-1981	21-02-1982
बुध	21-02-1982	08-04-1983
गुरु	08-04-1983	23-05-1984

शनि (9व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	23-05-1984	08-07-1985
राहु	08-07-1985	23-08-1986
सूर्य	23-08-1986	08-10-1987
चन्द्र	08-10-1987	22-11-1988
मंगल	22-11-1988	07-01-1990
बुध	07-01-1990	22-02-1991
गुरु	22-02-1991	08-04-1992
शुक्र	08-04-1992	23-05-1993

राहु (9व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	23-05-1993	08-07-1994
सूर्य	08-07-1994	23-08-1995
चन्द्र	23-08-1995	07-10-1996
मंगल	07-10-1996	22-11-1997
बुध	22-11-1997	07-01-1999
गुरु	07-01-1999	22-02-2000
शुक्र	22-02-2000	08-04-2001
शनि	08-04-2001	24-05-2002

सूर्य (9व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	24-05-2002	09-07-2003
चन्द्र	09-07-2003	22-08-2004
मंगल	22-08-2004	07-10-2005
बुध	07-10-2005	22-11-2006
गुरु	22-11-2006	07-01-2008
शुक्र	07-01-2008	21-02-2009
शनि	21-02-2009	08-04-2010
राहु	08-04-2010	24-05-2011

चन्द्र (9व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	24-05-2011	08-07-2012
मंगल	08-07-2012	23-08-2013
बुध	23-08-2013	08-10-2014
गुरु	08-10-2014	22-11-2015
शुक्र	22-11-2015	06-01-2017
शनि	06-01-2017	21-02-2018
राहु	21-02-2018	08-04-2019
सूर्य	08-04-2019	23-05-2020

मंगल (9व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	23-05-2020	08-07-2021
बुध	08-07-2021	23-08-2022
गुरु	23-08-2022	08-10-2023
शुक्र	08-10-2023	22-11-2024
शनि	22-11-2024	07-01-2026
राहु	07-01-2026	21-02-2027
सूर्य	21-02-2027	07-04-2028
चन्द्र	07-04-2028	23-05-2029

बुध (9व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	23-05-2029	08-07-2030
गुरु	08-07-2030	23-08-2031
शुक्र	23-08-2031	07-10-2032
शनि	07-10-2032	22-11-2033
राहु	22-11-2033	07-01-2035
सूर्य	07-01-2035	22-02-2036
चन्द्र	22-02-2036	07-04-2037
मंगल	07-04-2037	23-05-2038

गुरु (9व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	23-05-2038	08-07-2039
शुक्र	08-07-2039	22-08-2040
शनि	22-08-2040	07-10-2041
राहु	07-10-2041	22-11-2042
सूर्य	22-11-2042	07-01-2044
चन्द्र	07-01-2044	21-02-2045
मंगल	21-02-2045	08-04-2046
बुध	08-04-2046	24-05-2047

शुक्र (9व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	24-05-2047	07-07-2048
शनि	07-07-2048	22-08-2049
राहु	22-08-2049	07-10-2050
सूर्य	07-10-2050	22-11-2051
चन्द्र	22-11-2051	06-01-2053
मंगल	06-01-2053	21-02-2054
बुध	21-02-2054	08-04-2055
गुरु	08-04-2055	23-05-2056

द्विसप्तति समा महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : शुक्र 7व 0म 3दि
जन्मकालीन दशा : शु-ल-ल-ल-ल

शनि (9व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	23-05-2056	08-07-2057
राहु	08-07-2057	23-08-2058
सूर्य	23-08-2058	07-10-2059
चन्द्र	07-10-2059	21-11-2060
मंगल	21-11-2060	06-01-2062
बुध	06-01-2062	21-02-2063
गुरु	21-02-2063	07-04-2064
शुक्र	07-04-2064	23-05-2065

राहु (9व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	23-05-2065	08-07-2066
सूर्य	08-07-2066	23-08-2067
चन्द्र	23-08-2067	07-10-2068
मंगल	07-10-2068	22-11-2069
बुध	22-11-2069	06-01-2071
गुरु	06-01-2071	21-02-2072
शुक्र	21-02-2072	07-04-2073
शनि	07-04-2073	23-05-2074

सूर्य (9व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	23-05-2074	08-07-2075
चन्द्र	08-07-2075	22-08-2076
मंगल	22-08-2076	07-10-2077
बुध	07-10-2077	22-11-2078
गुरु	22-11-2078	07-01-2080
शुक्र	07-01-2080	20-02-2081
शनि	20-02-2081	07-04-2082
राहु	07-04-2082	23-05-2083

चन्द्र (9व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	23-05-2083	07-07-2084
मंगल	07-07-2084	22-08-2085
बुध	22-08-2085	07-10-2086
गुरु	07-10-2086	22-11-2087
शुक्र	22-11-2087	06-01-2089
शनि	06-01-2089	21-02-2090
राहु	21-02-2090	08-04-2091
सूर्य	08-04-2091	22-05-2092

मंगल (9व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	22-05-2092	07-07-2093
बुध	07-07-2093	22-08-2094
गुरु	22-08-2094	07-10-2095
शुक्र	07-10-2095	21-11-2096
शनि	21-11-2096	06-01-2098
राहु	06-01-2098	21-02-2099
सूर्य	21-02-2099	08-04-2100
चन्द्र	08-04-2100	24-05-2101

बुध (9व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	24-05-2101	09-07-2102
गुरु	09-07-2102	23-08-2103
शुक्र	23-08-2103	07-10-2104
शनि	07-10-2104	22-11-2105
राहु	22-11-2105	07-01-2107
सूर्य	07-01-2107	22-02-2108
चन्द्र	22-02-2108	08-04-2109
मंगल	08-04-2109	24-05-2110

गुरु (9व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	24-05-2110	09-07-2111
शुक्र	09-07-2111	23-08-2112
शनि	23-08-2112	08-10-2113
राहु	08-10-2113	22-11-2114
सूर्य	22-11-2114	07-01-2116
चन्द्र	07-01-2116	21-02-2117
मंगल	21-02-2117	08-04-2118
बुध	08-04-2118	24-05-2119

शुक्र (9व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	24-05-2119	08-07-2120
शनि	08-07-2120	23-08-2121
राहु	23-08-2121	08-10-2122
सूर्य	08-10-2122	23-11-2123
चन्द्र	23-11-2123	06-01-2125
मंगल	06-01-2125	21-02-2126
बुध	21-02-2126	08-04-2127
गुरु	08-04-2127	23-05-2128

शनि (9व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	23-05-2128	08-07-2129
राहु	08-07-2129	23-08-2130
सूर्य	23-08-2130	08-10-2131
चन्द्र	08-10-2131	22-11-2132
मंगल	22-11-2132	07-01-2134
बुध	07-01-2134	22-02-2135
गुरु	22-02-2135	07-04-2136
शुक्र	07-04-2136	23-05-2137

ॐ

षष्टिहायनी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : सूर्य 6व 11म 10दि
जन्मकालीन दशा : सू-ल-ल-ल-ल

सूर्य (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य		
मंगल	20-05-1977	30-08-1977
चन्द्र	30-08-1977	31-08-1978
बुध	31-08-1978	31-08-1979
शुक्र	31-08-1979	30-08-1980
शनि	30-08-1980	30-08-1981
राहु	30-08-1981	31-08-1982
गुरु	31-08-1982	30-04-1984

मंगल (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	30-04-1984	30-12-1985
चन्द्र	30-12-1985	30-12-1986
बुध	30-12-1986	30-12-1987
शुक्र	30-12-1987	30-12-1988
शनि	30-12-1988	30-12-1989
राहु	30-12-1989	30-12-1990
गुरु	30-12-1990	30-08-1992
सूर्य	30-08-1992	01-05-1994

चन्द्र (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	01-05-1994	06-12-1994
बुध	06-12-1994	13-07-1995
शुक्र	13-07-1995	17-02-1996
शनि	17-02-1996	23-09-1996
राहु	23-09-1996	30-04-1997
गुरु	30-04-1997	01-05-1998
सूर्य	01-05-1998	01-05-1999
मंगल	01-05-1999	30-04-2000

बुध (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	30-04-2000	05-12-2000
शुक्र	05-12-2000	12-07-2001
शनि	12-07-2001	17-02-2002
राहु	17-02-2002	24-09-2002
गुरु	24-09-2002	24-09-2003
सूर्य	24-09-2003	23-09-2004
मंगल	23-09-2004	23-09-2005
चन्द्र	23-09-2005	01-05-2006

शुक्र (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	01-05-2006	06-12-2006
शनि	06-12-2006	13-07-2007
राहु	13-07-2007	17-02-2008
गुरु	17-02-2008	16-02-2009
सूर्य	16-02-2009	16-02-2010
मंगल	16-02-2010	17-02-2011
चन्द्र	17-02-2011	24-09-2011
बुध	24-09-2011	30-04-2012

शनि (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	30-04-2012	05-12-2012
राहु	05-12-2012	12-07-2013
गुरु	12-07-2013	13-07-2014
सूर्य	13-07-2014	13-07-2015
मंगल	13-07-2015	12-07-2016
चन्द्र	12-07-2016	16-02-2017
बुध	16-02-2017	23-09-2017
शुक्र	23-09-2017	30-04-2018

राहु (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	30-04-2018	06-12-2018
गुरु	06-12-2018	06-12-2019
सूर्य	06-12-2019	05-12-2020
मंगल	05-12-2020	05-12-2021
चन्द्र	05-12-2021	12-07-2022
बुध	12-07-2022	17-02-2023
शुक्र	17-02-2023	24-09-2023
शनि	24-09-2023	30-04-2024

गुरु (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	30-04-2024	30-12-2025
सूर्य	30-12-2025	30-08-2027
मंगल	30-08-2027	30-04-2029
चन्द्र	30-04-2029	30-04-2030
बुध	30-04-2030	01-05-2031
शुक्र	01-05-2031	30-04-2032
शनि	30-04-2032	30-04-2033
राहु	30-04-2033	30-04-2034

सूर्य (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	30-04-2034	30-12-2035
मंगल	30-12-2035	30-08-2037
चन्द्र	30-08-2037	30-08-2038
बुध	30-08-2038	30-08-2039
शुक्र	30-08-2039	30-08-2040
शनि	30-08-2040	30-08-2041
राहु	30-08-2041	30-08-2042
गुरु	30-08-2042	30-04-2044

षष्टिहायनी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : सूर्य 6व 11म 10दि
जन्मकालीन दशा : सू-ल-ल-ल-ल

मंगल (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	30-04-2044	30-12-2045
चन्द्र	30-12-2045	30-12-2046
बुध	30-12-2046	30-12-2047
शुक्र	30-12-2047	29-12-2048
शनि	29-12-2048	29-12-2049
राहु	29-12-2049	30-12-2050
गुरु	30-12-2050	29-08-2052
सूर्य	29-08-2052	30-04-2054

चन्द्र (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	30-04-2054	05-12-2054
बुध	05-12-2054	12-07-2055
शुक्र	12-07-2055	17-02-2056
शनि	17-02-2056	23-09-2056
राहु	23-09-2056	30-04-2057
गुरु	30-04-2057	30-04-2058
सूर्य	30-04-2058	30-04-2059
मंगल	30-04-2059	30-04-2060

बुध (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	30-04-2060	05-12-2060
शुक्र	05-12-2060	12-07-2061
शनि	12-07-2061	16-02-2062
राहु	16-02-2062	23-09-2062
गुरु	23-09-2062	23-09-2063
सूर्य	23-09-2063	23-09-2064
मंगल	23-09-2064	23-09-2065
चन्द्र	23-09-2065	30-04-2066

शुक्र (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	30-04-2066	05-12-2066
शनि	05-12-2066	12-07-2067
राहु	12-07-2067	17-02-2068
गुरु	17-02-2068	16-02-2069
सूर्य	16-02-2069	16-02-2070
मंगल	16-02-2070	16-02-2071
चन्द्र	16-02-2071	23-09-2071
बुध	23-09-2071	30-04-2072

शनि (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	30-04-2072	05-12-2072
राहु	05-12-2072	12-07-2073
गुरु	12-07-2073	12-07-2074
सूर्य	12-07-2074	12-07-2075
मंगल	12-07-2075	12-07-2076
चन्द्र	12-07-2076	16-02-2077
बुध	16-02-2077	23-09-2077
शुक्र	23-09-2077	30-04-2078

राहु (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	30-04-2078	05-12-2078
गुरु	05-12-2078	05-12-2079
सूर्य	05-12-2079	05-12-2080
मंगल	05-12-2080	05-12-2081
चन्द्र	05-12-2081	12-07-2082
बुध	12-07-2082	16-02-2083
शुक्र	16-02-2083	23-09-2083
शनि	23-09-2083	29-04-2084

गुरु (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	29-04-2084	29-12-2085
सूर्य	29-12-2085	30-08-2087
मंगल	30-08-2087	30-04-2089
चन्द्र	30-04-2089	30-04-2090
बुध	30-04-2090	30-04-2091
शुक्र	30-04-2091	29-04-2092
शनि	29-04-2092	30-04-2093
राहु	30-04-2093	30-04-2094

सूर्य (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	30-04-2094	30-12-2095
मंगल	30-12-2095	29-08-2097
चन्द्र	29-08-2097	30-08-2098
बुध	30-08-2098	30-08-2099
शुक्र	30-08-2099	30-08-2100
शनि	30-08-2100	30-08-2101
राहु	30-08-2101	31-08-2102
गुरु	31-08-2102	30-04-2104

मंगल (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	30-04-2104	30-12-2105
चन्द्र	30-12-2105	30-12-2106
बुध	30-12-2106	31-12-2107
शुक्र	31-12-2107	30-12-2108
शनि	30-12-2108	30-12-2109
राहु	30-12-2109	30-12-2110
गुरु	30-12-2110	30-08-2112
सूर्य	30-08-2112	01-05-2114

ॐ

षट्त्रिंशत्समा महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : गुरु 2व 4म 0दि
जन्मकालीन दशा : गु-ल-ल-ल-ल

गुरु (3व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु		
मंगल		
बुध	20-05-1977	20-09-1977
शनि	20-09-1977	21-03-1978
शुक्र	21-03-1978	20-10-1978
राहु	20-10-1978	21-06-1979
चन्द्र	21-06-1979	21-07-1979
सूर्य	21-07-1979	20-09-1979

मंगल (4व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	20-09-1979	01-03-1980
बुध	01-03-1980	20-09-1980
शनि	20-09-1980	21-05-1981
शुक्र	21-05-1981	01-03-1982
राहु	01-03-1982	20-01-1983
चन्द्र	20-01-1983	01-03-1983
सूर्य	01-03-1983	22-05-1983
गुरु	22-05-1983	20-09-1983

बुध (5व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	20-09-1983	31-05-1984
शनि	31-05-1984	31-03-1985
शुक्र	31-03-1985	21-03-1986
राहु	21-03-1986	01-05-1987
चन्द्र	01-05-1987	21-06-1987
सूर्य	21-06-1987	30-09-1987
गुरु	30-09-1987	01-03-1988
मंगल	01-03-1988	19-09-1988

शनि (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	19-09-1988	20-09-1989
शुक्र	20-09-1989	20-11-1990
राहु	20-11-1990	21-03-1992
चन्द्र	21-03-1992	21-05-1992
सूर्य	21-05-1992	19-09-1992
गुरु	19-09-1992	21-03-1993
मंगल	21-03-1993	20-11-1993
बुध	20-11-1993	20-09-1994

शुक्र (7व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	20-09-1994	30-01-1996
राहु	30-01-1996	20-08-1997
चन्द्र	20-08-1997	30-10-1997
सूर्य	30-10-1997	21-03-1998
गुरु	21-03-1998	20-10-1998
मंगल	20-10-1998	31-07-1999
बुध	31-07-1999	20-07-2000
शनि	20-07-2000	20-09-2001

राहु (8व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	20-09-2001	01-07-2003
चन्द्र	01-07-2003	20-09-2003
सूर्य	20-09-2003	29-02-2004
गुरु	29-02-2004	30-10-2004
मंगल	30-10-2004	20-09-2005
बुध	20-09-2005	30-10-2006
शनि	30-10-2006	29-02-2008
शुक्र	29-02-2008	20-09-2009

चन्द्र (1व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	20-09-2009	30-09-2009
सूर्य	30-09-2009	20-10-2009
गुरु	20-10-2009	19-11-2009
मंगल	19-11-2009	30-12-2009
बुध	30-12-2009	19-02-2010
शनि	19-02-2010	21-04-2010
शुक्र	21-04-2010	01-07-2010
राहु	01-07-2010	20-09-2010

सूर्य (2व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	20-09-2010	30-10-2010
गुरु	30-10-2010	30-12-2010
मंगल	30-12-2010	21-03-2011
बुध	21-03-2011	01-07-2011
शनि	01-07-2011	31-10-2011
शुक्र	31-10-2011	21-03-2012
राहु	21-03-2012	30-08-2012
चन्द्र	30-08-2012	19-09-2012

गुरु (3व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	19-09-2012	20-12-2012
मंगल	20-12-2012	20-04-2013
बुध	20-04-2013	20-09-2013
शनि	20-09-2013	21-03-2014
शुक्र	21-03-2014	20-10-2014
राहु	20-10-2014	21-06-2015
चन्द्र	21-06-2015	21-07-2015
सूर्य	21-07-2015	20-09-2015

ॐ

षट्त्रिंशत्समा महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : गुरु 2व 4म 0दि
भोग्य दशा : गु-ल-ल-ल-ल

मंगल (4व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	20-09-2015	29-02-2016
बुध	29-02-2016	19-09-2016
शनि	19-09-2016	21-05-2017
शुक्र	21-05-2017	01-03-2018
राहु	01-03-2018	19-01-2019
चन्द्र	19-01-2019	01-03-2019
सूर्य	01-03-2019	21-05-2019
गुरु	21-05-2019	20-09-2019

बुध (5व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	20-09-2019	31-05-2020
शनि	31-05-2020	31-03-2021
शुक्र	31-03-2021	21-03-2022
राहु	21-03-2022	01-05-2023
चन्द्र	01-05-2023	21-06-2023
सूर्य	21-06-2023	30-09-2023
गुरु	30-09-2023	29-02-2024
मंगल	29-02-2024	19-09-2024

शनि (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	19-09-2024	19-09-2025
शुक्र	19-09-2025	20-11-2026
राहु	20-11-2026	21-03-2028
चन्द्र	21-03-2028	20-05-2028
सूर्य	20-05-2028	19-09-2028
गुरु	19-09-2028	21-03-2029
मंगल	21-03-2029	19-11-2029
बुध	19-11-2029	20-09-2030

शुक्र (7व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	20-09-2030	30-01-2032
राहु	30-01-2032	20-08-2033
चन्द्र	20-08-2033	30-10-2033
सूर्य	30-10-2033	21-03-2034
गुरु	21-03-2034	20-10-2034
मंगल	20-10-2034	31-07-2035
बुध	31-07-2035	20-07-2036
शनि	20-07-2036	19-09-2037

राहु (8व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	19-09-2037	01-07-2039
चन्द्र	01-07-2039	20-09-2039
सूर्य	20-09-2039	29-02-2040
गुरु	29-02-2040	30-10-2040
मंगल	30-10-2040	19-09-2041
बुध	19-09-2041	30-10-2042
शनि	30-10-2042	29-02-2044
शुक्र	29-02-2044	19-09-2045

चन्द्र (1व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	19-09-2045	29-09-2045
सूर्य	29-09-2045	20-10-2045
गुरु	20-10-2045	19-11-2045
मंगल	19-11-2045	30-12-2045
बुध	30-12-2045	18-02-2046
शनि	18-02-2046	20-04-2046
शुक्र	20-04-2046	30-06-2046
राहु	30-06-2046	20-09-2046

सूर्य (2व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	20-09-2046	30-10-2046
गुरु	30-10-2046	30-12-2046
मंगल	30-12-2046	21-03-2047
बुध	21-03-2047	01-07-2047
शनि	01-07-2047	30-10-2047
शुक्र	30-10-2047	20-03-2048
राहु	20-03-2048	30-08-2048
चन्द्र	30-08-2048	19-09-2048

गुरु (3व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	19-09-2048	19-12-2048
मंगल	19-12-2048	20-04-2049
बुध	20-04-2049	19-09-2049
शनि	19-09-2049	21-03-2050
शुक्र	21-03-2050	20-10-2050
राहु	20-10-2050	20-06-2051
चन्द्र	20-06-2051	21-07-2051
सूर्य	21-07-2051	20-09-2051

मंगल (4व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	20-09-2051	29-02-2052
बुध	29-02-2052	19-09-2052
शनि	19-09-2052	20-05-2053
शुक्र	20-05-2053	01-03-2054
राहु	01-03-2054	19-01-2055
चन्द्र	19-01-2055	01-03-2055
सूर्य	01-03-2055	21-05-2055
गुरु	21-05-2055	20-09-2055

षट्त्रिंशत्समा महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : गुरु 2व 4उ 0क
जन्मकालीन दशा : गु-ल-ल-ल-ल

बुध (5व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	20-09-2055	30-05-2056
शनि	30-05-2056	31-03-2057
शुक्र	31-03-2057	21-03-2058
राहु	21-03-2058	01-05-2059
चन्द्र	01-05-2059	20-06-2059
सूर्य	20-06-2059	30-09-2059
गुरु	30-09-2059	29-02-2060
मंगल	29-02-2060	19-09-2060

शनि (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	19-09-2060	19-09-2061
शुक्र	19-09-2061	19-11-2062
राहु	19-11-2062	20-03-2064
चन्द्र	20-03-2064	20-05-2064
सूर्य	20-05-2064	19-09-2064
गुरु	19-09-2064	20-03-2065
मंगल	20-03-2065	19-11-2065
बुध	19-11-2065	19-09-2066

शुक्र (7व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	19-09-2066	29-01-2068
राहु	29-01-2068	20-08-2069
चन्द्र	20-08-2069	30-10-2069
सूर्य	30-10-2069	21-03-2070
गुरु	21-03-2070	20-10-2070
मंगल	20-10-2070	31-07-2071
बुध	31-07-2071	20-07-2072
शनि	20-07-2072	19-09-2073

राहु (8व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	19-09-2073	30-06-2075
चन्द्र	30-06-2075	20-09-2075
सूर्य	20-09-2075	29-02-2076
गुरु	29-02-2076	29-10-2076
मंगल	29-10-2076	19-09-2077
बुध	19-09-2077	30-10-2078
शनि	30-10-2078	29-02-2080
शुक्र	29-02-2080	19-09-2081

चन्द्र (1व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	19-09-2081	29-09-2081
सूर्य	29-09-2081	19-10-2081
गुरु	19-10-2081	19-11-2081
मंगल	19-11-2081	29-12-2081
बुध	29-12-2081	18-02-2082
शनि	18-02-2082	20-04-2082
शुक्र	20-04-2082	30-06-2082
राहु	30-06-2082	19-09-2082

सूर्य (2व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	19-09-2082	30-10-2082
गुरु	30-10-2082	30-12-2082
मंगल	30-12-2082	21-03-2083
बुध	21-03-2083	30-06-2083
शनि	30-06-2083	30-10-2083
शुक्र	30-10-2083	20-03-2084
राहु	20-03-2084	29-08-2084
चन्द्र	29-08-2084	19-09-2084

गुरु (3व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	19-09-2084	19-12-2084
मंगल	19-12-2084	20-04-2085
बुध	20-04-2085	19-09-2085
शनि	19-09-2085	21-03-2086
शुक्र	21-03-2086	20-10-2086
राहु	20-10-2086	20-06-2087
चन्द्र	20-06-2087	21-07-2087
सूर्य	21-07-2087	19-09-2087

मंगल (4व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	19-09-2087	29-02-2088
बुध	29-02-2088	19-09-2088
शनि	19-09-2088	20-05-2089
शुक्र	20-05-2089	28-02-2090
राहु	28-02-2090	19-01-2091
चन्द्र	19-01-2091	28-02-2091
सूर्य	28-02-2091	21-05-2091
गुरु	21-05-2091	19-09-2091

बुध (5व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	19-09-2091	30-05-2092
शनि	30-05-2092	30-03-2093
शुक्र	30-03-2093	21-03-2094
राहु	21-03-2094	30-04-2095
चन्द्र	30-04-2095	20-06-2095
सूर्य	20-06-2095	30-09-2095
गुरु	30-09-2095	29-02-2096
मंगल	29-02-2096	19-09-2096

पंचोत्तरी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : बुध 10व 1म 15दि
जन्मकालीन दशा : बु-ल-ल-ल-ल

बुध (13व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध		
शनि	20-05-1977	07-11-1977
मंगल	07-11-1977	16-09-1979
शुक्र	16-09-1979	09-09-1981
चन्द्र	09-09-1981	18-10-1983
गुरु	18-10-1983	09-01-1986
सूर्य	09-01-1986	05-07-1987

शनि (14व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	05-07-1987	17-05-1989
मंगल	17-05-1989	18-05-1991
शुक्र	18-05-1991	05-07-1993
चन्द्र	05-07-1993	11-10-1995
गुरु	11-10-1995	05-03-1998
सूर्य	05-03-1998	11-10-1999
बुध	11-10-1999	05-07-2001

मंगल (15व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	05-07-2001	26-08-2003
शुक्र	26-08-2003	08-12-2005
चन्द्र	08-12-2005	13-05-2008
गुरु	13-05-2008	08-12-2010
सूर्य	08-12-2010	26-08-2012
बुध	26-08-2012	05-07-2014
शनि	05-07-2014	04-07-2016

शुक्र (16व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	04-07-2016	12-12-2018
चन्द्र	12-12-2018	15-07-2021
गुरु	15-07-2021	12-04-2024
सूर्य	12-04-2024	09-02-2026
बुध	09-02-2026	02-02-2028
शनि	02-02-2028	22-03-2030
मंगल	22-03-2030	04-07-2032

चन्द्र (17व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	04-07-2032	05-04-2035
गुरु	05-04-2035	05-03-2038
सूर्य	05-03-2038	13-02-2040
बुध	13-02-2040	22-03-2042
शनि	22-03-2042	27-06-2044
मंगल	27-06-2044	01-12-2046
शुक्र	01-12-2046	04-07-2049

गुरु (18व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	04-07-2049	04-08-2052
सूर्य	04-08-2052	26-08-2054
बुध	26-08-2054	17-11-2056
शनि	17-11-2056	12-04-2059
मंगल	12-04-2059	06-11-2061
शुक्र	06-11-2061	04-08-2064
चन्द्र	04-08-2064	05-07-2067

सूर्य (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	05-07-2067	17-11-2068
बुध	17-11-2068	13-05-2070
शनि	13-05-2070	19-12-2071
मंगल	19-12-2071	05-09-2073
शुक्र	05-09-2073	05-07-2075
चन्द्र	05-07-2075	13-06-2077
गुरु	13-06-2077	05-07-2079

बुध (13व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	05-07-2079	11-02-2081
शनि	11-02-2081	07-11-2082
मंगल	07-11-2082	15-09-2084
शुक्र	15-09-2084	08-09-2086
चन्द्र	08-09-2086	16-10-2088
गुरु	16-10-2088	08-01-2091
सूर्य	08-01-2091	04-07-2092

शनि (14व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	04-07-2092	17-05-2094
मंगल	17-05-2094	16-05-2096
शुक्र	16-05-2096	04-07-2098
चन्द्र	04-07-2098	10-10-2100
गुरु	10-10-2100	06-03-2103
सूर्य	06-03-2103	10-10-2104
बुध	10-10-2104	05-07-2106

शताब्दीका महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : मंगल 15व 6म 27दि
जन्मकालीन दशा : मं-ल-ल-ल-ल

मंगल (20व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल		
शनि	20-05-1977	17-12-1982
सूर्य	17-12-1982	18-12-1983
चन्द्र	18-12-1983	17-12-1984
शुक्र	17-12-1984	17-12-1986
बुध	17-12-1986	17-12-1988
गुरु	17-12-1988	17-12-1992

शनि (30व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	17-12-1992	17-12-2001
सूर्य	17-12-2001	18-06-2003
चन्द्र	18-06-2003	17-12-2004
शुक्र	17-12-2004	17-12-2007
बुध	17-12-2007	17-12-2010
गुरु	17-12-2010	17-12-2016
मंगल	17-12-2016	17-12-2022

सूर्य (5व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	17-12-2022	18-03-2023
चन्द्र	18-03-2023	18-06-2023
शुक्र	18-06-2023	17-12-2023
बुध	17-12-2023	17-06-2024
गुरु	17-06-2024	17-06-2025
मंगल	17-06-2025	17-06-2026
शनि	17-06-2026	17-12-2027

चन्द्र (5व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	17-12-2027	18-03-2028
शुक्र	18-03-2028	16-09-2028
बुध	16-09-2028	18-03-2029
गुरु	18-03-2029	18-03-2030
मंगल	18-03-2030	18-03-2031
शनि	18-03-2031	16-09-2032
सूर्य	16-09-2032	17-12-2032

शुक्र (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	17-12-2032	17-12-2033
बुध	17-12-2033	17-12-2034
गुरु	17-12-2034	16-12-2036
मंगल	16-12-2036	17-12-2038
शनि	17-12-2038	17-12-2041
सूर्य	17-12-2041	17-06-2042
चन्द्र	17-06-2042	17-12-2042

बुध (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	17-12-2042	17-12-2043
गुरु	17-12-2043	17-12-2045
मंगल	17-12-2045	17-12-2047
शनि	17-12-2047	17-12-2050
सूर्य	17-12-2050	17-06-2051
चन्द्र	17-06-2051	17-12-2051
शुक्र	17-12-2051	16-12-2052

गुरु (20व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	16-12-2052	16-12-2056
मंगल	16-12-2056	16-12-2060
शनि	16-12-2060	17-12-2066
सूर्य	17-12-2066	17-12-2067
चन्द्र	17-12-2067	16-12-2068
शुक्र	16-12-2068	17-12-2070
बुध	17-12-2070	16-12-2072

मंगल (20व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	16-12-2072	16-12-2076
शनि	16-12-2076	17-12-2082
सूर्य	17-12-2082	17-12-2083
चन्द्र	17-12-2083	16-12-2084
शुक्र	16-12-2084	17-12-2086
बुध	17-12-2086	16-12-2088
गुरु	16-12-2088	16-12-2092

शनि (30व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	16-12-2092	17-12-2101
सूर्य	17-12-2101	18-06-2103
चन्द्र	18-06-2103	17-12-2104
शुक्र	17-12-2104	18-12-2107
बुध	18-12-2107	17-12-2110
गुरु	17-12-2110	17-12-2116
मंगल	17-12-2116	17-12-2122

चतुर्शीतिसमा महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : बुध 9व 4म 4दि
जन्मकालीन दशा : बु-ल-ल-ल-ल

बुध (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध		
गुरु	20-05-1977	27-02-1978
शुक्र	27-02-1978	15-11-1979
शनि	15-11-1979	02-08-1981
सूर्य	02-08-1981	21-04-1983
चन्द्र	21-04-1983	06-01-1985
मंगल	06-01-1985	24-09-1986

गुरु (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	24-09-1986	11-06-1988
शुक्र	11-06-1988	27-02-1990
शनि	27-02-1990	15-11-1991
सूर्य	15-11-1991	02-08-1993
चन्द्र	02-08-1993	20-04-1995
मंगल	20-04-1995	06-01-1997
बुध	06-01-1997	24-09-1998

शुक्र (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	24-09-1998	11-06-2000
शनि	11-06-2000	27-02-2002
सूर्य	27-02-2002	15-11-2003
चन्द्र	15-11-2003	02-08-2005
मंगल	02-08-2005	20-04-2007
बुध	20-04-2007	05-01-2009
गुरु	05-01-2009	24-09-2010

शनि (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	24-09-2010	11-06-2012
सूर्य	11-06-2012	27-02-2014
चन्द्र	27-02-2014	15-11-2015
मंगल	15-11-2015	02-08-2017
बुध	02-08-2017	20-04-2019
गुरु	20-04-2019	05-01-2021
शुक्र	05-01-2021	24-09-2022

सूर्य (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	24-09-2022	11-06-2024
चन्द्र	11-06-2024	27-02-2026
मंगल	27-02-2026	15-11-2027
बुध	15-11-2027	02-08-2029
गुरु	02-08-2029	20-04-2031
शुक्र	20-04-2031	05-01-2033
शनि	05-01-2033	23-09-2034

चन्द्र (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	23-09-2034	11-06-2036
मंगल	11-06-2036	27-02-2038
बुध	27-02-2038	15-11-2039
गुरु	15-11-2039	02-08-2041
शुक्र	02-08-2041	20-04-2043
शनि	20-04-2043	05-01-2045
सूर्य	05-01-2045	23-09-2046

मंगल (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	23-09-2046	10-06-2048
बुध	10-06-2048	27-02-2050
गुरु	27-02-2050	15-11-2051
शुक्र	15-11-2051	02-08-2053
शनि	02-08-2053	20-04-2055
सूर्य	20-04-2055	05-01-2057
चन्द्र	05-01-2057	23-09-2058

बुध (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	23-09-2058	10-06-2060
गुरु	10-06-2060	26-02-2062
शुक्र	26-02-2062	15-11-2063
शनि	15-11-2063	02-08-2065
सूर्य	02-08-2065	20-04-2067
चन्द्र	20-04-2067	05-01-2069
मंगल	05-01-2069	23-09-2070

गुरु (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	23-09-2070	10-06-2072
शुक्र	10-06-2072	26-02-2074
शनि	26-02-2074	15-11-2075
सूर्य	15-11-2075	02-08-2077
चन्द्र	02-08-2077	20-04-2079
मंगल	20-04-2079	05-01-2081
बुध	05-01-2081	23-09-2082

शनि की साढ़ेसाती का विचार

ज्योतिष तत्व प्रकाश के अनुसार -

द्वादशे जन्मगे राशौ द्वितीये च शनैश्चरः।
सार्धानि सप्त वर्षाणि तथा दुःखैर्युतो भवेत्।।

जन्म राशि (चन्द्र राशि) से गोचर में जब शनि द्वादश, प्रथम एवं द्वितीय स्थानों में भ्रमण करता है, तो साढ़े-सात वर्ष के समय को शनि की साढ़ेसाती कहते हैं।

आपकी जन्म राशि वृष है, अत: शनि जब मेष, वृष व मिथुन राशि में भ्रमण करेगा तो शनि की साढ़ेसाती कहलायेगी।

एक साढ़ेसाती तीन ढ़ैया से मिलकर बनती है। क्योंकि शनि एक राशि में लगभग ढ़ाई वर्षों तक चलता है।

प्राय: जीवन में तीन बार साढ़ेसाती आती है।

निम्नलिखित सारणी में प्रत्येक साढ़ेसाती के प्रारम्भ और समाप्ति का समय दर्शाया जा रहा है।

साढ़ेसाती चक्र	शनि का गोचर	प्रारम्भ तिथि	समाप्ति तिथि	अंतराल वर्ष-मास-दिन	अष्टकवर्ग शनि	अष्टकवर्ग सर्व
प्रथम चक्र की साढ़े साती						
प्रथम ढ़ैया (जन्म राशि से द्वादश)	मेष	17-04-1998	06-06-2000	2-1-19	1	23
	मेष (व)			--		
द्वितीय ढ़ैया (जन्म राशि पर)	वृष	06-06-2000	23-07-2002	2-1-17	4	25
	वृष (व)	08-01-2003	07-04-2003	0-2-29		
तृतीय ढ़ैया (जन्म राशि से द्वितीय)	मिथुन	23-07-2002	08-01-2003	0-5-15	1	23
	मिथुन (व)	07-04-2003	05-09-2004	1-4-28		
द्वितीय चक्र की साढ़ेसाती						
प्रथम ढ़ैया (जन्म राशि से द्वादश)	मेष	02-06-2027	20-10-2027	0-4-18	1	23
	मेष (व)	23-02-2028	08-08-2029	1-5-15		
द्वितीय ढ़ैया (जन्म राशि पर)	वृष	08-08-2029	05-10-2029	0-1-27	4	25
	वृष (व)	17-04-2030	30-05-2032	2-1-13		
तृतीय ढ़ैया (जन्म राशि से द्वितीय)	मिथुन	30-05-2032	12-07-2034	2-1-12	1	23
	मिथुन (व)			--		
तृतीय चक्र की साढ़ेसाती						
प्रथम ढ़ैया (जन्म राशि से द्वादश)	मेष	07-04-2057	27-05-2059	2-1-20	1	23
	मेष (व)			--		
द्वितीय ढ़ैया (जन्म राशि पर)	वृष	27-05-2059	10-07-2061	2-1-13	4	25
	वृष (व)	13-02-2062	06-03-2062	0-0-23		
तृतीय ढ़ैया (जन्म राशि से द्वितीय)	मिथुन	10-07-2061	13-02-2062	0-7-3	1	23
	मिथुन (व)	06-03-2062	24-08-2063	1-5-18		

शनि की लघु कल्याणी ढ़ैया व कंटक शनि

जन्म राशि (चन्द्र राशि) से चतुर्थ एवं अष्टम् स्थान में शनि का भ्रमण लघु कल्याणी ढ़ैया कहलाता है -

कल्याणीं प्रददाति वै रविसुतो राशेश्चतुर्थाष्टमे ।

आपकी जन्म राशि वृष है, जब शनि चतुर्थ अर्थात् सिंह राशि में तथा अष्टम् अर्थात् धनु राशि में भ्रमण करेगा तो शनि की लघु कल्याणी ढ़ैया कहलायेगी।

चन्द्र लग्न से गोचर में शनि चतुर्थ, सप्तम, दशम स्थान में हो तो कंटक शनि कहलाता है।
आपकी जन्म राशि वृष है अत: जब शनि सिंह, वृश्चिक और कुंभ में भ्रमण करेगा तो कंटक शनि कहा जायेगा।

आपके जीवन में लघु कल्याणी ढ़ैया व कंटक शनि कब-कब चलेगा इसकी जानकारी निम्न तालिका से करें -

	शनि का गोचर	प्रारम्भ तिथि	समाप्ति तिथि	अंतराल वर्ष-मास-दिन	अष्टकवर्ग शनि	अष्टकवर्ग सर्व
ढ़ैया की प्रथम आवृत्ति						
चतुर्थ स्थानस्थ कंटक शनि व	सिंह	07-09-1977	03-11-1979	2-1-26	4	27
लघु कल्याणी ढ़ैया	सिंह (व)	14-03-1980	27-07-1980	0-4-13		
सप्तम स्थानस्थ कंटक शनि	वृश्चिक	21-12-1984	31-05-1985	0-5-10	3	23
	वृश्चिक (व)	16-09-1985	16-12-1987	2-3-0		
अष्टम् स्थानस्थ लघु कल्याणी ढ़ैया	धनु	16-12-1987	20-03-1990	2-3-4	4	30
	धनु (व)	20-06-1990	14-12-1990	0-5-24		
दशम स्थानस्थ कंटक शनि	कुंभ	05-03-1993	15-10-1993	0-7-10	5	34
	कुंभ (व)	09-11-1993	02-06-1995	1-6-23		
ढ़ैया की द्वितीय आवृत्ति						
चतुर्थ स्थानस्थ कंटक शनि व	सिंह	01-11-2006	10-01-2007	0-2-9	4	27
लघु कल्याणी ढ़ैया	सिंह (व)	15-07-2007	09-09-2009	2-1-24		
सप्तम स्थानस्थ कंटक शनि	वृश्चिक	02-11-2014	26-01-2017	2-2-24	3	23
	वृश्चिक (व)	20-06-2017	26-10-2017	0-4-6		
अष्टम् स्थानस्थ लघु कल्याणी ढ़ैया	धनु	26-01-2017	20-06-2017	0-4-24	4	30
	धनु (व)	26-10-2017	24-01-2020	2-2-28		
दशम स्थानस्थ कंटक शनि	कुंभ	29-04-2022	12-07-2022	0-2-13	5	34
	कुंभ (व)	17-01-2023	29-03-2025	2-2-12		
ढ़ैया की तृतीय आवृत्ति						
चतुर्थ स्थानस्थ कंटक शनि व	सिंह	27-08-2036	22-10-2038	2-1-25	4	27
लघु कल्याणी ढ़ैया	सिंह (व)	05-04-2039	12-07-2039	0-3-7		
सप्तम स्थानस्थ कंटक शनि	वृश्चिक	11-12-2043	23-06-2044	0-6-12	3	23
	वृश्चिक (व)	30-08-2044	07-12-2046	2-3-7		
अष्टम् स्थानस्थ लघु कल्याणी ढ़ैया	धनु	07-12-2046	06-03-2049	2-2-29	4	30
	धनु (व)	09-07-2049	04-12-2049	0-4-25		
दशम स्थानस्थ कंटक शनि	कुंभ	24-02-2052	14-05-2054	2-2-20	5	34
	कुंभ (व)	01-09-2054	05-02-2055	0-5-4		

ॐ

कृष्णमूर्त्ति पद्धति

20 मई 1977• 06:33 घंटे • Ambur, Tamil Nadu, India

ग्रह	व/अ	राशि	अंश	नक्षत्र	चरण	रा.स्वा.	न.स्वा.	न.उप.	उप.उप.
लग्न		वृष	15:29:47	रोहिणी	2	शु	चं	गु	रा
सूर्य		वृष	04:29:01	कृत्तिका	3	शु	सू	श	मं
चन्द्र		वृष	26:22:38	मृगशिरा	1	शु	मं	गु	श
मंगल		मीन	23:42:23	रेवती	3	गु	बु	मं	श
बुध		मेष	12:42:32	अश्विनी	4	मं	के	बु	रा
गुरु		वृष	16:38:08	रोहिणी	2	शु	चं	श	शु
शुक्र		मीन	23:07:38	रेवती	2	गु	बु	चं	शु
शनि		कर्क	17:49:19	आश्लेषा	1	चं	बु	बु	रा
राहु		तुला	00:28:37	चित्रा	3	शु	मं	बु	शु
केतु		मेष	00:28:37	अश्विनी	1	मं	के	के	गु
यूरेनस	(व)	तुला	15:30:10	स्वाति	3	शु	रा	शु	शु
नेपच्यून	(व)	वृश्चिक	21:45:57	ज्येष्ठा	2	मं	बु	सू	रा
प्लूटो	(व)	कन्या	18:14:03	हस्त	3	बु	चं	बु	शु

जन्म कुण्डली

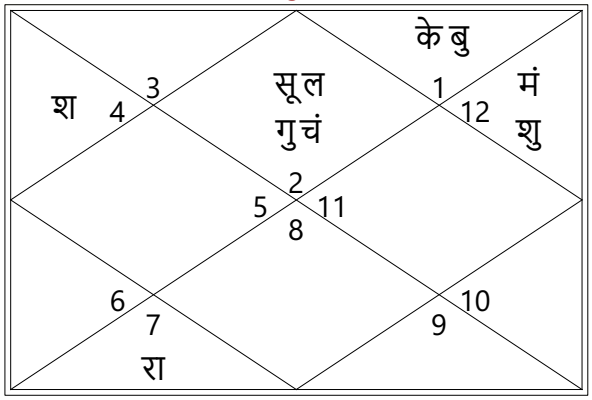

कस्प कुण्डली

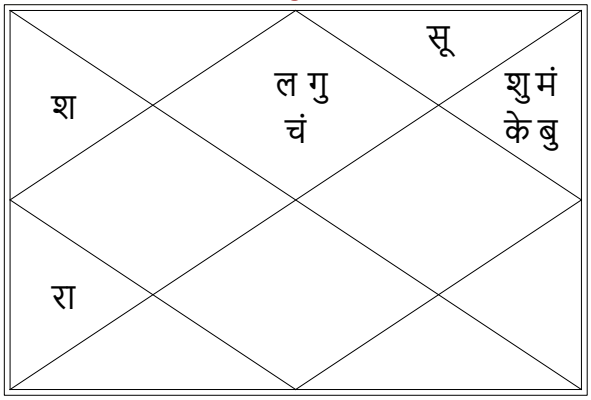

भाव विवरण

भाव कस्प	राशि	अंश	नक्षत्र	चरण	रा.स्वा.	न.स्वा.	न.उप.	उप.उप.
1. प्रथम	वृष	15:29:47	रोहिणी	2	शु	चं	गु	रा
2. द्वितीय	मिथुन	11:51:16	आर्द्रा	2	बु	रा	श	मं
3. तृतीय	कर्क	07:54:55	पुष्य	2	चं	श	के	श
4. चतुर्थ	सिंह	06:29:26	मघा	2	सू	के	रा	बु
5. पंचम	कन्या	08:50:27	उत्तराफाल्गुनी	4	बु	सू	शु	रा
6. षष्ठ	तुला	13:01:14	स्वाति	2	शु	रा	बु	शु
7. सप्तम	वृश्चिक	15:29:47	अनुराधा	4	मं	श	गु	बु
8. अष्टम	धनु	11:51:16	मूल	4	गु	के	बु	शु
9. नवम	मकर	07:54:55	उत्तराषाढ़ा	4	श	सू	शु	शु
10. दशम	कुंभ	06:29:26	धनिष्ठा	4	श	मं	चं	शु
11. एकादश	मीन	08:50:27	उत्तराभाद्रपद	2	गु	श	शु	मं
12. द्वादश	मेष	13:01:14	अश्विनी	4	मं	के	बु	गु

कृष्णमूर्त्ति पद्धति

भावों के कारक ग्रह

भाव	भाव स्थित ग्रहों के नक्षत्र में ग्रह	भाव स्थित ग्रह	भाव कस्प स्वामी के नक्षत्र में ग्रह	भाव कस्प स्वामी
1. प्रथम	गु	चं,गु		शु
2. द्वितीय			मं,शु,श	बु
3. तृतीय		श	गु	चं
4. चतुर्थ			सू	सू
5. पंचम		रा	मं,शु,श	बु
6. षष्ठ				शु
7. सप्तम			चं,रा	मं
8. अष्टम				गु
9. नवम				श
10. दशम				श
11. एकादश	चं,रा,मं,शु,श,बु,के	मं,बु,शु,के		गु
12. द्वादश	सू	सू	चं,रा	मं

ग्रहों द्वारा अभिसूचित भाव

ग्रह	ग्रहों से अभिप्राय भाव			
	अत्यधिक बली कारक	बली कारक	सामान्य कारक	निर्बल कारक
सूर्य	12		4	
चन्द्र			1 11	3 7 12
मंगल	11			2 5 7 12
बुध	11			2 5
गुरु	1			3 8 11
शुक्र	11			1 2 5 6
शनि			3 11	2 5 9 10
राहु			5 11	7 12
केतु	11			

स्वामी ग्रह

वारेश	:	शुक्र
लग्नेश	:	शुक्र
लग्न नक्षत्र स्वामी	:	चन्द्र
लग्न नक्षत्र उपस्वामी	:	गुरु
चन्द्र राशि स्वामी	:	शुक्र
चन्द्र नक्षत्र स्वामी	:	मंगल
चन्द्र नक्षत्र उपस्वामी	:	गुरु

फॉरच्यूना	:	मिथुन 06:24:37
भोग्य दशा	:	मंगल 5व.-4म.-24दि.
के.पी. आयनांश	:	-23:26:46

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:1
20 मई 1978 12:44 घंटे

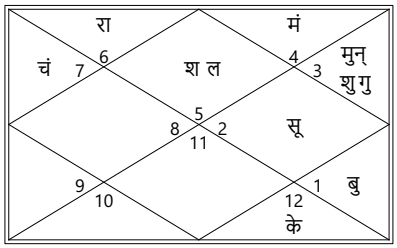

लग्न	11:41	मंगल	23:28	शुक्र	04:17
सूर्य	05:22	बुध	11:49	शनि	00:38
चन्द्र	05:02	गुरु	13:09	राहु	11:02
वर्षेश	गुरु	मुन्था	मिथुन 15:23:59		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:2
20 मई 1979 18:49 घंटे

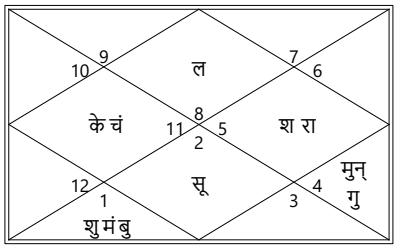

लग्न	09:37	मंगल	09:42	शुक्र	09:30
सूर्य	05:22	बुध	24:21	शनि	13:36
चन्द्र	25:48	गुरु	09:51	राहु	20:59
वर्षेश	शनि	मुन्था	कर्क 15:23:58		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:3
20 मई 1980 00:56 घंटे

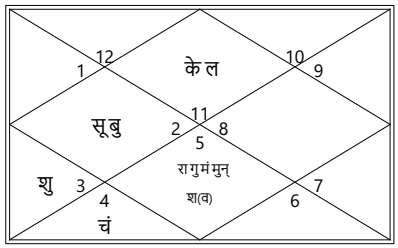

लग्न	09:58	मंगल	11:33	शुक्र	08:31
सूर्य	05:22	बुध	13:06	शनि	26:37
चन्द्र	12:51	गुरु	07:29	राहु	00:33
वर्षेश	शुक्र	मुन्था	सिंह 15:23:58		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:4
20 मई 1981 07:11 घंटे

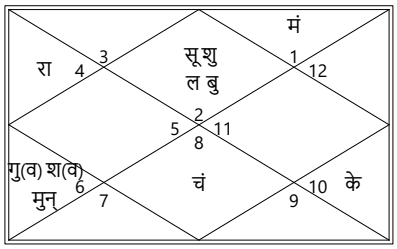

लग्न	24:41	मंगल	24:44	शुक्र	16:32
सूर्य	05:22	बुध	26:32	शनि	09:37
चन्द्र	17:04	गुरु	06:56	राहु	10:07
वर्षेश	शुक्र	मुन्था	कन्या 15:23:59		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:5
20 मई 1982 13:16 घंटे

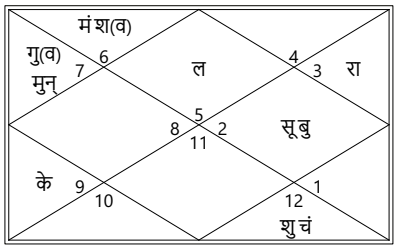

लग्न	19:29	मंगल	07:13	शुक्र	24:15
सूर्य	05:22	बुध	21:32	शनि	22:34
चन्द्र	25:52	गुरु	08:56	राहु	20:41
वर्षेश	सूर्य	मुन्था	तुला 15:23:58		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:6
20 मई 1983 19:19 घंटे

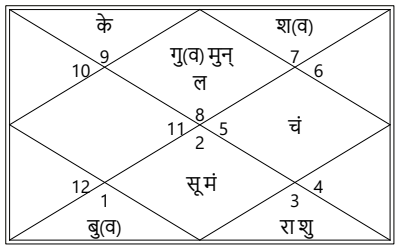

लग्न	16:34	मंगल	08:58	शुक्र	18:43
सूर्य	05:22	बुध	23:41	शनि	05:27
चन्द्र	18:13	गुरु	13:22	राहु	01:44
वर्षेश	सूर्य	मुन्था	वृश्चिक 15:23:57		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:7
20 मई 1984 01:32 घंटे

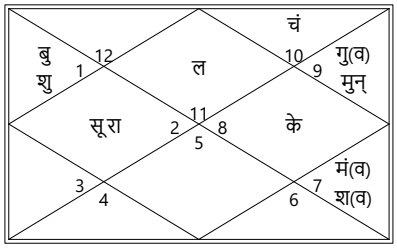

लग्न	20:42	मंगल	24:10	शुक्र	28:02
सूर्य	05:22	बुध	09:59	शनि	18:13
चन्द्र	02:47	गुरु	18:42	राहु	12:57
वर्षेश	शनि	मुन्था	धनु 15:23:58		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:8
20 मई 1985 07:40 घंटे

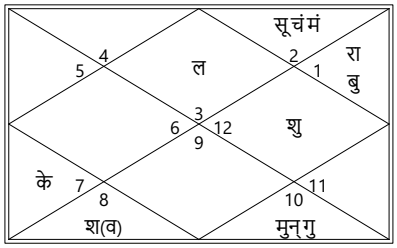

लग्न	01:27	मंगल	22:38	शुक्र	22:19
सूर्य	05:22	बुध	15:58	शनि	00:51
चन्द्र	07:25	गुरु	22:55	राहु	24:35
वर्षेश	शुक्र	मुन्था	मकर 15:23:58		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:9
20 मई 1986 13:47 घंटे

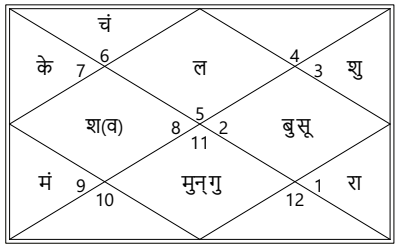

लग्न	27:10	मंगल	27:11	शुक्र	04:51
सूर्य	05:22	बुध	02:03	शनि	13:19
चन्द्र	16:36	गुरु	24:55	राहु	06:03
वर्षेश	शुक्र	मुन्था	कुंभ 15:23:57		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:10
20 मई 1987 19:53 घंटे

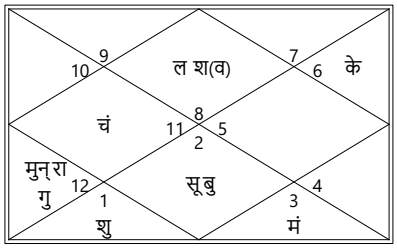

लग्न	24:09	मंगल	05:58	शुक्र	10:04
सूर्य	05:22	बुध	20:15	शनि	25:35
चन्द्र	10:56	गुरु	24:47	राहु	16:44
वर्षेश	शनि	मुन्था	मीन 15:23:57		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:11
20 मई 1988 02:03 घंटे

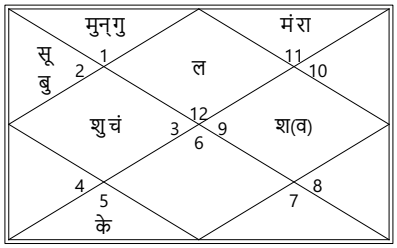

लग्न	00:04	मंगल	04:43	शुक्र	06:37
सूर्य	05:22	बुध	27:27	शनि	07:41
चन्द्र	22:51	गुरु	22:59	राहु	26:40
वर्षेश	शुक्र	मुन्था	मेष 15:23:57		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:12
20 मई 1989 08:22 घंटे

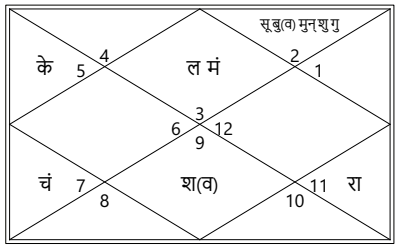

लग्न	11:04	मंगल	19:14	शुक्र	17:09
सूर्य	05:22	बुध	11:03	शनि	19:38
चन्द्र	28:04	गुरु	20:07	राहु	06:48
वर्षेश	शनि	मुन्था	वृष 15:23:59		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:13
20 मई 1990 14:30 घंटे

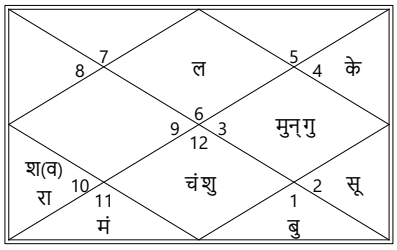

लग्न	07:46	मंगल	28:13	शुक्र	24:40
सूर्य	05:22	बुध	14:36	शनि	01:25
चन्द्र	07:44	गुरु	16:45	राहु	16:26
वर्षेश	शुक्र	मुन्था	मिथुन 15:23:59		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:14
20 मई 1991 20:34 घंटे

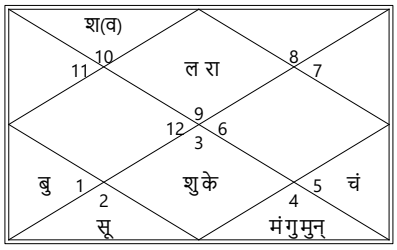

लग्न	03:34	मंगल	02:49	शुक्र	19:01
सूर्य	05:22	बुध	10:52	शनि	13:05
चन्द्र	02:53	गुरु	13:34	राहु	26:32
वर्षेश	शुक्र	मुन्था	कर्क 15:23:58		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:15
20 मई 1992 02:47 घंटे

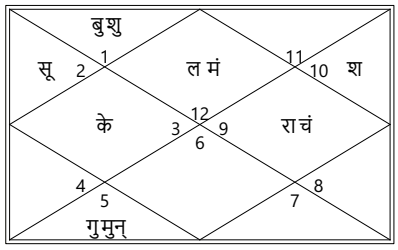

लग्न	13:25	मंगल	16:55	शुक्र	28:40
सूर्य	05:22	बुध	21:54	शनि	24:40
चन्द्र	12:56	गुरु	11:25	राहु	07:08
वर्षेश	सूर्य	मुन्था	सिंह 15:23:58		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:16
20 मई 1993 08:58 घंटे

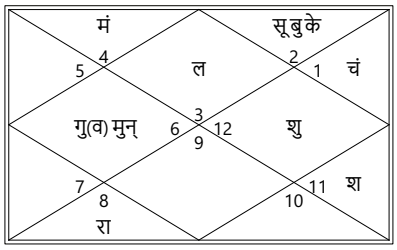

लग्न	19:17	मंगल	17:21	शुक्र	21:42
सूर्य	05:22	बुध	10:17	शनि	06:11
चन्द्र	18:38	गुरु	11:12	राहु	18:24
वर्षेश	शनि	मुन्था	कन्या 15:23:59		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:17
20 मई 1994 15:04 घंटे

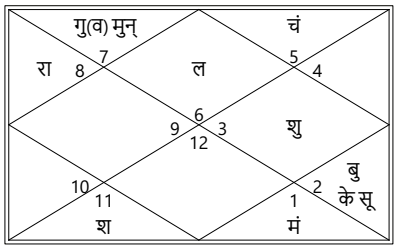

लग्न	16:19	मंगल	03:33	शुक्र	05:25
सूर्य	05:22	बुध	25:22	शनि	17:41
चन्द्र	29:27	गुरु	13:33	राहु	00:00
वर्षेश	शुक्र	मुन्था	तुला 15:23:58		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:18
20 मई 1995 21:09 घंटे

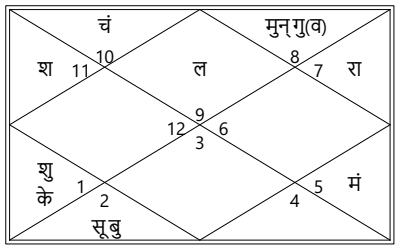

लग्न	11:37	मंगल	03:59	शुक्र	10:39
सूर्य	05:22	बुध	24:01	शनि	29:12
चन्द्र	24:54	गुरु	18:12	राहु	11:35
वर्षेश	शुक्र	मुन्था	वृश्चिक 15:23:57		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:19
20 मई 1996 03:17 घंटे

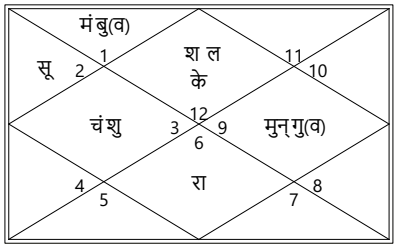

लग्न	22:26	मंगल	18:58	शुक्र	04:29
सूर्य	05:22	बुध	27:57	शनि	10:44
चन्द्र	02:55	गुरु	23:29	राहु	22:32
वर्षेश	शुक्र	मुन्था	धनु 15:23:57		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:20
20 मई 1997 09:30 घंटे

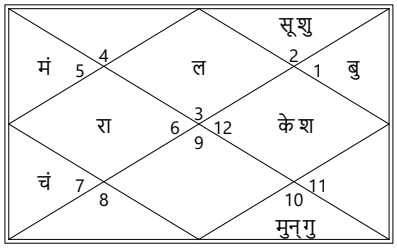

लग्न	26:21	मंगल	25:44	शुक्र	17:47
सूर्य	05:22	बुध	10:27	शनि	22:21
चन्द्र	08:42	गुरु	27:26	राहु	03:07
वर्षेश	शनि	मुन्था	मकर 15:23:58		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:21
20 मई 1998 15:37 घंटे

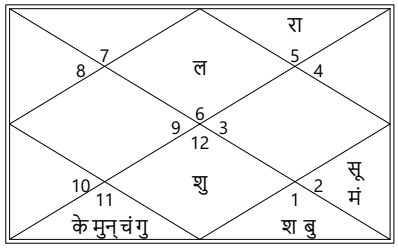

लग्न	24:17	मंगल	03:30	शुक्र	25:06
सूर्य	05:22	बुध	14:16	शनि	04:02
चन्द्र	21:18	गुरु	29:08	राहु	12:53
वर्षेश	शुक्र	मुन्था	कुंभ 15:23:57		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:22
20 मई 1999 21:43 घंटे

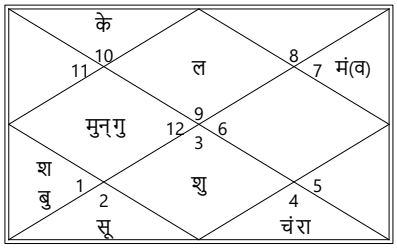

लग्न	19:23	मंगल	02:01	शुक्र	19:18
सूर्य	05:22	बुध	29:13	शनि	15:50
चन्द्र	16:14	गुरु	28:45	राहु	22:24
वर्षेश	गुरु	मुन्था	मीन 15:23:57		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:23
20 मई 2000 03:58 घंटे

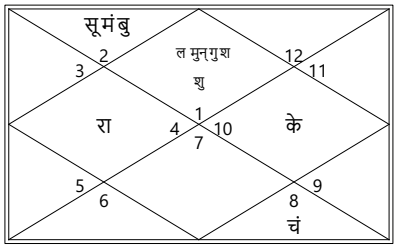

लग्न	04:26	मंगल	17:22	शुक्र	29:17
सूर्य	05:22	बुध	17:55	शनि	27:45
चन्द्र	23:27	गुरु	26:48	राहु	02:07
वर्षेश	शुक्र	मुन्था	मेष 15:23:58		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:24
20 मई 2001 10:14 घंटे

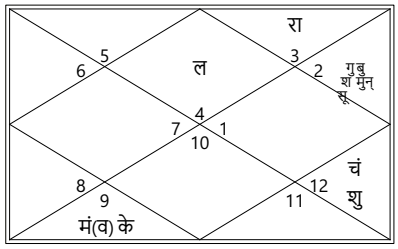

लग्न	06:26	मंगल	04:43	शुक्र	21:10
सूर्य	05:22	बुध	27:33	शनि	09:47
चन्द्र	29:14	गुरु	23:50	राहु	13:04
वर्षेश	शुक्र	मुन्था	वृष 15:23:59		

ॐ

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:25
20 मई 2002 16:20 घंटे

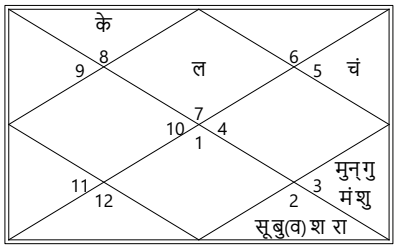

लग्न	04:45	मंगल	00:48	शुक्र	05:59
सूर्य	05:22	बुध	15:16	शनि	21:59
चन्द्र	13:40	गुरु	20:26	राहु	24:05
वर्षेश	शुक्र	मुन्था	मिथुन 15:23:59		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:26
20 मई 2003 22:25 घंटे

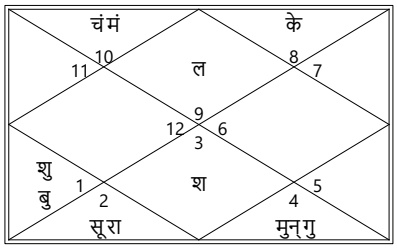

लग्न	29:34	मंगल	22:39	शुक्र	11:15
सूर्य	05:22	बुध	17:13	शनि	04:19
चन्द्र	07:10	गुरु	17:19	राहु	05:33
वर्षेश	शुक्र	मुन्था	कर्क 15:23:58		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:27
20 मई 2004 04:34 घंटे

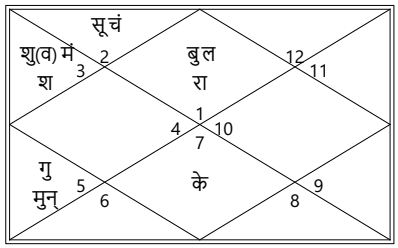

लग्न	14:38	मंगल	14:03	शुक्र	02:08
सूर्य	05:22	बुध	10:13	शनि	16:48
चन्द्र	13:39	गुरु	15:19	राहु	17:20
वर्षेश	शुक्र	मुन्था	सिंह 15:23:58		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:28
20 मई 2005 10:45 घंटे

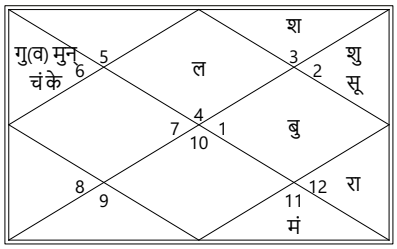

लग्न	13:27	मंगल	19:51	शुक्र	18:24
सूर्य	05:22	बुध	19:37	शनि	29:26
चन्द्र	19:14	गुरु	15:23	राहु	28:23
वर्षेश	शुक्र	मुन्था	कन्या 15:23:58		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:29
20 मई 2006 16:53 घंटे

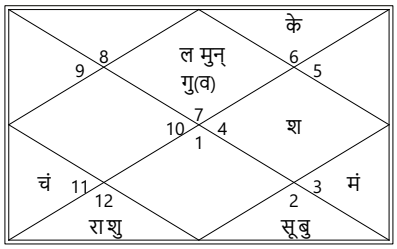

लग्न	12:41	मंगल	27:28	शुक्र	25:32
सूर्य	05:22	बुध	07:22	शनि	12:10
चन्द्र	06:29	गुरु	18:04	राहु	08:45
वर्षेश	शुक्र	मुन्था	तुला 15:23:58		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:30
20 मई 2007 22:57 घंटे

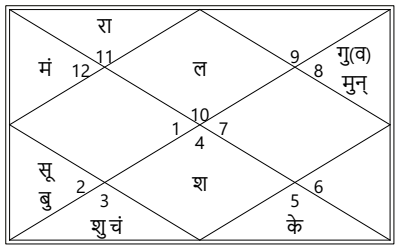

लग्न	07:33	मंगल	09:55	शुक्र	19:34
सूर्य	05:22	बुध	23:51	शनि	25:01
चन्द्र	27:57	गुरु	22:57	राहु	18:45
वर्षेश	मंगल	मुन्था	वृश्चिक 15:23:57		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:31
20 मई 2008 05:08 घंटे

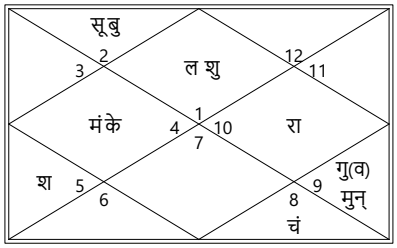

लग्न	23:43	मंगल	11:31	शुक्र	29:55
सूर्य	05:22	बुध	25:48	शनि	07:57
चन्द्र	04:12	गुरु	28:13	राहु	28:26
वर्षेश	गुरु	मुन्था	धनु 15:23:57		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:32
20 मई 2009 11:21 घंटे

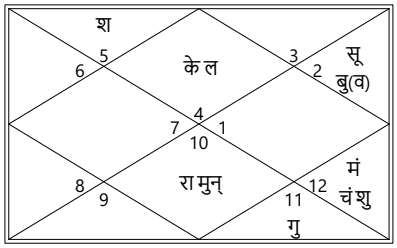

लग्न	21:55	मंगल	27:14	शुक्र	20:43
सूर्य	05:22	बुध	02:32	शनि	20:55
चन्द्र	09:28	गुरु	01:57	राहु	08:26
वर्षेश	शुक्र	मुन्था	मकर 15:23:58		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:33
20 मई 2010 17:26 घंटे

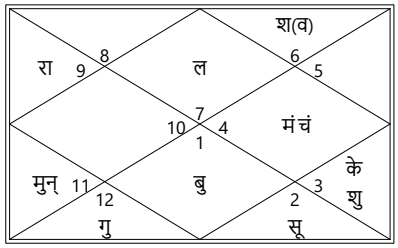

लग्न	20:28	मंगल	27:07	शुक्र	06:32
सूर्य	05:22	बुध	11:24	शनि	03:54
चन्द्र	28:53	गुरु	03:24	राहु	18:46
वर्षेश	शुक्र	मुन्था	कुंभ 15:23:57		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:34
20 मई 2011 23:34 घंटे

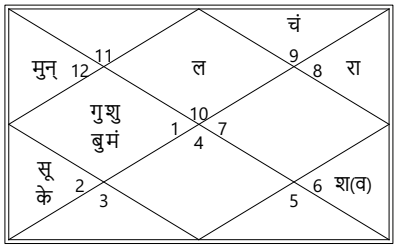

लग्न	17:18	मंगल	13:03	शुक्र	11:50
सूर्य	05:22	बुध	12:49	शनि	16:52
चन्द्र	18:17	गुरु	02:48	राहु	29:32
वर्षेश	मंगल	मुन्था	मीन 15:23:57		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:35
20 मई 2012 05:49 घंटे

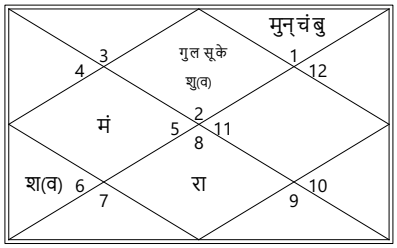

लग्न	04:32	मंगल	16:17	शुक्र	29:34
सूर्य	05:22	बुध	26:30	शनि	29:46
चन्द्र	24:46	गुरु	00:40	राहु	11:01
वर्षेश	शुक्र	मुन्था	मेष 15:23:58		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:36
20 मई 2013 12:02 घंटे

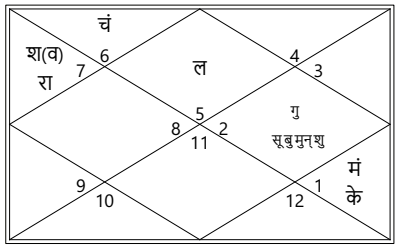

लग्न	01:36	मंगल	27:54	शुक्र	19:01
सूर्य	05:22	बुध	15:22	शनि	12:34
चन्द्र	00:04	गुरु	27:34	राहु	22:45
वर्षेश	शुक्र	मुन्था	वृष 15:23:59		

ॐ

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:37
20 मई 2014 18:11 घंटे

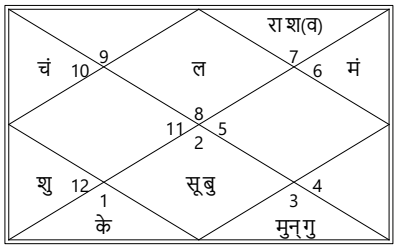

लग्न	00:56	मंगल	14:58	शुक्र	25:59
सूर्य	05:22	बुध	27:11	शनि	25:13
चन्द्र	21:56	गुरु	24:09	राहु	03:55
वर्षेश	बुध	मुन्था	मिथुन 15:23:59		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:38
21 मई 2015 00:15 घंटे

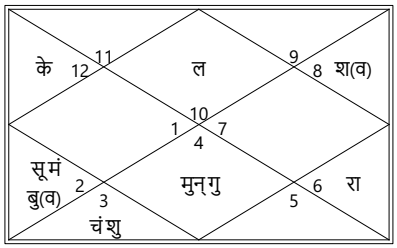

लग्न	28:38	मंगल	12:01	शुक्र	19:48
सूर्य	05:22	बुध	18:57	शनि	07:44
चन्द्र	08:36	गुरु	21:06	राहु	14:39
वर्षेश	बुध	मुन्था	कर्क 15:23:58		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:39
20 मई 2016 06:25 घंटे

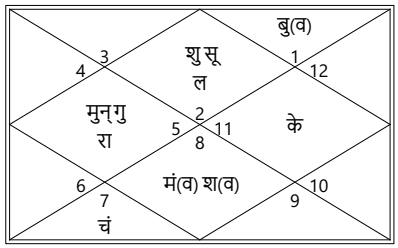

लग्न	13:30	मंगल	08:32	शुक्र	00:32
सूर्य	05:22	बुध	20:29	शनि	20:04
चन्द्र	15:01	गुरु	19:20	राहु	25:15
वर्षेश	शुक्र	मुन्था	सिंह 15:23:58		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:40
20 मई 2017 12:38 घंटे

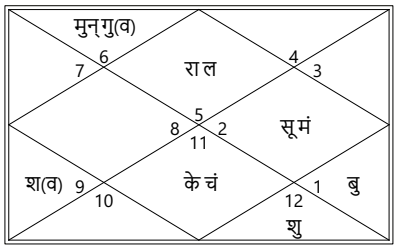

लग्न	10:22	मंगल	25:36	शुक्र	20:21
सूर्य	05:22	बुध	09:55	शनि	02:13
चन्द्र	20:41	गुरु	19:44	राहु	04:38
वर्षेश	सूर्य	मुन्था	कन्या 15:23:59		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:41
20 मई 2018 18:41 घंटे

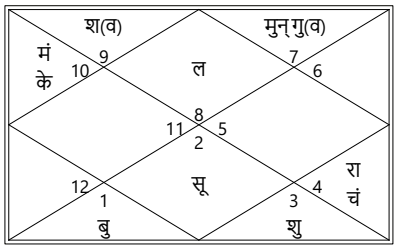

लग्न	07:53	मंगल	07:32	शुक्र	07:05
सूर्य	05:22	बुध	17:32	शनि	14:13
चन्द्र	14:15	गुरु	22:47	राहु	14:17
वर्षेश	मंगल	मुन्था	तुला 15:23:58		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:42
21 मई 2019 00:45 घंटे

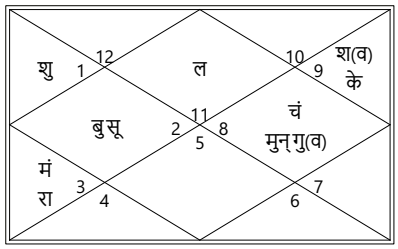

लग्न	07:02	मंगल	08:53	शुक्र	12:25
सूर्य	05:22	बुध	04:27	शनि	26:03
चन्द्र	29:04	गुरु	27:52	राहु	24:24
वर्षेश	शुक्र	मुन्था	वृश्चिक 15:23:56		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:43
20 मई 2020 06:56 घंटे

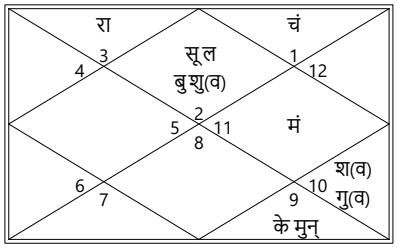

लग्न	21:04	मंगल	10:32	शुक्र	26:47
सूर्य	05:22	बुध	22:00	शनि	07:45
चन्द्र	05:29	गुरु	03:03	राहु	05:16
वर्षेश	शुक्र	मुन्था	धनु 15:23:57		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:44
20 मई 2021 13:05 घंटे

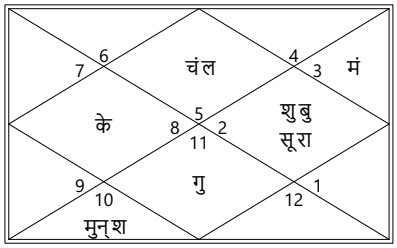

लग्न	16:51	मंगल	22:11	शुक्र	19:38
सूर्य	05:22	बुध	26:57	शनि	19:21
चन्द्र	11:43	गुरु	06:30	राहु	16:38
वर्षेश	शुक्र	मुन्था	मकर 15:23:57		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:45
20 मई 2022 19:13 घंटे

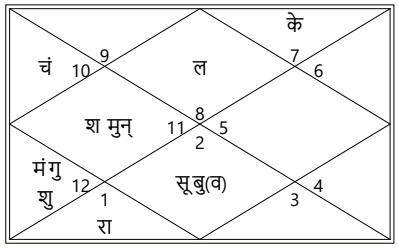

लग्न	15:00	मंगल	02:32	शुक्र	26:26
सूर्य	05:22	बुध	07:15	शनि	00:53
चन्द्र	06:20	गुरु	07:38	राहु	28:19
वर्षेश	शनि	मुन्था	कुंभ 15:23:56		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:46
21 मई 2023 01:22 घंटे

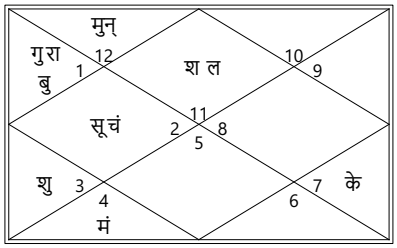

लग्न	17:54	मंगल	05:55	शुक्र	20:01
सूर्य	05:22	बुध	12:53	शनि	12:23
चन्द्र	19:15	गुरु	06:45	राहु	09:43
वर्षेश	शनि	मुन्था	मीन 15:23:56		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:47
20 मई 2024 07:35 घंटे

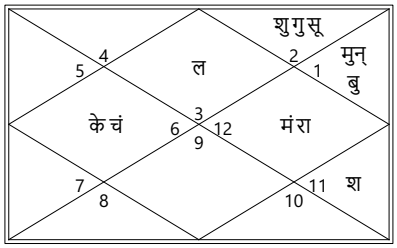

लग्न	00:13	मंगल	20:41	शुक्र	01:10
सूर्य	05:22	बुध	11:38	शनि	23:53
चन्द्र	25:29	गुरु	04:25	राहु	20:44
वर्षेश	मंगल	मुन्था	मेष 15:23:57		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:48
20 मई 2025 13:54 घंटे

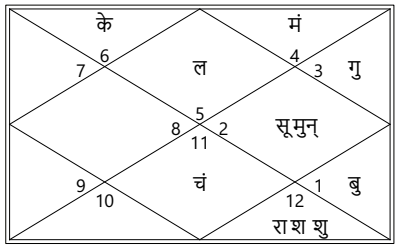

लग्न	28:51	मंगल	20:46	शुक्र	20:03
सूर्य	05:22	बुध	23:55	शनि	05:24
चन्द्र	03:30	गुरु	01:12	राहु	00:50
वर्षेश	गुरु	मुन्था	वृष 15:23:59		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:49
20 मई 2026 19:59 घंटे

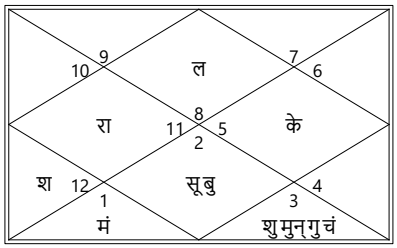

लग्न	25:31	मंगल	07:01	शुक्र	07:38
सूर्य	05:22	बुध	12:38	शनि	16:59
चन्द्र	28:24	गुरु	27:46	राहु	10:32
वर्षेश	बुध	मुन्था	मिथुन 15:23:58		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:50
21 मई 2027 02:03 घंटे

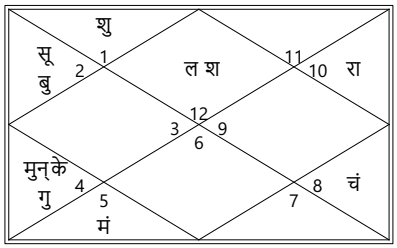

लग्न	00:06	मंगल	08:10	शुक्र	13:01
सूर्य	05:22	बुध	26:21	शनि	28:37
चन्द्र	10:00	गुरु	24:51	राहु	20:13
वर्षेश	गुरु	मुन्था	कर्क 15:23:57		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:51
20 मई 2028 08:17 घंटे

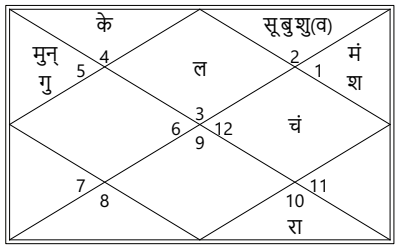

लग्न	09:53	मंगल	22:13	शुक्र	23:45
सूर्य	05:22	बुध	21:59	शनि	10:22
चन्द्र	15:37	गुरु	23:20	राहु	00:37
वर्षेश	शनि	मुन्था	सिंह 15:23:58		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:52
20 मई 2029 14:25 घंटे

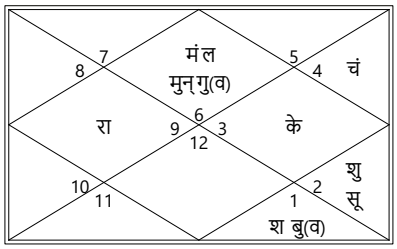

लग्न	06:33	मंगल	01:55	शुक्र	20:15
सूर्य	05:22	बुध	24:20	शनि	22:14
चन्द्र	25:06	गुरु	24:07	राहु	10:54
वर्षेश	शुक्र	मुन्था	कन्या 15:23:58		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:53
20 मई 2030 20:31 घंटे

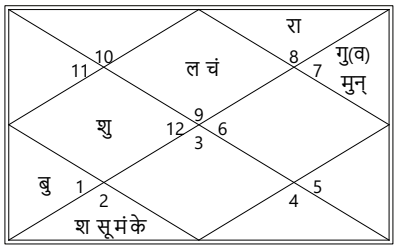

लग्न	02:40	मंगल	06:35	शुक्र	26:54
सूर्य	05:22	बुध	10:01	शनि	04:14
चन्द्र	19:34	गुरु	27:34	राहु	22:05
वर्षेश	शुक्र	मुन्था	तुला 15:23:57		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:54
21 मई 2031 02:38 घंटे

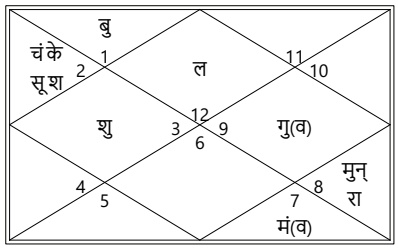

लग्न	10:38	मंगल	13:50	शुक्र	20:13
सूर्य	05:22	बुध	15:39	शनि	16:22
चन्द्र	00:37	गुरु	02:49	राहु	03:49
वर्षेश	गुरु	मुन्था	वृश्चिक 15:23:57		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:55
20 मई 2032 08:44 घंटे

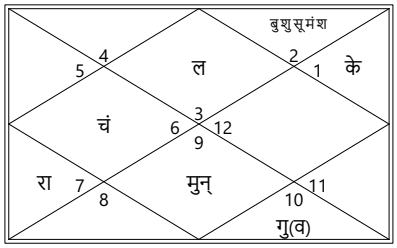

लग्न	15:56	मंगल	20:20	शुक्र	01:47
सूर्य	05:22	बुध	01:34	शनि	28:38
चन्द्र	05:32	गुरु	07:49	राहु	15:13
वर्षेश	गुरु	मुन्था	धनु 15:23:56		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:56
20 मई 2033 14:59 घंटे

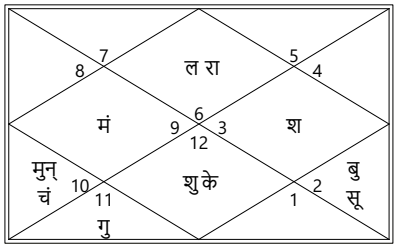

लग्न	14:57	मंगल	17:54	शुक्र	19:49
सूर्य	05:22	बुध	19:53	शनि	11:04
चन्द्र	17:36	गुरु	10:56	राहु	26:12
वर्षेश	बुध	मुन्था	मकर 15:23:57		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:57
20 मई 2034 21:03 घंटे

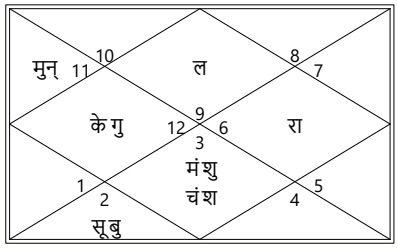

लग्न	10:09	मंगल	03:43	शुक्र	08:10
सूर्य	05:22	बुध	27:30	शनि	23:38
चन्द्र	10:37	गुरु	11:44	राहु	06:53
वर्षेश	गुरु	मुन्था	कुंभ 15:23:57		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:58
21 मई 2035 03:08 घंटे

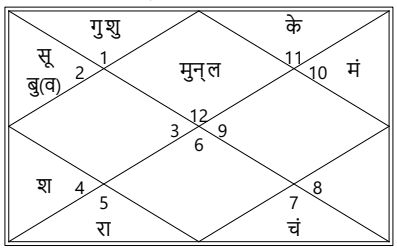

लग्न	19:42	मंगल	29:40	शुक्र	13:37
सूर्य	05:22	बुध	11:47	शनि	06:21
चन्द्र	21:08	गुरु	10:36	राहु	17:00
वर्षेश	गुरु	मुन्था	मीन 15:23:56		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:59
20 मई 2036 09:28 घंटे

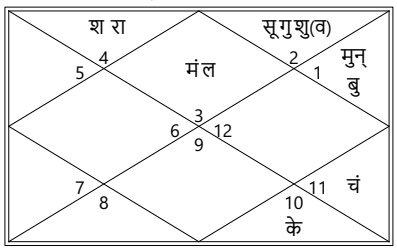

लग्न	26:01	मंगल	16:58	शुक्र	20:31
सूर्य	05:22	बुध	14:59	शनि	19:10
चन्द्र	25:26	गुरु	08:06	राहु	26:35
वर्षेश	बुध	मुन्था	मेष 15:23:58		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:60
20 मई 2037 15:38 घंटे

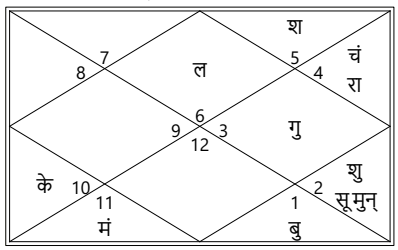

लग्न	24:42	मंगल	24:38	शुक्र	20:53
सूर्य	05:22	बुध	10:44	शनि	02:05
चन्द्र	09:51	गुरु	04:50	राहु	06:16
वर्षेश	शुक्र	मुन्था	वृष 15:23:58		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:61
20 मई 2038 21:45 घंटे

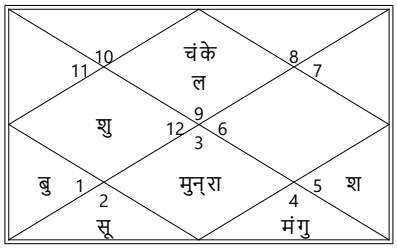

लग्न	20:00	मंगल	00:29	शुक्र	27:23
सूर्य	05:22	बुध	21:30	शनि	15:04
चन्द्र	01:39	गुरु	01:26	राहु	16:34
वर्षेश	शुक्र	मुन्था	मिथुन 15:23:58		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:62
21 मई 2039 03:54 घंटे

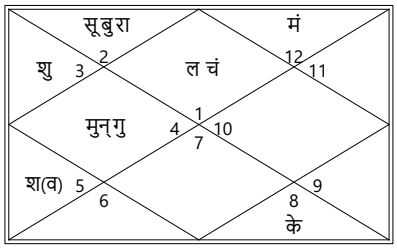

लग्न	03:25	मंगल	13:52	शुक्र	20:23
सूर्य	05:22	बुध	09:47	शनि	28:04
चन्द्र	12:07	गुरु	28:40	राहु	27:42
वर्षेश	गुरु	मुन्था	कर्क 15:23:58		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:63
20 मई 2040 10:01 घंटे

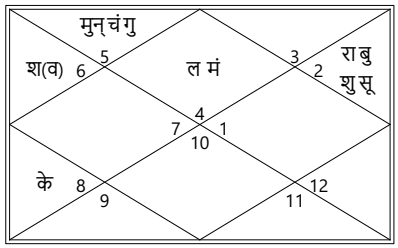

लग्न	03:22	मंगल	14:47	शुक्र	02:25
सूर्य	05:22	बुध	25:08	शनि	11:04
चन्द्र	15:32	गुरु	27:28	राहु	09:23
वर्षेश	शुक्र	मुन्था	सिंह 15:23:57		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:64
20 मई 2041 16:16 घंटे

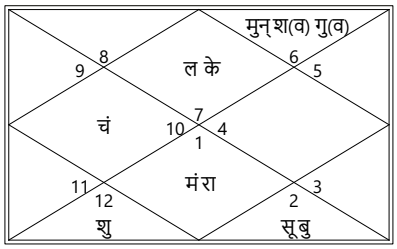

लग्न	03:56	मंगल	00:47	शुक्र	19:38
सूर्य	05:22	बुध	24:20	शनि	24:01
चन्द्र	02:21	गुरु	28:38	राहु	20:47
वर्षेश	बुध	मुन्था	कन्या 15:23:58		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:65
20 मई 2042 22:22 घंटे

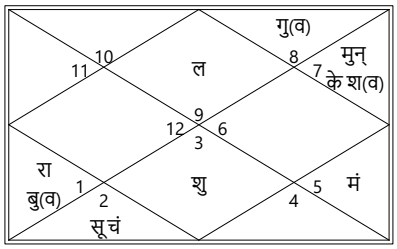

लग्न	28:48	मंगल	00:56	शुक्र	08:42
सूर्य	05:22	बुध	28:41	शनि	06:53
चन्द्र	22:07	गुरु	02:24	राहु	02:06
वर्षेश	शुक्र	मुन्था	तुला 15:23:58		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:66
21 मई 2043 04:22 घंटे

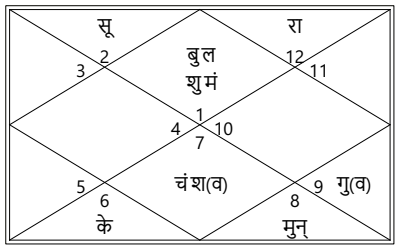

लग्न	11:22	मंगल	16:22	शुक्र	14:13
सूर्य	05:22	बुध	10:34	शनि	19:37
चन्द्र	02:25	गुरु	07:41	राहु	13:09
वर्षेश	गुरु	मुन्था	वृश्चिक 15:23:56		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:67
20 मई 2044 10:39 घंटे

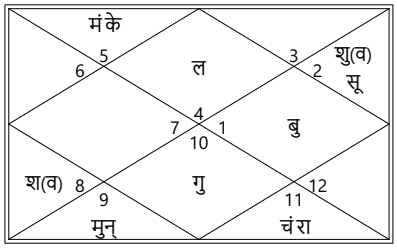

लग्न	12:00	मंगल	21:26	शुक्र	17:06
सूर्य	05:22	बुध	14:00	शनि	02:13
चन्द्र	05:54	गुरु	12:26	राहु	22:42
वर्षेश	शुक्र	मुन्था	धनु 15:23:57		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:68
20 मई 2045 16:46 घंटे

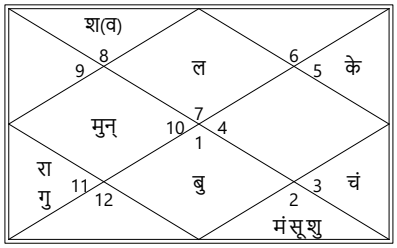

लग्न	11:01	मंगल	01:03	शुक्र	21:29
सूर्य	05:22	बुध	28:45	शनि	14:39
चन्द्र	24:45	गुरु	15:10	राहु	02:18
वर्षेश	बुध	मुन्था	मकर 15:23:57		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:69
20 मई 2046 22:51 घंटे

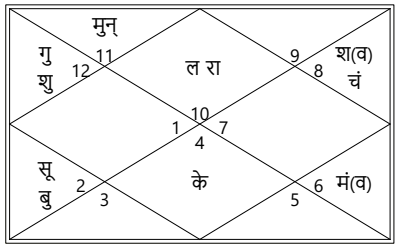

लग्न	06:05	मंगल	24:00	शुक्र	27:52
सूर्य	05:22	बुध	17:29	शनि	26:55
चन्द्र	13:04	गुरु	15:38	राहु	12:13
वर्षेश	शनि	मुन्था	कुंभ 15:23:56		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:70
21 मई 2047 05:04 घंटे

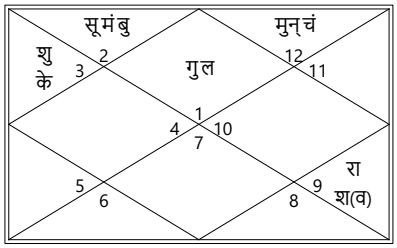

लग्न	22:53	मंगल	15:02	शुक्र	20:31
सूर्य	05:22	बुध	27:31	शनि	09:00
चन्द्र	23:00	गुरु	14:18	राहु	22:35
वर्षेश	गुरु	मुन्था	मीन 15:23:57		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:71
20 मई 2048 11:14 घंटे

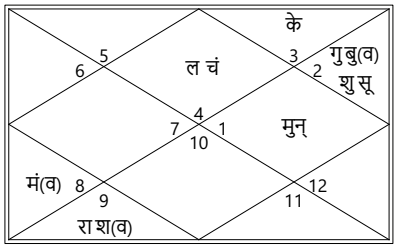

लग्न	20:11	मंगल	23:26	शुक्र	03:03
सूर्य	05:22	बुध	15:55	शनि	20:55
चन्द्र	26:19	गुरु	11:41	राहु	03:21
वर्षेश	शुक्र	मुन्था	मेष 15:23:57		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:72
20 मई 2049 17:30 घंटे

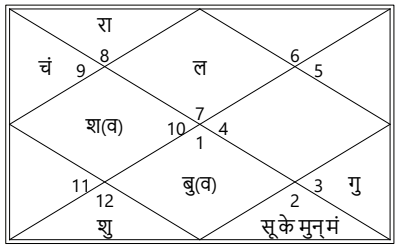

लग्न	21:28	मंगल	28:32	शुक्र	19:31
सूर्य	05:22	बुध	17:42	शनि	02:41
चन्द्र	16:47	गुरु	08:24	राहु	14:49
वर्षेश	बुध	मुन्था	वृष 15:23:58		

जन्मकालिक पंचांगादि विवरण

वेद सर्वग्रन्थों में आद्य ग्रन्थ हैं। जगत के सब शास्त्रों की उत्पत्ति का आधार वेद ही हैं। वेद शब्द की उत्पत्ति विद् धातु से हुई है जिसका अर्थ है, ज्ञान। ज्योतिष शास्त्र द्वारा जीवात्मा के ज्ञान के साथ-साथ परमात्मा का ज्ञान भी सहज प्राप्त हो सकता है। इसीलिये ज्योतिष को वेद के चक्षु कहते हैं। त्रिकालज्ञ महर्षियों ने हजारों वर्ष पूर्व अपने तपोबल व योगबल द्वारा ग्रहों के गुण, धर्म, रंग, रूप, स्वभाव आदि का चराचर जगत पर पड़ने वाले शुभाशुभ परिणामों का वर्णन ज्योतिष फलित शास्त्रों में विस्तार पूर्वक किया है। प्रत्येक व्यक्ति के जन्म के स्थान, दिन व समय के अनुसार उस क्षण ब्रह्माण्ड में ग्रह-राशि-नक्षत्रों की स्थिति के चित्रण को 'जन्म कुण्डली' कहा जाता है। जन्म के समय पूर्व क्षितिज में जो राशि उदित होती है उसे 'लग्न' कहते हैं। चन्द्र जिस राशि में होता है उसे 'जन्म राशि' और जिस नक्षत्र में होता है उसे 'जन्म नक्षत्र' कहा जाता है। आपके जन्म के समय पंचांग के विभिन्न अंगों का विवरण नीचे दिया गया है।

अवकहडा चक्र

लग्न	:	वृष
चन्द्र राशि	:	वृष
चन्द्र राशि स्वामी	:	शुक्र
जन्मकालीन नक्षत्र	:	मृगशिरा
नक्षत्र चरण	:	1
नामाक्षर	:	वे
राशि पाया	:	सुवर्ण
नक्षत्र पाया	:	लौह
वर्ण	:	वैश्य
वश्य	:	चतुष्पाद
नाड़ी	:	मध्य
योनि	:	सर्प
गण	:	देव

जन्मकालीन पंचांगादि

विक्रम संवत्	:	2034
मास	:	ज्येष्ठ
जन्मकालीन तिथि	:	शुक्ल द्वितीया
जन्मकालीन योग	:	सुकर्मा
जन्मकालीन करण	:	कौलव
आधुनिक जन्म वार	:	शुक्रवार
ज्योतिषिय जन्म वार	:	शुक्रवार

घात चक्र

घात मास	:	मार्गशीर्ष
घात तिथि	:	5/10/15
घात वार	:	शनिवार
घात नक्षत्र	:	हस्त
घात योग	:	शुक्ल
घात करण	:	शकुनि
घात प्रहर	:	4
घात चन्द्र	:	कन्या

कुण्डली फल

ज्योतिष शास्त्र के ज्ञान से मनुष्य को श्रेष्ठ लाभ यह है कि उसे पूर्वजन्म के शुभाशुभ कर्मों का ज्ञान, वर्तमान जन्म में शुभकर्म करने की आवश्यकता, मानवीय जन्म का उद्देश्य, ईश्वरीय व मानवीय शक्ति में अन्तर, कर्म और भोग की मर्यादा, प्रारब्ध और प्रयत्न की सीमा व दोनों का परस्पर सम्बन्ध, अनुकूल व प्रतिकूल समय का ज्ञान व संकट समय मन में धैर्य रख उस पर विजय प्राप्त करने की शक्ति प्राप्त होती है। इस शक्ति से मन में सन्तोष, सन्तोष से चिन्ता का नाश, चिन्ता-नाश से धर्म की प्राप्ति, धर्म से धैर्य व शक्ति की प्राप्ति और शक्ति से ईश्वर के प्रति भक्ति व विश्वास क्रमश: प्राप्त करते हुए व संसारिक आपत्तियों को सहर्ष स्वीकार करने की क्षमता प्राप्त होती है।

प्रकृति एवं स्वभाव

1 - आप स्थिर और पक्के स्वभाव के होंगे तथा कार्य में धैर्य और लगन के साथ समर्पित होंगे।
2 - आप में प्रबल शारीरिक एवं मानसिक सहनशक्ति एवं सहिष्णुता होगी।
3 - आप को बहुधा गुस्सा नहीं आता लेकिन यदि गुस्सा दिला दिया जाये तो भूकंप की तरह खतरनाक और हिंसक होगा।
4 - आप सांसारिक सुख-सुविधायें खूब पाना और एकत्रित करना चाहेंगे।
5 - आप के स्वभाव में अधिकार की भावना होगी। अपने प्रेम-पात्र के लिये बड़े से बड़े बलिदान करने की तथा जिनसे घृणा करेंगे उन्हें कभी न क्षमा करने की प्रवृत्ति होगी।
6 - आप अत्यंत सामाजिक होंगे। मित्रों, बांधवों तथा प्रियजनो का सत्कार करने में विशेष आनंद का अनुभव करेंगे।
7 - आप सौंदर्य, संगीत, कला तथा अच्छे वस्त्रों के शौकीन होंगे।
8 - आप सुख और विलास का जीवन पसंद करेंगे। आनंदोपभोग हेतु सचेष्ट रहेंगे।
9 - आप स्वभाव से हठी तथा अपनी योजनाओं को पूर्ण करने की योग्यता रखेंगे।
10 - आप छोटे-छोटे कामों में भी लम्बे-लम्बे विचार करेंगे, अत: जो भी काम लेंगे उसे देरी से करेंगे।
11 - आप धन के मामले में यथार्थवादी होंगे, धन कमाने की आपकी प्रबल इच्छा होगी, साध्य पर ध्यान देंगे, साधन पर नहीं।
12 - आप काफी सोच-विचार कर किसी से मित्रता करेंगे और अंत तक समर्पित रहेंगे। प्रणय संबधों एवं दाम्पत्य जीवन के प्रति जिम्मेदार होंगे।
13 - आप सामाजिक जीवन में दिखावट पसंद करेंगे जबकि प्रेम प्रदर्शन के मामले में संकोची होंगे।
14 - आप गंभीर, विचारशील, शांतिप्रिय और दयालु होंगे।
15 - आप आलस्य, स्वार्थ, कामुकता, भौतिकवादिता आदि दुर्गणों के कारण कई बार निराशा एवं चिंताओं से पीड़ित होंगे।

शास्त्रों के अनुसार फल

आप दर्शनीय स्वरूप, विशाल नेत्र, मुँह गोल, विशाल मुखमण्डल, विस्तृत वक्ष स्थल, पीठ, मुख, बगल या कंधे पर तिल या मस्सा या व्रण का चिन्ह, मतान्तर से दांये पैर या कमर में काला तिल, उँचे कन्धे, सघन बाल युक्त, स्थूल कमर-पैर कन्धा-मुख व जाँघे, सुंदर चाल युक्त होती है। नम्रता युक्त, शांत चित्त, सहनशील, दानी, विलासी, कामी, त्यागी, नीर-क्षीर-विवेकी, धनी, परिश्रमी, शूरवीर, बुद्धिमान, माता-पिता व गुरु में भक्ति, प्रभुत्व युक्त, सभा में चतुर, अपने कार्य में संलग्न परन्तु समय-समय पर कार्य में उद्विग्न चित्त, कफ प्रकृति, प्रथम बन्धु, पूर्व का धन और प्रथम संतान से रहित, कन्या संतान युक्त, भाग्यवान, कीर्तिमान क्षमाशील, उद्दीप्त जठराग्नि अर्थात अन्न को शीघ्र पचाने की क्षमता, स्थिर मैत्री तथा अच्छे मित्रों से युक्त, मध्यावस्था तथा वृद्धावस्था में सुखी, स्वजनों से दूर निवास, चित्रकारी व संगीत में रुचि, अकस्मात धन प्राप्ति, अधिकार प्रिय, सुखमय जीवन जीने में रुचि, झूठे अभियोग में जेल जाने का भय हो सकता है। स्त्रियों के प्रिय, स्त्री आज्ञाकारी, तीन स्त्रियों से सम्बन्ध सम्भव है।

शीत एवं अजीर्ण रोग से दुखी, नेत्ररोगी, गले या पेट में कष्ट, वृद्धावस्था में कान का रोग हो सकता है।

आधुनिक मत से फल

आप स्थिर स्वभाव के, धैर्य और लगनशील, शारीरिक एवं मानसिक सहनशक्ति एवं सहिष्णुता युक्त, खतरनाक और हिंसक गुस्से वाले, सांसारिक सुख-सुविधायें एकत्रित करनेवाले, अपने प्रेम-पात्र के लिये बड़े से बड़ा बलिदान करने वाले तथा जिनसे घृणा करेंगे उन्हें कभी न क्षमा करने की प्रवृति हो सकती है। सौंदर्य, संगीत, कला तथा अच्छे वस्त्रों के शौकीन होंगे। सुख और विलास का जीवन पसंद है। आनंदोपभोग हेतु सचेष्ट रहते हैं। स्वभाव से हठी तथा अपनी योजनाओं को पूर्ण करने की योग्यता रखनेवाले तथा छोटे-छोटे कामों में भी लम्बे-लम्बे विचार करनेवाले होते हैं। धन के मामले में यथार्थवादी हैं, धन कमाने की आपकी प्रबल इच्छा है, साध्य पर ध्यान देंगें, साधन पर नहीं। काफी सोच-विचार कर किसी से मित्रता करते हैं और अंत तक समर्पित रहते हैं। प्रणय संबधों एवं दाम्पत्य जीवन के प्रति जिम्मेदार होंगे। आप आलस्य, स्वार्थ, कामुकता, भौतिकवादिता आदि दुर्गणों के कारण कई बार निराशा एवं चिंताओं से पीड़ित होते हैं।

शारीरिक लक्षण

1 - आप मध्यम कद तथा हृष्ट-पुष्ट शरीर के होते हैं।
2 - कंधे बलशाली और उन्नत, गर्दन मोटी तथा हाथ-पैर कुछ छोटे होते हैं।
3 - चेहरा गोल, नेत्र विशाल, होंठ कुछ स्थूल और मस्तक चौड़ा होता है।
4 - पीठ अथवा चेहरे पर मस्से, लहसन या व्रण का चिन्ह होता है।

महत्तवपूर्ण जानकारी

आपका मूल वाक्य है
मेरे पास है।

सबसे बड़ा गुण है
धैर्य और लगनशीलता।

सबसे बड़ी कमी है
अनम्यता और दुराग्रह।

महत्वाकांक्षा है
यश और व्यापक सामाजिक प्रतिष्ठा।

शुभ दिन
शुक्रवार, शनिवार।

शुभ रंग
सफेद, हरा, गुलाबी, शुभ हैं।

शुभ अंक
6, 5, 8 सर्वाधिक शुभ हैं।

शुभ रत्न
पन्ना, फिरोजा, मोती।

शुभ उपरत्न
सफेद पुखराज, चन्द्रमणि।

अशुभ मास तारीखें
प्रतिवर्ष नवम्बर मास, प्रतिमास 5, 10, 15, 20 तारीखें तथा लाल रंग के वस्त्रादि पदार्थ आपके लिये ठीक नहीं हैं।

अशुभ तिथि
पंचमी, दसमी, पूर्णिमा तिथियाँ अशुभ हैं।

शुभ राशि
वृष, मिथुन, कन्या, मकर तथा कुम्भ राशि वाले मनुष्य मित्रता के लिए अच्छे होते हैं। कर्क एवं सिंह राशि वालों से शत्रुता सम्भव है।

शुभ दिवस
शनिवार दिन ठीक हैं।

अरिष्ट समय
यवनाचार्य के मतानुसार माघ मास, शुक्लपक्ष, नवमी तिथि, शुक्रवार, रोहिणी नक्षत्र अनिष्टकारी होते हैं।

नक्षत्र का फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है अत: आपकी जन्म राशि वृष तथा राशि स्वामी शुक्र होगा।
अवकहड़ा चक्र के अनुसार -

वर्ण - वैश्य
वश्य - चतुष्पद
योनि - सर्प
गण - देव
नाड़ी - मध्य

जन्म नाम का प्रारम्भ वे अक्षर से होना चाहिये।

शास्त्रों के अनुसार

मृगशिरा नक्षत्र में जन्म होने से निम्नवत् फल प्राप्त होंगे -

1. बृहज्जातक के अनुसार -

चपलश्चतुरो भीरु: पटुरुत्साही धनी मृगे भोगी।

2. जातक पारिजात के अनुसार -

चान्द्रे सौम्यमनोऽटन: कुटिलदृक् कामातुरो रोगवान्।

3. मानसागरी के अनुसार -

चपलश्चतुरो धीर: कूटकर्मस्वकर्मकृत्।
अहन्कारी परद्वेषी मृगे भवति मानव:।।

4. जातकाभरण के अनुसार -

शरासनाभ्यासरतो विनीत: सदानुरक्तो गुणिनां गुणेषु।
भोक्ता नृपस्नेहभरेण पूर्ण: सन्मार्गवृतो मृगजातजन्मा।।

मृगशिरा नक्षत्र में जन्म होने से जातक चंचल, चतुर, धैर्यवान, पण्डित, उत्साही, धनी और भोगी होता है। मतान्तर से ऐसा जातक अधिक घूमने-फिरने वाला, नकली वस्तु बनाने वाला, कुटिल दृष्टि वाला, स्वार्थी, अहंकारी, परद्वेषी, कामातुर तथा रोगी होता है।

आधुनिक मत से

मृगशिरा नक्षत्र के प्रथम चरण में जन्म होने से जातक विचारशील, प्रतिभाशाली, तीव्र स्मरणशक्ति वाला, कार्यों में निपुण, दूसरों की बात समझने में कुशल, तर्क देने में निपुण, सट्टा-जुआ आदि में रुचि रखने वाला, अविश्वासी, स्वार्थी एवं झगड़ालू होता है। ऐसा जातक उन्नतिगामी, एकताप्रेमी, नेतृत्व कार्य करने में कुशल, सेना अथवा संस्था का प्रमुख बनने में प्रयत्नशील, वक्ता, प्रवक्ता, व्यवहारकुशल तथा विनम्र होता है।

पाद (पाया) फल

मृगशिरा नक्षत्र का जन्म लोहे के पाये में कहा जाता है, जिसे नेष्ट एवं धन हानिकारक माना है।

स्वास्थ्य

मृगशिरा नक्षत्र के प्रथम चरण का अधिकार चेहरा, ठोड़ी, गाल, कण्ठनलिका, तालू, ग्रीवा तथा धमनियों पर होता है, अत: पापाक्रांत होने पर इन अंगो से सम्बन्धित रोग की संभावना रहती है।

वैश्य वर्ण का फल

व्यापारकार्ये निरत: परकर्मोद्यत: सदा।
निष्ठुरश्चतुरश्चैव वैश्यवर्णसमुद्भव:।। (जातकोत्तम)

वैश्य वर्ण में जन्म होने से जातक व्यापार कार्य में लीन अर्थात् व्यवसायी सदा दूसरों के कार्यों में उद्यत, निर्मोही और चतुर होता है।

उपाय

मृगशिरा नक्षत्र के स्वामी 'चन्द्रमा' है, अत: इनके शान्तयर्थ मृगशीर्ष नक्षत्र के दिन श्वेतचन्दन, गन्ध, नीरज-पुष्प, दशान्गधूप, घृतदीपक, पायस और अपूप (मालपुआ) नैवेद्य से चन्द्रमा की आराधना करें। मृगशिरा नक्षत्र के दिन दही और चावल का दान करें। दही-चावल और शक्कर की बलि दें। 'जयन्ती-मूल' को यन्त्र में भरकर धारण करें। हवन सामग्री में दही और पायस मिलाकर निम्नलिखित मन्त्र से 108 बार आहुति दें -

इमम्देवा असपत्न गूं सुबध्वं महते क्षत्राय महते ज्यैष्ठ्याय महते जानराज्यायेन्द्रस्येन्द्रियाय।
इममुष्य पुत्रममुष्यै पुत्रमस्यै विषएषवोऽमी राजासोमोस्माकं ब्राह्मणानागूं राजा चन्द्रमसे नम:।।

देव गण फल

सुन्दरो दानशीलश्च मतिमान् सरल: सदा।
अल्पभोगी महाप्राज्ञो नरो देवगणे भवेत्।। (मानसागरी)

देवगण में जन्म हुआ है अत: जातक पुरुष दानी, बुद्धिमान्, सरल हृदय, अल्पाहारी, विद्वानों में श्रेष्ठ होगा।

सर्प योनि फल

दीर्घरोषो महावूरर: कृतघ्नश्च भवेन्नर:।
चपलो रसनालोल: सर्पयोनौ न संशय:।।(मानसागरी)

सर्प योनि में जन्म हुआ है अत: जातक महा क्रोधी, महा क्रूर, उपकार नहीं मानने वाला, चंचल, जीभ का लोलुप होगा।

विवाह, मैत्री एवं साझेदारी

मृगशिरा नक्षत्र के प्रथम चरण के जातक के लिये कृत्तिका का द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ चरण, रोहिणी, पुनर्वसु का चतुर्थ चरण, उत्तराफाल्गुनी का प्रथम चरण, विशाखा का चतुर्थ चरण, ज्येष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद तथा रेवती नक्षत्र के व्यक्ति सर्वश्रेष्ठ हैं।

ग्रह फल

⊙ सूर्य ⊙

सूर्य प्रथम भाव में

शुभ फल : साधारणतया लग्न में रवि प्रगति तथा भाग्योदय का पोषक होता है। जन्मलग्न में सूर्य होने से जातक लम्बे ऊंचे कद का, सुहावनी आँखोंवाला, उन्नत नासिका और विशाल ललाटवाला होता है। जातक बलवान्, नीरोग होता है - पित्त प्रकृति का होता है। उदर उष्ण रहता है। जातक स्वाभिमानी, आत्मविश्वासी, दृढ़निश्चयवाला, ऊँचे विचारों का, स्वाभिमानी होता है। उदार हृदय का, हल्के कामों का तिरस्कार करनेवाला, कठोर, न्यायी और प्रामाणिक होता है। जातक मेधावी, तीक्ष्ण बुद्धि, अल्पभाषी, जन्म से ही सुखी तथा प्रवासी या परदेश में जाने वाला होता है। सब कामों में यशस्वी, स्वतंत्रता से ऊँची जगह पाने वाला होता है। सुशील, ज्ञान और आचार में मग्न, सदाचारी होता है। कम खानेवाला, शूरवीर, युद्ध में आगे होकर लड़नेवाला होता है। लग्नस्थित सूर्य का जातक बाग-बगीचों का शौकीन होता है।

स्त्री राशि का रवि संसारिक रुप से सुखदायी होता है।

रवि पृथ्वी राशि (2, 6, 10) में होने से जातक घमण्डी, दुराग्रही और सनकी होता है।

अशुभ फल : जिसके जन्मलग्न में सूर्य हो वह जातक स्त्रियों से दूषित, दुष्टसंतानवाला, बाजार और वाटिका में टहलनेवाला और वेश्या में आसक्त रहनेवाला होता है। कार्य करने में आलसी, क्रूर और क्षमा न करने वाला होता है। शरीर वात-पित्त की व्याधि से पीड़ित होता है। अत: कृशकाय होगा। बाल अवस्था में रोगी होता है। जातक की आँखों के विकार होते हैं। नेत्र रूखे होते हैं। रवि लग्न में रोगी बनाता है, चक्षुरोगी, सिर दर्द, वायु विकार, रक्तविकार, गुल्मरोग, वस्ति संबंधित रोग, वीर्य क्षय एवं बहुमूत्रता जैसे रोग प्रदान करता है। परदेश में जाता है और विदेश में व्यापार से धन की क्षति होती है। अस्थिर सम्पत्ति वाला अर्थात धन का सुख कभी उत्तम रहता है और कभी धन का कष्ट भी बढ़कर रहता है। रवि लग्न में हो तो संतति कम होती है। दैववशात् पुत्र और पौत्र नहीं होते । लग्नस्थित सूर्य का जातक अशक्त, स्त्रियों से दूषित होता है। नीच लोगों की नौकरी करता है। जातक एक जगह घर बसाकर नहीं रहता है और हमेशा भटकता फिरता है।

उत्तरायण (मिथुन से धनु तक) का रवि-लड़ाई-झगड़े, अपना स्वत्व कायम करने की प्रवृत्ति आदि स्वार्थता को बढ़ावा देता है।

चन्द्र

चन्द्र प्रथम भाव में

शुभ फल : लग्न के चन्द्र का सामान्य फल, प्रेम, शान्ति, सत्यप्रियता, सत्वशीलता, कलह से घृणा करना आदि है। चन्द्रमा-लग्न में हो तो जातक बलवान्, ऐश्वर्यशाली, सुखी, व्यवसायी, गान-वाद्यप्रिय एवं स्थूल शरीरवाला होता है। जातक मे कामशक्ति, पूर्णरूप से रहती है, स्त्रियों द्वारा सम्मान प्राप्त होता है। धनागम के साधन बने रहते हैं और समाज में अधिक प्रतिष्ठा बनी रहती है। जातक पराक्रमी और राजवैभव पानेवाला होता है। चन्द्र लग्न में होने से घूमने-फिरने का शौकीन होता है। जो लोग नींद में चलते हैं, बोलते हैं, या ऐसे ही काम करते हैं, उनके लग्न में चन्द्रमा होता है।

शुक्लपक्ष का चन्द्रमा लग्न में होने से जातक निर्भय, दृढ़ शरीर वाला, बलिष्ठ, लक्ष्मीवान् और दीर्घायु होता है।

लग्न में मेष, वृष, कर्क राशि में चन्द्रमा होने से जातक धनी, सुखी, मनुष्यों का पालक, मधुरभाषी, कोमल शरीर और बलवान् होता है।

जन्म लग्न में वृष, कर्क और मेष राशि का चन्द्रमा होने से जातक चतुर, रूपवान्, धनवान्, भाग्यवान् और गुणवान् होता है।

वृष का चन्द्र होने से बहुत ऐश्वर्य वाला होता है।

लग्न का चन्द्रमा पापग्रहों के साथ क्षीण होने से पूर्वोक्त फल अल्पमात्रा में होते हैं।

लग्नभाव का चन्द्र मेष, वृष या कर्क राशि का होने से जातक शास्त्रज्ञ होता है और शास्त्रानुकूल चलता है।

चन्द्र वृषभ राशि में होने से जातक स्थिर, गंभीर, काम को पूरी लगन से करनेवाला, उद्यमी, धीरोदात्त, भाग्यवान् और वैभव संपन्न होता है।

अशुभ फल :जातक मोटे शरीर का होकर भी साहसहीन, दरिद्र और मूर्ख होता है। लग्न में चन्द्रमा हो तो मनुष्य जड़ (मूर्ख वा आलसी) और कृतघ्न होता है। लग्न में चन्द्र होने से जातक मिथ्याभाषी होता है। अत: लोगों की दृष्टि में विश्वासपात्र नहीं होता है। लग्न में चन्द्रमा होने से जातक मूर्ख, मूक (गूंगा) व्याकुल चित्त वाला, अथवा धूर्त, नेत्रहीन (अंधा) अनुचित कार्य करनेवाला, दूसरों का दास, दुबला-पतला शरीरवाला होता है। सर्दी और कफ जनित रोगों से पीड़ित एवं कृश शरीर रहा करता है। वधिर, व्याकुल हृदय गूँगा तथा विशेषतया दुर्बल देह होता है।व्याधि से, जल से भय प्राप्त होता है। 15 वें वर्ष में बहुत सी यात्राएँ करनी पड़ती हैं। कपटी और बहुत बोलनेवाला वितंडावादी होता है। डरपोक, अस्थिर बुद्धि, विलासी,और धूर्त होता है। स्त्री-वियोग सहना होता है।

मिथुन, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर, कुम्भ और मीन राशि का होकर लग्न में हो तो जातक रोगी, मूर्ख, निर्धन, बलहीन और वधिर होता है।

1,2,4 राशियों को छोड़कर चन्द्रमा लग्न में हो तो पुरुष उन्मत्त अर्थात् अभिमानी (गर्वीला) नीच, बहरा, व्याकुल चित, गूंगा और विशेषत: कृष्णवर्ण देहवाला होता है।

चन्द्रमा नीचराशि में अथवा पापग्रह के साथ होने से जातक जड़बुद्धि (मूर्ख) अतिदीन, और सदैव धनहीन होता है।

चन्द्र के साथ पापग्रह होने से जातक अल्पायु होता है।

मेष, वृष व कर्क को छोड़कर अन्य राशियों में होने से जातक मूर्ख, रोगी तथा निर्धन होता है। इसे खांसी, श्वासरोग, वातरोग होते हैं। अश्व आदि पशुओं से अपघात का भय होता है। राजा और चोरों से भय होता है।

चन्द्र बृष, कन्या वा मकर राशि का होने से जातक अहंमान्य होता है, अर्थात् अपने आपको सर्वशास्त्र-निष्णात मानता है। परन्तु सभा में बोलने का साहस नहीं होता है।

चन्द्र वृष लग्न का होने से जातक को संसार-सुख बहुत कम मिकलता है। विवाह नहीं होता है। यदि विवाहित हो जावे तो संसार-सुख बहुत समय तक नहीं मिलता है, क्योंकि मध्यायु में पत्नी मर जाती है। परस्त्रीगामी होता है।

♂ मंगल ♂

मंगल एकादश भाव में

शुभ फल : ग्यारहवें भाव में मंगल होने से जातक रोगहीन, साहसी, शूर, न्यायवान् एवं धैर्यवान् होता है। जातक बोलने में चतुर, सत्यवक्ता, मधुरभाषी, सुशील और व्रत का दृढ़ता से पालन करनेवाला होता है। स्वभाव से विनोदशील होता है। ग्यारहवें स्थान में मंगल की स्थिति होने से जातक पंडित और विद्वान् होता है। देव तथा ब्राह्मणों का भक्त होता है। आत्मसंयमन की शक्ति प्रबल होती है। जातक सुखी, धनाढ्य होता है। अपने गुणों से बहुत लाभ प्राप्त करनेवाला होता है। जातक की धनाढ्यता के बारे में कोई चुगली न कर दें-कहीं चोरों को इसकी धन संपत्ति का पता न लग जावे-इस कारण निर्धन-सा बना रहता है। इस मंगल के फलस्वरूप बड़ी बिल्डिंग, जमीन, धन, वाहन आदि से सुख प्राप्त होता है। जातक तांबा, मूंगा, सोना, सुंदर लाल वस्त्र, हर्ष, राजकृपा, मान-इनसे युक्त होता है। जातक जरी, रेशमी, मखमली, जर्कसी आदि वस्त्रों से युक्त तथा हाथी, घोड़ा, गाड़ी आदि वाहन नौकर आदि रखनेवाला होता है। 24-28 वें वर्ष में धन प्राप्त होता है। खेती, कृषि-तृणादि से लाभ प्राप्त करता है । गाय-भैंस आदि पशुधन से, एवं घोड़ा-ऊँट-हाथी आदि सवारी के जानवरों के व्यापार से मालामाल हो जाता है-अटूट द्रव्यलाभ से समृद्ध हो जाता है। जातक को यात्रा से, साहस से, अग्नि वा शस्त्रों से, या सोने वा जवाहरात के व्यापार से बहुत धन मिलता है। किन्तु दूसरों की दी हुई पूंजी से व्यापार किया तो उसमें बहुत नुकसान होता है। अग्नितत्व की राशि में होने से सट्टा, लाटरी, रेस और जुए में अच्छा लाभ होता है। उत्तम खाद्यपदार्थ खाने को मिलते हैं। स्त्रियों का लाभ होता है। जातक स्त्रियों के साथ क्रीड़ा करने में समर्थ होता है। जातक के मित्र विश्वस्त नहीं होते। मित्रों द्वारा ठगाया जाता है। किन्तु इस पर शुभग्रह की दृष्टि होने से मित्रों से अच्छा लाभ होता है। भाई का द्रव्य मिलता है। ग्यारहवें स्थान में मंगल शत्रुओं के लिए अच्छा नहीं होता, शत्रुओं को पीड़ित करता है। जातक के सामने शत्रु टिक नही पाते। जातक के शत्रु भी इसके प्रताप से दबकर इसकी प्रशंसा-इसकी बड़ाई करने लगते हैं। जातक संग्राम में शत्रुओं पर विजय पानेवाला होता है। डाक्टरों के लिए यह योग अच्छा है, सर्जरी में तथा स्त्रीरोग विशेषज्ञता में यशस्वी होते हैं। वकीलों के लिए भी लाभभाव का मंगल लाभदायक है धन मिलता है, अदालत पर प्रभाव भी पड़ता है-कभी ऐसा भी होता है कि सनद रद्द होने का समय भी आजावे। इनको वादी-प्रतिवादी दोनों से रिश्वत लेने की आदत होती है-इसी से कठिनाई भी होती है। ग्यारहवें स्थान में मंगल इंजिनीयर, फिटर, सोनार, लोहार आदि के लिए भी अच्छा होता है।

मंगल सिंहराशि में अथवा लाभेश के साथ होने से जातक बड़ा अफसर होता है।

स्त्रीराशि के मंगल होने से द्रव्यलाभ, तथा अधिकार प्राप्ति के लिए चाहे कैसा भी यत्न करने की प्रवृत्ति होती है।

मंगल स्त्रीराशि में हो तो तीन पुत्र होते हैं।

जलतत्व की राशि में मंगल होने से मित्रों के सम्बन्ध से आपत्ति आती है। उनकी जमानत भरनी पड़ती है।

अशुभफल : ग्यारहवें भाव में मंगल होने से कटुभाषी, दम्भी, झगड़ालू, क्रोधी, चंचल, प्रवासी, अंहकारी, और धूर्त बनाता है। मृत जैसा निष्क्रिय तथा निराश अन्त:कारण का होता है। जातक कामुक होता है। लाभभाव का मंगल संतान के लिए अच्छा नहीं होता, क्योंकि इस स्थान का मंगल संतान को पीड़ित करता है। सन्तान के बारे में कष्ट होता है। पुत्र के दु:ख से पीड़ित होता है। अग्नि और चोरों से हानि होती है। ग्यारहवें भाव से सप्तम भाव सुत स्थान रहने के कारण मंगल छोटी (बड़े से छोटे) सन्तानों को क्षति पहुंचाता है।

☿ बुध ☿

बुध द्वादश भाव में

शुभ फल : बारहवें भाव में बुध रहने से जातक बुद्धिमान विचारशील, विवेकी और धर्मप्रिय होता है। जातक तीर्थयात्रा में रुचि रखने वाला होता है। जातक शास्त्रज्ञ, वेदान्ती, एवं धर्मात्मा होता है। नम्र होता है। वस्त्रादि का दान करने वाला होता है। यज्ञ आदि-इष्टापूर्त में सद्व्यय करने की प्रवृत्ति होगी। अपने काम में चतुर, अपने पक्ष को जीतने वाला होता है। जातक बचन पालनेवाला, वक्ता, पंडित, होता है। स्पष्टवक्ता और विजयी होता है। जातक ज्ञानी और विद्वान् होता है। शुभकार्य में निपुण, व्यसनहीन तथा उपकारी होता है। अपने लाभ को दृष्टिगत रखकर खर्च करने वाला होता है। द्वादशभावस्थ बुध प्रभवान्वित जातक शत्रुविजेता होता है। भाई, बंधुओं से सुखी होता हैं। पिता के भाई (चाचा) सुखी होते हैं। भूमि बहुत प्राप्त होती है। अधिकार योग भी होता है।

लग्न से द्वादश स्थान में बुध पुरुषराशियों में होने से शास्त्रकारों के वर्णित शुभफल मिलते हैं।

अशुभ फल : बारहवें भाव में बुध जातक को आलसी बनाता है। जातक स्वकर्म परिभ्रष्ट होता है। जातक निर्दय-आत्मजनों से परित्यक्त, घूर्त तथा मलिन होता है। जातक खर्चीला, रोगी, पापी-पराधीन-विरुद्धपक्ष को समर्थन करनेवाला होता है। जातक अच्छे पुरुषों के संग से और अच्छे कामों से दूर रहने वाला होता है। अपमानित, दीन और क्रूरर होता है। जातक बंधुओं का वैरी और बुद्धिरहित होता है। दीन-अपठित, निर्धन होता है। जातक अंगहीन-परस्त्री-परघन का लोभी होता है। जातक वेश्याव्यसनी होता है।आत्मीयों पर उपकार नहीं करता है। जातक राजकोप से संतप्त लोकनिंदा से दु:खी होता है।

पापग्रहों के साथ होने से चंचल चित्त का होता है। राजा और प्रजा से द्वेष करता है। विद्वान् नहीं होता है।

बृहस्पति

बृहस्पति प्रथम भाव में

शुभ फल : बृहस्पति-लग्न में रहने पर उत्तम फल मिलता है। जातक का शरीर नीरोग, दृढ़-कोमल, वर्ण गोरा और मनोहर होता है। जातक देवताओं के समान सुंदर शरीर वाला, बली, दीर्घायु होता है। जातक तेजस्वी, स्पष्टवक्ता, स्वाभिमानी, विनीत, विनय-सम्पन्न, सुशील, कृतज्ञ एवं अत्यंत उदारचित होता है। जातक निर्मलचित, द्विज-देवता के प्रति श्रद्धा रखने वाला, दान, धर्म में रूचि रखने वाला, एवं धर्मात्मा होता है। जातक विद्याभ्यासी, विचार पूर्वक काम करनेवाला, सत्कर्म करने वाला, बुद्धिमान्, विद्वान्, पंडित, ज्ञानी तथा सज्जन होता है। आध्यात्मिक रुचि, रहस्य विद्याओं का प्रेमी होता है। जातक मधुर प्रिय होता है तथा सर्वलोकहितकर, सत्य और मधुर वचन बोलता है। स्वभाव स्थिर होता है। स्वभाव से प्रौढ़ प्रतीत होता है तथा सर्वज्जन मान्य होता है। घूमने-फिरने का शौकीन होता है। जातक अपने भाव अपने मन में ही रखता है। जातक प्रतापी, प्रसिद्ध कुल में उत्पन्न होता है। लग्न में बृहस्पति होने से जातक शोभावान्, और रूपवान्, निर्भय, धैर्यवान्, और श्रेष्ठ होता है। सामान्यत: लग्न में किसी भी राशि में गुरु होने से जातक उदार, स्वतंत्र, प्रामाणिक, सच बोलनेवाला, न्यायी, धार्मिक तथा कीर्तिप्राप्त करनेवाला और शुभ काम करनेवाला होता है। मस्तक बड़ा और तेजस्वी दिखता है। जातक का वेश (पोशाक) सुन्दर होता है। जातक सदा वस्त्र तथा आभूषणों से युक्त-सुवर्ण-रत्नआदि धन से पूर्ण होता है। राजमान्य-तथा राजकुल का प्रिय होता है। राजा से मान तथा धन मिलता है। अपने गुणसमूह से ही सर्वदा लोगों में गुरुता (श्रेष्ठता-बड़कप्पन) प्राप्त होती है। गुणों से समाज में मान्य होता है। स्त्री-पुत्र आदि के सुख से युक्त होता है। पुत्र दीर्घायु होता है। बचपन में सुख मिलता है। सभी प्रकार के सुख प्राप्त करता है। विविध प्रकार के भोगों में धन का खर्च करता है। जातक शत्रुओं के लिए विषवत् कष्टकर होता है। विघ्नों को गुरु तत्काल नाश करता है। जीवनयात्रा के अन्त में विष्णुलोक की प्राप्ति होती है। शरीर छोड़ने पर जातक की उत्तमगति होती है अर्थात् स्वर्गगामी होता है।

पृथ्वीराशि में होने से स्वाथीर्, अभिमानी, विश्वासु, मदद करनेवाला होता है।

अशुभफल : अल्पवीर्य-अर्थात् अल्पबली-कमजोर होता है। शरीर में वात और श्लेष्मा के रोग होते हैं। झूठी अफवाहों से कष्ट होता है। धनाभाव बना ही रहता है। लग्नस्थ गुरु के फलस्वरूप माता-पिता दोनों में से एक की मृत्यु बचपन में सम्भव है।लग्न स्थान का गुरु द्विभार्या योग कर करता है। विवाहाभाव योग भी बन सकता है। लग्नस्थ गुरु पुलिस, सेना-आबकारी विभागों में काम करने वालों के लिए नेष्ट है। अर्थात ये विभाग लाभकारी नहीं होंगे।

गुरु शत्रुग्रह की राशि में, नीच राशि में, पापग्रह की राशि में या पापग्रह के साथ होने से जातक नीचकर्मकर्ता तथा चंचल मन का होता है।

मध्यायु होता है। पुत्रहीन होता है। अपने लोगों से पृथक हो जाता है। कृतघ्न, गर्वीला, बहुतों का बैरी, व्यभिचारी, भटकनेवाला अपने किए हुए पापों का फल भोगनेवाला होता है।

वृष-कन्या, मकर, कुम्भ-वृश्चिक राशियों में लग्नभाव का गुरु होने से आयु के उत्तरार्ध में वातरोग होने सम्भव हैं।

मेष, मिथुन, कर्क, कन्या-मकर को छोड़ अन्य लग्नों में गुरु होने से जातक भव्य भाल का, विनोदी स्वभाव का, किसी विशेष हावभाव से बातें करने वाला होता है।

वृष और कन्या लग्न में सांसारिक सुख में कमी रहती है।

जातक हठी-स्वार्थी तथा अहंमन्य होता है। अपना स्वार्थ मुख्य है-यही जातक की धारणा है इसके अनुसार दूसरों की सहायता करता है।

वृष, कर्क, कन्या तथा वृश्चिक राशियों में गुरु होने से बहुभोजी होता हैं।

गुरु वृष-कन्या, तुला, मकर, कुम्भ लग्नों में होने से अनिष्ट फलदायक होता है।

गुरु वृष, कन्या, तुला राशियों में होने से अल्प धन प्राप्ति होती है।

वृष, सिंह, वृश्चिक तथा कुम्भ लग्न में गुरु होने से निम्नवर्ग स्त्रीगामिता दोष नहीं होता।
लग्नस्थ गुरु अशुभ सम्बन्ध का अच्छा फल नहीं देता है।
लग्नस्थ गुरु चन्द्रयुति का फल भी नेष्ट है।
लग्नस्थ गुरु का फल साधारणत: अच्छा है परन्तु कष्ट भी कराता है। परन्तु यह कष्ट किसी तरह निभ जाता है।

♀ शुक्र ♀

शुक्र एकादश भाव में

शुभ फल : ग्यारहवें भाव मे शुक्र अत्यन्त शुभ फल देता है। लाभभाव में शुक्र होने से जातक का शरीर नीरोग, तथा स्वरूप अत्यन्त देदीप्यमान, आकर्षक होता है। जातक गुणवान्-अच्छे स्वभाव का, अत्यन्त सुशील, परोपकारी, उदार, सदाचारसम्पन्न होता है। जातक उत्तम गुणों से युक्त, हास्यप्रिय, सत्यभाषण करनेवाला होता है। भृगु पुत्र शुक्र लाभभव में होने से जातक की रुचि गायन विद्या, नृत्य आदि कलाओं में होती है। जातक संगीत और नृत्य का आदर करनेवाला होता है। जातक के घर मे संगीत का वातावरण रहता है। जातक की चितवृत्ति सदा शुभकर्मों की ओर लगी रहती है, तथा आचरण शास्त्रानुकूल, धार्मिक होता है। जातक ज्ञानवान् होने से ईश्वरभक्त होता है। सभा में वचनचातुरी से कीर्तियुक्त होता है। किसी प्रकार का शोक नहीं होता है। उसकी इच्छायें पूरी होती हैं। एकादश भाव में स्थित शुक्र के प्रभाव से सभी प्रकार की समृद्धि और सम्पन्नता रहती है। प्रतिदिन धनागम होता रहता है, अर्थात् जातक की धनवृद्धि प्रतिदिन दिन-दूनी रात-चौगुनी होती रहती है। सर्वविधि भोग भोगने वाला, ऐश्वर्यवान्, प्रभुत्व सामर्थ्यवान् राजा के समान सामर्थ्ययुक्त, एक प्रकार से राजा ही होता है। ग्यारहवें भाव में शुक्र होने से विलासी, वाहनसुखी, स्थिरलक्ष्मीवान्, लोकप्रिय, जौहरी, धनवान् होता है। एकादश भाव में स्थित शुक्र से व्यक्ति व्यापार से लाभ कमाता है। राजकीय व्यक्तियों से लाभ होने की अधिक संभावना रहती है। स्त्रियों के सम्बन्ध से, घूमने-फिरने के व्यवसाय से मोती-चाँदी आदि के व्यापार से काफी धन मिलता है। एकादशस्थान का शुक्र शुभ होता है। अत: प्रत्येक ग्रन्थकार ने अच्छा फल लेखनीविद्ध किया है। गाँव या शहर के सम्बन्ध से और इमारतें बनवाने के कामों से धन का लाभ होता है। एकादशभाव का शुक्र अच्छे मित्रों की मदद से प्रगति करता है। विख्याति और यश देने वाले काम करने की योग्यता प्राप्त होती है। विवाह से भी धनलाभ होता है। स्त्रियों के आश्रय से भग्योदय होता है। मित्रों के परिवारों से विवाह सम्बन्ध होते हैं। जातक रत्नरूपा उत्तम स्त्री तथा रत्नों से युक्त होता है। लाभभाव में शुक्र के होने से जातक को स्त्रियों का सुख विपुलमात्रा में मिलता है। जातक को बहुत प्रकार के वाहन, घोड़ा-हाथी-गाड़ी-स्कूटर मोटर आदि प्राप्त होता है। वह नौकरों से युक्त होता है। जातक के दास और भृत्य आज्ञा के अधीन चलने वाले होते हैं। पुत्र एवं पुत्रियों का सुख होता है। शत्रुगण सतत भयभीत रहते है। आसमुद्रान्त निर्मलकीर्ति निरन्तर प्राप्त होती है।

मंगल से शुभयोग होने से आकस्मिक प्रेम से अच्छा लाभ होता है।

अशुभ फल : यदि जातक का जन्म नीच वर्ग का हो तो भाग्योदय 22 वर्ष से सम्भावित होता है। यदि जातक उच्चवर्ग से हो तो भाग्योदय की सम्भावना 32 वें वर्ष से होती है। जातक को सदैव मानसिक चिन्ताएँ लगी रहती है। परस्त्री रतिलोल्लुप, परांगना में आसक्त होता है।

शुक्र पापग्रहों से युक्त होने से बुरे कामों से धन का लाभ होता है।

एकादश शुक्र मंगल, शनि, हर्षल या नेपच्यून से युक्त होने से अशुभफल मिलते हैं।

यदि यह शुक्र स्त्रीराशियों में हो तो पुत्र अधिक और कन्याएं कम होती हैं। एकादशस्थशुक्र के जातकों का आचरण दूषित होता है। पथभ्रष्टास्त्रियों से अनुचित तथा अवैध सम्बन्ध रहता है। ये कृपण और कंजूस होते हैं इनके विरुद्ध अफवाहों का बाजार गर्म रहता है-ये स्वार्थी तथा मित्रता की फिक्र न करने वाले होते हैं।

कर्क, वृश्चिक तथा मीन में शुक्र हो तो संतति का अभाव रहता है वा केवल कन्याएँ होती हैं। इस स्थान के शुक्र के होने से द्विभार्यायोग हो सकता है।

♄ शनि ♄

शनि तृतीय भाव में

शुभ फल : शनि के प्रमुख शुभ लक्षण न्यायी, प्रामाणिक, चतुर होना-जातक में पाए जाते हैं। जातक की बुद्धि गहरी और सलाह अच्छी होती है। ज्योतिष आदि गूढ़ शास्त्रों में रुचि होती है। तृतीय भाव में शनि होने से जातक नीरोगी, योगी, मितभाषी, विद्वान, शीघ्र कार्यकर्ता, मल्ल, सभाचतुर, विवेकी, प्रतापी, शत्रुहन्ता, भाग्यवान् एवं चंचल होता है। धनवान्, कुलीन तथा गुणवान् होता है। जातक शस्त्र और शास्त्र, बुद्धि और बल में अद्वितीय होता है। तीसरे भाव में शनि के रहने से जातक विजयी, धनी, धार्मिक विचारवाला होता है। जातक को अजेय सामर्थ्य प्राप्त होती है। जातक अपनी कीर्ति से चारों दिशाओं को धवलित कर देता है अर्थात् जातक दिगंत कीर्ति होता है। बिना किसी भेदभाव के सभी का पालन-पोषण करता है। जातक राजमान्य, उत्तमवाहनयुक्त, गाँव का मुखिया होता है। तृतीयभाव में शनि होने से मित्र बढ़ते हैं धन का लाभ होता है। जातक स्त्रियों को प्रिय होता है। स्त्रीसुख मिलता है। शनि उच्च या स्वक्षेत्र में होने से भाइयों की वृद्धि होती है। जातक कम खाता है।

तृतीयस्थ शनि के शुभफल मेष, सिंह, धनु, कर्क, वृश्चिक तथा मीन में अनुभव में आते हैं।

अशुभ फल : तृतीयभाव में शनि होने से जातक श्यामवर्ण होता है। शरीर गन्दा रहता है। आलसी और दु:खी होता है। जातक सम्मान तथा सत्कार करनेवालों से भी दुष्टता तथा कृतघ्नता का ही व्यवहार करता है। जातक की आशाएं तृष्णाएँ अतृप्त रहती हैं। जिसके कारण कभी भी पूर्णतया सुखी नहीं रहता है। जातक अटूट परिश्रम तथा उद्योग करता है किन्तु मन अशान्त ही रहता है क्योंकि उद्योगी होने पर भी सफलता प्राप्त नहीं होती है। विघ्नों के बाद ही जातक का भाग्योदय होता है-अर्थात् ऐश्वर्य-धन-आदि की प्राप्ति के पूर्व बहुत ही विघ्नों का सामना करना पड़ता है। शनि तृतीयभाव में हो उसे धन द्वारा किए गए व्यापार से अधिक आनन्द नहीं होता है, अर्थात् व्यापार से यथेच्छ पूर्ण धन नहीं मिलता है। शिक्षा पूरी नहीं होती है। प्रवास से लाभ नहीं होता है। लेखन, ग्रन्थों के प्रकाशन आदि में रुकावटें आती हैं। प्रवास में बरसात या ठंडे मौसम के कारण अस्वस्थता होती है। जातक के शरीर में दोषजन्य पीड़ा रहती है। जातक के हाथ कमजोर रहते हैं अथवा उनमें किसी प्रकार की चोट लगने की संभावना बन जाती है। जातक को अपने सहोदर भाई-बहनों का सुख नही मिलता है। भाई-बन्धुओं से मनमुटाव होने से चित्त अशान्त तथा अस्वस्थ रहता है। तृतीय शनि भाइयों के लिए मारक होता है। छोटे भाई की मृत्यु होती है। भाई -बहिनों तथा संतति का नाश होता है। शनि से भाइयों में बँटवारा होता है। एकत्र रहना नहीं होता है, एकत्र रहें तो भाग्योदय में रुकावटें आती हैं। आर्थिक स्थिति सोचनीय हो जाती है।

स्त्रीराशि का तृतीयस्थ शनि भ्रातृनाशक नहीं होता है अपितु भाइयों में परस्पर वैमनस्य का कारण होता है।

शनि पीड़ित या निर्बल होने से रिश्तेदार, भाई वन्द, पड़ोसी आदि से बनती नहीं, अत: उनसे सुख नहीं मिलता है।

बुध से अशुभयोग होने से चोरी की प्रवृत्ति निर्माण करता है।

राहु

राहु षष्ठ भाव में

शुभ फल : छठेभाव में राहु अरिष्टनिवारक होता है। सब अरिष्ट दूर करता है। संकट नष्ट होते हैं। छठे स्थान में राहु होने से जातक प्रबल पराक्रमी, शक्ति-सम्पन्न होता है। जातक उदारहृदय, धैर्यवान्, स्थिरचित, मतिमान् तथा बुद्धिमान् होता है। साहसिक कार्य कराता है एवं बड़े-बड़े कार्य करनेवाला होता है। शरीर नीरोग, नीरोगी, महान् बलशाली, और दीर्घायु होता है। जातक शत्रुनाशक, शत्रुहन्ता, शत्रुओं को जीतनेवाला वाला होता है। शत्रुओं से कष्ट नहीं होता है। राजा जैसा मान्य और विख्यात होता है। राजा की कृपा होती है। विधर्मियों द्वारा लाभ, धन प्राप्ति होती है। राहु छठेभाव में होतो मनुष्य को म्लेच्छ राजा से धनलाभ होता है, बड़ा अमीर होता है। जातक वाहन, भूषण, अधिक धन से युक्त तथा भाग्यवान् होता है। राहु के साथ शुभग्रह होने से धन का सुख मिलता है। जातक बहुत सुखी और कुलीन होता है। जातक की पत्नी अच्छी होती है।

अशुभ फल : जातक उग्रकुल में उत्पन्न होता है। जातक बलहीन, बुद्धिहीन, मातृपितृद्वेषी होता है। जातक व्यभिचारी होता है। जातक निम्नश्रेणी (दुष्ट व्यक्तियों) के साथ मैत्री कराता है। जातक का सम्बन्ध म्लेच्छों से अर्थात् विदेशियों से होता है। जातक शत्रुओं से पीड़ित रहता है। जातक की कमर में पीड़ा होती है। कटिदेश में रोग होता है। छठे में राहु के होने से पेट में ब्रण होता है। छठेभाव में राहु होने से जातक को दाँत या होंठ के रोग होते हैं। जातक को सेना या जहाजों की नौकरी से खतरा होता है। राहु नौकरी के लिए अच्छा नहीं है-प्रगति कठिनता से हो पाती है। पैन्सन लेने से सुख होता है। जातक नीचों के व्यवसाय करता है। जातक निर्धन और चोर होता है। बचपन अच्छा नहीं व्यतीत होता, नजर लग जाती है-पिशाचबाधा होती है, नखविष फैलता है-मस्तिष्क के रोग आदि से कष्ट होता है। कहीं-कहीं पर मिरगी-कोढ़ आदि उपद्रव भी होते हैं। षष्ठ भाव के राहु से जातक की मृत्यु, लकड़ी या पत्थर के आघात से, चौपाए पशु द्वारा, पेड़ पर से गिरने से, अथवा पानी में डूबने से होती है। राहु छठे होने से मामा नि:संतान होता है अथवा सिर्फ कन्याएँ होती हैं। मामा के वंश का कोई व्यक्ति विदेश में मरता है। मौसी की संतान की मौत होती है, वह विदेश जाती है, विधवा होती है। चाचा, मामा आदि से कोई सुख प्राप्त नहीं होता है। पिता या मामा का चितस्थिर नहीं होता है। जातक के पशुओं को पीड़ा होती है। इस भाव के राहु से जातक परस्त्रीगामी होता है।

राहु क्रूरग्रह से पीड़ित होने से जातक गुदरोगी होता है।

पुरुषराशि का षष्ठ में राहु होने से खेलों में चोटें लगती हैं-पोलो आदि में अपघात से कष्ट होता है।

छठेभाव में राहु पुरुषराशियों में होने से उपर दिये अशुभफल अनुभूत होंगे।

केतु

केतु द्वादश भाव में

शुभ फल : बारहवें भाव में केतु उत्तरोत्तर उन्नति प्रदान करता है। आंखें सुन्दर होती हैं, शिक्षा अच्छी होती है। राजा के समान सुख-ऐश्वर्य देता है। कवि-शास्त्रज्ञ और राजा जैसा संपन्न होता है। शत्रुओं को पराजित करता है, शत्रुओं का नाश करनेवाला होता है। वाद-विवाद में सर्वदा विजय प्राप्त करता है।धन सत्कार्यो में खर्च होता है - जातक का धन अच्छे कामों में खर्च होता है। मनुष्य राजा समान ऐश्वर्य सम्पन्न होकर राजा जैसा खर्च करता है।

बुध से युक्त होने से व्यापार में सफल होता है।

अशुभ फल : जन्मलग्न से द्वादशभाव में केतु झूठा और धोखेबाज बनाता है। जातक चंचल बुद्धि, धूर्त, ठग, अविश्वासी एवं जनता को भूत-प्रेतों की जानकारी द्वारा ठगनेवाला होता है।जातक गुप्तपाप करनेवाला, अधम, उलटे मार्ग से चलनेवाला, लड़ाई में डरपोक, शुभ काम से रहित होता है। जातक के मन में अशांति रहती है। जातक खर्चीला, निर्धन, दीन और कंजूस होता है। जातक पुरानी संपत्ति को नष्ट करनेवाला होता है।जातक बुरे कामों में खर्च करता है। आंख के रोग से पीड़ित होता है। नाभि के निकट, नाभि के नीचे के स्थान में, वस्ति में रोग से पीड़ित होता है।गुदा में या गुह्यभाग में रोग होते हैं। पैर, पावों में रोग से पीड़ा होती है। जातक को मामा से सुख नहीं मिलता है। द्वादशस्थ केतु प्रभावयुक्त जातक बहुत प्रवास करता है।

भावेश फल

लग्नेश - एकादश स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

लग्नेशे द्वितीये लाभे स लाभी प्रण्डितो नरः।
सुशीलो धर्मविन्मानी बहुदारगुणैर्युतः।।

यवन जातक के अनुसार -

सुबहुजीवित आयगते नरस्तनुपतौ शुभभावसमन्विते।
गजरथाश्वसकोशनृपात् सुखं विविध कीर्ति विवेकविचारण।।

गर्ग संहिता के अनुसार -

एकादशगस्तनुपः सुजीवितं सुतसमन्वितं विदितम् तेजः।
कलितं कुरुते पुरुषं बलिनं न सीदतिचेत्।।

लग्नेश लाभस्थन में होने से जातक कई प्रकार से लाभ प्राप्त करता है, पण्डित, अच्छा आचरण करनेवाला, धर्म का जानकार, अभिमानी, बहुत स्त्रियों से युक्त होता है। शुभ ग्रह से युक्त हो तो दीर्घायु होता है। हाथी, रथ, घोड़े खजाना आदि का सुख राजा से प्राप्त होता है, कीर्ति मिलती है, विवेकपूर्वक विचार करने वाला होता है। निर्बल न हो तो दीर्घायु, प्रसिद्ध, तेजस्वी, बलवान एवं पुत्रों से युक्त होता है। मित्र अच्छे मिलते हैं, धन व अन्य अनेक प्रकार के लाभ हमेशा होते रहते हैं।

धनेश - द्वादश स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

धनेशे व्ययगे मानी साहसी धनवर्जितः।
विक्रमी नृपमेखवासी ज्येष्ठपुत्रसुखं न हि ।।

यवन जातक के अनुसार -

विदेशगो दुष्टमना व्ययाश्रितो द्रव्याधिपः पापरतो जडात्मा।
कापालिको म्लेच्छजनाभिसक्तः क्रूररोतिचौरो बलवान् नरः स्यात्।।

मानसागरी के अनुसार -

द्रविणपतौ व्ययलीने पुरुषः कृपणो धनवर्जितः क्रूरे।
सौम्ये लाभालाभख्यातो नरो भवेज्जातः।

धनेश द्वादशभाव में होने से मनुष्य अभिमानी, साहसी, पराक्रमी, राजनीति में चतुर किन्तु निर्धन होता है तथा इसे ज्येष्ठ पुत्र का सुख नहीं मिलता। विदेश जानेवाला, दुष्ट, मूर्ख कापालिक (जो देवी-देवताओं को नरबलि देते हों), म्लेच्छ लोगों से मेलजोल रखनेवाला, निर्दय, चोर, बलवान होता है।

अनुभव: धनेश बुध होने के कारण जातक को कुछ नुकसान होता है तथा कीर्ति मिलती है। लड़ाई में निपुण होता है। पैसा ऐश-आराम व बुरे कामों में खर्च होता है, चाचा इसके धन का अपहरण करते हैं, राजा द्वारा दण्ड, धोखेबाजी या बुरी आदतों से धन नष्ट होता है।

तृतीयेश - लग्न में

लोमेश संहिता के अनुसार -

तृतीयेशे तनौ लाभे स्वभुजार्जितवितवान्।
सुखो कृशो महाक्रोधी साहसी जनसेवकः।।

यवन जातक के अनुसार -

सहजपतौ लग्नगते स्त्रीस्वादलम्पटः स्वजनभेदः।
सेवां करोति मित्रे भवेत् कटुकरः पण्डितः पुरुष।।

गर्ग संहिता के अनुसार -

सहजपतौ लग्नगते वाग्वादी लम्पटः।
स्वजनभेदी सेवापरः कुमित्रः क्रूररो वा भवति पुरुषश्च।।

तृतीयेश लग्न में होने से जातक अपनी मेहनत से धनवान होता है। सुखी, दुबला, बहुत क्रोधी, साहसी लोगों की सेवा करनेवाला होता है। कामुक, खाद्यपदार्थों का लालची, अपने लोगों में फूट डालनेवाला, नौकरी करनेवाला, मित्रों से कड़वी बातें कहनेवाला तथा विद्वान होता है। वाद-विवाद करने वाला, अपने लोगों में फूट डालने वाला, नौकरी करने वाला, क्रूर, बुरे मित्रों से युक्त होता है। साहसी, झगड़ालू, महत्वाकांक्षी व बड़ा उद्योगपति होता है। पराक्रमी तथा स्वच्छन्द प्रवृत्ति का होता है।

चतुर्थेश - लग्न स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

सुखेशे सप्तमें लग्ने बहुविद्यासमन्वितः।
पित्रार्जितधनत्यागी सभायां मूकवाद् भवेत्।।

यवन जातक के अनुसार -

सुखपतौ सुखवाहनभोगवांस्तनुगते तनुते धवलं यशः।
जनकम तृसुखौधकरं परं सुभगलाभयुतं निरुजवपुः।।

चतुर्थेश लग्न में होने से जातक बहुत विद्वान, पिता के धन को गंवानेवाला और सभाओं में चुप बैठनेवाला होता है। सुखी, वाहन और उपभोगों से युक्त, कीर्तिमान, सुन्दर, नीरोग तथा माता-पिता के सुख से युक्त होता है, इसे बहुत लाभ होता है। पिता व पुत्र में स्नेह रहता है पिता के नाम से यह सुप्रसिद्ध होता है। किन्तु चाचा आदि पिता के सम्बन्धियों से शत्रुता होती है। धनवान, जायदाद व वाहनों का सुख प्राप्त करनेवाला होता है।

पंचमेश - व्यय स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

सुतेशं षष्ठरि:फस्थे पुत्रशत्रुत्वमाप्नुयात्।
मृत्युतो ग्राह्मपुत्रोवा धनपुत्रोथवाभवेत्।।

यवन जातक के अनुसार -

व्ययगतोन्यपकृत् सुतनायको विगतपुत्रसुखं खचरै: खलै:।
सुतयुत च शुभै: कुरुते नरं स्वपरदेशगमागमनोत्सुकम्।।

गर्ग जातक के अनुसार -

पंचमेशे द्वादशगे कूररे सुतरहित: शुभे ससुत:।
सुतसंतापकृप्तो विदेशगमनोद्यतो मनुज:।।

पंचमेश व्ययस्थान में होने से जातक के पुत्र मर जाते हैं, दत्तक पुत्र लेना पड़ता है या कोई लड़का खरीदकर पाला जाता है, या पुत्र से शत्रुता होती है। पापग्रह हो तो पुत्रहीन तथा शुभग्रह हो तो पुत्रयुक्त होता है, अपने देश और विदेश में जाने आने की उत्सुकता रहती है। पुत्रों के कष्ट से विदेश में जाना चाहता है। बुद्धि के दुरुपयोग से आपत्ति व दरिद्रता से कष्ट होता है।

अनुभव: पंचमेश बुध होने के कारण ऊपर वर्णित शुभ फल अनुभव होते हैं।

षष्ठेश - लाभ स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

षष्ठेशे सप्तमें लाभे लग्ने वा पशुमान् भवेत्।
धनवान् गुण्वान् मानी साहसी पुत्रवर्जित:।।

यवन जातक के अनुसार -

भवगतेऽरिपतौ खलसंगमो रिपुजनान्मरणं खलुजायते।
नृपतिचौरजनाद्धनहानिकृत् शुभखगै: सततं शुभकृद भवेत्।।

गर्ग जातक और मानसागरी के अनुसार -

यवनजातक जैसा वर्णन है, सिर्फ
चतुष्पदाल्लाभवान् मनुज: इतना अधिक बतलाया है।

षष्ठेश लाभ में होने होने से जातक धनवान, गुणवान, अभिमानी, साहसी, पशु पालनेवाला, किन्तु पुत्रहीन होता है। षष्ठेश पापग्रह (रवि, मंगल तथा शनि) लाभ में हो तो जातक दुष्टों की संगति में रहता है, शत्रु से उसकी मृत्यु होती है, राजा तथा चोरों से धनहानि होती है, शुभग्रह हो तो हमेशा शुभ फल मिलता है। चौपाये पशुओं से लाभ होता है। जातक को बड़े लाभ नहीं होते, मित्रों से शत्रुता होती है।

अनुभव: षष्ठेश शुक्र होने के कारण ऊपर वर्णित शुभ फल अनुभव होते हैं।

सप्तमेश - लाभ स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

द्वयनेशे सहजे लाभे मृतपुत्रोपि जायते।
कदाचित् जीवति कन्या पश्चात् पुत्रोपित जीवति।।

यवन जातक के अनुसार -

भवगते तु कलत्रपतौ सदा स्वदयिता प्रियकृच्च तथ सती।
अनुचरी स्वधवस्य सुशीलिनी वसुमती कलना पितृसंश्या।।

गर्ग जातक के अनुसार -

लाभस्थे जायेशे भक्ता रूपान्विता सुशीला च।
दयिता परिणीता स्याद् म्रियते सा च प्रसवसमये।।

सप्तमेश लाभस्थान में होने से जातक के पुत्र जन्मते ही मरते हैं, कदाचित कन्या जीवित रहती है, बाद में पुत्र भी जीवित रहते हैं। पत्नी पति पर प्रेम करनेवाली, पति का कहना माननेवाली, सदाचारी, धनी, होती है, उसे पिता के विषय में संदेह रहता है। पत्नी सुन्दर, सुशील, प्रिय, प्रेम करनेवाली होती है किन्तु प्रसूति में उसकी मृत्यु सम्भव होती है। सन्तति को कष्ट होता है। धन, पुत्र तथा मित्रों का सुख अच्छा मिलता है।

अनुभव: सप्तमेश मंगल होने के कारण ऊपर वर्णित अशुभ फल अनुभव होते हैं।

अष्टमेश - लग्न में

लोमेश संहिता के अनुसार -

अष्टमेशे तनौ कामे भार्याद्वयं समादिशेत्।
विष्णुद्रोहरतो नित्यं व्रणरोग: प्रजायते।।

यवन जातक के अनुसार -

मृतिपतिस्तनुगो बहुदु:खकृद् भवति वा बहुरुष्टविवादकृत्।

गर्ग जातक व मानसागरी के अनुसार -

यवनजातक जैसा ही वर्णन है।

अष्टमेश लग्न में होने से जातक के दो विवाह होते हैं, यह ईश्वर का विरोधी तथा व्रण-रोग से पीड़ित होता है। बहुत दुखी, क्राधी, विवाद करनेवाला, शुजली से पीड़ित होता है, इसे राजा से धनलाभ होता है। शरीर सुख कम मिलता है।

अनुभव : अष्टमेश गुरु होने के कारण ऊपर वर्णित फल अनुभव नहीं होते हैं।

नवमेश - तृतीय स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

भाग्येशे सहजे वित्ते सदा भाग्यानुचिन्तक:।
धनवान् गुणवान् कामी पण्डितो जनवल्लभ:।।

यवन जातक के अनुसार -

सुकृतपे सहजस्थलगे तथा भवति रूपयुतो जनवल्लभ:।
स्वजनबन्धुजनप्रतिपालको विदितकर्मकरो यदि जीवति:।।

गर्ग जातक व मानसागरी के अनुसार -

सहजगते सुकृतपतौ रूपस्त्रीबन्धुवत्सल: पुरुष:।
बन्धुस्त्रीरक्षणकृद् यदि जीवति बन्धुभि: सहित:।।

नवमेश तृतीयस्थान में होने से जातक हमेशा अपने भाग्य के बारे में सोचता है, गुणवान, धनवान, कामुक, विद्वान तथा लोकप्रिय होता है। जीवित रहे तो सुन्दर, लोकप्रिय, अपने सम्बन्धियों का पालन करनेवाला तथा प्रसिद्ध काम करनेवाला होता है। रूपवान होता है, पत्नी व भाइयों पर स्नेह रखता है, उनका पालन करता है, बन्धुओं के साथ रहता है। जातक अपने पराक्रम से भाइयों के साथ उन्नति करता है तथा लोगों में प्रसिद्ध होनेवाले कार्य करता है।

अनुभव : नवमेश शनि होने के कारण ऊपर वर्णित अशुभ फल अनुभव होते हैं तथा बन्धुसुख का अनुभव नहीं होता है।

दशमेश - तृतीय स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

धने मदे च सहजे कर्मेशो यदि सस्थित:।
मनस्वी गुणवान् कामी सत्यधर्मसमन्वित:।।

यवन जातक के अनुसार -

स्वजनमातृविरोधकर: सदा बहुलसेवककर्मकरो भवेत्।
तदनु मातुलपुत्रसुखोल्पको नहि समर्थवपु: पृथुकर्मणि।।

गर्ग जातक व मानसागरी के अनुसार -

यवनजातक जैसा ही वर्णन है,
सिर्फ़ मामा के घर पालन होता है अधिक बतलाया है।

दशमेश तृतीय में होने से जातक अभिमानी, गुणवान, कामुक, सत्य और धर्म से युक्त होता है। माता तथा स्वजनों का विरोध करता है, सेवक का काम करता है, मामा के पुत्र से थोड़ा सुख मिलता है, बड़े काम के योग्य शरीर में सामर्थ्य नहीं होता। जातक दीर्घ उद्योग करेगा, स्वतन्त्र विचार रखेगा, महत्वाकांक्षी, साहसी, होगा, जीविका स्वतन्त्र रूप से कमायेगा तथा नौकरी का तिरस्कार करेगा। स्वच्छंद प्रवृत्ति का होगा।

अनुभव : दशमेश शनि होने के कारण ऊपर वर्णित अशुभ फल अनुभव होते हैं।

लाभेश - लग्न स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

लाभेशे संस्थिते लग्ने धनवान् सांत्विको महान्।
समदृष्टिर्महावक्ता कौतुकी च भवेत् सदा।।

यवन जातक के अनुसार -

भवति ना सुभग: स्वजनप्रिय: कलित एव वदान्यकपुत्रवान्।
भवपतौ तनुगे च सुकृत्तमो नृपतितो धनलाभकर: सदा।।

गर्ग जातक व मानसागरी के अनुसार -

अल्पायुर्बहुकलित: शूरो दाता जनप्रिय: सुभग:।
लाभपतौ लग्नगते तृष्णदोषन्मृतिं लभते।।

लाभेश लग्न स्थान में होने से जातक बहुत सात्विक प्रवृत्ति का, धनवान, समदृष्टि वाला, बड़ा वक्ता, कौतुक युक्त होता है। जातक सुन्दर, अपने सम्बन्धियों को प्रिय, उदार पुत्रों से युक्त, अच्छे कार्य करने वाला, राजा से धन प्राप्त करनेवाला होता है। अल्पायु, बहुत कलाओं में प्रवीण, शूर, उदार, लोकप्रिय, सुन्दर होता है। जातक का ध्यान धन की ओर रहेगा तथा इसे बहुत धन मिलेगा। तृष्णा से इसकी मृत्यु होती है।

अनुभव : लाभेश गुरु होने के कारण ऊपर वर्णित शुभ फल अनुभव होते हैं।

व्ययेश - लाभ स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

व्ययेशे दशमे लाभे पुत्रसौख्यं भवेन्नहिं ।
मणिमाणिक्यमुक्ताभिर्धनं किंचत्ि समालभेत।।

यवन जातक के अनुसार -

धनयुतो बहुजीवितयुक् पुमान् न च खल: प्रमदश्च उदारघी:।
भवगे सति सत्यवाक् सकलकार्यकर: प्रियवाग् भवेत्।।

गर्ग जातक व मानसागरी के अनुसार -

यवनजातक जैसा वर्णन है, सिर्फ अपने स्थान में
श्रेष्ठ व प्रसिद्ध होना इतना फल अधिक बताया है।

व्ययेश लाभ में होने से जातक को पुत्रसुख नहीं मिलता, हीरे, जवाहरात, मोती आदि के रूप में कुछ धन मिलता है। जातक धनी, दीर्घायु, सदाचारी, खुशमिजाज उदारबुद्धि, सच बोलनेवाला, सब काम करनेवाला, मीठा बोलनेवाला होता है। जातक अपने स्थान में श्रेष्ठ व प्रसिद्ध होगा। जातक को बड़े लाभ नहीं होते, मित्रों के कारण संकट आते हैं।

अनुभव : व्ययेश मंगल होने के कारण ऊपर वर्णित अशुभ फल अनुभव होते हैं।

मंगली-दोष विचार

1. अगस्त्य संहिता के अनुसार -

धने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।
भार्या भर्तु विनाशाय भर्तुश्च स्त्री विनाशनम्।।

2. मानसागरी के अनुसार -

धने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।
कन्या भर्तुविनाशाय भर्तु: कन्या विनश्यति।।

3. बृहत् ज्योतिषसार के अनुसार -

लग्ने व्यये चतुर्थे च सप्तमे वा अष्टमे कुज:।
भर्तारं नाशयेद् भार्या भर्ताभार्या विनाश्येत्।।

4. भावदीपिका के अनुसार -

लग्ने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।
स्त्रीणां भर्तु विनाश: स्यात् पुंसां भार्या विनश्यति।।

5. बृहत् पाराशर होरा के अनुसार -

लग्ने व्यये सुखे वापि सप्तमे वा अष्टमे कुजे।
शुभ दृग् योग हीने च पतिं हन्ति न संशयम्।।

उपरोक्त श्लोकों का भावार्थ यह है कि जन्म लग्न से प्रथम, द्वितीय, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम या द्वादश स्थान में मंगल स्थित होने पर मंगल दोष या कुज दोष होता है।

कुछ आचार्यों के अनुसार लग्न के अतिरिक्त चन्द्र लग्न, शुक्र या सप्तमेश से इन्हीं स्थानो में मंगल स्थित होने पर भी मंगली दोष होता है।

शास्त्रोक्ति है -

लग्नेन्दु शुक्राद् दु:स्थाने यद्यस्ति क्षिति संभव:।
तद्दशापाक समये दोषमाहुर्मनीषिण:।।

यदि मंगल लग्न, चंद्रमा या शुक्र से दु:स्थान में स्थित हो तो उसकी दशा में अशुभ फल प्राप्त होते हैं।

सामान्यत: मंगल दोष को लग्न व चन्द्र से देखा जाता है।

demo की कुण्डली में मंगल लग्न से ग्यारह भाव में स्थित है और चन्द्र लग्न से ग्यारह भाव में स्थित है। अत: **demo** जन्म लग्न व चन्द्र लग्न दोनों से मांगलिक नहीं हैं।

मंगली दोष का फल

मंगली दोष वैवाहिक जीवन को विभिन्न प्रकार से प्रभावित करता है - विवाह में विघ्न, विलम्ब, व्यवधान या धोखा, विवाहोपरान्त दम्पति में से किसी एक अथवा दोनों को शारीरिक, मानसिक अथवा आर्थिक कष्ट, पारस्परिक मन-मुटाव, आरोप-प्रत्यारोप तथा विवाह-विच्छेद। अगर दोष अत्यधिक प्रबल हुआ तो दोनों अथवा किसी एक की मृत्यु हो सकती है।

फिर भी मंगली दोष से भयभीत या आतंकित नहीं होना चाहिये। प्रयास यह करना चाहिये कि मंगली का विवाह मंगली से ही हो क्योंकि मंगल-दोष साम्य होने से वह प्रभावहीन हो जाता है तथा दोनों सुखी रहते हैं।

दम्पत्योर्जन्मकाले व्ययधनहिबुके सप्तमे लग्नरन्ध्रे। लग्नाच्चन्द्राच्च शुक्रादपि भवति यदा भूमिपुत्रो द्वयोर्वै।।
तत्साम्यात्पुत्रमित्रप्रचुरधनपतां दंपती दीर्घ-काला। जीवेतामेकहा न भवति मश्तिरिति प्राहुरत्रात्रिमुख्या:।।

अर्थात यदि वर और कन्या के जन्मांग में मंगल द्वितीय, द्वादश, चतुर्थ, सप्तम अथवा अष्टम भाव में लग्न, चंद्रमा अथवा शुक्र से समभाव में स्थित हो तो समता का मंगल दोष होने के कारण वह प्रभावहीन हो जाता है। परस्पर सुख, धनधान्य, संतति, स्वास्थ्य एवं मित्रादि की उपलब्धि रहती है।

कुज दोष वत्ती देया कुजदोषवते किल। नास्ति दोषो न चानिष्टं दम्पत्यो सुखवर्धनम्।।

मंगल दोष वाली कन्या का विवाह मंगल दोष वाले वर के साथ करने से मंगल का अनिष्ट दोष नहीं होता तथा वर-वधू के मध्य दाम्पत्य-सुख बढ़ता है।

मंगली दोष परिहार के उपाय

मंगली दोष की शान्ति के लिये प्रमुख उपाय हैं -

* मंगलवार का व्रत रखें। दिन में नमक के बिना तरल भोज्य पदार्थ (चाय, काफी, दूध, लस्सी, फलों के रस) लें। सायंकाल थाली में रोली से त्रिकोण बनाएँ तथा पंचोपचार (लाल चंदन, लाल पुष्प, धूप, दीप तथा नैवेद्य) से पूजन करें। तत्पश्चात् सूर्यास्त से पूर्व ही गेहूँ की रोटी, घी, गुड़ ग्रहण करें।

* मंगल दोष अधिक प्रबल हो तो मंगल चंडिका स्तोत्र का 108 दिन तक नित्यप्रति 21 बार जप करें। प्रात: काल पूर्वाभिमुख होकर बैठें व पंचमुखी दीप प्रज्वलित करके अपने इष्ट तथा मंगल ग्रह का पंचोपचार से पूजन करें, फिर निम्नलिखित जप करें -

रक्ष रक्ष जगन्मातर्देवि मंगलचंडिके ।
हारिके विपदां राशे हर्षमंगलकारिके ।।
हर्षमंगलदक्षे च हर्षमंगलदायिके ।
शुभे मंगलदक्षे च शुभे मंगलचंडिके ।।
मंगले मंगलार्हे च सर्वमंगलमंगले ।
सदा मंगलदे देवि सर्वेषां मंगलालये ।।

साढ़ेसाती फल

प्राचीन काल से सामान्य भारतीय जनमानस में यह धारणा प्रचलित है कि शनि की साढ़ेसाती बहुधा मानसिक, शारीरिक और आर्थिक दृष्टि से दुखदायी एवं कष्टप्रद होती है। शनि की साढ़ेसाती सुनते ही लोग चिन्तित और भयभीत हो जाते हैं। साढ़ेसाती में असन्तोष, निराशा, आलस्य, मानसिक तनाव, विवाद, रोग-रिपु-ऋण से कष्ट, चोरों व अग्नि से हानि और घर-परिवार में बड़ों-बुजुर्गों की मृत्यु जैसे अशुभ फल होते हैं। शास्त्र शनि की साढ़ेसाती का फल इस प्रकार बतलाते हैं-

कल्याणं खलु यच्छति रविसुतो राशौ चतुर्थष्ट में व्याधि बन्धुविरोधदेशगमनं क्लेशंच चिन्ताधिकम्।।
राशौ द्वादशशीर्षजन्महृदये पादौ द्वितीये शनिर्नानाक्लेशकरोऽपि दुर्जनभयं पुत्रान् पशून् पीडनम्।।
हानि:स्यान्मरणं विदेशगमनं सौख्यं च साधारणम् रामारिध्यविनाशनं प्रकुरुते तुर्याष्टमे वाथवा।।

अर्थात् चन्द्र राशि से चौथे या आठवें स्थान में शनि आने पर रोग, भाइयों से लडाई विदेश में प्रवास, कष्ट,चिन्ता ये फल मिलते हैं। चन्द्र राशि से बारहवें, पहले या दूसरे स्थान में गोचर के शनि से (साढ़ेसाती में)सिर, हृदय, पैर में पीड़ा होती हे, दुष्टों से भय होता है, पुत्रों और पशुओं को कष्ट होता है।

अनुभव में पाया गया है कि सम्पूर्ण साढ़े-सात साल पीड़ा दायक नहीं होते। बल्कि साढ़ेसाती के समय में कई लोगों को अत्यधिक शुभ फल जैसे विवाह, सन्तान का जन्म, नौकरी-व्यवसाय में उन्नति, चुनाव में विजय, विदेश यात्रा, इत्यादिभी मिलते हैं।

प्रथम चक्र की साढ़े साती का फल

(17-04-1998 से 05-09-2004 तक)
शनि के साढ़ेसाती का प्रथम चक्र अत्यन्त प्रबल होता है इस अवधि में आपको शारीरिक कष्ट, अवरोध एवं अनेकप्रकार से क्षति उठानी पड़ सकती है। माता-पिता को भी शनि पीड़ित करता है।

द्वितीय चक्र की साढ़े साती का फल

(02-06-2027 से 12-07-2034 तक)
द्वितीय आवृत्ति में शनि अपेक्षाकृत मध्यम प्रभाव डालता है। इस अवधि में आपकी अपने श्रम व संघर्ष से उन्नतिहोगी। मानसिक अशान्ति अवश्य बनी रह सकती है किन्तु भौतिक उन्नति निश्चित होगी। माता-पिता या अन्य बुजुर्गों का वियोग सहन करना पड़ सकता है।

तृतीय चक्र की साढ़ेसाती का फल

(07-04-2057 से 24-08-2063 तक)
तृतीय आवृत्ति में शनि अनेक कठोर फल देता है। इस अवधि में मारक का प्रभाव अधिक होने के कारण आपकोप्रबल शारीरिक कष्ट हो सकता है। इस आक्रमण से सौभाग्यशाली ही सुरक्षित रह पाते हैं।

साढ़ेसाती की प्रथम, द्वितीय व तृतीय ढ़ैया का फल

यह सामान्यत: पाया गया है कि साढ़ेसाती की तीन ढ़ैया में से एक शुभ, एक मध्यम तथा एक अशुभ फलदायी होती है। इसका निर्णय शनि के अष्टक वर्ग तथा सर्वाष्टक वर्ग में प्राप्त शुभ रेखाओं की संख्या के आधार पर किया जाता है। यदि शनि अष्टक वर्ग में चार रेखायें तथा सर्वाष्टक वर्ग में 28 रेखायें हैं तो शनि मिश्रित फलदायी होता है। इससे कम है तो अशुभ तथा अधिक होने पर शुभ फल प्राप्त होते हैं। यदि जन्म कुण्डली में शनि बलवान (उच्च, स्वक्षेत्रीय आदि) या योगकारक हो या चन्द्रराशि का स्वामी हो तो जातक के लिए शनि का दुष्प्रभाव औरों की अपेक्षा बहुत कम होता है।

साढ़ेसाती की प्रथम ढ़ैया का फल

प्रथम चक्र 17-04-1998 से 06-06-2000 तक व से तक
द्वितीय चक्र 02-06-2027 से 20-10-2027 तक व 23-02-2028 से 08-08-2029 तक
तृतीय चक्र 07-04-2057 से 27-05-2059 तक व से तक

इस अवधि में शनि चन्द्र राशि से बारहवें भ्रमण करता है तथा दूसरे, छठें, नवें भावों पर पूर्ण दृष्टि होती है। प्रथम ढ़ैया में शनि का निवास सिर पर रहता है। मानसिक-शारीरिक सुख में कमी आती है। नेत्रों की व्याधि, चश्में आदि का प्रयोग सम्भव है। अचानक आर्थिक हानि होती है। अवांक्षित अतिरिक्त व्यय, अपव्यय होता है। जातक आर्थिक रूप से व्यथित रहता है आय की अपेक्षा व्यय अधिक होता है। कुटुम्ब से वियोग हो सकता है। परिवार में अशान्ति रहती है। पिता को कष्ट होता है। पिता से तनाव होता है। भाग्य पतन का भय रहता है। कार्यों में परेशानियाँ एवं विलम्ब होता है। प्रयासों के सुफल नहीं मिलते। लोगों से सहयोग नहीं मिलता। राजकीय लोगों से पीड़ा सम्भव है। आध्यात्मिकता में रुचि जाग्रत होती है। दुर्घटनाओं का भय होता है। व्यर्थ भ्रमण होता है। दूर की यात्रा करनी पड़ती हैं, जिसमें कष्ट उठाना पड़ता है। यह शनि पंचम से अष्टम होता है, अत: सन्तान के लिए भी यह समय कष्टप्रद होता है।

साढ़ेसाती की द्वितीय ढ़ैया का फल

प्रथम चक्र 06-06-2000 से 23-07-2002 तक व 08-01-2003 से 07-04-2003 तक
द्वितीय चक्र 08-08-2029 से 05-10-2029 तक व 17-04-2030 से 30-05-2032 तक
तृतीय चक्र 27-05-2059 से 10-07-2061 तक व 13-02-2062 से 06-03-2062 तक

इस अवधि में शनि चन्द्र राशि पर भ्रमण करता है तथा तीसरे, सातवें, दसवें भावों पर पूर्ण दृष्टि होती है। शनि इस ढ़ैया में उदर भाग में रहता है। अत: शरीर के सम्पूर्ण मध्य भाग में रोग व्याधि सम्भव होती है। शारीरिक तेज प्रभावित होता है। बुद्धि काम नहीं करती, गलत निर्णय होते हैं।भाईयों से तथा व्यापार में सीदार से विवाद होता है। पत्नी को शारीरिक कष्ट अथवा पत्नी से गड़ा होता है। आर्थिक चिन्ताएँ निरन्तर रहती हैं। मानसिक स्तर पर प्रबल उद्वेलन रहता है। व्यर्थ का भय व्यथित करता है। कोई कार्य मनोनुकूल नहीं होता, अपूर्ण कार्य दु:खी करते हैं, व्यवधान प्रर्बल रहते हैं। पारिवारिक तथा व्यवसायिक जीवन अस्त-व्यस्त रहता है। किसी सम्बन्धी को मारक कष्ट होता है। दूर स्थानों की यात्राएँ, शत्रुओं से कष्ट, आत्मिय जनों से अलगाव व्याधि, सम्पत्ति क्षति व सामाजिक पतन, मित्रों का अभाव एवं कार्यों में अवरोध इस चरण के फल हैं।

साढ़ेसाती की तृतीय ढ़ैया का फल

प्रथम चक्र 23-07-2002 से 23-07-2002 तक व 07-04-2003 से 05-09-2004 तकझ
द्वितीय चक्र 30-05-2032 से 12-07-2034 तक व से तक
तृतीय चक्र 10-07-2061 से 13-02-2062 तक व 06-03-2062 से 24-08-2063 तक

इस अवधि में शनि चन्द्र राशि से दूसरे भ्रमण करता है तथा चौथे, आठवें, ग्यारहवें भावों पर पूर्ण दृष्टि होती है। उतरती साढ़ेसाती में शनि पैरों पर रहता है, अत: इस अवधि में पैरों में कष्ट होता है। शारीरिक दृष्टि से निर्बलता आती है। दैहिक रूप से जड़ता का अनुभव होता है, शरीर में आलस्य रहता है। आनन्द बाधित होता है। व्यर्थ के विवाद उत्पन्न होते हैं। आत्मियों से अकारण संघर्ष होता है उन्हें गम्भीर व्याधि अथवा किसी को मरण तुल्य कष्ट होता है। सुखों का नाश होता है, पदाधिकार पर संकट आता है। व्यय अत्यधिक होता है। पैसा आता है किन्तु उसी गति से व्यय भी होता है। निम्न श्रेणी के लोगों से कष्ट मिलता है। अष्टम पर दृष्टि होने से आयु प्रभावित होती है। चतुर्थ पर दृष्टि होने से गृह सुख, मातृसुख, वाहन सुख आदि तथा भौतिक सुख-सुविधाओं में बाधा आती है।

लघु कल्याणी ढ़ैया व कंटक शनि का फल

शनि की चतुर्थ स्थान की ढ़ैया (कंटक शनि) का फल

प्रथम चक्र 07-09-1977 से 03-11-1979 तक व 14-03-1980 से 27-07-1980 तक
द्वितीय चक्र 01-11-2006 से 10-01-2007 तक व 15-07-2007 से 09-09-2009 तक
तृतीय चक्र 27-08-2036 से 22-10-2038 तक व 05-04-2039 से 12-07-2039 तक

चन्द्र राशि से शनि चतुर्थ स्थान में भ्रमण करता है तो छठे, दसवें एवं चन्द्र लग्न पर पूर्ण दृष्टि रहती है। स्थान परिवर्तन या स्थानान्तरण होता है। आवासीय सुख की क्षति होती है। हृदय सम्बन्धी कष्ट या अनियमित रक्तचाप सम्भव होता है। सम्बन्धियों से वियोग होता है। पारिवारिक सुख में कमी आती है। जनता एवं राज्य दोनों द्वारा विरोध होता है। शनि की पूर्ण दृष्टि छठे भाव पर रहती है। अत: शत्रुओं एवं रोगों से कष्ट होता है। शनि की पूर्ण दृष्टि दशम पर रहती है। अत: कार्य क्षेत्र में अवरोध आता है। शनि की दशम दृष्टि चन्द्र लग्न पर रहती है। अत: मन में घबड़ाहट रहती है।

शनि के सप्तम स्थान की ढ़ैया (कंटक शनि) का फल

प्रथम चक्र 21-12-1984 से 31-05-1985 तक व 16-09-1985 से 16-09-1985 तक
द्वतीय चक्र 02-11-2014 से 26-01-2017 तक व 20-06-2017 से 26-10-2017 तक
तृतीय चक्र 11-12-2043 से 23-06-2044 तक व 30-08-2044 से 07-12-2046 तक

जन्म राशि से शनि सप्तम स्थान में भ्रमण करता है तो नवम, चन्द्र लग्न एवं चतुर्थ पर पूर्ण दृष्टि रहती है। पत्नी को शारीरिक कष्ट होता है अथवा पत्नी या व्यापार के भागीदारी से गम्भीर मतभेद होते हैं। जातक मूत्र-जनन तन्त्र सम्बन्धी रोगों से कष्ट पाता है। मानसिक चिन्ताएं बढ़ती हैं। नवम पर दृष्टि होने से भाग्य में गतिरोध आता है, पिता को कष्ट होता है, मान सम्मान पर आंच आती है तथा कार्यक्षेत्र में उथल पुथल होती है। चतुर्थ पर दृष्टि होने से माता का स्वास्थ्य प्रभावित होता है। वाहन सम्बन्धी कष्ट होते हैं। घर छोड़ना पड़ता है, दीर्घ प्रवास होता है, यात्रायें होती हैं और यात्रा में कष्ट होता है।

शनि के अष्टम स्थान की ढ़ैया का फल

प्रथम चक्र 16-12-1987 से 20-03-1990 तक व 20-06-1990 से 14-12-1990 तक
द्वितीय चक्र 26-01-2017 से 20-06-2017 तक व 26-10-2017 से 24-01-2020 तक
तृतीय चक्र 07-12-2046 से 06-03-2049 तक व 09-07-2049 से 04-12-2049 तक

जन्म राशि से शनि अष्टम स्थान में भ्रमण करता है तो दसवें, दूसरे एवं पंचम भाव पर पूर्ण दृष्टि रहती है। आयु बल प्रभावित होता है। दीर्घावधि की बीमारी या दुर्घटना की संभावना रहती है। अपमानित होने का भय रहता है। राजकीय लोगों से पीड़ा का भय रहता है। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन का योग बनता है। कार्य व्यापार पर आघात लगता है। धन सम्पत्ति की हानि होती है। सन्तान को कष्ट होता है या सन्तान वियोग की संभावना बनती है।

शनि के दशम स्थान की ढ़ैया (कंटक शनि) का फल

प्रथम चक्र 05-03-1993 से 15-10-1993 तक व 09-11-1993 से 02-06-1995 तक
द्वितीय चक्र 29-04-2022 से 12-07-2022 तक व 17-01-2023 से 29-03-2025 तक
तृतीय चक्र 24-02-2052 से 14-05-2054 तक व 01-09-2054 से 05-02-2055 तक

शनि राशि से दसवें भ्रमण करता है तो बारहवें, चतुर्थ एवं सप्तम भावों को भी अपनी पूर्ण दृष्टि से प्रभावित करता है। कार्यक्षेत्र में अवरोध आता है। आजीविका क्षेत्र में उत्थान पतन या व्यतिक्रम होता है। किसी ऐसे कार्य (व्यापार) में प्रवृत्ति हो जिसमें असफलता हो या ऐसा दुष्ट कर्म बन जाए जिसके कारण अप्रतिष्ठा हो, सम्मान भंग हो। अनावश्यक आर्थिक व्यय के प्रसंग आते हैं। पत्नी से मतभेद या अलगाव संभव है। घर सम्पत्ति के बारे में चिन्ता उत्पन्न होती है।

शनि की साढ़ेसाती तथा ढ़ैया के उपाय

शनि की साढ़ेसाती या ढ़ैया के अशुभ प्रभावों को कम करने के लिए निम्नलिखित उपाय करें -

1. **मन्त्र**

(क) महामृत्युंजय मंत्र का सवा लाख जप (नित्य 10 माला, 125 दिन) करें -

ॐ त्रयम्बकम् यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्द्धनं उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्।

(ख) शनि के निम्नदत्त मंत्र का 21 दिन में 23 हजार जप करें -

ॐ शन्नोदेवीरभिष्टय आपो भवन्तु पीतये । शंयोरभिस्त्रवन्तु नः। ॐ शं शनैश्चराय नमः।

(ग) पौराणिक शनि मंत्र -

ॐ नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम्। छायामार्तण्डसम्भूतं तं नमामि शनैश्चरम्।।

2. **स्तोत्र** - शनि के निम्नलिखित स्तोत्र का 11 बार पाठ करें या दशरथ कृत शनि स्तोत्र का पाठ करें।

कोणस्थः पिंगलो बभ्रुः कृष्णो रौद्रोऽन्तको यमः। सौरिः शनैश्चरो मन्दः पिप्पलादेन संस्तुतः।।
तानि शनि-नामानि जपेदश्वत्थसन्निधौ। शनैश्चरकृता पीडा न कदाचिद् भविष्यति।।

साढ़ेसाती पीडानाशक स्तोत्र - पिप्पलाद उवाच -

नमस्ते कोणसंस्थय पिंङ्गलाय नमोस्तुते। नमस्ते बभ्रुरूपाय कृष्णाय च नमोस्तु ते।।
नमस्ते रौद्ररदेहाय नमस्ते चान्तकाय च। नमस्ते यमसंज्ञाय नमस्ते सौरये विभो।।
नमस्ते यमदसंज्ञाय शनैश्वर नमोस्तुते। प्रसादं कुरु देवेश दीनस्य प्रणतस्य च।।

3. **रत्न / धातु**

शनिवार के दिन काले घोड़े की नाल या नाव की सतह की कील का बना छल्ला मध्यमा में धारण करें।
आपकी कुण्डली में शनि योगकारक है।
न्यूनतम 4 रत्ती का नीलम रत्न पंचधातु में अंगूठी बनवा कर मध्यमा में धारण करने से लाभ होगा।

4. **व्रत**

शनिवार का व्रत रखें। व्रत के दिन शनिदेव की पूजा (कवच, स्तोत्र, मन्त्र जप) करें। शनिवार व्रतकथा पढ़ना भी लाभकारी रहता है। व्रत में दिन में दूध, लस्सी तथा फलों के रस ग्रहण करें, सांयकाल हनुमान जी या भैरव जी का दर्शन करें। काले उड़द की खिचड़ी (काला नमक मिला सकते हैं) या उड़द की दाल का मीठा हलवा ग्रहण करें।

5. **औषधि**

प्रति शनिवार सुरमा, काले तिल, सौंफ, नागरमोथा और लोध मिले हुए जल से स्नान करें।

6. **दान**

शनि की प्रसन्नता के लिये उड़द, तेल, इन्द्रनील (नीलम), तिल, कुलथी, भैंस, लोह, दक्षिणा और श्याम वस्त्र दान करें।

7. **अन्य उपाय**

(क) शनिवार को सांयकाल पीपल वृक्ष के चारों ओर 7 बार कच्चा सूत लपेटें, इस समय शनि के किसी मंत्र का जपे करते रहें। फिर पीपल के नीचे सरसों के तेल का दीपक प्रज्वलित करें, तथा ज्ञात-अज्ञात अपराधों के लिए क्षमा माँगें। (ख) शनिवार को अपने हाथ की नाप का 19 हाथ काला धागा माला बनाकर पहनें। (ग) टोटका - शनिवार के दिन उड़द, तिल, तेल, गुड़ मिलाकर लड्डू बना लें और जहाँ हल न चला हो वहां गाड़ दें। (घ) शनि की शान्ति के लिए बिच्छू की जड़ शनिवार को काले डोरे में लपेट कर धारण करें।

रत्न परामर्श

रत्न घारण करने से जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में संभावित परिवर्तन किए जा सकते हैं। यह एक प्रचीन विद्या है। मणि माला नामक ग्रन्थ में रत्नों के बारे में कहा गया है -

माणिक्यं तरणे: सुजात्यममलं मुक्ताफलं शीतगोर्महियस्य च विद्रुमो निगदित: सौम्यस्य गारुत्मतं ।
देवेज्यस्य च पुष्परागमसुराचारूर्यसय वज्रं शनेर्नीलं निर्म्मलमन्ययोश्च गदिते गोमेदवैदूर्य्यके ।।

"ग्रहों के विपरीत होने पर उन्हें शान्त करने के लिए रत्न पहने जाते हैं। सूर्य के विपरीत होने पर निर्दोष माणिक, चन्द्र के विपरीत होने पर उत्तम मोती, मंगल के लिए मूंगा, बुध के लिए पन्ना, बृहस्पति के लिए पुखराज, शुक्र के लिए हीरा, शनि को शान्त करने के लिए नीलम, राहु के लिए गोमेद एंव केतु के विपरीत होने पर लसुनिया घारण करना चाहिए।"- मणि माला भाग 2, 79

धन्यं यश्स्यमायुष्यं श्रीमद् व्यसनसूदनं । हर्षणं काम्यमोजस्यं रत्नाभरणधारणं ।।
ग्रहदृष्टिहरं पुष्टिकरं दु:खप्रणाशनं । पापदौर्भाग्यशमनं रत्नाभरणधारणं ।।

"रत्न जड़ित आभूषण को घारण करने पर सम्मान, यश, लम्बी आयु, धन, सुख और धन में वृद्धि होती है तथा सभी प्रकार की अभिलाषाओं की पूर्ति होती है। ऐसा करने से ग्रह के विपरीत प्रभाव कम होते हैं, शरीर पुष्ठ होता है तथा दु:ख, पाप एंव दुर्भाग्य का नाश होता है।" - मणि माला, भाग 2, 121-122

जीवन रत्न

लग्नेश का रत्न धारण करना सदा शुभफल देने वाला होता है। यह स्वास्थ्य, प्राणशक्ति, कार्य में सिद्धि तथा कुशलता प्रदान करता है। यह जीवन के बाकी क्षेत्रों में भी सहायता प्रदान करता है। आपका लग्नेश शुक्र है अत: शुक्र का रत्न धारण करना आपके लिए शुभकारी होगा। शुक्र के लिए रत्न हैं - हीराए सफेद ज़िरकॉन, सफेद टोपाज़, स्फटिक।

"हीरा सभी छ: रसों का मिश्रण है, सभी प्रकार के रोगों का नाश करता है तथा अजीर्ण का नाश करता है, सभी प्रकार का सुख देता है, शरीर को दृढ़ता देता है तथा रासायनिक कार्यों में बहुत उपयोगी है।" - मणि माला, भाग 2, 67
"जो व्यक्ति अपने पास एक नुकीला, साफ तथा निर्दोष हीरा संभाल कर रखता है, वह जिंदगी भर सम्पन्न, पुत्रवान्, भाग्यवान, धनधान्य, गौ और पशु का मालिक रहेगा।" - मणि माला, भाग 1, 102
"जो व्यक्ति भीष्मरत्न 1/4 स्फटिक 1/2 सोने में जड़ कर गले अथवा हाथ में पहने वह सदा सफलता प्राप्त करता है।" - मणि माला, भाग 1, 447
"स्फटिक मणि बल देने वाली, पित्त, दाह, फुला आदि का नाश करने वाली होती है। इसकी माला अन्य किसी भी माला से कहीं अधिक प्रभावशाली होती है।" - मणि माला, भाग 2, 74

धारण करने की विधि - शुक्र के लिए रत्न प्लेटिनम, सफेद स्वर्ण अथवा चांदी में जड़ित किया जाना चाहिए। रत्न जड़ित अंगूठी को मध्यमा अथवा कनिष्ठा में शुक्रवार के दिन सूर्योदय के समय पहनें।
शुक्र के रत्न को शुद्ध तथा प्रबल करने के लिए मंत्र - ॐ शुं शुक्राय नम:।

पुण्य रत्न

पंचमेश का रत्न पुण्य प्रदान करता है तथा यह सृजनात्मक शक्ति तथा सन्तान के लिए भी शुभकारी है। आपका पंचमेश बुध है, अत: बुध का रत्न आपके लिए लाभकारी होगा। बुध के लिए रत्न है - पन्ना, पेरिडाट, जेड।
"पन्ना शीतल, विष का नाश करने वाला, मधुर, अतिसार, अजीर्ण तथा पित्त का नाश करने वाला, शूल और गुल्म रोगों का नाश करने वाला तथा घारण करने पर भूत-पिशाच के भय से मुक्ति दिलाता है।" - मणि माला, भाग 2, 70
"ऐसे सारे गुणों से युक्त पन्ना मनुष्य के सब पापों का नाश करता है।" - मणि माला, भाग 1, 375
"पण्डितों के अनुसार, पन्ना घनघान्य बढ़ाने वाला, युद्ध में विजय दिलाने वाला, विष जन्य रोगों का उपचार करने वाला तथा अथर्ववेद में उल्लेखित कर्मों को करने में सफलता दिलाने वाला होता है।" - मणि माला, भाग 1, 376
धारण करने की विधि - बुध के रत्न को स्वर्ण में जड़ित किया जाना चाहिए। रत्न जड़ित अंगूठी को कनिष्ठा में बुधवार के दिन सूर्योदय के दो घन्टे पश्चात धारण करें।
बुध के रत्न को शुद्ध तथा प्रबल करने के लिए मंत्र - ॐ बुं बुधाय नम:।

भाग्य रत्न

नवमेश के लिए रत्न भाग्य प्रदान करता है। आपका नवमेश शनि है, अत: शनि का रत्न आपके लिए लाभकारी होगा। शनि के लिए रत्न है - नीलम,नीला स्पाइनल, राजवर्त्त मणि, नीलमणि, बिल्लौर।
"नीलम कड़वा एंव उष्ण होता है तथा यह कफ, पित्त एंव वायु तीनों का नाश करता है तथा घारण करने पर शनि के दोष का निवारण करता है।" - मणि माला, भाग 2, 68
"जो व्यक्ति स्वच्छ नीलम घारण करता है, नारायण उससे खुश रहते हैं, उसकी उम्र, परिवार प्रतिष्ठा, यश तथा ऐश्वर्य में वृद्धि होती है।" - मणि माला, भाग 1, 419
"राजवर्त्त मणि कोमल, स्निग्घ, शीतल तथा पित्त का नाश करने वाली होती है, तथा घारण करने पर सौभाग्य की वृद्धि करने वाली होती है।" - मणि माला, भाग 2, 69
धारण करने की विधि - शनि के लिए रत्न को स्वर्ण में जड़ित किया जाना चाहिए पर इसे लोहे में भी जड़ाया जा सकता है। रत्न जड़ित अंगूठी को मध्यमा में शनिवार के दिन सूर्योदय से दो घन्टे 40 मिनट पहले धारण करें।
शनि के रत्न को शुद्ध तथा प्रबल करने के लिए मंत्र - ॐ शं शनैश्चराय नम:।

सामान्य निर्देश

साधारणतया सदा उच्च कोटि के रत्न धारण किए जाने चाहिएं। उप रत्न व कम शक्ति के रत्न कम मंहगे होते हुए भी अच्छे फल देते हैं मगर फलदायक होने के लिए इनका बड़ा आकार का होना आवश्यक है। रत्न को प्रभावकारी करने के लिए, धारण करने से पहले उसे कच्चे दूध और शुद्ध जल से धोना चाहिए। इसके पश्चात इसे हाथ में लेकर ध्यान केन्द्रित करते हुए दिए गए मंत्र का 108 बार जाप करें। पुरुषों को रत्न दाएं हाथ पर तथा स्त्रियों का बाएं हाथ पर धारण करना चाहिए। रत्न को अंगूठी में अथवा बाजू में पहनना चाहिए। इन्हें गले में भी पहना जा सकता है पर इससे लगातार शरीर से सम्पर्क नहीं रहता। रत्न का शरीर से सम्पर्क अति आवश्यक है।

कुण्डली में शुभ योग

संख्या - केदार योग

सब ग्रह जब चार स्थानों में होते हैं, तब 'केदार' योग बनता है।

फल : केदारयोगज जातक बहुतों का उपकारक, किसान, सत्यवादी, सुखी, चंचल स्वभाव वाला तथा धनी होता है। बृहत्पाराशर होराशास्त्रम् (अध्याय 36, श्लोक 17, 47) मतान्तर से धनवान, कृषि से लाभ, सुस्त, बुद्धिमान, उपकारी, नौकरी से लाभान्वित, पूर्व आयु में कष्ट बाद में कष्ट, रहित जीवन, माता-पिता का सुख बहुधा दीर्घजीवी होते हैं।

गजकेसरी योग

परिभाषा : चन्द्रमा से केन्द्रस्थान (1/4/7/10) में गुरु हो तो गजकेसरी योग होता है।

फल : फल : 'गजकेसरी' में उत्पन्न जातक तेजस्वी, धन धान्य से युक्त, मेधावी, गुणी, राजप्रिय होता है। जातक केसरी (शेर) की तरह अपने शत्रुवर्गो को नष्ट कर देता है। ऐसा व्यक्ति सभाओं में प्रौढ़ (जिसका वाणी पर आधिपत्य हो, किसी विषय पर गम्भीरता पूर्वक और अधिकार से बोलना प्रौढ़ भाषण कहलाता है) भाषण करने वाला, राजस वृत्ति का होता है। ऐसा व्यक्ति दीर्घायु हो। बहुत तीव्र बुद्धि हो, महान् यश प्राप्त करे और अपने स्वाभाविक तेज से ही औरों को जीत लें। योगजनक ग्रह: चन्द्रमा व गुरु।

गजकेसरी योग

चन्द्रमा और गुरु की युति हो।

फल : जातक शक्तिशाली, प्रसिद्ध, बुद्धिमान, गुणवान, धनवान, प्रेम में समान रुप तथा चंचल मन का होता है।

गजकेसरी योग

चन्द्रमा और गुरु की युति प्रथम भाव में हो।

फल : जातक देखने में सुन्दर, मित्रों, पति-पत्नी, सन्तान तथा मित्रों से युक्त होता है। जातक को स्वास्थ्य सुख मिलता है, सम्मानित होता है तथा प्रभावित करता है।

अनफा योग

सूर्य को छोड़कर जब कोई ग्रह चन्द्र से द्वादश हो तो अनफा योग बनता है।

फल : अनफा योगज जातक राजा, नीरोग, सुशील, यशस्वी, लोकविख्यात, सुन्दर तथा अनेक विधा सौख्यपूर्ण होता है। नृपो नीरुक् सुशीलश्च यशस्वी लोकविश्रुत:। सुभगस्त्वनफोद्भूतो नानाविधसुखान्वित:।। अनफा योग में पैदा हुआ जातक वक्ता (बोलने वाला) सामर्थ्यवान्, धनवान्, रोग रहित, सुन्दर शीलवान्, अन्न पान पुष्पण्वस्त्र व स्त्री का सुख भोगने वाला, विख्यात, गुणवान्, सुखी, प्रसन्न चित्त व सुन्दर शरीर होता है। योगजनक ग्रह : मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि।

अनफा (बुध) योग

चन्द्र से द्वादश बुध हो तो अनफा योग बनता है।

फल : जातक गान्धर्व (गान, नृत्य) विद्या व लेख लिखने में चतुर, कवि, भाषण में निपुण, राजा से आदर व सत्कार पाने वाला, सुन्दर शरीर वाला और प्रसिद्ध कार्य कर्ता होता है। सारावली (अध्याय 13, श्लोक 16)

वोशि योग

सूर्य से द्वादश स्थान में चन्द्रमा के अतिरिक्त ग्रहों के रहने से वोशि योग बनता है।

फल : वोशियोगज जातक कुशल, दानशील, बली, विद्वान, कीर्त्तिमान् होता है। वाशौ च निपुणो दाता यशोविद्याबलान्वित:।। (बृहत्पाराशर) जातक उत्कृष्ट (अच्छी) वाणी वाला, स्मरण शक्ति वाला, उद्योगी, तिरछी दृष्टि वाला, स्थूल शरीर धारी, राजा के तुल्य व सात्विकी होता है। सारावली (अध्याय 14, श्लोक 6)
योगजनक ग्रह : मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि

अखण्ड साम्राज्य योग

लग्न से द्वितीय नवम् एकादश में से किसी एक भाव का स्वामी चन्द्रमा से केन्द्र में हो तथा लग्न से द्वितीय, पंचम, नवम् में से किसी एक भाव का स्वामी बृहस्पति हो तो अखण्ड सामाज्य योग बनता है।

फल : जातक विस्तृत राज्य का स्वामी होता है। ज्योतिषार्णव नवनीतम् (अध्याय 5, श्लोक 30)

केन्द्र त्रिकोण राज योग

लग्नेश का सम्बन्ध केन्द्र (4, 7, 10) या त्रिकोण (5, 9) भावों के स्वामियों से हो तो 'राजयोग' बनता है।

फल : ग्रहों के योग चार प्रकार से बनते हैं - 1. जब दो ग्रह परस्पर देखते हों। 2. जब एक ग्रह दूसरे को देखता हो। 3. जब दो ग्रहों में राशि परिवर्तन हो। 4. जब दो ग्रह एक ही राशि में हों। राजसी स्वभाव, सम्मान तथा सभी प्रकार के वैभव से युक्त होता है। योगजनक ग्रह: के स्वामीण्सूर्य, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि, चन्द्रमा।

राजयोग

उच्च राशि का कोई भी शुभ्र ग्रह केन्द्र में हो तो राजयोग होता है।

फल : जातक अपने पारिवारिक पृष्ठभूमि के अनुसार शक्ति या राज्य प्राप्त करता है। ज्योतिषार्णव नवनीतम् (अध्याय 5/17)

राजयोग

नवमांश राशि के स्वामी यदि चन्द्र के आधिपत्य में हो और केन्द्र अथवा लग्न अथवा बुध से त्रिकोण में हो तो राजयोग होता है । (सर्वार्थ चिन्तामणि 9/28)

फल : जातक सेनापति अथवा शासक के समान होता है ।

राजयोग

एकादश नवम् अथवा द्वितीय में से किसी भाव का स्वामी यदि चन्द्र से केन्द्र में हो तथा बृहस्पति द्वितीय, पंचम अथवा एकादश भाव के स्वामी हो तो राजयोग होता है । (मूल सन्दर्भ - अज्ञात)

फल : जातक महापुरुष अथवा सम्मानित शासक होता है ।

धन योग

यदि द्वितीय स्थान के स्वामी का यदि पंचम या नवम् या एकादश भाव के स्वामी से सम्बन्ध हो तो धन योग होता है । (डॉ- के- एस- चरक)

फल : जातक धनवान होता है ।

धन योग

यदि पंचम भाव के स्वामी का नवम् अथवा एकादश भाव के स्वामी के साथ सम्बन्ध हो तो धन योग होता है । (डॉ- के- एस- चरक)

फल : जातक धनवान होता है ।

कर्मजीव योग

नवमांश का स्वामी बृहस्पति दशमेश हो तो यह योग होता है । (बृहत् जातक 10/3)

फल : जातक को सम्पदा और उपजीविका शिक्षित वर्ग के सम्पर्क से, ज्ञान से, कानून, धर्म, मन्दिरों, दानपुण्य एवं साधना, तीर्थ यात्रा, आध्यात्मिक अनुसरण आदि से प्राप्त होती है । जातक को धनार्जन अगली पीढ़ी से, बच्चों से हो सकती है ।

कर्मजीव योग

लग्न, सूर्य या चन्द्र से दसवें भाव में शनि की उपस्थिति से कर्मजीव योग होता है । (बृहत् जातक) (अन्य कर्मजीव योग से यह योग कम अंश का होता है)

फल : ग्रहों की स्थिति शनि से सम्बन्धित व्यवसायों का संकेत देती है । जैसे - कर्म से जुड़े व्यवसाय, भार वहन करना अथवा पारिवारिक प्रतिष्ठा के विरुद्ध निम्न स्तर का व्यापार करना ।

शरीर सुख्य योग

लग्नेश बृहस्पति या शुक्र केन्द्र में हों तो यह योग होता है । (सर्वार्थ चिन्तामणि 2/98)

फल : जातक को दीर्घ जीवन एवं सम्पदा मिलती है तथा राजनीतिक शक्तियों द्वारा सम्बन्ध बनता है ।

देहस्थूल्य योग

नवमांश में लग्न का स्वामी तथा लग्न कुण्डली लग्नेश यदि जलीय राशि में स्थित हों तब यह योग होता है । (सर्वार्थ चिन्तामणि 2/85)

फल : जातक बलिष्ठ शरीर वाला होगा ।

देहास्थूल्य योग

बृहस्पति लग्न में हो या जलीय राशि से लग्न को देखें तब यह योग होता है । (सर्वार्थ चिन्तामणि 2/87)

फल : जातक बलिष्ठ शरीर वाला होगा ।

देहास्थूल्य योग

लग्न में जलीय राशि हो तथा शुभ ग्रह से युत हो अथवा लग्नेश जलीय ग्रह हो तब यह योग होता है । (सर्वार्थ चिन्तामणि 2/87)

फल : जातक बलिष्ठ शरीर वाला होगा ।

भ्रातृवृद्धि योग

तृतीयेश या मंगल या तृतीय स्थान शुभ ग्रहों से दृष्ट हो या युत हो और शक्तिशाली हो तो यह योग होता है ।(सर्वार्थ चिन्तामणि 4/16)

फल : जातक भाईयों या आश्रितों द्वारा अच्छा भाग्य बनेगा जो कि बेहद सम्पन्न होंगे ।

उत्तम गृहयोग

चतुर्थेश केन्द्र अथवा त्रिकोण में शुभ ग्रहों से दृष्ट हो तो उत्तम गृहयोग होता है । (सर्वार्थ चिन्तामणि)

फल : जातक का स्वयं का अच्छा घर होता है ।

बंधु पूज्य योग

चतुर्थ भाव या चतुर्थेश (बृहस्पति) गुरु से युत हों या गुरु से दृष्ट हों तो यह योग होता है । (सर्वार्थ चिन्तामणि 4/65)

फल : जातक परिवार एवं मित्रजनों से आदर प्राप्त करता है ।

वाहन योग

लग्नेश चतुर्थ भाव या नवम् भाव हो या एकादश भाव में हो तो वाहन योग होता है । (सर्वार्थ चिन्तामणि 4/162)

फल : जातक का स्वयं का वाहन होगा तथा अन्य भौतिक सुविधा,ँ प्राप्त होगी ।

औरसपुत्र योग

पंचम भाव में शुभ ग्रह हों या इस भाव में शुभ राशि स्थित हो या यह भाव शुभग्रहों द्वारा दृष्ट हो तो औरसपुत्र योग होता है । (सारावली 34/25)

फल : जातक को स्वयं भी वैद्य पत्नी से वैद्य संतान होगी ।

क्षेत्रजपुत्र योग

पंचमेश बुध हो जो कि शनि द्वारा दृष्ट हो तो क्षेत्रजापुत्र योग होता है । (सारावली 35/28) (यह ग्रह स्थिति अन्य से कम अंश की होती है)

फल : पति की जानकारी एवं सलाह से पत्नी उस शिशु को जन्म देगी जो पति के शुक्राणु से नहीं हो । (आधुनिक सन्दर्भ में परखनली शिशु इसका उदाहरण है)

दत्तकपुत्र योग

पंचम् भाव में मिथुन, कन्या, मकर या कुंभ राशि हो तथा इस भाव में शनि या मंडी स्थित हो या फिर उनकी दृष्टि हो तो दत्तकपुत्र योग होता है । (फलदीपिका 12/8)

फल : जातक संतान गोद लेता है ।

भाग्य योग

लग्न, तृतीय भाव या पंचम भाव में बली और शुभ ग्रह हो और नवम् भाव को देखे तो यह योग होता है । (मूल सन्दर्भ - अज्ञात)

फल : जातक अत्यधिक भाग्य सम्पदा और आनन्द का उपभोग करता है ।

महापरिवर्तन योग

लग्नेश यदि द्वितीयेश से भाव विनिमय (अदला-बदली) करता है या चतुर्थेश या पंचमेश या सप्तमेश या नवमेश या दशमेश या एकादशमेश लग्नेश से भाव बदलते हैं (एक दूसरे के भाव में हों) तो महापरिवर्तन योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

फल : इस योग से जातक को सम्पदा, प्रतिष्ठा और भौतिक सुखानुभूति मिलती है साथ ही इसमें जिस भाव का योगदान होता है उसके अनुसार अनुकूल अच्छे परिणाम मिलते हैं ।

अरिष्ट भंग योग

बृहस्पति लग्न में हों और बली हों तो यह योग होता है । (डा. के. एस. चरक)

फल : यह योग बालारिष्ट योग को, जिससे नवजात शिशु को मौत का संकट रहता है, निरस्त या भंग करता है ।

अरिष्ट भंग योग

बली बुध, बृहस्पति या शुक्र केन्द्र में किसी भी भाव में स्थित हों तो अरिष्ट भंग योग होता है । (डा. के. एस. चरक)

फल : यह योग बालारिष्ट योग को जो नवजात शिशु भी मौत का संकेत देता है, को भंग करता है ।

अरिष्ट भंग योग

राहु लग्न से तृतीय भाव में हो या षष्टम भाव में हो या एकादश भाव में हो तो अरिष्ट भंग योग होता है । (डा. के. एस. चरक)

फल : यह योग बालारिष्ट योग, जो कि नवजात शिशु की मौत का संकेत देता है, को निरस्त या भंग करता है ।

पूर्णायु योग

लग्नेश और अष्टमेश दोनों चर राशि में हों या एक द्विस्वभाव राशि में, दूसरा स्थिर राशि में हों तो यह योग

होता है । (डा. के. एस. चरक)

फल : यह योग जातक की दीर्घायु 100 वर्ष तक की दर्शाता है ।

पूर्णायु योग

लग्न और होरा लग्न दोनों चर राशि में हो या एक द्विस्वभाव राशि में और दूसरी राशि में हों तो यह योग होता है । (डा. के. एस. चरक)

फल : यह योग जातक की पूर्णायु 100 वर्ष तक की दर्शाता है ।

गणित विद्याजन योग

बृहस्पति केन्द्र या त्रिकोण में हो और शुक्र उच्च राशि का हो तो गणित विद्याजन योग होता है । (सर्वार्थ चिन्तामणि - 3/37)

फल : जातक गणितज्ञ होगा ।

सूर्य गुरु योग

सूर्य और गुरु की युति किसी भाव में हो तो यह योग होता है । (डॉ. के. एस. चरक)

फल : जातक अध्यापक, गुरु, दास, आश्रित, धार्मिक कार्यों से सम्बन्धित व्यवसाय से जुड़ा होता है । जातक शासक द्वारा सम्मानित, धन व मित्रों सें घिरा हुआ, ख्याति प्राप्त, दूसरों का भला चाहने वाला तथा करने वाला होता है ।

चन्द्र गुरु योग

चन्द्र तथा गुरु की युति किसी भाव में हो तो यह योग होता है । (डॉ. के. एस. चरक)

फल : जातक अधिक बलशाली, ईमानदार, प्रसिद्ध, चतुर, ज्ञानी, ईमानदारी से जुड़े कार्यों में लीन, औरों के प्रति अच्छा व्यवहार रखने वाला, धनवान, प्रेम सम्बन्ध में अटल, मधुर भाषी, परिवार का मुखिया तथा भ्रमित बुद्धि वाला होता है ।

सूर्य चन्द्र गुरु योग

सूर्य, चन्द्रमा तथा गुरु किसी भाव में साथ हो तो यह योग होता है । (डॉ. के. एस. चरक)

फल : जातक अत्यन्त ईमानदार, विद्वान, नेता, बोद्धिक स्थिरता वाला, सदाचारी, आसानी से क्रूर होने वाला, विदेशी भूमि पर रहने वाला, अपने आस पास के लोगों पर आसानी से प्रभाव डालने वाला तथा धोखेबाज होता है ।

कुण्डली में सम योग

आश्रय योग - मुसलयोग

यदि लग्न स्थिर राशि में हो तथा कई ग्रह स्थिर राशि में हों तो मुसलयोग होता है।

फल : मुसल योगोत्पन्न जातक मानी, ज्ञानी, धनसम्पत्तियुक्त, राजप्रिय, विख्यात, अनेक पुत्रवान् तथा स्थिर बुद्धि वाला होता है। जातक विश्वसनीय, निश्चित, दृढ़, और स्थायित्व युक्त होता है। जो भी हो जातक दुराग्रही (जिद्दी), शीघ्र निर्णय लेने में असमर्थ, और परिवर्तन स्वीकार करने में कठिनाई महसूस करता है। बृहत्पाराशर होराशास्त्रम् (अध्याय 36, श्लोक 7, 20)

अधम योग

यदि सूर्य से केन्द्र में (1, 4, 7, 10) चन्द्रमा हो तो अधम योग होता है।

फल : यदि अधम योग में उत्पन्न हो तो द्रव्य, सवारी, यश, सुख, सम्पत्ति, ज्ञान, बुद्धि, निपुणता, विद्या, उदारता और सुख योग, इनका बहुत कम फल प्राप्त हो। फलदीपिका (अध्याय 6, श्लोक 14, 18)

वोशि योग (अशुभ)

सूर्य से द्वादश स्थान में चन्द्रमा के अतिरिक्त कोई अशुभ ग्रह हो।

फल : दूसरों की निन्दा करनेवाला, कान्तिहीन हो, छोटे आदमी की सोहबत करे और स्वयं दुर्जन हो। मायावी, दुष्टों का मित्र, स्वयं दुराचरण करने वाला लेकिन शास्त्रों की दुहाई देने वाला हो। फलदीपिका (अध्याय 6, श्लोक 10)

वोशि योग (बुध)

सूर्य से द्वादश स्थान में बुध हो।

फल : जातक प्रिय (प्यारी) वाणी बोलने वाला, लाल शरीर वाला, एवं दूसरों की आज्ञा का पालन करने वाला होता है। सारावली (अध्याय 14, श्लोक 8)

बहुस्त्री योग

लग्नेश और सप्तमेश साथ हो या आपस में एक दूसरे से दृष्ट हों तो यह योग होता है । (मूल सन्दर्भ - अज्ञात)

फल : जातक के कई पति / पत्नी होगें ।

सूर्य चन्द्र योग

सूर्य और चन्द्र एक ही भाव में हो तो यह योग होता है । (डॉ. के. एस. चरक)

फल : जातक शूरवीर, अहंकारी, पत्थर का कार्य करने में दक्ष, मशीन और औजारों के कार्य में प्रवीण, अत्यधिक सम्पन्न, रुखा या निष्ठुर, निर्दयी और आसानी से महिला के समक्ष झुक जाने वाला होता है ।

कुण्डली में अशुभ योग

नि:स्वयोग

दूसरे घर का मालिक 6, 8, 12 इन तीनों स्थानों में से कहीं हो तो "नि:स्वयोग" होता है। फलदीपिका (अध्याय 6, श्लोक 59)

फल : "नि:स्व" का अर्थ है जिसके पास अपना कुछ न हो अर्थात् दरिद्री। जातक के दांत और नेत्र खराब होते हैं। अच्छे वचन नहीं बोलता। कुटुम्ब भी विफल होता है। जिसके कुटुम्ब में बहुत से आदमी हों वह सफल कुटुम्ब जिसके घर में स्त्री, पुत्र कन्या आदि न हों मान लीजिये कि केवल मात्र स्त्री है तो वह विफल कुटुम्ब हुआ। नि:स्व योग वाला मनुष्य अच्छी संगति में नहीं रहता। ऐसा व्यक्ति बुद्धि, पुत्र, विद्या और वैभव से हीन होता है। उसके धन को शत्रु लोग हर लेते हैं।

पामर योग

यदि पंचमेश दु:स्थान में पड़ा हो तो पामर योग होता है। फलदीपिका (अध्याय 6, श्लोक 62)

फल : जातक दु:ख से जीवन व्यतीत करता है। ऐसा व्यक्ति असत्य बोलने वाला अविवेकी तथा वंचक (दूसरे को ठगने वाला) होता है। ऐसे जातक को संतान सुख नहीं होता या तो संतान होवे ही नहीं या होकर मर जावे। यदि सन्तान चिरजीवी हों तो भी उनसे सुख प्राप्त न हो पिता के प्रति कर्तव्य पालन न करने वाली बल्कि पिता को संताप देने वाली पितृद्वेषी सन्तान होती है। ऐसा व्यक्ति नास्तिक होता है और छोटे तथा दुष्ट आदमियों की सोहबत करता है। ऐसे व्यक्ति बहुत अधिक भोजन करते हैं अर्थात् पेटू होते हैं।

देहकष्ट योग

लग्नेश यदि पापग्रह के साथ हो या अष्टम भाव में हो तो यह योग होता है । (सर्वार्थ चिन्तामणि 2/109)

फल : जातक को शारीरिक सुख के अभाव में जीवन यापन करना होगा ।

विषप्रयोग योग

द्वितीय भाव में पापग्रह हो अथवा पापग्रह से दृष्ट हो और द्वितीयेश क्रूर नवमांश में पापग्रह द्वारा दृष्ट हो तो विषप्रयोग योग होता है । (सर्वार्थ चिन्तामणि 3/143)

फल : जातक को दूसरों से विषपान सम्बन्धी संकट उत्पन्न हो सकता है । (दूसरों द्वारा उसे जहर दिया जा सकता है)

मातृशां योग

चन्द्रमा यदि पापग्रहों के बीच पीड़ित (फँस) जा, या पापग्रहों से युत हो या दृष्ट हो तो यह योग होता है । (सर्वार्थ चिन्तामणि 4/133)

फल : जातक की माँ का निधन शीघ्र हो जाता है ।

अरिष्ट योग

लग्नेश यदि षष्टमेश, अष्टमेश या द्वादशेश के साथ हो या एक दूसरे से दृष्ट हो तो यह योग होता है । (यदि द्वितीयेश और सप्तमेश का दखल हो तो इसका प्रभाव और अधिक गम्भीर हो जाता है) (डॉ- के- एस-

चरक)

<u>फल</u> : जातक का स्वास्थ्य खराब रहेगा। (ग्रह जो यह योग बनाते हैं वे इस सम्बन्ध में विशिष्ट जानकारी दे सकते हैं)

अरिष्ट योग

यदि षष्टमेश अष्टमेश या द्वादशेश के साथ हो या आपस में एक दूसरे से दृष्ट हो तो यह योग होता है। (यदि द्वितीयेश और सप्तमेश का दखल हो तो इसका प्रभाव और अधिक गम्भीर हो जाता है) (डॉ- के- एस- चरक)

<u>फल</u> : जातक का स्वास्थ्य खराब रहेगा। (ग्रह जो यह योग बनाते हैं उनसे इस सम्बन्ध में विशिष्ट जानकारी मिल सकती है)

अरिष्ट मतिभ्रम योग

क्षीण चन्द्र अनिष्ट नवमांश में केन्द्र में हो जबकि बुध पापग्रहों से युत हो तो यह योग होता है। (मेजर एस. जी. खूट)

<u>फल</u> : जातक मानसिक असंतुलन से ग्रसित रह सकता है।

अरिष्ट मतिभ्रम योग

षष्टमेश पापग्रहों से दृष्ट या युत हो षष्टम भाव में पापग्रह स्थित हों या षष्टम भाव पापग्रह से दृष्ट हो बुध व चन्द्र दुःस्थान पर हो या पापग्रहों से दृष्ट हों तो यह योग होता है। (मेजर एस. जी. खूट)

<u>फल</u> : जातक मानसिक असंतुलन से ग्रस्त रहेगा।

अरिष्ट खलवात योग

लग्न धनु राशि या वृष राशि की हो या कि पाप राशि की हो और पापग्रहों से दृष्ट हो तो अरिष्ट खलवात योग होता है। (मेजर एस. जी. खूट)

<u>फल</u> : जातक के बालों का क्षय होगा और गंजा हो जाएगा।

दैन्य परिवर्तन योग

षष्टमेश यदि लग्नेश या द्वितीयेश या तृतीयेश या चतुर्थेश या पंचमेश या सप्तमेश या अष्टमेश या नवमेश या दशमेश से एकादशमेश या द्वादशेश से भाव विनिमय करता है तो यह योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

<u>फल</u> : यह योग दुष्ट स्वभाव, विरोधियों से उत्पन्न संकट और खराब सेहत प्रदान करता है।

दैन्य परिवर्तन योग

अष्टमेश, लग्नेश या द्वितीयेश या तृतीयेश या चतुर्थेश या पंचमेश या सप्तमेश या नवमेश या दशमेश या एकादशमेश या द्वादशेश से भाव विनिमय करता है तो यह योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

<u>फल</u> : ग्रहों का यह योग दुष्ट स्वभाव, विरोधियों से उत्पन्न संकट और खराब सेहत प्रदान करता है।

अल्पायु योग

लग्न और चन्द्र दोनों स्थिर राशि के हो या एक चर राशि और दूसरी द्विस्वभाव राशि में हो तो यह योग होता है । (डा. के. एस. चरक)

फल : यह योग जातक को अल्प आयु अथवा 32 वर्ष तक की आयु प्रदान करता है ।

अल्पायु योग

पंचम भाव, अष्टम भाव और अष्टमेश पीड़ित हो तो यह योग होता है । (डा. के. एस. चरक)

फल : यह योग अल्प आयु या जातक की 32 वर्ष तक आयु का संकेत देता है ।

सोनमादक योग

लग्न शनि या मंगल के द्रेष्कोण मे हो जबकि सूर्य चन्द्र की युति लग्न, पंचम भाव या नवम् भाव में हो और बृहस्पति केन्द्र अथवा तृतीय भाव में हो तो यह योग होता है । (शंभु होरा प्रकाश 14/26)

फल : जातक को मानसिक असंतुलन के या उन्माद के विकसित होने का संकट उत्पन्न हो सकता है ।

हिल्लजा नेत्र दोष योग

चन्द्र के साथ बृहस्पति, शुक्र, मंगल या बुध लग्न में हों तो यह योग होता है । (शंभु होरा प्रकाश 14/66)

फल : जातक को जीवन में किसी समय उच्च ताप से या संताप से या काम सम्बन्धों में अति आसक्ति या अति भाग या हथियारों से नेत्र विकार का संकट उत्पन्न हो सकता है ।

हिल्लजा नेत्र दोष योग

नक्षत्र एक साथ तीसरे भाव में या केन्द्र में हो जाएँ तो यह योग होता है । (शंभु होरा प्रकाश 14/67)

फल : जातक को अंधा होने का संकट उत्पन्न हो सकता है ।

कुलपमशला योग

पापग्रह और शुभ ग्रह केन्द्र में हो लग्नेश पर चन्द्र की दृष्टि न हो तो यह योग होता है । (शंभु होरा प्रकाश)

फल : जातक मातृभूमि से दूर जाकर रहता है । उसके अपने परिवारजनों द्वारा निष्कासित किया जाता है । पत्नी और बच्चों को खो देता है और गरीबी में जीवन बिताता है ।

मंगल शुक्र योग

मंगल तथा शुक्र की युति किसी भाव में होने पर यह योग बनता है । (डॉ. के. एस. चरक)

फल : जातक धोखेबाज, झूठा या सट्टेबाज होता है । वह औरों के जीवनसाथी के प्रति झुकाव रखता है तथा लिंग के स्वाभाविक रुप से भिन्न रुख अपनाता है । वह सभी द्वारा नकारा जाता है, पर गणित विषय में दक्षता हासिल किये होता है । जातक पहलवान चरवाहा हो सकता है तथा व्यक्ति विशेष के सद्गुण (नेकी) के आधार पर जन समुदाय में पहिचाना जाएगा ।

जीवन फलादेश

आप प्रभावशली व्यक्तित्व वाले हैं। आपका चरित्र अच्छा है तथा स्वभाव से आप रोचक है। आपकी उपस्थिति सम्मोहक होती है। आप आलसी तथा आराम तलबी हो जाते हैं। अकेलेपन के कारण आप दूसरों का सानिध्य चाहते हैं। आप आमोद प्रमोद पसंद करने वाले व्यक्ति हैं। आप प्रसन्नचित व्यक्ति है व आपकी जीवन के प्रति सकारात्मक सोच है। आप शान्त, अन्तर्मुखी तथा हंसमुख व्यक्ति हैं। आप विशुद्ध रुप से प्रमुदित व्यक्ति हैं। आप मिलनसार हैं। स्वभाव से आप जिन्दादिल हैं।

आप शारीरिक एवं मानसिक सहनशक्ति से सम्पन्न हैं तथा धैर्य रखने वाले हैं। आप सदैव दूसरों की भलाई के लिए कार्य करते हैं। आप अपने क्रिया कलापों के परिणाम, तथा विचारों का दूसरों पर पड़ने वाले प्रभाव का मनन करते हैं। आप ज्यादा से ज्यादा व्यक्तियों को उनके लाभ के लिए अपने संस्थान से जोड़ना चाहते हैं। आप आत्म विश्वास व आत्म संतोष पूर्ण सोच से परिपूर्ण हैं। आप कूटनीतिज्ञ व्यक्ति हैं।

आप परिश्रमी हं, तथा विपरीत परिस्थितियों में भी काम कर सकते हैं। जब परिश्रम की जरुरत होती है, तब आप परिश्रम कर लेते हैं। आप में धैर्य है। जब आपको उकसाया जाता है, तो आप छेड़छाड़ के प्रति हठी हो जाते हैं। आपका स्वभाव शान्ति प्रिय है। आप गंभीर व्यक्ति हैं। आप न्यायिक मामलों के प्रति विशेषत: समझौते आदि के दस्तावेजो पर हस्ताक्षर करने में चौकस हैं। राजनीतिक रुप से आपकी सोच परम्परावादी है। प्राचीन रिवाजों को साथ लेकर चलने की इच्छा रखने वाले आप पूरी तरह परम्परा वादी हैं।

आपमें धर्म की गहरी समझ है तथा आपके द्वारा चलित सभी निकायों में आप ईमानदारी की प्रेवृति रखते हैं। आप में न्याय की चाहत है तथा कभी भी पक्षपात पूर्ण निर्णय आपके या किसी और के भी पक्ष में होने पर आप विचलित हो जाते है। विभिन्न मुश्किलों में भी आप अपने वायदे निभाते हैं। अपने शब्दों पर अडिग रहते है, व आप अपना सम्मान बनाए रखते हैं। आप आर्दशवादी हैं। आप चतुर हैं। आप बुद्धिमान हैं। परिवर्तन के समय आपकी बुद्धिमता दिखाई देती है, तथा आप जानते हैं कि इसे किस प्रकार संभाले। कार्य करने में आप सुव्यवस्थित है।

आप क्रिया प्रधान हैं। आप स्पष्ट वादी हैं। आप स्थिर, धैर्यवादन तथा दृढ़ व्यक्ति हैं। आप हठधर्मी (निश्चयतात्मक) हैं। आप जोखिम उठाने के शौकीन हैं। आपको सरलता से प्रेरित नहीं किया जा सकता, परन्तु आप जब भी कार्य करते हैं, बड़ी बहादुरी से करते हैं। आप निर्भीक व्यक्ति हैं। आप बहुत स्वत्व बोधक हो सकते हैं।

आपकी उपस्थिति दर्शनीय होती है। आप निरंकुश हो सकते हैं। अपनी आन्तरिक शक्तियों के बल पर आप सभी परिस्थितियों को अपने अनुकूल कर लेते हैं। आप स्वयं के हित व साधन के प्रति जागरुक हैं। आपको रोमांच पसंद है।

भाषण और क्रियाकलापों के माध्यम से दूसरों को प्रभावित करना आपको पसंद नहीं है। सीमित या निजि परिस्थितियों में ही आप अपना ऊर्जावान और मजाकिया स्वरुप दिखाते हैं।

आप आत्मकेन्द्रित व्यक्ति हैं। आप भौतिक संसाधनों का रसास्वादन करते हैं। आप आराम पसंद हैं और

विलासिता की वस्तुओं का संग्रहण आपका शौक है। आप वस्तुओं का मूल्य पहचानते हैं। आप कंजूस हैं और धन संबंधी कठिनाइयों का सामना कर सकते हैं। दार्शनिक तौर पर आपको संकुचित दिमाग वाला या नकारात्मक रुख वाला व्यक्ति, जो कुछ नया करने में विश्वास नहीं करता हो, माना जा सकता है। आप बिगड़ैल और उग्र स्वभाव के हो सकते हैं. किन्तु आप इसे स्वीकार नहीं करते हैं।

कभी - कभी आप प्ररभावशाली कार्य करने में अयोग्य दिखाई देते हैं। समय - समय पर आप स्वयं को आलसी अनुभव कर सकते हैं, एवं संसार में कार्य करने के लिए आवश्यक शारीरिक तथा मानसिक शक्ति की कमी महसूस कर सकते हैं,। आप आत्म केन्द्रित हैं।

आप आसानी से क्रोधित हो जाते हैं तथा दूसरों की ओर अहंकार प्रदर्शित करने के लिए प्रवृत्त हो सकते हैं। आपकी प्रकृति में क्रोध की मात्रा काफी है। आप तार्किक हैं एवं सामान्यतया अधीर होने को प्रवृत्त हैं। सामान्यतया आप क्रोध नहीं करते, किन्तु यदि करते हैं तो आपका क्रोध भूकम्प जैसे हिंसक व भयानक होता है। आप अपने प्रियजनों के लिए सब कुछ त्याग सकते हैं और जिन्हें नापसंद करते हैं, उनके लिए क्षमाशील नहीं है। उन भावनाओं को आप लम्बे समय तक अपने भीतर रखते हैं। आप एक आक्रमक व्यक्ति हैं। आप समय आने पर निष्क्रिय हो जाते हैं एवं दूसरों पर आक्रमक हो जाते हैं। आप अत्यधिक रुखे हैं व वर्चस्व बनाना चाहते हैं।

यद्यपि आपने उत्तम योजना बनायी हुई है, आप अपर्याप्तता एवं मानसिक हतोत्साहन अनुभव करने की प्रवृत्ति रख सकते हैं। आप आवेशपूर्ण, आवश्यकता से अधिक संवेदनशील, आत्म विश्वास के अभाव में भयभीत एवं बुरे व्यवहार से पीड़ित हो सकते हैं। आप स्वयं को सुन्दर नहीं मानते हैं। कभी - कभी आप दूसरे लोगों की दया पर रह सकते हैं।

आप सम्भवत: भुलक्कड़ एवं कम ध्यान वाले हो सकते हैं।

आपके अन्त: तल में प्रसन्नता की जड़ फैली है। आप एक संतुष्ट व्यक्ति हैं। आपकी खुशी प्रत्यक्ष रुप से आपके नियंत्रण में हैं एवं आप अपने ज्ञात प्रयत्नों द्वारा इसे बदल सकते हैं। आप अपने जीवन के पूर्वार्ध में प्रसन्न नहीं हो सकते किन्तु बाद के भाग मे आप प्रसन्न एवं प्रबल होंगे।

आप आकर्षक हैं। आपमें शारीरिक आकर्षण तथा स्वस्थ व्यवहार है। आपका डील-डौल बड़ा है। आप मध्यम से लम्बे डील-डौल के हैं। आप क्षीणकाय तथा सुव्यवस्थित हो सकते हैं। आप हृष्ट-पुष्ट हो सकते हैं। आपकी विशेषकर बाद के वर्षो में, वजन बढ़ने की प्रवृत्ति हो सकती है। आपके घुँघराले केश होने की संभावना है। आपके केश सघन हैं। यह संभव है कि आपके केश सुनहरे हों। आपका सिर बड़ा तथा बाहर निकलता हुओ हो सकता है। आप सिर गोलाकार है। आपका चहरा गोलाकार है। आपका मुखमण्डल उत्तम है। आपका मुखमण्डल साफ है। आपके मुखमण्डल पर श्वेत कांति है। आपका मुखमण्डल लाल हैं। आपका मुखमण्डल श्यामल है। आपके नेत्र भाव द्योतक हैं। आपकी आँखे मनोहर हैं। आपके नेत्र काले हैं।

प्रत्येक व्यक्ति आपको सुनना पसंद करता है। आप स्पष्टवादी तथा दो-टूक बात करने वाले है, परन्तु आप अपने भाषण से दूसरो पर प्रभाव डालने का प्रयास नहीं करते हैं। आपकी मूल प्रवृति सत्य बोलने की है।

आपकी संवादशील प्रवीणता आपके विकास को बढ़ावा प्रदान करती है।

जब महत्मवपूर्ण विषयों पर तर्क वितर्क हो रहा है, आप बोलने की अपेक्षा शान्त बैठ सकते हैं। आप पूर्णत: तर्कसंगत हैं, तथा आप दूसरों के साथ संघर्ष करते समय प्राय: विजेता रहते हैं। आप बातूनी हैं।

आपके लिए स्वयं को, विशेषत: जन समुदाय के बीच, अभिव्यक्त करना अपेक्षाकृत कठिन है। स्वयं को स्पष्ट रुप से अभिव्यक्त करना, आपके लिए कठिन हो सकता है। आप गलत न समझे जाएं इस भय को आप मन में गुप्त रख सकते हैं।

आपका कटाक्षपूर्ण वचन बोल सकते हैं। आपकी बोली रुखी व पांडिताई पूर्ण हो सकती है। आप कुशाग्र सोच तथा तीक्ष्ण वाणी के कारण कटाक्ष व निन्दा करने वाले वचन बोल सकते हैं।

आपने बचपन में देरी से भाषा ज्ञान सीखा तथा बोलने में कुछ अटकते थे। आप एक मूकाभिनय के कलाकार हो सकते है जो हर भाव को आसानी से दिखा लेता है। आप अच्छे विवादी नहीं है, अत: विवादों से बचें। आप स्वयं को अभिव्यक्त करते समय सत्य बोले।

आपका दिमाग सन्तुलित है। आपके विचार व्यवहारिक तथा उपयोगिता के आधार पर तौले जाते है।

आप अत्यधिक तनाव में भी साहस व दिमाग की उपस्थिति रखेंगे। आपकी राय व दिशाएं ज्यादा समय स्थायी नहीं रहती। आप समस्या के निदान में लगे रहेंगें। आप मानसिक रुप से अनुशासित हैं व ध्यानपूर्वक योजना बनाते हैं।

आप स्वतंत्र विचारक हैं जो बड़े व्यापार व कार्यों पर अपनी दृष्टि रखते हैं। आप में येाजनाएं बनाने की योग्यता है। आप स्वयं को खुले विचारों का मानते हैं।

आप बुद्धिजीवी व अर्न्तमुखी हैं। आप परिस्थितियों के प्रति नर्म होने के बजाय कठोर नजरिया रखते हैं। आपका स्वभाव अस्थिर है। आप कभी-कभी ऐसे विचार देते हैं जो वक्त आने पर सही सिद्ध होते हैं।

आप असंवेदनशील तरीके से सोच सकते हैं तथा आप अपने श्रोताओं की भावनाओं का ध्यान नहीं रखते हैं। आपकी सोच कल्पनाशीलता से ज्यादा सैद्धान्तिक होती है। आप कई बार अवर्णनीय रुप से घबरा जाते हैं। आप स्वार्थी हैं व दूसरों को सहन नहीं कर सकते हैं।

आप कई बार शारीरिक माँग, आपके दिमाग पर विजय प्राप्त कर लेती है। आपकी सोच आप में चाह जगाती है।

आप की आत्मा पवित्र है। आप स्वयं में अविश्वास कभी नहीं करेंगे इसलिए चिन्ता से दूर रहेंगे। भावनात्मक रुप से आप संवेदनशील हैं। आप गहन व मनमौजी हैं, व हर बात को दिल पर लेते हैं। आपकी भावनाऐं रुमानी स्थितियों से अति प्रभावित होती हैं। आपका जीवन आपके भावों के रंग से रंगा है परन्तु कभी कभी दूसरे भी स्वयं का प्रतिबिम्ब उसमें देख सकते हैं। आपके निर्णय बुद्धि से जयादा भावनाओं द्वारा निर्धारित होते हैं। आप अपनी भावनाओं को विचारों पर हावी नहीं होने देते हैं। आप सितारों की चाल समझते हैं परन्तु दूसरे आप को नही समझते हैं। अच्छी, खुबसूरत यादों से आप भावुक हो उठते हैं, तथा अपने भूतकाल से चिपके रहते हैं।

आप शायद महसूस करें की आप जो कहते हैं उसे लोग न सुनते हैं और न ध्यान देते हैं। कई सम्पर्क आपके लिये असमंजस

भरे साबित होंगे।

आप थोड़े से रोगभ्रमी हैं। आप अक्सर महसूस करते हैं कि आपको उकसाया जा रहा है।

इससे आपको वह सम्पत्ति प्राप्त होगी जिसके आप हकदार हैं।

आप उससे ज्यादा देख सकते हैं जितना आप बताते हैं।

आप अक्लमंद हैं। आपकी बुद्धि व्यापारिक मुनाफे में खासी भूमिका निभाती है परन्तु अपने साझेदार पर अनावश्यक भरोसा न करना आपके लिए हितकर होगा।

आपके पास अच्छी शिक्षा है।

शिक्षा प्राप्ति के प्रयास आपके जीवन में व्यर्थ जायेंगे और यदि इसे पाना ही चाहते हैं, तो आपको दूर यात्रा करनी पड़ेगी।

आपके विद्यालय के सामान्य पाठ्यक्रम से बहुत महत्वपूर्ण ज्ञान प्राप्त होता है।

आपके पास प्राकृतिक (वास्तविक) विवेकशीलता है जिसे आप खुशी से दूसरों के साथ बांटते हैं।

आप सीखने में आनन्द लेते हैं शिक्षा या किसी भी और प्रकार की सीखने की प्रक्रिया का आपके जीवन संबंधी दृष्टिकोण पर खासा प्रभाव पड़ता है। व्यक्ति के स्वयं के प्रयास ज्यादा महत्वपूर्ण हैं बजाय की उस संस्थान के जहां से वह शिक्षा प्राप्त कर रहा है। आप अपने प्रयासों व कलापों द्वारा जीवन की समझ व ज्ञान प्राप्त कर लेंगे। आप उन क्षेत्रों का अध्ययन करेंगे जो अन्य के लिये विदेशी हैं। आप चीजों को धीरे परन्तु गहराई से सीखते हैं।

आप में श्रेष्ठ दक्षता है व आप प्रतियोगी व परिश्रमी हैं। आप में स्थिर स्थितियों को उन्नतिशील बनाने का हुनर है।

आप अपने फायदे के लिये झगड़े करते हैं। आपका प्रभावशाली सामाजिक जीवन, लक्ष्य की प्राप्ति में सहायक होगा। आप अन्य लोगों को सहज बनाने में व समूह में काम करवाने की योग्यता रखते हैं। आपमें आकर्षण की योग्यता है। आपमें अपने प्रयासों को सफलता में बदलने की योग्यता है।

आप में काफी कार्य करने की तथा सूक्ष्म ब्यौरों को भी विचारपूर्वक ध्यान देने की क्षमता है।

आप कम्प्यूटर में शिक्षा तथा कुछ जटिल तकनीकों में विशेषता प्राप्त करेंगी।

आप दृश्य को देखने, समझने व सही निर्णय की क्षमता रखते हैं।

आप चुनौति भरे कार्यो की अच्छी समझ रखते हैं। चाहे आप एक पेशेवर उपचारक हो या ना हो आप स्वयं या दूसरे को स्वस्थ कर सकने की योग्यता रखते हैं।

सफल सौदों के लिये सही सम्पर्क नही बना पाने के कारण आप असफल रहते हैं।

आप सृजनात्मक हैं।

आपकी बुद्धि अति तत्पर है व आप अच्छे शिक्षित हैं। आप में कठीनाईयों व जटिलताओं के मध्य भी अपना मार्ग खोज लेने की उत्कृष्ठ मानसिक क्षमता हैं।

आप भावपूर्ण रचनाएँ कर सकते है व जब चाहे पैसे कमा सकते हैं। आप अपनी लेखन कुशलता के लिए जाने जायेंगे। आपमें भाषा के प्रति विशेष योग्यता हैं। आप यान्त्रिक समस्याओं को जल्दी निपटा देते हैं।

आप स्वास्थ्य में रुचि रखते हैं। आप फिटनेस ट्रेनिंग से अपनी ताकत को विकसित करेंगे। आप मजबूत हैं। आप बाएँ हाथ से कार्य करते हैं।

आप में खेलों के प्रति ललक है खासतौर पर जल संबंधी, इसके लिये आपमें असन्तुष्टी भरी भूख है।

जीवन के प्रति आपका नजरिया सकारात्मक व आशावादी है। आप अपने क्रिया-कलापों में अति सावधान तथा कभी-कभी हिचकिचाहट भरे हो सकते हैं। आप स्वेच्छा से कदम उठाते है तथा यह प्रशंसनीय होता हैं। आप में नये आयाम खोजने की ताकतवर क्षमता व साहस हैं। आप पेरशानी के समय में धैर्य व साहस से कार्य करते हैं।

आपका असावधान व नास्तिक स्वभाव दिखाई नही देता।

आपमें अपने अधिकारो का ज्ञान है और आप सभी क्रियाकलाप सम्मानित तरीके से करते हैं। आप सबके साथ ईमानदार हैं। आप दूसरों के प्रति उदार है और दूसरों को जीवन में अच्छे पक्ष के लिये प्रेरित करते हैं। आप दूसरों का बहुत ध्यान रखते है और वे व्यक्ति जिनसे आपका संबंध है उनको आप पूर्ण संबल प्रदान करते है। आप समाज को प्रभावित करने वाले कार्यो में सदैव सच्चे मन से लगे रहते हैं। आप अपने कर्तव्यों को पूरा करने मे पूर्ण रुप से समर्पित हैं। आप अच्छा कार्य करने का प्रयास करते हैं और सामान्यतया विजय प्राप्त करते हैं। आप अपने माता-पिता, परिवार और मित्रों के प्रति उत्तरदायी हैं।

आप अपने परिवेश को समय-समय पर बदल या पुन: सज्जित कर सकते हैं।

आप अपनी स्थिति पर दृढ़ता से कायम हो जाते हैं और दूसरों के प्रति संवेदना कम ही रखते हैं। आप अपने अहम की तृष्टि के लिए गलत रास्ता भी चुन सकते हैं।

आपका स्वभाव संभवतया उग्र हैं। आप सभी परिस्थितियों पर विचार न करके क्रुर या असंयत रुप से दूसरों की भावनाओं और दुर्घटन की परवाह न करते हुए कार्य कर सकते हैं। आप साधनों को अन्त तक न्यायोचित ठहराने में विश्वास रखते है और अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए वफादार सेवकों और अनुयाईयों का बलिदान भी कर सकते हैं।

आपकी इच्छाएं आधारभूत और मजबूत हैं। आप उल्लासपूर्ण और बौद्धिक वातावरण पसंद करते हैं। आप ऐसी सकारात्मक स्थितियों का आन्नद लेते हैं जो वृद्धि में सहायक होती हैं। आप अपने संबंधियों के साथ रुकना और उनके कार्यों में लिप्त होना पसंद करते हैं।

आप पूर्णत्या आचार संहिता को पालन करने की अपेक्षा नैतिक परिस्थितियों में विश्वास करते हैं। आप सुदरता और सुंदर वस्तुओं की प्रशंसा करते हैं।

आप चाहे संपत्ती, वस्तुओं या लोगों को अर्जित, संरक्षित और परिष्कृत करना पसंद करते हैं। आप वैज्ञानिक ज्ञान का सम्मान करते हैं और दार्शनिक विचारों को तोलने का प्रयास करते हैं। आपकी रुचि प्राचीन संस्कृति से जुड़ें विषयों में हो सकती है जैसे ज्योतिष, इतिहास, पुरातत्व विज्ञान इत्यादि। आपको मेहनत पसंद है। आपको लाभ-जीत और अपनी इच्छापूर्ति पसंद है। आप साहस दर्शित कर और सम्मान की अपेक्षा कर दूसरों पर प्रभुत्व जमाने की इच्छा रखते हैं।

आप अपने विचारों और तर्को को दूसरों से छिपाकर रखते है। आपकी साहसिक प्रकृति के कारण आप सदैव चुनौतिपूर्ण कार्यों को करने के लिए उत्सुक रहते हैं। आपको परिवर्तन पसंद हैं। आपको सपने देखना पसंद है। आपको त्वरित परिणाम पसंद है। अपनी कुशलता को बढ़ाने के लिए आपको उपकरण काम में लेना पसंद है। आपको समाज में महिलाओं की भूमिका संबंधी मामले पसंद है।

आपकी रुचि उन्हीं वस्तुओं में है जो आराम और प्रसन्नता देती हैं। आप भौतिकतावादी हैं और थोंड़े से धन से ही विलासितापूर्ण वस्तुएं एकत्र करना चाहते हैं। आपको कला, अच्छे वस्त्र, आभूषण और सुगन्धित पदार्थ अच्छे लगते हैं। आपकी रुचि आध्यात्मिक मुक्ति और उन्नति में है विशेषरुप से ध्यान जैसे मानसिक साधनों से। आपके मन में कट्टर धर्म के प्रति शंकाये हो सकती है।

आपके प्रति जो पशु प्रेम भाव रखते है उनसे आप भी प्रेम प्रदर्शित करते हैं।

आपको निरंतर कार्य करना अच्छा नहीं लगता।

आप संभवतया धूम्रपान करते हैं।

आप स्वयं के शरीर का अत्यधिक ख्याल रखते हैं। आपको कुछ स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ हो सकती हैं जो आपकी आयु पर विपरीत प्रभाव डाल सकती है। आपको ऐसा रोग होने की संभावना है जिसका पता लगाना मुश्किल हो। आपकी शारीरिक समस्याएँ आपकी खुशियों में बाधक हो सकती हैं।

आपकी निद्रा में व्यवधान उत्पन्न हो सकता है। आपके शरीर का महत्वपूर्ण भाग, चाहे भला हो या बुरा, सिर, नेत्र एवं हृदय हैं। आपके पावों के निचले भाग में कमजोर परिसंचरण के कारण उत्तकों और नसों की सूजन की समस्या हो सकती है। आप गुदा में किसी रोग से पीड़ित हो सकते हैं। पालतु पशुओं पर रहने वाले परजीवी आपके लिए समस्याजनक हो सकते हैं। आपके दाँये कान में समस्या हो सकती है। आपको नाक से संबंधित समस्याएँ हो सकती है। आप, समय से पूर्व गंजेपन का अनुभव कर सकते हैं। आपके लिए ठंडी फुहारे ऊर्जादायक हैं।

आपकी लापरवाही से दुर्घटनाएँ हो सकती हैं। आप पानी से संबंधित वाहनों को काम में लेते समय सावधानी का प्रयोग करें। आपको नौका विहार के दौरान सावधान रहना चाहिए। आपको लम्बी समुद्री यात्राओं की सलाह नहीं दी जाती है।

आप अपने अभिभावकों का सम्मान करते हैं। आपके और अभिभावकों के मध्य कुछ दूरी हो सकती है या उन्हें असामान्य परेशानियों का सामना करना पड़ सकता हैं।

आपकी माता अच्छे नेताओं के प्रति आदरभाव रखती हैं वे उत्तम सोच रखती है जिससे लोग उनका सम्मान करते हैं। वे उच्च शिक्षा और विचार के प्रति उन्मुख है और जीवन की समस्त अच्छी बातें जैसे बच्चे , प्रेम, खेल-कूद और मनोरंजन को वे भरपूर जीती है। वे परिस्थितियों में आनन्द लेती हैं। उन्हे अपने पिता और गुरुजनों का आर्शीवाद प्राप्त है। आपकी माता बहुत ममतामयी और पोषण करने वाली महिला है। आपकी माताजी को अन्य द्वारा किये गये आदेशों का पालन करना दु:खी करता है, चरम मामलों में आपकी माताजी ऐसा पक्ष समर्थन स्वीकार करने की बजाय गरीबी और असुविधा का चुनाव करेंगी जो उन्हे किसी के समादेशों का पालन करने के लिए मजबूर करते हैं।

आपकी माता को कुलीन वस्तुए पसंद है। आपकी माता का अशांत मस्तिष्क प्रत्येक बात और संबंध को सदैव तरीके से निर्वचन कर सकता है। आपकी माता स्वयं की महता को ध्यान में रखते हुए उसको बढ़ा चढ़ाकर बताने में होशियर है।

आपकी माता कभी-कभी सुस्ती के दौर से गुजर सकती है और अपना कार्य अधूरा छोड़ सकती है। आपकी माता अपने सर्वाधिक बुरे समय में, स्वयं को घमण्डी और प्रत्येक को प्रभावित करने के लिए इच्छुक महसूस कर सकती है। आपकी माता उन लोगों से नाराज हो सकती है जो समाज के कल्याण के लिए नि:स्वार्थ रुप से चलाये जा रहे उसके कार्य में बाधा पहुंचते है। आपकी माता के एकाधिक विवाह की संभावना है। आप अपनी माता के बहुत नजदीक है। अपनी माता और परिवार की इच्छाओं के प्रतिकूल आप अपने हिसाब से कार्य करते है। आप अपनी माता के साथ अपने व्यवहार को सीमा में बांध कर रखते है।

आपके पिता का यद्यपि रोजगार परिवर्तित हो सकता है पर वे कर्तव्यनिष्ठ व्यक्ति है। अपने ज्ञान और अनुभव के क्षेत्र में वे एक विशेषज्ञ है वे कठिन से कठिन कार्य को भी पूरा कर देते है। और इसी कारण वे भीड़ से अलग नहर आते है। ध्यान केन्द्रित करने की उनकी शक्ति असीम है। आपके पिता धीमे एंव दृढ़ है। आपके पिता बहुत अच्छी तरह से एक स्वनिर्मित व्यक्ति हो सकते है।

आपके पिता अक्सर धन व भौतिक खुशहाली के बारे में सोचते रहते है। आपके पिता के व्यवसाय में कुछ परेशानियां आ सकती है। जिनसे परिवार की सम्पन्नता में कुछ कमी आ सकती है।

आपके पिता अपनी जिह्या पर नियंत्रण न होने के कारण जो कुछ चाहते है उसे बिना विचार किये बोले देते है। आपके पिता का कार्यकारी मस्तिष्क होने के कारण सरकार के व्यवहार के बारे में अपनी राय व्यक्त की है जोकि आपतौर पर पक्ष में नहीं है। आपके पिता को भावनाओं के प्रति प्रतिक्रिया करे बिना अनुभव करने में मुश्किल होती है। आपके पिता को पश्चाताप एंव गलतियों की अनुभूति से उबरने में लम्बा समय लग सकता है।

आपके पिता दूसरों के अच्छे इरादों की तुलना में बुरे इरादों को अधिक भांपने वाले हो सकते है।

आपके पिता को उच्च शक्तियों के साथ रचनात्मक ढ़ंग से सहयोग को सीखने की जरुरत है जो कि उनकी बाह्य अभिव्यक्ति को मार्गदर्शन करती है। आपके पिता को अपने बारे में कम गंभीर होने व चीजों के बाहरी स्वरुप की कम परवाह करने की जरुरत है।

आपको काम या कोई दूसरा अनिश्चित प्रभाव आपके पिता से आपकी इच्छा से अधिक दूर रखेगा। आप अपने पिता के कार्य में रुचि न लेने वाले तथा उनके धन को बर्बाद करने वाले हो सकते है जो उन्होंने उस कार्य से कमाया है।

आप अपने परिवार की परम्पराओं को निभाना जारी रखना पसन्द करते है। आपके परिवार में कुल मिलाकर अपने पिता, पत्नी, बच्चों तथा अध्यापकों से मधुर व अच्छे सम्बन्ध है।

आपके रिश्तेदार आपका पक्ष लेते है। पिता की तरफ के रिश्तेदारों का व्यवहार निराशाजनक हो सकता है तथा आप उनसे दूर हो सकते है।

आपको अपने भाईयों/बहिनों से मधुर संबंध है। आपके बड़े भाई के साथ आपका जो संबंध है वह नजदीक व फायदेमंद हो सकता है। आपके भाई-बहिन है जो आपके साथ काम करते है या करीबी साथी है जो आपके साथ टीम के रुप के कार्य करते है। आपके भाई-बहिन आपके उद्देश्यों की पूर्ति में आपकी मदद कर सकते है। आपके भाई बहिन व साथी आपके पेशे की प्रगति में आपकी मदद कर सकते है। आपके भाई-बहिन व व्यवसाय की प्रगति तथा प्रयासों में सहयोग दे सकते है।

आपकी मां तथा छोटे भाई बहिन आपको असाधारण समझते है अथवा अपने सांस्कृतिक ज्ञान को बढ़ाना चाहते है। आपके कोई छोटा भाई या बहिन नहीं होगा लेकिन अगर कोई है तो उसके जीवन में कुछ कठिनाई हो सकती है। आपके कोई भाई/बहिन या आप पर निर्भर रहने वाले हो सकते है जो कि आप के धन तथा जायदाद को खर्च कर सकते है। आपके कोई छोटा भाई बहिन नहीं होगा अगर कोई होगा तो वह गंभीर प्रकृति का हो सकता है।

आपका एक भाई या बहिन आपको बहुत पसन्द कर सकता है लेकिन बड़े भाई/बहिन के साथ आपके संबंधों में कुछ परेशानियां हो सकती है। आपका बड़ा भाई या बहिन तथा आपके बीच प्रतिद्वंद्वता हो सकती है। आप अपने बड़े भाई बहिन या पूर्वस्थापित साथियों के प्रति कटु हो सकते हो। आपका बड़ा भाई/बहिन लू,बूखार, सूजन, कटना जैसी बीमारियों से पीड़ित हो सकते है।

आपका छोटा भाई/बहिन आपके लिये महत्वपूर्ण है।

आपकी मां के रिश्तेदार बहुत आपके पेशे की प्रगति में आपकी प्रगति कर सकते है। आप को अपके नानाजी के परिवार से जुड़ी हुई कोई हानि या परेशानी हो सकती है।

वैवाहिक जीवन में आपके लिये सबसे अच्छी शिक्षा होगी कि आप स्वार्थरहित सेवा भाव से रिश्तों को निभाएं।

आपके वैवाहिक जीवन में कुछ चुनौतियां है। आपकी शादी एक से अधिक बार हो सकती है। आपके वैवाहिक जीवन में उथल-पुथल हो सकती है। आप अपने दृष्टिकोण पर अडिग रहते हो बजाय अपने पति/पत्नी का भी दृष्टिकोण जानने के।

आपका जीवनसाथी या साझेदार आपकी आर्थिक समृद्धि में सहायक होगा।

आपका जीवनसाथी आपके कार्य की जटिलताओं को समझने में असमर्थ है तथा इससे आपके बीच की दूरी बढ़ सकती है।

अत्यधिक गोपनीयता रखने वाली आपकी पत्नी तथ्यों को अपने तक सीमित रखने वाली व सुरक्षा का ध्यान रखने वाली है वे स्वप्रेरित व अपने घर एंव परिवार को व्यवस्थित रखने वाली है वे जल्दी से गुस्सा करने वाली नहीं है परन्तु वे अपने प्रतिद्वन्द्वियों को कभी नहीं भूलती। वे सत्यवादी विश्वसनीय वफादार पवित्र एंव समर्पित है।

आपको सुन्दर जीवन साथी मिलेगा। यह सम्भव है कि आपके जीवनसाथी में मनोहरता स्त्रियोचित गुणों का बहुत सुन्दर समन्वय होगा। आपका जीवनसाथी प्यारा है। आपकी पत्नी आमतौर पर प्रसन्नचित व आपका ख्याल रखने वाली है। आपकी पत्नी दूसरों के मामलों में दखलअंदाजी नहीं करती हांलांकि इससे वे दूसरों की मदद करने के मौके गंवा देती है। आपकी पत्नी स्वभाव से दृढ़ है व उन्हें घर काम व रिश्तों में स्थायित्व पसन्द है। आपकी पत्नी में प्रबल अनुभूति व गहरी अन्तर्दृष्टि है। आपकी पत्नी कुशाग्र एवं तार्किक बुद्धि की है। आपकी पत्नी अपनी अभिलाषाओं की प्राप्ति के लिए वर्षो पूर्व योजना बना सकती है। आपके जीवनसाथी की वाणी अशिष्ट हो सकती है। आपकी पत्नी सौदे की सफलता से उत्तेजित हो जाती है। आपकी पत्नी अधिकाशंत: जब अशान्ति एवं ज्वारभाटा उत्पन्न करने वाले विचारों पर नियंत्रण रखती है, तो प्रसन्न रहती है। आपकी पत्नी अपनी सामरिक शक्ति का शारीरिक स्तर पर उपयोग करने को उन्मुख रहती है, भले ही हंसी में हो। वह संभवत: खेलकूद अथवा अन्य शारिरिक क्रियाओं में रुचि रखते/रखती हैं एवं आपके बच्चों को सही शिक्षा दिलवाना चाहेंगे/चाहेंगी। आपकी पत्नी के लिए मोक्ष का अर्थ अच्छी एवं ऐसे व्यक्तियों की संगति है जो उनकी प्रबल भावनाओं के उबाल के प्रभाव को उलट दें। आपकी पत्नी क्षण-मात्र की सूचना पर अपने प्रियजनों के लिए बलिदान देने को तैयार हैं।

आपकी पत्नी एक श्रेष्ठ अध्यापिका हो सकती हैं।

आपकी पत्नी पुनर्जन्म एवं दीर्घ-आयु के रहस्यों पर चिंतन करती हैं।

आपकी पत्नी आदर्शवादी नहीं हैं और न ही वह बाधाओं के प्रति सावधान हैं। आपके पति अन्यों से अपने ही समान चतुर एवं परिश्रमी होने की अपेक्षा के कारण उत्तेजित एवं असंतुष्ट हो सकते हैं एवं उन पर दबाव डालकर स्थिति को और बिगाड़ सकते हैं जिसके परिणामस्वरुप वे लोग निरुत्साहित एवं स्वयं को सर्वथा अयोग्य अनुभव करते हैं। आपकी पत्नी अन्यों से अपने ही समान चतुर एवं परिश्रमी होने की अपेक्षा के कारण उत्तेजित एवं असंतुष्ट हो सकती हैं एवं उन पर दबाव डालकर स्थिति को और बिगाड़ सकती हैं जिसके परिणामस्वरुप वे लोग निरुत्साहित एवं स्वयं को सर्वथा अयोग्य अनुभव करते हैं। आपकी पत्नी बाह्य रुप से उदार एवं सहनशील प्रतीत होने पर भी आंतरिक रुप से शंकालु हैं। आपकी पत्नी अतिशीघ्रता एवं अनेक बार आवेगपूर्ण ढ़ंग से प्रतिक्रिया करती हैं। आपकी पत्नी को यदि कोई आघात पहुँचाए तो वे उसे आसानी से नहीं भूलती।

आपके जीवन-साथी को प्रसव में कठिनाईयाँ आ सकती हैं। आपकी पत्नी का सबसे बुरा दौर वह है जब वे एक प्रकार के भाग्यवादी समर्पण के द्वारा स्वयं को पूर्णत: निष्क्रिय होने की अनुमति दे देते हैं। आपकी पत्नी स्वयं को हानि देने एवं बदला न लेने के अभ्यास करने से सब पुन: प्राप्त करती दिखेंगीं जो उन्होंने खोया है। अपने अंतर में स्थित शक्तिशाली ऊर्जाओं को नियंत्रित करने के लिए आपकी पत्नी को अत्यंत सतर्क रहने की आवश्यकता है।

आपके अधिकांश मित्र विपरीत लिंग के सदस्य हैं। आप जिन लोगों का संग विशेषरुप से रहते हैं, उनमें से कुछ व्यक्ति उद्यमी एवं दृढ़ हैं। आप ऐसे लोगों का संग रहते हैं जिनकी रुचि उत्तम है एवं जो सुविधाओं को महत्व देते हैं। आप जिन व्यक्तियों का संग रहते हैं उनमें से अनेक कलात्मक प्रतिभाओं के धनी हो सकते हैं। आपको अवचेतन रुप से लगता है जैसे आप अपने मित्रों से प्रतिस्पर्धा में हैं। आपका जीवन व्यस्त होने के कारण घनिष्ठ मित्रता को बनाए रखना समस्यात्मक हो सकता है। आप अपने मित्रों पर खर्च करना पसंद करते हैं परंतु कभी-कभी उनकी समस्याएँ आपके लिए परेशानी उत्पन्न कर देती हैं। आप अपने मित्रों से दूरी बनाए रखेंगे ऐसा संभव है।

आपको मित्रों एवं सामाजिक संपर्कों के संग से प्राप्त लाभ के द्वारा सफलता प्राप्त होगी। आप दीर्घ-कालीन मित्रताएँ बनाते हैं। आपकी लोगों से मित्रता योग्यताओं के ज्ञान पर अथवा प्रशिक्षण के समान तरीकों पर आधारित है। आप लोगों के प्रति एक अच्छा मित्र होने का प्रयत्न करें, क्योंकि, हो सकता है कि आपमें गंभीरता का अभाव हो। आप मित्रों से बात करते समय कभी-कभी निंदापूर्ण एवं अलोचनात्मक हो जाते हैं।

आपके संभवत: बहुत से शत्रु एवं प्रतियोगी हों एवं आपके मित्र अविश्वसनीय हों। आपने जिन व्यक्तियों को अपना समर्थक माना था संभव है कि वे समर्थकों के वेष में प्रतिद्वन्द्वी सिद्ध हों। आपके शत्रुओं में आपके प्रति आदर की भावना होगी एवं आप उनको अत्यंत प्रभावित कर सकते हैं। आप प्रतिस्पर्धापूर्ण परिस्थितियों से लाभान्वित हो सकते हैं। आपको शत्रुओं, विरोधियों एवं प्रतिद्वन्द्वियों की ओर से दबाव आएंगे जो आपके जीवन को उत्पीड़ित करेंगे परंतु आप संघर्षों एवं प्रयत्नों के बाद उनपर विजय प्राप्त कर लेंगे। आपके शत्रु अथवा प्रतिद्वन्द्वी स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित रहते हैं अथवा वैधानिक-विवादों में उलझे रहते हैं जिससे वे आप का विरोध नहीं कर पाते। आपको ऐसा लग सकता है कि संसाधनों को प्राप्त करने के बहुत से अवसर आपके विरोधियों अथवा प्रतिद्वन्द्वियों के माध्यम से प्राप्त होंगे। यह आश्चर्यजनक हो सकता है परंतु आपकी इन उपायों से अर्थोपार्जन की अच्छी संभावना है। आपके लिए अन्य अवसर वास्तविक रुप में बाधापूर्ण हो सकते हैं। आप स्वयं अपने प्रतिद्वन्द्वियों के हाथों पराजय अनुभव कर सकते हैं।

आपको प्रकृति ने एक प्रभावशाली व्यक्तित्व प्रदान किया है। अपने प्रभावशाली एवं स्वाभिमानी व्यक्तित्व के कारण आप लोगों में सम्मान पाते हैं। जो आपको भलि-भांति जानते हैं केवल वो लोग ही समझ पाएंगे कि आपका स्वभाव अविश्वसनीय हो सकता है। आपकी आत्म-केंद्रियता अन्यों को निदर्यी अथवा अशिष्ट व्यवहार जैसी प्रतीत हो सकती है। आप सरकार, लोकप्रिय, जोशीले एवं निर्भीक लोगों द्वारा अनुगृहीत होते हैं। आपको अपने मित्रों के द्वारा भलि-भांति समर्थन प्राप्त है एवं आप उनमें लोकप्रिय हैं।

प्राय: आप अतिशीघ्रता अथवा लापरवाही से निर्णय लेंगे जिससे बाद में इसके परिणामों पर पछताएंगे। आपको एक तरह से 'पतित' व्यक्ति कहा जा सकता है क्योंकि आप ऐसे क्रिया-कलापों में भाग लेते हैं जो आपके योग्य नहीं हैं।

आप जिन्हें अपने विविध उद्देश्यों में सम्मिलित करते हैं, उनमें आपके प्रति उच्च आदर एवं आपके प्रति प्रबल वफादारी है। आपको सामाजिक रुप से लोगों से मिलना-जुलना पसंद है। आप अनुकूल एवं आतिथ्यकारी होने के कारण अत्यंत मिलनसार

हैं एवं आपको पड़ौसियों, मित्रों एवं संबंधियों का सत्कार करने में आनंद आता है। लोगों के समूह में आप कभी-कभी सभी को एक समान लक्ष्य के विषय में प्रोत्साहित करने के महत्वपूर्ण उपकरण सिद्ध होते हैं।

आपको आसानी से गलत समझा जा सकता है जिससे आपको कुछ कठिनाई हो सकती है। एक स्त्री कें माध्यम सें आपके जीवन की महत्वपूर्ण अभिलाषा पूर्ण होगी। आपको संकीर्ण मानसिकता वाले सीमा-बद्ध लोगों के आस-पास रहने में कठिनाई होगी।

आप विदेशियों के अच्छे सम्पर्क में हैं। आप विदेशों में भाग्य बनायेंगे। विदेशी व्यापार करने के लिए आपका गोपनीय और साहसिक होना आवश्यक है। विदेशी आपको तनाव ग्रस्त कर सकते हैं। आपको विदेशी सम्पर्कों से हानि हो सकती है।

आप अपने खर्चों को पूरा करने के लिए कठोर परिश्रम करेंगे। जब आप कार्य करना प्रारम्भ करते हैं तो कड़ा परिश्रम करते हैं। आपके लक्ष्य प्राप्ति में आपको कुछ प्रयास करने पडेंगे जो आप अपनी प्रेरणा से कर लेंगे। आप विदेशी कार्यों में दृढ़ता व साहस से कार्य करेंगे।

आपकी शैक्षणिक पृष्ठभूमि कार्य की सफलता में मदद करती है। आप अपने कार्य में उपकरणों का इस्तेमाल करते हैं। आप एक स्वाभाविक दुनियादारी के कारण बड़े प्रकार के कार्य कर सकते हैं। आप बीमारी का इलाज व रोकथाम कर सकते हैं। आप छाटे समकालीन कार्यों व ठेकों को लेना पसन्द करेंगे। आपका कार्य किसी न किसी प्रकार की सेवा प्रदान करने वाला होगा जैसे चिकित्सा, कानून, सुरक्षा या पशुपालक। आप दूसरों के दुर्भाग्य को अच्छा करने का प्रयास करते हैं अत: आप के व्यवसाय में यही विशिष्ट क्षेत्र हैं।

आप कार्य विदेशी भाषा या विदेशी संचार में लिप्त हो सकते हैं।

आपका व्यवसाय अतिविशाल परन्तु कम लाभ देने वाला होगा। आपमें ठेकेदारी उत्साह है व आप अवसरों से लाभ प्राप्त करने को तत्पर हैं। आप व्यावसायी व कम्प्यूटर विज्ञान के प्रति ग्रहणशील होंगे। आप अपने प्रतियोगियो पर गहरा प्रभाव रखते हैं।

आप एक स्वाभाविक विक्रेता हैं। जब तक आपके पास पर्याप्त स्वतंत्रता न हो आप कार्यकर्ता नहीं बनना चाहते। आप ऐसे सौदे में नाप-तौल करेंगे जो अल्प कालिक होते हैं। अपने व्यवसाय में, आपका नाम आपके प्रयासों व साहस के कारण है ।

आप दूसरों की सेवा में रहेंगे। आप अपने संगठनों व मालिकों के लिये मूल्यवान हैं। आप परिश्रमी व सृजनात्मक व्यक्तियों के लिये कार्य करेंगे।

जो लोग आपके साथ कार्य करेंगे वे स्वयं में काफी परिवर्तन महसूस करेंगे।

आपके भाई/बहिन या सहयोगी आपके पेशे के लिए मददगार होंगे। आपका भाई एक सफल ठेकेदार हो सकता है, परन्तु किसी भी भाई बहिन के साथ व्यापार न करें। आप अपने व्यावसाय के प्रति जरुरत से ज्यादा चिन्तित हैं। आप अपने काम में आ रही बाधा निवारण के प्रति दृढ़ निश्चयी हैं। किसी भी कार्य की शुरुआत से पूर्व उसके परिणामों से वाकिफ होना आवश्यक है। किसी तस्वीर को देख कर उसी के विस्तार में अधिक कार्य करना आपके लिये अति साधारण बात है। आपका कार्य आपको समूह और संस्थाओं के सम्पर्क में लाता है जहाँ पर आपको विभिन्न नाटकीय एवं परीक्षणों के दौर से गुजरना पड़ता है। आप जो कार्य करेंगे वह किसी संस्था को अग्रिम व अपूर्व ज्ञान प्रदान करने वाला होगा। आप जनसेवा में रुचि रखते हैं।

आप प्रसिद्धि पायेंगे। आप सार्वजनिक जीवन में एक बहुत सम्मानजनक स्थान प्राप्त करेंगे। आप बहुत लोकप्रिय होंगे, संपन्न लोगों से आपका संपर्क आपके प्रयासों में सहायक होगा। आपका शैक्षणिक ज्ञान और बुद्धि कौशल आपको सम्मान और पहचान दिलायेगा। आपके अपने प्रयासों से सफलता मिलेगी। यह आपको दान मे नही मिलेगी।

आप जैसे परिश्रमी साहसी और गंभीर व्यक्ति के जीवन में उम्र के साथ-साथ सफलता बढ़ती जाती है। आप अपने शैक्षणिक पृष्ठभूमि के कारण अपने काम में सफल होते हैं। आपको विरोध और बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है, जो आपको सरलता से सफल होने से रोकती है। आप अधिकांशत: काम के बोझ से दबे रहते हैं। आप अपने कैरियर में उन्नति और स्तर में सुधार की भावी संभावनाओं से प्रोत्साहित होते हैं।

आप समर्थन प्राप्त करने में विशेष ध्यान देते हैं और मित्रों के मामले मे भाग्यशाली हैं। आप प्रतिष्ठा, पद और अपने कैरियर में सफलता प्राप्त करने के प्रयासों में क्षोभ अनुभव कर सकते हैं। आप अपने क्षेत्र में प्रतियोगियों और प्रतिद्धन्दियों से नाराज होंगे क्यांकि वे आपकी प्रतिष्ठा को हानि पहुंचाने का प्रयास करेंगे।

आप समृद्ध हैं। आप अपने प्रतिद्धन्दियों, प्रतियोगियों और शत्रुओं से धन प्राप्त करते हैं।

आपकी वित्तीय समझ अच्छी है। आप अच्छे समृद्धि कारक अवसरों को पहचानने मे सतर्क हैं और आप अच्छी आय अर्जित करेंगे। आप अपने व्यवसाय में रणनीति और तकनीक का प्रयोग कर बहुत लाभ कमा सकते हैं। आप बिना संघर्ष और पीड़ा के अपनी आवश्यकताओं और सुख-सुविधा की इच्छाओं को पूर्ण करेंगे। आप आसानी से लाभ प्राप्त करेंगे। आपके उपयोगार्थ वित्तीय संसाधनों के अवसर बहुतायत में होंगे और अपेक्षाकृत बिना प्रयत्न के वित्तीय प्रवाह होंगे।

आपके लिए घर पर कमाना बहुत कठिन है। ऐसी स्थितियां हो सकती है जहां धन तीव्रता से अर्जित किया जाता है किन्तु आपको उसके लिए संघर्ष करना पड़ सकता है व न्यायालय में कार्यवाही करनी पड़ सकती है। आप कठिन परिश्रम से आय और परिणाम प्राप्त करेंगे।

आप धन संबंधी मामलों में व्यवहारिक और सावधान होते हुए दुर्दिनों के लिए बचत करते हैं। आप स्वयं व दूसरों को, ऋण और करों से मुक्ति दिलाने के उपाय ढूंढ़ने का प्रयास करते हैं।

कला या सुविधाएं प्रदान करने वाली वस्तुओं के व्यापार से धनोपार्जन किया जा सकता है।

आप ऋण भुगतान हेतु कार्य करने के लिए बाध्य हैं। कभी-कभी जिन कार्यों को आपने लाभ की आशा से प्रारंभ किया है, वे आपके लिए हानिकारक हो सकते हैं।

आप एक स्पीडबोट के स्वामी हो सकते हैं।

आप भूमि, संपति या वाहन के संबंध में समस्याग्रस्त हो सकते हैं अत: सदैव बीमा करना श्रेयस्कर होगा। अचल संपति में निवेश लाभदायक नहीं हो सकता है।

छुटपुट वस्तुओं और गतिविधियों में अत्यधिक व्यय होगा । ऐसा प्रतीत होता है कि संसाधनों के संचयन के स्थान पर उनका विक्षेपन होगा। आपका चातुर्यपूर्ण निर्णय आप को बुद्धिमता पूर्ण व्यय करने में सहायक होगा। आपको गोपनीय व्यय की व्यवस्था भी करनी पड़ सकती है और आप साहस और विवेक के साथ ऐसा कर सकते हैं। आप सावधानीपूर्वक सुविचारित एवं नियोजित श्रेष्ठ उद्देश्यों पर व्यय करने हेतु प्रवृत होते हैं। आपको अपने बच्चों के स्वास्थ्य और कानूनी स्थिति पर बहुत धन व्यय करना पड़ सकता है। आप पुस्तकों, पत्रिकाओं और कम्प्यूटर कार्यक्रमों पर बहुत व्यय करते हैं।

अकारण हानियां और चोरी संभव है। स्ट्रॉक्स और बॉण्ड्स में निवेश एक घातक विकल्प है, साथ ही लाटरी और जुआ खेलना दोनों ही निरर्थक उद्यम हैं। आप साझेदारी संबंधी गतिविधियों में व्यय करने हेतु प्रवृत होते हैं और व्यय किये गए धन अथवा ऊर्जा के अनुरुप पर्याप्त फल प्राप्त नहीं करते हैं। आप आय और व्यय के संतुलन को कठिनाई से नियंत्रित कर सकेंगे और परिणामत: आप प्राय: स्वयं को ऋण से ग्रस्त पायेंगे। जुआं और लॉटरी जैसी गतिविधियों में अधिक लिप्त नहीं हों। आपके व्यय बहुत अधिक हैं और यह आपके लिए समस्याएं उत्पन्न करता है। कुछ व्यय गुप्तरुप से किये जाएंगे।

आप आध्यात्मिकरुप से प्रवृत हो सकते है।

आप इस जीवन काल में ज्ञानोदय को प्राप्त कर सकते हैं। आध्यात्म में लिप्त व्यक्ति आपके जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

आप कभी-कभी स्वतंत्र चितंकहैं, या एक नास्तिक हैं। आप सामान्य सांसारिक इच्छाओं के प्रति अनासक्त हो सकते हैं। आप भौतिक वस्तुओं के प्रति अधिक आसक्त नहीं रहते हैं।

आप धर्म में रुढ़िवादिता का अनुसरण नहीं करते है एवं धर्मपरायणता के प्रति उदासीन हो सकते है। आप धर्म की हानि करने वाले जैसे दुष्कृत्य कर सकते है। आप का धर्म आपको संकट में डाल सकता है।

आपको परिवर्तन पसंद है। आप धुमन्तु व्यक्ति है जिसे घर परिवार सम्पति या समाज से कम ही लेना देना है। आप माल के परिवहन या एजेन्ट के रुप से अपने समीप के स्थानों की खूब यात्रा करते है। आप समय-2 पर यात्राएं और विदेश में निवास कर सकते है। आप काम के सिलसिले में खूब यात्राएं करते है। आप उच्चतर ज्ञान हेतु यात्राएं करेंगे। आपके लिए यात्रा थकान देने वाली होती है।

आप अपने ही प्रयासों से अपनी जिन्दगी बनाते है।

आपके प्रारम्भिक बचपन में आपने सहयोग में कमी या भय पैदा करने वाली घटनाओं का अनुभव किया होगा।

आपके जीवन के कुछ भाग ऐसे है जिन्हें आप गुप्त रखते है तथा उस भाग में कुछ ऐसे अनैतिक कार्य कर सकते है जिनके लिए आपको बाद में पछताना पड़ सकता है। आप अपर्याप्त सवांद के कारण जीवन में कुछ मौके गंवा सकते है। अपनी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के बहुत से मौकों को गंवाने के कारण आप निराश हो सकते है। आपको जीवन के कुछ क्षणों में गंभीर विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। आपको जीवन में सफलता प्राप्त करने से पहले असफल होना पड़ेगा लेकिन कुछ ही हसय में धैर्य व हिम्मत के कारण आप सफलता प्राप्त कर लेंगे।

आप एक भाग्यशाली व्यक्ति है।

आपके जीवन में दैव्य कृपा की अनुभूति होगी जो आपको सौभाग्य व आध्यात्मिक दृष्टिकोण देगी। निवेश के मामलों में आप भाग्यशाली है।

आपको क्रैडिट कार्ड के मामले में बहुत सावधान रहना चाहिये।

नीलम, लाजवर्त व पन्ना आपके लिए शुभ है। हीरा, पुखराज व लाल मूंगे से बचे।

गोचर फल

जन्म चंद्रमा से शुक्र का तृतीय भाव से गोचर (7 जुलाई 2024 04:31:19 से 31 जुलाई 2024 14:33:27)
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके लिए सुख व संतोष का सूचक है । आप अपनी विवित्तीय स्थिति में लगातार वृद्धि की आशा व वित्तीय सुरक्षा की भी आशा कर सकते हैं ।

व्यवसाय की दृष्टि से यह समय अच्छा होने की संभावना है व आप पदोन्नति की आशा कर सकते हैं । आपको अधिक अधिकार प्राप्त हो सकते हैं । आपको आपके प्रयासों का लाभ भी मिल सकता है ।

सामाजिक दृष्टि से भी समय सुखद है और आपके अपनी चिन्ताओं व भय पर विजय पा लेने की आशा हैं । आपके सहयोगी व परिचातों का रवैया सहयोगपूर्ण व सहायतापूर्ण रहेगा । इस विशेष समय में मित्रों का दायरा बढ़ने की व शत्रुओं पर विजय पाने की संभावना है ।

अपने स्वयं के परिवार से आपका तालमेल अच्छा रहेगा और आपके भाई - बहनों का समय भी आपके साथ आनन्दपूर्वक व्यतीत होगा । आप इस समय अच्छे वस्त्र पहनेंगे व बहुत बढ़िया भोजन ग्रहण कर सकते हैं । आपकी धर्म में रुचि बढ़ेगी व एक मांगलिक कार्य आपको आल्हादित कर सकता है ।

स्वास्थ्य के अच्छे रहने की संभावना है । यदि विवाह योग्य है तो विवाह के सम्बन्ध में सोच सकते हैं क्योंकि यह समय आदर्श साथी खोजना का है । आपमें से कुछ परिवार में नए सदस्य के आगोचर की आशा कर सकते हैं ।

फिर भी संभव है यह समय इतना अच्छा न हो । आपमें से कुछ को व्यापार में वित्तीय हानि होने का खतरा है । शत्रु भी इस समय समस्याएँ पैदा कर सकते हैं । हर प्रकार के विवाद व गलतफहमियों से दूर रहें ।

जन्म चंद्रमा से मंगल का प्रथम भाव से गोचर (12 जुलाई 2024 18:58:36 से 26 अगस्त 2024 15:25:05)
इस अवधि में मंगल आपके प्रथम भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह कठिनाइयों का सूचक है । व्यापार और व्यवसाय के लिए यह समय काँटों भरी राह का है । आपको अपनी परियोजना समय पर सफलतापूर्वक समाप्त करने में कठिनाई आ सकती है । अच्दा हो इन दिनों आप कोई नया कार्य आरम्भ न करें । यदि आप सेवारत हैं तो वरिष्ठ सदस्यों, अधिकारियों व सरकारी विभाग से विवाद एवम् गलतफहमियों से बचें । आपमें से कई को अपने पद में परिवर्तन झेलना पड़ सकता है।

शत्रुओं पर नजर रखें क्योंकि वे इस समय आपके लिए समस्याएँ उत्पन्न कर सकते हैं ।

आपको कुछ अनचाहे खर्चे करने पड़ सकते हैं अत: धन के सम्बन्ध में विशेष सावधानी बरतें । धन व्यय करने की ललक पर नियंत्रण रखें ।

इस अवधि में यात्रो के अनेक अवसर हैं । अत: आप विवाहित हैं तो जीवनसाथी व बच्चों से दूर रहने का योग है ।

स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है । आर रोज के जीवन में बुझा-बुझा सा व उत्साहहीन अनुभव कर सकते हैं । आपमें ज्वर तथा रक्त व पेट से सम्बन्धित कष्ट पनप सकते हैं। आप हथियार, अग्नि, विषैले जीव अर्थात् ऐसी हर वस्तु से दूर रहें जो जीवन के लिए खतरा बन सकती है । अपने आप को चुस्त-दुरुस्त रखने का प्रयत्न करें क्योंकि इसमें आपको विषाद, घबराहट व व्यर्थ के भय के दौरे से पड़ सकते हैं ।

जन्म चंद्रमा से सूर्य का तृतीय भाव से गोचर (16 जुलाई 2024 11:18:46 से 16 अगस्त 2024 19:44:11)
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह समय आपके व्यवसाय एवम् व्यक्तिगत जीवन में सुख व सफलता का है । व्यवसाय में आपकी उन्नति के सुअवसर हैं । आपको आपके अच्छे कार्य व उपलब्धियों हेतु राजकीय पुरस्कार प्राप्त हो सकता है।

समाज में आपको और भी अधिक सम्माननीय स्थान प्राप्त हो सकता है । परिवार के सदस्य, मित्र व परिचित व्यक्ति आपको सहज स्वार्थरहित स्नेह देंगे तथा शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी ।

व्यक्तिगत जीवन में आप स्वयं को मानसिक व शारीरिक रुप से इतना स्वस्थ अनुभव करेंगे जैसा पहले कभी नहीं किया होगा । इस दौरान

धन लाभ भी होगा । जीवन के प्रति आपका दृष्टिकोण सकारात्मक व उत्साहपूर्ण होगा । बच्चे जीवन में विशेष आनन्द का स्त्रोत होंगे । कुल मिलाकर सुखमय समय का वरदान मिला है ।

जन्म चंद्रमा से बुध का चतुर्थ भाव से गोचर (19 जुलाई 2024 20:39:37 से 22 अगस्त 2024 06:37:08)
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह जीवन के हर क्षेत्र में उन्नति का सूचक है । व्यक्तिगत रुप से आप अपने जीवन से पूर्णतया संतुष्ट होंगे और हर कार्य, हर उद्यम में लाभ होगा । समाज में आपका स्तर बढ़ेगा व आप सम्मान प्राप्त करेंगे ।

वित्तीय रुप से भी यह अच्छा दौर है और धन व जायदाद के रुप में सम्पत्ति प्राप्त होने का द्योतक है । आपको अपने पति/पत्नी व विपरीत लिंग वालों से लाभ होने की संभावना है ।

घर में यह समय किसी नए सदस्य के आने का सूचक है । आपकी माता आप पर गर्व करे, इसकी भी पूरी संभावना है । आपकी उपस्थिति मात्र से परिवार के सदस्यों को सफलता मिल सकती है ।

आपकी उच्च स्तरीय शिक्षा प्राप्त व सज्जन व सुसंस्कृत नए व्यक्तियों से मित्रता होने की संभावना है ।

जन्म चंद्रमा से शुक्र का चतुर्थ भाव से गोचर (31 जुलाई 2024 14:33:27 से 25 अगस्त 2024 01:16:27)
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह अधिकतर वित्तीय वृद्धि का द्योतक है । आप समृद्धि बढ़ने की आशा कर सकते हैं । यदि आप कृषि व्यवसाय में है तो यह कृषि संसाधनों, उत्पादों आदि पा लाभ मिलने के लिए अच्छा समय हो सकता है ।

घर में आपका बहुमूल्य समय पत्नी/पति व बच्चों के साथ महत्तवपूर्ण विषयों पर बातचीत करने में व्यतीत होने की संभावना है । साथ ही आप बढ़िया भोजन, उत्तम शानदार वस्त्र व सुगंधियों का आनन्द उठाएँगे ।

सामाजिक जीवन घटनाओं से परिपूर्ण रहेगा । आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी व नए मित्र बनने की संभावना है । आपके नए - पुराने मित्रों का साथ सुखद होगा और आप घर से दूर आमोद - प्रमोद में कुछ आनन्दमय समय बिताने के बारे में सोच सकते हैं । इसमें विपरीत लिंग वालों के साथ का आनन्द उठाने की भी संभावना है ।

स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और आप अपने भीतर शक्ति महसूस करेंगे । इस विशेष समय में ऐशोआराम के उपकरण खरीदने के विषय में आप सोच सकते हैं ।

जन्म चंद्रमा से सूर्य का चतुर्थ भाव से गोचर (16 अगस्त 2024 19:44:11 से 16 सितम्बर 2024 19:42:45)
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह समय आपके वर्तमान सामाजिक स्तर व कार्यालय में अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखने में कठिनाई का है क्योंकि इसमें गिरावट के संकेत हैं । अपने से वरिष्ठ अधिकारी शुभचिन्तकों व परामर्शदाताओं से विवाद से बचें।

वैवाहिक जीवन में तनाव व दाम्पत्य सुख में यथेष्ट कमी आ सकती है । गृह शान्ति के लिए परिवार के सदस्यों से किसी भी प्रकार के झगड़े से बचें ।

यह संकट अवसाद व चिन्ताओं का समय सिद्ध हो सकता है । स्वास्थ्य के प्रति विशेष सतर्क रहें तथा रोग से बचाव व नशे से दूर रहना आवश्यक है ।

इस काल में यात्रा बाधा दौड़ हो सकती है । अत: उसके अपेक्षित परिणाम नहीं निकल सकते ।

जन्म चंद्रमा से बुध का तृतीय भाव से गोचर (22 अगस्त 2024 06:37:08 से 4 सितम्बर 2024 11:41:24)
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह आप व आपके अधिकारियों के बीच विषम स्थिति का सूचक है । आपको अपने से वरिष्ठ अधिकारी व अफसर से व्यवहार करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ सकती है । किसी भी ऐसे तर्क से जो विवादपूर्ण है अथवा गलतफहमी को जन्म दे, दूर रहें ।

जाने-पहचाने शत्रुओं से दूर रहें तथा अनजानों के प्रति सावधान रहें । फिर भी यह दौर आपको कुछ न व सुयोग्य मित्र भी दे सकता है जिनकी मित्रता जीवन की एक मूल्य निधि होगी । वित्त को सावधानीपूर्वक खर्च करें क्योंकि धन पर इस समय विशेष ध्यान की आवश्यकता

है । धन हाथ से न निकल जाय इसके प्रति विशेष सावधानी बरतें ।

बुध की इस यात्रा में आप विषाद, पुराने तथ्यों को पुन: एकत्रित करने की परेशानी, मानसिक तनाव व प्रयासों में आई अप्रत्याशित रुकावट से कष्ट भोग सकते हैं ।

जन्म चंद्रमा से शुक्र का पंचम भाव से गोचर (25 अगस्त 2024 01:16:27 से 18 सितम्बर 2024 13:57:08)
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके पाँचवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह अधिकांश समय आमोद - प्रमोद में व्यतीत होने का सूचक है । वित्तीय रुप में भी यह अच्छा समय है क्योंकि आप अपने धन में वृद्धि कर सकेंगे ।

यदि आप राजकीय विभाग द्वारा आयोजित किसी परीक्षा में परीक्षार्थी हैं तो बहुत करके आपको सफलता मिलेगी ।

यदि सेवारत हैं तो पदोन्नति की संभावना है । आप सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि की भी आशा रख सकते हैं । आपके मित्रों, आपके बड़ों व अध्यापकों की भी आप पर कृपा दृष्टि रहेगी व आपके प्रति अच्छे रहेंगे ।

सम्बन्धों के मधुरता से निर्वाह होने की आशा है और अपने प्रिय के साथ अत्यधिक उत्तेजना व जोशीला परिणय रहने की आशा है । आप दाम्पत्य जीवन के सुख अथवा किसी विशेष विपरीत लिंग वाले से शारीरिक सम्पर्क की आशा कर सकते हैं । आप परिवार के किसी नए सदस्य से मिल सकते हैं । यहाँ तक कि नए व्यक्ति को परिवार में ला सकते हैं ।

इस समय स्वास्थ्य बढ़िया रहेगा । इस अवधि में आप अच्दे भोजन का आनन्द उठाएँगे, धन लाभ होगा और जिन वस्तुओं की आपने कामना की थी वे मिलेंगी ।

जन्म चंद्रमा से मंगल का द्वितीय भाव से गोचर (26 अगस्त 2024 15:25:05 से 20 अक्टूबर 2024 14:21:50)
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा से आपके दूसरे भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह हानि उठाने का समय है । अपने धन व मूल्यवान वस्तुओं की सुरक्षा पर ध्यान केन्द्रित करें क्योंकि इस काल में चोरी की संभावना है । कार्यस्थल पर कुछ अप्रिय धटनाओं के कारण निराशा का दौर रहेगा । विवाद से दूर रहें । किसी के भी सामने बोलने से पहले अपने शब्दों को ताल लें । यदि आपने सावधानी नहीं बरती तो यह बुरा समय आपमें से कुछ को पदच्युत भी कर सकता है ।

पुराने शत्रुओं से सतर्क रहें व नए न बनने दें । आपमें दूसरों के लिए ईर्ष्या जैसी नकारात्मक प्रवृत्तियाँ उभर सकती हैं । अपने अधिकारी व सरकार के क्रोध के प्रति सचेत रहें । इस विशेष समय में आप कुछ दुष्ट लोगों से मित्रता करके अपने परिवार व प्रियजनों से झगड़ा मोल ले सकते हैं ।

जन्म चंद्रमा से बुध का चतुर्थ भाव से गोचर (4 सितम्बर 2024 11:41:24 से 23 सितम्बर 2024 10:10:40)
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह जीवन के हर क्षेत्र में उन्नति का सूचक है । व्यक्तिगत रुप से आप अपने जीवन से पूर्णतया संतुष्ट होंगे और हर कार्य, हर उद्यम में लाभ होगा । समाज में आपका स्तर बढ़ेगा व आप सम्मान प्राप्त करेंगे ।

वित्तीय रुप से भी यह अच्छा दौर है और धन व जायदाद के रुप में सम्पत्ति प्राप्त होने का द्योतक है । आपको अपने पति/पत्नी व विपरीत लिंग वालों से लाभ होने की संभावना है ।

घर में यह समय किसी नए सदस्य के आने का सूचक है । आपकी माता आप पर गर्व करे, इसकी भी पूरी संभावना है । आपकी उपस्थिति मात्र से परिवार के सदस्यों को सफलता मिल सकती है ।

आपकी उच्च स्तरीय शिक्षा प्राप्त व सज्जन व सुसंस्कृत नए व्यक्तियों से मित्रता होने की संभावना है ।

जन्म चंद्रमा से सूर्य का पंचम भाव से गोचर (16 सितम्बर 2024 19:42:45 से 17 अक्टूबर 2024 07:42:25)
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके पाँचवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका प्रभाव आपके जीवन पर भी पड़ेगा । यह समय विशेष रुप से आर्थिक चुन्नौतियों व मानसिक शान्ति में विघ्न पड़ने का सूचक है । अपने व्यवसाय व कार्यालय में भी आपको विशेष सावधानी बरतनी होगी जिससे आपके अधिकारीगण आपके कार्य से अप्रसन्न न हों । कार्यालय में अपने से ऊँचे पदाधिकारी व मालिक से विवाद से बचें । कुछ सरकारी मसले आपके लिए चिन्ता का विषय बन सकते हैं । इस काल में कुछ नए लोगों से शत्रुता भी हो सकती है ।

संभव है कि आप स्वयं को अस्वस्थ अथवा अकर्मण्य अनुभव करें । अत: स्वास्थ्य की ओर ध्यान देने की आवश्यकता है । आपके स्वभाव

में भी अस्थिरता आ सकती है ।

संतान से सम्बन्धित समस्याएँ चिन्ता का विषय बन सकती है । ऐसे किसी भी विवाद से बचें जो आप व आपके पुत्र के बीच मतभेद का कारण बने । आपके परिवार का स्वास्थ्य भी हो सकता है । उतना अच्छा न रहे जितना होना चाहिए । मानसिक चिन्ता, भय व बैचेनी आपके ऊपर हावी होकर कुप्रभाव डाल सकते हैं ।

जन्म चंद्रमा से शुक्र का षष्ठ भाव से गोचर (18 सितम्बर 2024 13:57:08 से 13 अक्टूबर 2024 06:00:37)
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके छठे भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह गोचर आपके लिए कुछ कठिन समय ला सकता है । आपके प्रयासों में अनेक परेशानियाँ आ सकती हैं । शत्रुओं के बढ़ने की संभावना है और आपका अपने व्यावसायिक साझेदार से झगड़ा हो सकता है । यह भी संभव है कि आपको अपनी इच्छा के विरुद्ध शत्रुओं से समझौता करना पड़े ।

इस दौरान पत्नी व बच्चों से किसी भी प्रकार के विवाद से बचें । आपको यह भी सलाह दी जाती है कि लम्बी यात्रा से बचें क्योंकि दुर्घटना की संभावना है ।

स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि आप रोग, मानसिक बेचैनी, भय तथा असमय यौन इच्छा से ग्रसित हो सकते हैं ।

समाज में प्रतिष्ठा व कार्यालय में सम्मान बनाए रखने का इस समय भरसक प्रयास करें नहीं तो आपको अपमान, व्यर्थ के विवाद व मुकदमेबाजी झेलना पड़ सकता है ।

जन्म चंद्रमा से बुध का पंचम भाव से गोचर (23 सितम्बर 2024 10:10:40 से 10 अक्टूबर 2024 11:19:39)
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके पाँचवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके व्यक्तिगत जीवन में कष्ट का सूचक है । इस विशेष अवधि में आप अपनी पत्नी, बच्चों व परिवार के अन्य सदस्यों से विवादों के टकराव से बचें । यह ऐसा समय नहीं है कि मित्रों में भी आप हठ कों अथवा अपनी राय दूसरों पर थोपें । अपने प्रियजनों से व्यवहार करते समय अतिरिक्त सतर्कता बरतें ।

स्वास्थ्य इस समय चिन्ता का कारण बन सकता है । खाने पर ध्यान दें क्योंकि आप ज्वर अथवा लू लगने से बीमार हो सकते हैं । ऐसे किसी क्रियाकलाप में भाग न लें जिसमें जीवन के प्रति खतरा हो ।

मानसिक रुप से आप उत्तेजित व शक्तिहीन महसूस कर सकते हैं ।

इस समय आप बेचैनी व बदन-दर्द से पीड़ित हो सकते हैं ।

कामकाज में कष्टदायक कठिन परिस्थिति आ सकती है । यदि आप विद्यार्थी हैं तो दृढ़ निश्चयपूर्वक एकाग्रता से पढ़ाई पर ध्यान दें, मन को भटकने न दें ।

जन्म चंद्रमा से बुध का षष्ठ भाव से गोचर (10 अक्टूबर 2024 11:19:39 से 29 अक्टूबर 2024 22:38:04)
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके छठे भाव में होते हुए गोचर करेगा । इस दौरान सकारात्मक व नकारात्मक गतिविधियों का मिश्रण रहेगा । यह विशेष समय व्यक्तिगत जीवन में सफलता, स्थिरता व उन्नति का सूचक है । आपकी योजना व परियोजनाएँ सफलतापूर्वक सम्पन्न होंगी व उनसे लाभ भी प्राप्त होगा ।

कार्यक्षेत्र में आपके और भी अच्छा काम करने की संभावना है । आप समस्त कार्यों में उन्नति की आशा कर सकते हैं ।

इस समय में समाज में आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी । आपका सामाजिक स्तर बढ़ने की भी संभावना है । स्वास्थ्य अच्छा रहेगा साथ ही मानसिक शान्ति व संतोष अनुभव करने की पूर्ण संभावना है ।

किन्तु फिर भी, आपमें से कुछ के लिए बुध की यह गति शत्रु पक्ष से चिंताएँ व कठिनाइयाँ ला सकती है ।

अपने वित्त का पूरा ध्यान रखें । अपने अधिकारियों से किसी भी प्रकार के विवाद से बचें ।

स्वास्थ्य को जोखिम में डालने वाली हर गतिविधि से बचें । शरीर का ताप इन दिनों कष्ट का कारण बन सकता है ।

जन्म चंद्रमा से शुक्र का सप्तम भाव से गोचर (13 अक्टूबर 2024 06:00:37 से 7 नवम्बर 2024 03:31:37)

इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह स्त्रियों के कारण उत्पन्न हुई परेशानियों के समय का द्योतक है । स्त्रियों के साथ किसी भी मुकदमेबाजी से दूर रहें व पत्नी के साथ मधुर सम्बन्ध बनाएं रखें । यह ऐसी महिलाओं के लिए विशेष रुप से अस्वस्थता का समय है जिनकी जन्मपत्री में शुक्र सातवें भाव में है । आपकी पत्नी अनेक स्त्री रोगों, शारीरिक पीड़ा, मानसिक तनाव आदि से ग्रसित हो सकती हैं ।

धन की दृष्टि से भी समय अच्छा नहीं है । वित्तीय नुकसान न हो अत:स्त्रियों के सम्पर्क से बचें ।

आपको यह अीाास भी होसकता है कि कुछ दुष्ट मित्र आपका अनिष्ट करने की चेष्टा कर रहे हैं। व्यर्थ की महिलामंडली के साथ उलझाव संताप का कारण बन सकता है । यह भी संभावना है कि किसी महिला से सम्बन्धित झगड़े में पड़कर आप नए शत्रु बना लें ।

इस समय आपके मानसिक तनाव, अवसाद व क्रोध से ग्रसित होने की संभावना है । स्वास्थ्य का ध्यान रखें क्योंकि आप यौन रोग, मूत्र-नलिका में विकार अथवा दूसरे छोटे-मोटे रोगों से ग्रस्त हो सकते हैं ।

व्यावसायिक रुप में भी यह समय सुचारु रुप से कार्य - संचालन का नहीं है । दुष्ट सहकर्मियों से दूर रहें क्योंकि वे उन्नति के मार्ग में रोड़े अटका सकते हैं । आपको अपने उच्च पदाधिकारी द्वारा सम्मान प्राप्त हो सकता है ।

जन्म चंद्रमा से सूर्य का षष्ठ भाव से गोचर (17 अक्टूबर 2024 07:42:25 से 16 नवम्बर 2024 07:31:48)
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके छठे भाव में होते हुआ गोचर करेगा । यह समय आपके जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलताओं का है । आप धन प्राप्ति से बैंक खाते में वृद्धि, समाज में उच्च स्थान व जीवन शैली में सकारात्मक परिवर्तन की आशा कर सकते हैं । यह समय आपकी चित्तवृत्ति हेतु सर्वश्रेष्ठ है । आपकी पदोन्नति हो सकती है व सबसे ऊँचे पदाधिकारी द्वारा आपका सम्मान किया जा सकता है । आपके प्रयासों की सराहना व अपने वरिष्ठ अफसरों से अनुकूल सम्बन्ध इस काल की विशेषता है । शत्रु आपके जीवन से खदेड़ दिए जाएंगे ।

जहाँ तक स्वास्थ्य का प्रश्न है, आप रोग, अवसाद, अकर्मण्यता व चिन्ताओं से मुक्त रहेंगे । आपके परिवार का स्वास्थ्य भी इस काल में उत्तम रहेगा ।

जन्म चंद्रमा से मंगल का तृतीय भाव से गोचर (20 अक्टूबर 2024 14:21:50 से 21 जनवरी 2025 10:04:34)
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह शुभ समय का प्रतीक है, विशेष रुप से धन लाभ हेतु । इस काल में आप अपने व्यापार व व्यवसाय से अच्छा धन कमाएँगे । इस समय आपके मूल्यवान आभूषण क्रय करने की भी संभावना है ।

कार्य सरलतापूर्वक सम्पन्न होंगे व महत्तवपूर्ण मामलों में सफलता की संभावना है । नए प्रयासों में भी आपको सफलता मिलेगी । यदि आप सेवारत हैं तो अधिक अधिकार व प्रतिष्ठा वाले पद पर पदोन्नत हो सकते हैं । सफलता के फलस्वरुप आपके आत्मविश्वास व इच्छाशक्ति को अत्यंत बल मिलेगा ।

स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और आप शक्ति व स्वास्थ्य से दमकते रहेंगे । आपका उत्साह चरम सीमा पर होगा और पूर्व की समस्त भ्रांतियों और बाधाओं से आपको मुक्ति मिल सकती है । यह समय अत्यंक सुस्वादु भोजन के सेवन के अवसर प्रदान कर सकता है ।

शत्रुओं की पराजय होगी और आपको मानसिक शान्ति मिलेगी ।

विदेश यात्रा से बचें क्योंकि इस समय वांछित परिणाम प्राप्त होने की संभावना नहीं है ।

जन्म चंद्रमा से बुध का सप्तम भाव से गोचर (29 अक्टूबर 2024 22:38:04 से 4 जनवरी 2025 12:05:22)
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह शारीरिक व मानसिक दृष्टि दोनों से ही कठिन समय है । यह रोग का सूचक है । आपको इस समय शरीर में दर्द व कजमोरी झेलनी पड़ सकती है ।

मानसिक रुप से आप चिंतित व अशान्त अनुभव कर सकते हैं । यह समय मानसिक उलझन व परिवार के साथ गलतफहमियाँ भी दर्शाता है । अपनी पत्नी/पति बच्चों से बात करते समय विवाद अथवा परस्पर संचार में कमी न आने दें । ध्यान रखें कि ऐसी स्थिति न आ जाय जो आपको अपमानित होना पड़े या नीचा देखना पड़े ।

अपने प्रयासों में बाधाएँ आपको और अधिक क्षुब्ध कर सकती हैं । यदि आपकी यात्रा की कोई योजना है तो सम्भव है वह कष्टकर हो व वांछित फल न दे पाए ।

जन्म चंद्रमा से शुक्र का अष्टम भाव से गोचर (7 नवम्बर 2024 03:31:37 से 2 दिसम्बर 2024 11:57:09)
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके आठवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह अच्छे समय का प्रतीक है । इस विशेष समय में आप भौतिक सुख-साधनों की आशा कर सकते हैं तथा पूर्व में आई विपत्तियों पर विजय पा सकते हैं । आप भूमि जायदाद व मकान लेने के विषय में विचार कर सकते हैं ।

यदि आप अविवाहित युवक या युवती हैं तो अच्छी वधू / वर मिलने की आशा है जो सौभाग्य भी लाएगी / लाएगा । इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गुजरेगा । अत: आप मनोहारी व सुन्दर महिलाओं का साथ पाने की आशा रख सकते हैं ।

स्वास्थ इस दौरान अच्छा रहेगा ।

यदि आप विद्यार्थी हैं तो और अधिक उन्नति करेंगे । आपकी प्रखरता की ओर सबका ध्यान जाएगा अत: सामाजिक वृत्त में आपका मान व प्रतिष्ठा बढ़ेगी ।

व्यवसाय हेतु अच्छा समय है । व्यापार व व्यवसाय शुभ - चिन्तकों व मित्रों की सहायता से फूलेगा। किसी राजकीय पदाधिकारी से मिलने की संभावना है ।

जन्म चंद्रमा से सूर्य का सप्तम भाव से गोचर (16 नवम्बर 2024 07:31:48 से 15 दिसम्बर 2024 22:10:57)
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह कष्टप्रद यात्रा, स्वास्थ्य सम्बन्धी चिन्ताएँ तथा व्यापार में मंदी का सूचक है । कार्यालय में अपने से वरिष्ठ व्यक्तियों तथा उच्चाधिकारियों से किसी भी प्रकार के झगड़े से बचें । कार्यालय अथवा दैनिक जीवन में कोई नए शत्रु न बने इसके प्रति विशेष सावधान रहें ।

व्यापार में इस काल में गतिरोध आ सकता है या धक्का लग सकता है । आपको अपने प्रयास बीच में ही छोड़ने के लिए विवश किया जा सकता है । उस उद्देश्य अथवा लक्ष्य प्राप्ति में इस अवधि में बाधाएँ आ सकती है जिसे पाना आपका सपना था ।

अपने जीवनसाथी के शारीरिक कष्ट, विषाद व मानसिक व्यथा आपकी चिन्ता का कारण बन सकते हैं । आपको स्वयं भी स्वास्थ्य के प्रति विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है क्योंकि आप पेट में गड़बड़ी, भोजन से प्रत्यूर्जता (एलर्जी) विषाक्त भोजन से उत्पन्न बीमारियाँ अथवा रक्त की बीमारियों का शिकार हो सकते हैं । बच्चों का स्वास्थ्य भी चिन्ता का कारण हो सकता है । इसके अतिरिक्त आप इस अवधि में थकान महसूस कर सकते हैँ ।

जन्म चंद्रमा से शुक्र का नवम भाव से गोचर (2 दिसम्बर 2024 11:57:09 से 28 दिसम्बर 2024 23:40:20)
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके नवम् भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपकी मंजूषा में नए वस्त्र संचित करने का सूचक है । इसके अतिरिक्त यह शारीरिक व भौतिक सुख व आनन्द का परिचायक है ।

वित्तीय लाभ व मूल्यवान आभूषणों का उपभोग भी इस समय की विशेषता है । व्यापार अबाध गति से चलेगा व संतोषजनक लाभ होगा ।

यह समय शिक्षा में सफलता भी इंगित करता है । स्वास्थ्य अच्छा रहेगा ।

घर परिवार में आपको भाई - बहनों का सहयोग व स्नेह पहले से भी अधिक मिलेगा । आपके घर कुछ मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे और यदि अविवाहित हैं तो विवाह करने का निर्णय ले सकते हैं । आपको आपका मनपसन्द जीवन साथी मिलेगा जो सौभाग्य लेकर आएगा ।

यह समय सामाजिक गतिविधियों के संचालन का है अत: आपके नए मित्र बनाने की संभावना है । आपको आध्यात्म की राह दिखाने वाला पथ - प्रदर्शक भी मिल सकता है । कला में आपकी अभिरुचि इस दौरान बढ़ेगी । आपके सद्गुणों सत्कृत्यों की ओर स्वत: ही सबका ध्यान आकृष्ट होगा । अत: आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में चार चाँद लगेंगे ।

इस समय मनोकामनाएँ पूर्ण होंगी व शत्रुओं की पराजय होगी । यदि आप किसी प्रकार के तर्क - वितर्क में लिप्त हैं तो आपके ही जीतने की ही संभावना है । आप इस दौरान लम्बी यात्रा पर जाने का मानस बना सकते हैं ।

जन्म चंद्रमा से सूर्य का अष्टम भाव से गोचर (15 दिसम्बर 2024 22:10:57 से 14 जनवरी 2025 08:55:28)
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके आठवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । कुल मिलाकर यह समय हानि व शारीरिक व्याधियों का है । व्यर्थ के खर्चों से विशेष रुप से दूर रहें व आर्थिक मामलों में सावधान रहें ।

यह अवधि कार्यालय में अप्रिय घटनाओं की है । अने कार्यालय अध्यक्ष व वरिष्ठ पदाधिकारियों से किसी भी प्रकार के मनामालिन्य से बचें तभी सुरक्षित रह पाएंगे ।

घर में पति/पत्नी से विवाद, झगड़े का रुप ले सकता है । पारिवारिक सामंजस्य व सुख के लिए परिवार के सदस्यों व शत्रुओं से किसी भी प्रकार का झगड़ा न हो, इसके प्रति विशेष सचेत रहें ।

अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें क्योंकि आप पेट की गड़बड़ी, रक्त चाप, बवासीर जैसी बीमारियों से पीड़ित हो सकते हैं । आप व्यर्थ के भय, चिन्ता व बैचेनी से आक्रांत हो सकते हैं । अपने अथवा अपने परिवार के सदस्यों के जीवन को किसी खतरे में न डालें । किसी रिश्तेदार की समस्याएँ अचानक उभरकर सामने आ सकती हैं व चिन्ता का कारण बन सकती हैं ।

जन्म चंद्रमा से शुक्र का दशम भाव से गोचर (28 दिसम्बर 2024 23:40:20 से 28 जनवरी 2025 07:02:22)
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके दसवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह समय मानसिक संताप, अशान्ति व बेचैनी लेकर आया है । इस दौरान शारीरिक कष्ट भोगना पड़ेगा ।

धन के विषय में विशेष सतर्क रहें तथा ऋण लेने से बचें क्योंकि इस पूरे समय आपकी ऋण में डूबे रहने की संभावना है ।

शत्रुओं से सावधान रहें तथा अनावश्यक व्यर्थ के विवाद से दूर रहें क्योंकि इससे कलह बढ़ सकता है व शत्रुओं की संख्या में वृद्धि हो सकती है । समाज में बदनामी व तिरस्कार न हो, इसके प्रति सचेत रहें ।

अपने सगे सम्बन्धियों व महिलाओं के प्रति व्यवहार में विशेष सतर्कता बरतें क्योंकि मूर्खतापूर्ण गलतफहमी शत्रुओं की संख्या बढ़ा सकती है । अपने वैवाहिक जीवन में स्वस्थ संतुलन बनाए रखने हेतु अपनी पत्नी/पति से विवाद से दूर ही रहें ।

आपको अपने उच्चाधिकारी अथवा सरकारजनित परेशानी का सामना करना पड़ सकता है । अपने समस्त कार्यों को सफलतापूर्वक सम्पन्न करने हेतु आपको अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है ।

जन्म चंद्रमा से बुध का अष्टम भाव से गोचर (4 जनवरी 2025 12:05:22 से 24 जनवरी 2025 17:40:08)
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके आठवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह अधिकतर धन व सफलता का प्रतीक है । यह आपके समस्त कार्यों व परियोजनाओं में सफलता दिलाएगा । यह वित्तीय पक्ष में स्थिरता व लाभ का समय है । आपका समाज में स्तर ऊँचा होगा । लोग आपको अधिक सम्मान देंगे व आपकी लोकप्रियता में वृद्धि होगी ।

इस दौरान जीवन शैली आरामदायक रहेगी । संतान से सुख मिलने की संभावना है । परिवार में शिशु जन्म सुख में वृद्धि कर सकता है । इस विशेष काल में आपकी संतान का संतुष्ट व सुखी रहने का योग है ।

आपमें चैतन्यता व बुद्धिमानी बढ़ेगी । आप अपनी प्रतिभा व अन्तर ज्ञान का सही निर्णय लेने में उपयोग करेंगे ।

शत्रु परास्त होंगे व आपके तेज के सामने फीके पड़ जाएँगे । आप इस बार सब ओर से सहायता की आशा कर सकते हैं ।

परन्तु इस सबके बीच आपको स्वास्थ्य की ओर अतिरिक्त ध्यान देना होगा क्योंकि आप बीमार पड़ सकते हैं । खाने-पीने का ध्यान रखें, प्रसन्नचित्त रहें तथा व्यर्थ के भय व उदासी को पास न फटकने दें ।

जन्म चंद्रमा से सूर्य का नवम भाव से गोचर (14 जनवरी 2025 08:55:28 से 12 फरवरी 2025 21:55:59)
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके नवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका आपके जीवन पर विशेष महत्तवपूर्ण प्रभाव पड़ेगा । इस काल में आप पर किसी कुचाल के कारण दोषारोपण हो सकता है, स्थान बदल सकता है तथा मानसिक शान्ति का अभाव रह सकता है ।

आपको विशेष ध्यान देना होगा कि आपके अधिकारी आपके कार्य से निराश न हों । हो सकता है कि आपको अपमान अथवा मानभंग झेलना पड़े और आप पर मिथ्याा आरोप लगने की भी संभावना है । स्वयं को पेचीदा अथवा उलझाने वाली परिस्थिति से दूर रखे।

आर्थिक रुप से यह समय कठिनाई से परिपूर्ण है । पैसा वसूल करने में कठिनाई आ सकती है । व्यर्थ के खर्चों से विशेष रुप से बचें । आपके और आपके गुरु के मध्य गलतफहमी या विवाद हो सकता है । आपमें और आपके परिवार के सदस्यों तथा मित्रों के बीच मतभेद या विचारों का टकराव झगड़े व असंतोष का कारण बन सकता है ।

इस बीच शारीरिक व मानसिक व्याधियों की संभावना के कारण आपको स्वास्थ्य के प्रति विशेष ध्यान देना होगा । आप इन दिनों अधिक थकावट व निराशा/अवसाद महसूस कर सकते हैं।

इस सबके बावजूद आप किसी सत्कार्य के विषय में सोच सकते हैं तथा उसमें सफलता भी प्राप्त कर सकतें हैं । यात्रा का योग है ।

जन्म चंद्रमा से मंगल का द्वितीय भाव से गोचर (21 जनवरी 2025 10:04:34 से 3 अप्रैल 2025 01:28:58)
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा से आपके दूसरे भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह हानि उठाने का समय है । अपने धन व मूल्यवान वस्तुओं की सुरक्षा पर ध्यान केन्द्रित करें क्योंकि इस काल में चोरी की संभावना है । कार्यस्थल पर कुछ अप्रिय धटनाओं के कारण निराशा का दौर रहेगा । विवाद से दूर रहें । किसी के भी सामने बोलने से पहले अपने शब्दों को ताल लें । यदि आपने सावधानी नहीं बरती तो यह बुरा समय आपमें से कुछ को पदच्युत भी कर सकता है ।

पुराने शत्रुओं से सतर्क रहें व नए न बनने दें । आपमें दूसरों के लिए ईर्ष्या जैसी नकारात्मक प्रवृत्तियाँ उभर सकती हैं । अपने अधिकारी व सरकार के क्रोध के प्रति सचेत रहें । इस विशेष समय में आप कुछ दुष्ट लोगों से मित्रता करके अपने परिवार व प्रियजनों से झगड़ा मोल ले सकते हैं ।

जन्म चंद्रमा से बुध का नवम भाव से गोचर (24 जनवरी 2025 17:40:08 से 11 फरवरी 2025 12:54:40)
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके नवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह रोग व पीड़ा का सूचक है । यह काल विशेष आपके कार्यक्षेत्र में बाधा व रुकावट ला सकता है । कार्यालय में अपना पद व प्रतिष्ठा बनाए रखें । यह भी निश्चित कर लें कि आप कोई ऐसा कार्य न कर बैंठें जो बाद में पछताना पड़े ।

कोई भी नया काम आरम्भ करने से पहले देख लें कि उसमें क्या बाधाएँ आ सकती हैं । अनेक कारणों से मानसिक रुप से आप झल्लाहट, अत्यधिक भार व अस्थिरता का अनुभव कर सकते हैं ।

शत्रुओं से सावधान रहें क्योंकि इस दौरान वे आपको अधिक हानि पहुँचा सकते हैं । परिवार व सम्बन्धियों से विवाद में न पड़ें क्योंकि यह झगड़े का रुप ले सकता है ।

इस दौरान अपने चिड़चिड़े स्वभाव के कारण आप धर्म अथवा साधारण धारणाओं में कमियाँ या गलतियाँ ढूँढ़ सकते हैं । इस समय कार्य सम्पन्न करने हेतु आपको अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है । परन्तु कार्य रुचिकर न लगना आपको परिश्रम करने से रोक सकता है ।

लम्बी यात्रा से बचें क्योंकि इसके कष्टकर होने की संभावना है व वांछित फल भी नहीं मिलेगा । भोजन में अच्छी आदतों को अपनाएँ साथ ही जीवन में सकारात्मक रवैया अपनावें ।

जन्म चंद्रमा से शुक्र का एकादश भाव से गोचर (28 जनवरी 2025 07:02:22 से 31 मई 2025 11:34:04)
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह मूल रुप से वित्तीय सुरक्षा व ऋण से मुक्ति का द्योतक है । आप अपनी अन्य आर्थिक समस्याओं के समाधान की भी आशा कर सकते हैं ।

यह समय आपके प्रयासों में सफलता प्राप्त करने का है । आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी व प्रतिष्ठा निरन्तर ऊपर की ओर उठेगी ।

आपका ध्यान भौतिक सुख, भोग - विलास के साधन व वस्तुएँ, वस्त्र, रत्न व अन्य आकर्षक उपकरणों की ओर रहने की संभावना है । आप स्वयं का घर लेने के विषय में भी सोच सकते हैं ।

सामाजिक रुप से यह समय सुखद रहेगा । मान - सम्मान में वृद्धि होगी तथा मित्रों का सहयोग मिलता रहेगा ।

विपरीत लिंग वालों के साथ सुखद समय व्यतीत होने की आशा कर सकते हैं । यदि विवाहित है तो दाम्पत्य जीवन में परमानन्द प्राप्त होने की आशा रख सकते हैं ।

जन्म चंद्रमा से बुध का दशम भाव से गोचर (11 फरवरी 2025 12:54:40 से 27 फरवरी 2025 23:42:24)
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके दसवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह सुख के समय व संतोष का सूचक है । आप प्रसन्न रहेंगे व समस्त प्रयासों में सफलता मिलेगी । व्यावसायिक पक्ष में आप अच्छे समय की आशा कर सकते हैं । आप स्वयं को सौंपे हुए कार्य

सफलतापूर्वक नियत समय में सम्पन्न कर सकेंगे ।

यह समय घर पर भी सुख का द्योतक है । आप किसी दिलचस्प व्यक्ति से मिलने की आशा कर सकते हैं । आपमें से कुछ विपरीत लिंग वाले के साथ भावनापूर्ण व्यतीत कर सकते हैं । इस व्यक्ति विशेष से लाभ की भी आशा है ।

वित्तीय दृष्टि से भी यह अच्छा समय है । आपके प्रयासों की सफलता से आपको आर्थिक लाभ मिलेगा व आप और भी लाभ की आशा कर सकते हैं ।

इस अवधि में समाज में आपका स्थान ऊँचा होने की भी संभावना है । आपको सम्मान मिल सकता है व समाज में प्रतिष्ठा में वृद्धि हो सकती है । समाज में आप अधिक सक्रिय रहेंगे व समाज सुधार कार्य में भाग लेंगे ।

यह समय मानसिक तनाव मुक्ति एवम् शान्ति का सूचक है । शत्रु सरलता से परास्त होंगे व जीवन में शान्ति प्राप्त होने की संभावना है ।

जन्म चंद्रमा से सूर्य का दशम भाव से गोचर (12 फरवरी 2025 21:55:59 से 14 मार्च 2025 18:50:27)
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके दसवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह समय शुभ है । यह लाभ, पदोन्नति, प्रगति तथा प्रयासों में सफलता का सूचक है ।

आप कार्यालय में पदोन्नति की आशा कर सकते हैं । उच्च अधिकारियों की कृपा दृष्टि, सत्ता की ओर से सम्मान तथा और भी अधिक सुअवसरों की आशा की जा सकती है ।

यह अवधि आप द्वारा किए जा रहे कार्यों की सफलता है व अटके हुए मामलों को पराकाष्ठा तक पहुँचाने की है ।

समाज में आपको और भी सम्माननीय स्थान मिल सकता है । आपका सामाजिक दाएरा बढ़ेगा, अर्थात् और लोगों से, विशेष रुप से आप यदि पुरुष हैं तो महिलाओं से और महिला हैं तो पुरुषों से सकारात्मक लाभप्रद आदान-प्रदान बढ़ेगा । आप इस दौरान सर्वोच्च सत्ता से भी सम्मान प्राप्त करने की आशा कर सकते हैं । जहाँ की आशा भी न हो, ऐसी जगह से आपको अचानक लाभ प्राप्त हो सकता है ।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और हर ओर सुख ही सुख बिखरा पाएंगे ।

जन्म चंद्रमा से बुध का एकादश भाव से गोचर (27 फरवरी 2025 23:42:24 से 7 मई 2025 04:07:57)
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह धन लाभ व उपलब्धियों का सूचक है । यह समय आपके लिए धन लाभ लेकर आ सकता है । आप विभिन्न स्त्रोतों से और अधिक आर्थिक लाभ की आशा कर सकते हैं । आपके व्यक्तिगत प्रयास, व्यापार व निवेश आपके लिए और अधिक मुनाफा और अधिक धन लाभ ला सकते हैं । यदि आप सेवारत हैं या व्यवसायी हैं तो इस विशेष समय में आपके और अधिक सफल होने की संभावना है । आप इस दौरान अपने कार्यक्षेत्र में अधिक समृद्ध होंगे ।

स्वास्थ्य अच्छा रहना चाहिए । आप स्वयं में पूर्ण शान्ति अनुभव करेंगे । आप बातचीत व व्यवहार में और भी अधिक विनम्र हो सकते हैं ।

घर पर भी आप सुख की आशा कर सकते हैं । आपके बच्चे व जीवनसाथी प्रसन्न व विनीत रहेंगे। कोई अच्छा समाचार प्राप्त होने की संभावना है । आप भौतिक सुविधाओं से घिरे रहेंगे ।

सामाजिक दृष्टि से भी यह अच्छा दौर है । समाज आपको और अधिक आदर-सम्मान देगा । आपकी वाक्पटुता व मनोहारी प्रकृति के कारण लोग आपके पास खिंचे चले आएँगे ।

जन्म चंद्रमा से सूर्य का एकादश भाव से गोचर (14 मार्च 2025 18:50:27 से 14 अप्रैल 2025 03:21:11)
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका अर्थ है धन लाभ, आर्थिक व सामाजिक स्थिति में सुधार व उन्नति ।

अपने अफसर से पदोन्नति माँगने का यह अनुकूल समय है । यह अवधि कार्यालय में आपकी उन्नति, पदाधिकारियों के विशेष अप्रत्याशित अनुग्रह तथा राज्य से सम्मान तक प्राप्त होने की है ।

इस समय आप व्यापार में लाभ, धन प्राप्ति और यहां तक कि मित्रों से भी लाभ प्राप्त करने की आशा की जा सकती है ।

समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ सकती है तथा पड़ौस में सम्मान में वृद्धि हो सकती है ।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा जो परिवार के लिए आनन्ददायक होगा ।

इस काल के दौरान आपके घर कोई आध्यात्मिक निर्माणात्मक कार्य सम्पन्न होगा जो घर - परिवार के आनन्द में वृद्धि करेगा । आमोद-प्रमोद, अच्छा स्वादिष्ट भोजन व मिष्ठान्न आदि का भी वितरण होगा । कुल मिलाकर यह समय आपके व परिवार के लिए शान्तिपूर्ण व सुखद है ।

जन्म चंद्रमा से शनि का एकादश भाव से गोचर (29 मार्च 2025 21:44:31 से 3 जून 2027 05:27:26)
इस अवधि में शनि चन्द्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके लिए शुभ समय है । वित्तीय रुप से समय बहुत अच्छा है । चाहे आप व्यापार में हों या किसी व्यवसाय में, आपको अप्रत्याशित लाभ होने की संभावना है । यह धन लाभ आपके लिए आनन्द व और अधिक लाभ प्राप्त करने के अवसर लेकर आएगा । आपके हर प्रकार के प्रयास सफल होंगे व परियोजना के मनवांछित परिणाम प्राप्त होंगे । इस समय विशेष में जायदाद प्राप्त होने की भी संभावना है । जो व्यक्ति गृह निर्माण सामग्री, कोयला, चमड़े आदि का व्यवसाय करते हैं, वे अपने - अपने व्यापार में और भी अधिक मुनाफे की आशा रख सकते हैं । यदि आप सेवारत हैं तो पदोन्नति की संभावना है । उच्च शिक्षा हेतु यह समय शुभ है । यह आपके सोच को और भी उद्यमशील बनाने का समय है ।

सामाजिक जीवन भी संतोष प्रद रहेगा । समाज में आपका मान, स्तर व प्रतिष्ठा बढ़ने की संभावना है । आपमें से कुछ को समाज द्वारा विशिष्ट पुरस्कार से सम्मानित किया जा सकता है ।

यदि आप विवाहेच्छुक हैं तो आपको मनपसन्द साथी मिल सकता है व विवाह हो सकता है । यदि आप एकल हैं तो विपरीत लिंग वाले मनोहारी व्यक्ति का साथ मिल सकता है । आपके मित्र आपके सहायक होंगे व नए मित्र बन सकते हैं । आपके मालिक व सहयोगियों का आपके प्रति व्यवहार सकारात्मक होगा । पत्नी / पति व बच्चे सुख प्राप्ति के स्त्रोत होंगे । आप परिवार की मनोकामना पूर्ण करने वाली वस्तुएँ प्राप्त करेंगे । स्वास्थ्य अच्छा रहेगा ।

जन्म चंद्रमा से मंगल का तृतीय भाव से गोचर (3 अप्रैल 2025 01:28:58 से 7 जून 2025 02:12:04)
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह शुभ समय का प्रतीक है, विशेष रुप से धन लाभ हेतु । इस काल में आप अपने व्यापार व व्यवसाय से अच्छा धन कमाएँगे । इस समय आपके मूल्यवान आभूषण क्रय करने की भी संभावना है ।

कार्य सरलतापूर्वक सम्पन्न होंगे व महत्तवपूर्ण मामलों में सफलता की संभावना है । नए प्रयासों में भी आपको सफलता मिलेगी । यदि आप सेवारत हैं तो अधिक अधिकार व प्रतिष्ठा वाले पद पर पदोन्नत हो सकते हैं । सफलता के फलस्वरुप आपके आत्मविश्वास व इच्छाशक्ति को अत्यंत बल मिलेगा ।

स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और आप शक्ति व स्वास्थ्य से दमकते रहेंगे । आपका उत्साह चरम सीमा पर होगा और पूर्व की समस्त भ्रांतियों और बाधाओं से आपको मुक्ति मिल सकती है । यह समय अत्यंक सुस्वादु भोजन के सेवन के अवसर प्रदान कर सकता है ।

शत्रुओं की पराजय होगी और आपको मानसिक शान्ति मिलेगी ।

विदेश यात्रा से बचें क्योंकि इस समय वांछित परिणाम प्राप्त होने की संभावना नहीं है ।

जन्म चंद्रमा से सूर्य का द्वादश भाव से गोचर (14 अप्रैल 2025 03:21:11 से 15 मई 2025 00:11:47)
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके बारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह काल विशेष रुप से आर्थिक चुन्नोतियों से परिपूर्ण है । अत: कोई भी वित्त सम्बन्धी निर्णय सोच-समझकर सावधानी पूर्वक लें ।

यदि आप कहीं कार्यरत हैं तो आप और आपके अधिकारी के बीच कुछ परेशानियाँ आ सकती हैं । अधिकारी आपके कार्य की सराहना नहीं करेंगे और संभव है कि आपको दिए गए उत्तरदायित्व में कटौती करें या आपका वेतन कम कर दें । यदि आपको अपने प्रयासों व परिश्रम की पर्याप्त सराहना न हो, इच्छित परिणाम न निकलें तो भी निराश न हों ।

यदि आप व्यापारी हैं तो व्यापार में धक्का लग सकता है । लेन-देन में विशेष सावधानी बरतें ।

यह समय सामाजिक दृष्टि से भी कठिनाईपूर्ण है । किसी विवाद में न पड़ें क्योंकि मित्र व वरिष्ठ व्यक्तियों से झगड़े की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता ।

आपको लम्बी यात्रा पर जाना पड़ सकता है परन्तु उसके मनचाहे परिणाम नहीं निकलेंगे । ऐसे कार्यकलापों से बचें जिनमें जीवन के लिए खतरा हो, सुरक्षा को अपना मूल-मंत्र बनाएं । अपने और अपने परिवार के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें क्योंकि ज्वर, पेट की गड़बड़ी अथवा नेत्र रोग हो सकता है । इस समय असंतोष आपके घर की शांति व सामंजस्य पर प्रभाव डाल सकता है ।

जन्म चंद्रमा से बुध का द्वादश भाव से गोचर (7 मई 2025 04:07:57 से 23 मई 2025 13:02:15)
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके बारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके लिए व्यय का द्योतक है । सुविधापूर्ण जीवन के लिए आपको अनुमानित से अधिक खर्च करना पड़ सकता है। मुकदमेबाजी से दूर रहें क्योंकि यह धन के अपव्यय का कारण बन सकता है । इसके अलावा आपको अपने द्वारा सम्पादित कार्यों को पूर्ण करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है।

शत्रुओं से सावधान रहें और अपमानजनक स्थिति से बचने के लिए उनसे दूर ही रहें । समाज में अपना मान व प्रतिष्ठा बचाए रखने का प्रयास करें ।

कई कारणों से आप मानसिक रुप से त्रस्त हो सकते हैं । इस समय आपको बेचैनी व चिन्ताओं की आशंका हो सकती है । इस दौर में असंतोष व निराशा के आप पर हावी होने की भी संभावना है ।

आपका खाने से व दाम्पत्य सुखों से मन हटने की भी संभावना है । इन दिनों आप स्वयं को बीमार व कष्ट में महसूस कर सकते हैं ।

जन्म चंद्रमा से गुरु का द्वितीय भाव से गोचर (14 मई 2025 22:36:21 से 18 अक्टूबर 2025 19:47:57)
इस अवधि में बृहस्पति चन्द्रमा से आपके द्वितीय भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह कुल मिलाकर शुभ समय का सूचक है । यह दौर आपकी वर्तमान आयु, कृषि, व्यापार में लाभ प्राप्ति व प्रसन्नतापूर्वक दान कार्यों में व्यय किए जाने वाले धन आदि की वृद्धि में वरदानस्वरुप सिद्ध हो सकता है । इसमें भूमि, जायदाद या सम्पदा में आप निवेश कर सकते हैं व यदि कोई ऋण है तो उसे चुकाने में यह समय सहायक होगा ।

घर के लिए भी यह सुखमय दौर है व परिवार के लिए आनन्द लेकर आया है । दाम्पत्य जीवन में आप सुख की आशा कर सकते हैं । परिवार में नए सदस्य का आगोचर हो सकता है ।

कामकाज में आप अधिकारियों का विश्वास प्राप्त करेंगे व दूसरे आपसे प्रभावित होंगे ।

इस समय आप शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगे । सामाजिक रुप से यह समय तुष्टिकारक है क्योंकि आपको और अधिक आदर मिलने की संभावना है व आपको उच्च कोटि की शान-शौकत व मान का अनुभव होने वाला है ।

मानसिक रुप से आप शान्ति अनुभव करेंगे तथा अपनी बुद्धि को इस समय और भी प्रखर करने की संभावना है ।

जन्म चंद्रमा से सूर्य का प्रथम भाव से गोचर (15 मई 2025 00:11:47 से 15 जून 2025 06:44:12)
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका आपके कार्य एवम् आपके व्यक्तिगत जीवन पर स्पष्ट प्रभाव पड़ेगा । इसमें स्थायी अथवा अस्थाई स्थान परिवर्तन, कार्य करने के स्थान पर कठिनाइयाँ तथा अपने वरिष्ठ अफसरों अथवा मालिक की अप्रसन्नता झेलना विशिष्ट हैं । अपने कार्य करने के स्थान या कार्यालय में बदनामी से बचने को आपको विशेष सावधानी बरतनी होगी ।

अपने नियत कार्य पूर्ण करने अथवा उद्देश्यों को प्राप्त करने हेतु आपको सामान्य से अधिक प्रयास करना होगा । आपको लम्बी यात्राओं पर जाना पड़ सकता है परन्तु आवश्यक नहीं है कि आपका मनचाहा परिणाम प्राप्त हो ।

इस समय के दौरान आप थकान महसूस कर सकते हैं । आपको उदर रोग, पाचन क्रिया सम्बन्धी रोग, नेत्र तथा हृदय से सम्बन्धित समस्याएँ हो सकती हैं । अत: स्वास्थ्य के प्रति विशेष सतर्क रहने व ध्यान देने की आवश्यकता है । इस काल के दौरान आप कोई भी खतरा मोल न लें ।

जहाँ तक घर का सम्बन्ध है, परिवार में अनबन तथा मित्रों से मन-मुटाव वाली परिस्थितियाँ गृह-कलह अथवा क्लेश का कारण बन सकती हैं । जीवन साथी से असहमति अथवा विवाद आपके वैवाहिक सम्बन्धों को प्रभावित कर सकता है । कुल मिलाकर घर की शान्ति एवम् परस्पर सामन्जस्य हेतु यह समय चुन्नौतीपूर्ण है ।

जन्म चंद्रमा से बुध का प्रथम भाव से गोचर (23 मई 2025 13:02:15 से 6 जून 2025 09:26:10)
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका जीवन में विपरीत परिणाम हो सकता है । इसमें अधिकतर ऐसी स्थिति आती है जब आपको किसी की इच्छा के विरुद्ध अनचाही सेवा करनी पड़े । इस दौरान आप उत्पीड़न के शिकार हो सकते हैं । ऐसी परिस्थिति में घसीटे जाने से बचें जहाँ मन को दग्ध करने वाले और कोड़ों की तरह बसने वाले दयाहीन शब्द हृदय को छलनी कर दें । स्वयं को आगे न लाना व अपना कार्य करते रहना ही स समय उत्तम है ।

अपव्यय के प्रति सचेत रहें क्योंकि यह पैसे की कमी का कारण बन सकता है । ध्यानपूर्वक खर्च करें ।

आपकी ऐसे कुपात्रों से मित्रता की भी संभावना है जो हानि पहुँचा सकते हैं । अपने निकट वाले व प्रियजनों से व्यवहार करते समय शब्दों का ध्यान रखें । आपमें संवेदनशीलता का अभाव आपके अपने दाएरे में व्यर्थ ही शत्रुता का कारण बन सकता है । मुकदमों व दुर्जनों की संगत से बचें । ऐसा कुछ न करें जिससे आपका महत्तव व गरिमा कम हो । सौभाग्य की निरन्तर आवश्यकता रहती है, उसे बचाए रखें । अपनी शिक्षा व अनुभव का लाभ उठाते हुए जीवन में व्यवधान न आने दें ।

लचीलेपन को अपनाएँ क्योंकि आपकी योजना, परियोजना अथवा विचारों में अनेक ओर के दबाव से भय की आशंका को देखते हुए कुछ अन्तिम समय पर परिवर्तन करने पड़ सकते हैं । यदि आप विदेश में रहते हैं तो कुछ बाधाएँ आ सकती हैं । घर में भी अनुष्ठान सम्पन्न करने में बाधाएँ आ सकती हैं । स्वयं का व परिवार का ध्यान रखें क्योंकि इस दौरान छल-कपट का खतरा हो सकता है । संभव हो तो यात्रा न करें क्योंकि न तो आनन्द आएगा न अभीष्ठ परिणाम निकलेंगे ।

जन्म चंद्रमा से केतु का चतुर्थ भाव से गोचर (30 मई 2025 00:17:41 से 25 नवम्बर 2026 17:45:35)
इस अवधि में केतु चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह कठिन समय का सूचक है । कार्यक्षेत्र में अपनी परियोजनाएँ सफलतापूर्वक पूर्ण करने हेतु आपको अतिरिक्त श्रम करना पड़ सकता है । वित्तीय दृष्टि से भी समय निर्विघ्न नहीं है । कुछ भी हो, भारी ऋण को विकल्प मानने की भूल न करें । अपनी भू सम्पत्ति हाथ से निकल सकती है ।

इन दिनों आप रोगग्रस्त हो सकते हैं । अत: स्वास्थ्य पर पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है । गर्मी से बचाव रखें मानसिक रुप से आप स्वयं को निरंतर अशान्त व उत्साहहीन महसूस करेंगे । माता के स्वास्थ्य की ओर से भी आप चिंतित रह सकते हैं क्योंकि उन्हें शरीर में दर्द व मानसिक अशान्ति रहने की संभावना है ।

बुरे व्यक्तियों के साथ से स्वयं को बचाने में पूर्ण सतर्कता बरतें क्योंकि वे आपको अवैध कार्यों में लिप्त होने हेतु प्रोत्साहित कर सकते हैं । आप इस कुसंग के कारण बहुत कुछ गँवा सकते हैं । यद्यपि यात्रा का योग है पर जितना संभव हो उतना बचें क्योंकि आप दुर्घटनाग्रस्त हो सकते हैं जिसमें आपका वाहन भी क्षतिग्रस्त हो सकता है ।

कृष्ण-पक्ष में जब चन्द्रमा क्षीण हो रहा है, आप पर्वतों की ओर यात्रा पर जा सकते हैं परन्तु मनवांछित परिणाम परिणाम प्राप्त होना आवश्यक नहीं । आपको अपने किसी ऐसे व्यक्ति के अंतिम संस्कार में भाग लेना पड़ सकता है जो आपके बहुत निकट रहा हो ।

जन्म चंद्रमा से राहु का दशम भाव से गोचर (30 मई 2025 00:17:41 से 25 नवम्बर 2026 17:45:35)
इस अवधि में राहू चन्द्रमा से आपके दसवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । इसके मिले - जुले परिणाम होंगे । अत: इस अवधि का प्रथम अर्धभाग यदि उत्तम रहा है तो दूसरे अर्धभाग में आपको इसकी विपरीत दशा भोगनी पड़ सकती है । वित्तीय स्थिति अच्छी रहेगी क्योंकि कार्यक्षेत्र में लाभ की संभावना है । काम - काज में सहयोग के वातावरण की आशा कर सकते हैं क्योंकि उच्चाधिकारियों से आपके सम्बन्ध मैत्रीपूर्ण रहेंगे । विशिष्ट व्यक्तियों से मैत्रीपूर्ण स्नेह सम्बन्धों के कारण आप लाभ की आशा कर सकते हैं । काम - काज में भी आपको नए अवसर व आयाम मिलने की संभावना है जिससे आपको और अधिक उत्तरदायित्व व और अधिकार मिलने की संभावना है ।

वित्तीय स्थिति पर ध्यान केन्द्रित रखें नहीं तो धन गँवा सकते हैं ।

स्वास्थ्य इस दौरान चिन्ता का कारण बन सकता है । लगातार चिन्ताओं के फलस्वरुप अनिद्रा रोग हो सकता है । माता - पिता के स्वास्थ्य की ओर भी ध्यान देने की आवश्यकता है । यदि इन दिनों आपकी 'मारक दशा' चल रही है तो जीवन जोखिम में डालने वाले कार्यों से बचना अति आवश्यक है । आपमें से कुछ को माता अथवा पिता का दाह संस्कार भी करना पड़ सकता है जो आपकी 'कर्म दशा' का परिणाम हो सकता है ।

मानसिक रुप से आप संभव है अच्छा महसूस न करें व सही निर्णय लेने की कुशलता भी गड़बड़ा सकती है ।

शत्रुओं से सावधान रहें व नए शत्रु न बनें इसका ध्यान रखें । आपमें से कुछ कालू जादू से प्रभावित हो सकते हैं ।

घर पर आपका पति / पत्नी से झगड़ा संभव है । आपका किसी ऐसे स्थान पर स्थानान्तरण हो सकता है जो आपको पसन्द न हो । आपकी भोजन सम्बन्धी आदतों को कुछ कारणों से कष्ट झेलना पड़ सकता है । घर में कोई शुभ कार्य सम्पन्न होने की संभावना है ।

जन्म चंद्रमा से शुक्र का द्वादश भाव से गोचर (31 मई 2025 11:34:04 से 29 जून 2025 14:09:56)
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके बारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह जीवन में प्रिय व अप्रिय दोनों प्रकार की घटनाओं के मिश्रण का सूचक है । एक ओर जहाँ इस दौरान वित्तीय लाभ हो सकता है वहीं दूसरी ओर धन व वस्त्रों की अप्रत्याशित हानि भी हो सकती है । यह अवधि विदेश यात्रा पर पैसे की बर्बादी व अनावश्यक व्यय की भी द्योतक है ।

इस समय आप बढ़िया वस्त्र पहनेंगे जिनमें से कुछ खो भी सकते हैं । घर में चोरी के प्रति विशेष सतर्कता बरतें ।

यह समय दाम्पत्य सुख भोगने का भी है । यदि आप अविवाहित हैं तो विपरीत लिंग वाले व्यक्ति के साथ सुख भोग सकते हैं ।

मित्र आपके प्रति सहयोग व सहायता का रवैया अपनाएँगे व उनका व्यवहार अच्छा होगा ।

नुकीले तेज धार वाले शस्त्रों व संदेहात्मक व्यतियों से दूर रहें । यदि आप किसी भी प्रकार से कृषि उद्योग से जुड़े हुए हैं तो विशेष ध्यान रखें क्योंकि इस समय आपको हानि हो सकती है ।

जन्म चंद्रमा से बुध का द्वितीय भाव से गोचर (6 जून 2025 09:26:10 से 22 जून 2025 21:28:33)
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके द्वितीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह आर्थिक लाभ व आय में वृद्धि का द्योतक है । विशेष रुप से उनके लिए जो रत्न व्यवसाय से जुड़े हैं ।

इस समय सफलतापूर्वक कुछ नया सीखने से व ज्ञान अर्जित करने से आपको आनन्द का अनुभव होगा ।

इस काल में अच्छे व्यक्तियों का साथ मिलेगा और सुस्वादु बढ़िया भोजन करने के अवसर प्राप्त होंगे ।

यह सब कुछ होतें हुए भी कुछ लोगों के लिए यह विशेष समय कष्ट, समाज में बदनामी व शत्रुओं द्वारा हानि पहुँचाने का हो सकता है । इस काल में आप किसी सम्बन्धी व प्रिय मित्र को भी खो सकते हैं ।

जन्म चंद्रमा से मंगल का चतुर्थ भाव से गोचर (7 जून 2025 02:12:04 से 28 जुलाई 2025 19:59:34)
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह आपके जीवन के कुछ भागों में कठनाई उत्पन्न करेगा । आपमें से अधिकांश को पुराने शत्रुओं को नियंत्रित रखने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा । कुछ नए शत्रुओं से भिड़ने की भी संभावना है जो आपके परिवार व मित्रों की परिधि में ही होंगे । आपमें से कुछ की दुष्टजनों से मित्रता हो सकती है जिनके कारण बाद में कष्ट झेलने पड़ सकते हैं । अपने व्यवहार पर नजर रखें क्योंकि इस काल में यह क्रूर हो सकता है ।

फिर भी आपमें से कुछ का शत्रुओं से किसी प्रकार का समझौता हो जाएगा ।

स्वास्थ्य के प्रति अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि इस समय आपको ज्वर होने अथवा छाती में बेचैनी होने की संभावना है । आपमें से कुछ रक्त व पेट के रोगों से ग्रस्त हो सकते हैं ।

मानसिक रुप से आप चिन्तित रह सकते हैं तथा विषाद के दौर से गुजर सकते हैं ।

इस काल में रिश्ते आपसे विशेष अपेक्षा रखेंगे । अधिक दु:ख से बचने के लिए अपने परिवार व अन्य सम्बन्धियों से शान्तिपूर्ण व्यवहार रखें । अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा व सम्मान को किसी प्रकार की ठेस न लगने दें ।

इस समय भूमि व अन्य जायदाद सम्बन्धी मामलों से दूर ही रहें ।

जन्म चंद्रमा से सूर्य का द्वितीय भाव से गोचर (15 जून 2025 06:44:12 से 16 जुलाई 2025 17:32:08)
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके द्वितीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह समय आपके लिए धन सम्बन्धी चुन्नौतियों का है । इस दौरान आपको पूर्वाभास हो जाएगा कि व्यापार में अपेक्षित लाभ न होकर धन का ह्रास हो रहा है । यदि आप कृषि सम्बन्धी कार्य करते हैं तो उसमें भी कुछ हानि हो सकती है ।

इस समय अनेक प्रकार के प्रिय व निकट रहने वाले आक्रांत करते रहेंगे । आप अपने प्रिय व निकट रहने वाले व्यक्तियों के प्रति चिड़चिड़ेपन का व्यवहार करेंगे । आपके कार्य घटिया व नीचतापूर्ण हो सकते हैं । आप पाएंगे कि सदा आसानी से किए जाने वाले साधारण क्रियाकलापों को करने में भी आपको कठिनाई अनुभव हो रही है ।

नेत्रों के प्रति विशेष सावधानी बरतें । यह समय नेत्र सम्बन्धी समस्याओं का है । इन दिनों आप सिर दर्द से भी परेशान रह सकते हैं ।

जन्म चंद्रमा से बुध का तृतीय भाव से गोचर (22 जून 2025 21:28:33 से 30 अगस्त 2025 16:45:19)
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह आप व आपके अधिकारियों के बीच विषम स्थिति का सूचक है । आपको अपने से वरिष्ठ अधिकारी व अफसर से व्यवहार करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ सकती है । किसी भी ऐसे तर्क से जो विवादपूर्ण है अथवा गलतफहमी को जन्म दे, दूर रहें ।

जाने-पहचाने शत्रुओं से दूर रहें तथा अनजानों के प्रति सावधान रहें । फिर भी यह दौर आपको कुछ न व सुयोग्य मित्र भी दे सकता है जिनकी मित्रता जीवन की एक मूल्य निधि होगी । वित्त को सावधानीपूर्वक खर्च करें क्योंकि धन पर इस समय विशेष ध्यान की आवश्यकता है । धन हाथ से न निकल जाय इसके प्रति विशेष सावधानी बरतें ।

बुध की इस यात्रा में आप विषाद, पुराने तथ्यों को पुन: एकत्रित करने की परेशानी, मानसिक तनाव व प्रयासों में आई अप्रत्याशित रुकावट से कष्ट भोग सकते हैं ।

जन्म चंद्रमा से शुक्र का प्रथम भाव से गोचर (29 जून 2025 14:09:56 से 26 जुलाई 2025 08:56:43)
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके लिए भौतिक व ऐन्द्रिक भो विलास सुख का सूचक है । आप व्यक्तिगत जीवन में अनेक घटनाओं की आशा कर सकते हैं । यदि आप अविवाहित हैं तो आपको आदर्श साथी मिलेगा । आपमें से कुछ परिवार में ए कनए सदस्य के आने की आशा भी कर सकते हैं । सामाजिक रुप से नए लोगों से मिलने व विपरीत लिंग वालों का साथ पाने हेतु यह अच्छा समय है । समाज में आपको सम्मान मिलने व प्रतिष्ठा बढ़ने की संभावना है । आपको सुस्वादु देशी-विदेशी बढ़िया भोजन का आनन्द उठाने के ढ़ेर सारे अवसर मिलेंगे । इस दौरान जीवन को और ऐश्वर्ययुक्त व मादक बनाने हेतु आपको वस्तुएँ व अन्य उपकरण उपलब्ध होंगे । आप वस्त्र, सुगन्धियाँ (छत्रादि), सौंदर्य प्रसाधन व वाहन का भी आनन्द उठा सकते हैं ।

वित्तीय दृष्टि से यह समय निर्विघ्न है । आपकी आर्थिक दशा में भी सुधार होगा ।

यदि आप विद्यार्थी हैं तो ज्ञानोपार्जन के क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने हेतु यह उत्तम समय है ।

आप इस समय विशेष में शत्रुओं के विनाश की आशा कर सकते हैं । ऐसे किसी भी प्रभाव से बचें जो आपमें नकारात्मक आक्रोश जगाए ।

दशा फल

शनि महादशा: 1 नवम्बर 2016 से 1 नवम्बर 2035 तक

शनि महादशा फल

स्वाभाविक फल

सामान्य रूप से शनि की महादशा में निम्नलिखित फल होते हैं -
- शनि की महादशा में किसी श्रेणी के ग्राम, नगर के अधिकार अथवा समाज में प्रधानता प्राप्त होगी। अथवा किसी निम्न जाति का आधिपत्य मिल सकता है।
- विनय, बुद्धि एवं ज्ञान की वृद्धि, दान देने में रुचि और कला-कुशलता होगी।
- किसी प्राचीन स्थान की प्राप्ति से सुखी होंगे।
- धन, स्वर्ण, वस्त्र आदि से सम्पन्न तथा हाथी, घोड़े आदि चतुष्पादों (अर्थात वाहन) से शोभित होंगे।
- देवता आदि में भक्ति और देवालय आदि बनवाने की रुचि होगी।
- अपने कुल को उज्जवल करेंगे और कीर्त्ति, यश की वृद्धि होगी।
- परिवार का सुख, पराक्रम की वृद्धि, यात्राएं होती रहेंगी।
- जानवर ऊंट, गदहा, बकरी, पक्षी, वृद्धा स्त्री, मोटा अन्न आदि से लाभ की प्राप्ति होगी।

शनि समगृही होने से -
- शनि की महादशा में बुद्धि सामान्य, स्त्री, संतान से प्रेम, भाई और बन्धुजनों से वैमनस्य संभव है।
- शरीर में पीड़ा, क्षय तथा वात-पित्त-कोप जनित रोग हो सकते हैं।
- शनि की महादशा में बहुत सुख, सम्पत्ति और स्त्री-पुत्र आदि का लाभ तथा बन्धु जनों से प्रतिष्ठा होगी।
- शनि की महादशा में पराक्रम एवं साहस से कार्यों में सफलता प्राप्त होगी।
- सामान्य धन लाभ और चतुष्पाद की प्राप्ति, मन में उत्साह और सुख होगा।
- बन्धु वर्ग को अनिष्ट, संकट तथा मानसिक कष्ट हो सकता है।
- शनि की महादशा में शारीरिक दुर्बलता, ऑख, कान तथा छाती के रोग संभव हैं।
- स्त्री, पुत्र और मित्र आदि का सामान्य सुख एवं उनके कारण मन में चंचलता रहेगी।
- बन्धु वियोग, विपत्ति एवं दरिद्रता से कष्ट संभव है।
- कार्यक्षेत्र में संकट एवं अस्थिरता रहेगी।

शनि-शुक्र : 23 अगस्त 2023 से 23 अक्टूबर 2026 तक

शनि की महादशा में शुक्र की अन्तर्दशा का फल

शनि की महादशा में शुक्र की अन्तर्दशा में -
- शुभ-अशुभ मिश्रित फल प्राप्त होंगे।
- स्त्री संतान, आभूषण एवं धन की प्राप्ति, ग्राम अथवा देश में प्रसिद्धि होगी।
- कृषि आदि से सुख, बन्धुजनों से स्नेह, जनता से प्रीति, पुत्र से सुख, यश का प्रकाश और शत्रुओं का नाश होगा।
- राजा की कृपा, मनोभीष्ट सिद्धि, दान, धर्म, दया से युक्त, तीर्थ यात्रा आदि फल, शास्त्रार्थ, काव्य रचना, वेदान्त श्रवण, स्त्री पुत्र का सुख, छत्र तथा वाहन की प्राप्ति होगी।

शनि-शुक्र-चन्द्र : 30 अप्रैल 2024 से 4 अगस्त 2024 तक

शुक्र की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शुक्र की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में कन्या की उत्पत्ति, राजा से लाभ, वस्त्र आभूषणों की प्राप्ति, राज्याधिकार संभव है।

शनि-शुक्र-मंगल : 4 अगस्त 2024 से 11 अक्टूबर 2024 तक

शुक्र की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शुक्र की अन्तर्दशा में मंगल प्रत्यन्तर में रक्त पित्त सम्बन्धी रोग, झगड़ा, मारपीट तथा महाक्लेश होगा।

शनि-शुक्र-राहु : 11 अक्टूबर 2024 से 2 अप्रैल 2025 तक

शुक्र की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शुक्र की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर में स्त्रियों के साथ झगड़ा, अकस्मात् भयागम, राजा तथा शत्रु से कष्ट संभव है।

शनि-शुक्र-गुरु : 2 अप्रैल 2025 से 3 सितम्बर 2025 तक

शुक्र की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शुक्र की अन्तर्दशा में गुरु प्रतयन्तर में प्रचुरद्रव्य राज्य, वस्त्र, मोती, भूषण, हाथी, घोड़ा तथा स्थान की प्राप्ति होती है।

OUR
ASTRO SERVICES

Signature Reading

Numerology

Daily Horoscope

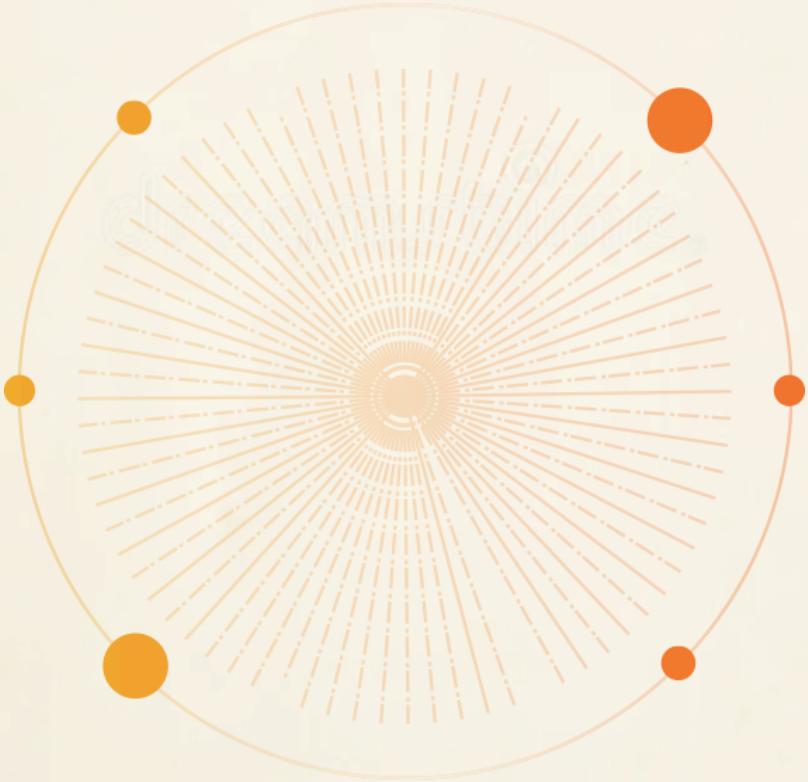

Janm-Kundli

Kundli Matching

Chat With Astrologer

Call With Astrologer

Rajyoga's

ASTROBUDDY

93%	1000+	1 lakh+
Accuracy Report	Top Astrologers of India	Happy Customers

धन्यवाद

अपनी कुंडली अंतर्दृष्टि के लिए एस्ट्रोबडी को चुनने के लिए धन्यवाद। हम आपके जीवन की रूपरेखा को समझने और आपकी आगे की यात्रा का मार्गदर्शन करने में आपकी सहायता करने के लिए सम्मानित महसूस कर रहे हैं।